

विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड १५ / १६ · Volume 15 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. कथा-संग्रह — मैथिली अकादेमी, पटना विदेह क्विज	१००० प्रश्न
२. क्विज: चित्रा — यात्री	१००० प्रश्न
३. पृथ्वीपुत्र — ललित विदेह क्विज	५०० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

0

१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- (C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (D) भारती पुस्तक केन्द्र

२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) हरिमोहन झा आ यात्री
- (B) विद्यापति आ चन्दा झा
- (C) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज

३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) एकांकी-संग्रह
- (B) भाषावैज्ञानिक कोश
- (C) कथा-संकलन
- (D) महाकाव्य

४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (D) लेखकक नाम छोड़ि देब

५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (B) केवल व्याकरण-पाठ
- (C) केवल लोकगीत-पाठ
- (D) केवल लिपि-अभ्यास

६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) एके कविताक पाठ
- (B) केवल शब्दार्थ-संग्रह
- (C) केवल शास्त्रीय छन्द
- (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय

७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) दैनिक समाचार
- (B) केवल खेल-रिपोर्ट
- (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (D) बाजारू विज्ञापन

८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) केवल संगीत-स्वर
- (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव
- (C) केवल गणितीय गणना
- (D) केवल मानचित्र-रेखांकन

९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (B) स्रोतक नाम हटायब
- (C) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (D) शीर्षक बदलि देब

१०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि?

- (A) सभ कथाकेँ एके लेखकक मानब
- (B) विधा-भेद समाप्त करब
- (C) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब

११. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ११?

- (A) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (B) भारती पुस्तक केन्द्र
- (C) मैथिली अकादेमी, पटना
- (D) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

१२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १२?

- (A) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज
- (C) हरिमोहन झा आ यात्री
- (D) विद्यापति आ चन्दा झा

१३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १३?

- (A) कथा-संकलन
- (B) महाकाव्य
- (C) एकांकी-संग्रह
- (D) भाषावैज्ञानिक कोश

१४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १४?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (B) लेखकक नाम छोड़ि देब
- (C) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना

१५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १५?

- (A) केवल लोकगीत-पाठ
- (B) केवल लिपि-अभ्यास
- (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (D) केवल व्याकरण-पाठ

१६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १६?

- (A) केवल शास्त्रीय छन्द
- (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय
- (C) एके कविताक पाठ
- (D) केवल शब्दार्थ-संग्रह

१७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १७?

- (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (B) बाजारू विज्ञापन
- (C) दैनिक समाचार
- (D) केवल खेल-रिपोर्ट

१८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १८?

- (A) केवल गणितीय गणना
- (B) केवल मानचित्र-रेखांकन
- (C) केवल संगीत-स्वर
- (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव

१९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १९?

- (A) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (B) शीर्षक बदलि देब
- (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (D) स्रोतक नाम हटायब

२०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २०?

- (A) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब
- (C) सभ कथाकँ एके लेखकक मानब
- (D) विधा-भेद समाप्त करब

२१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २१?

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- (C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (D) भारती पुस्तक केन्द्र

२२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २२?

- (A) हरिमोहन झा आ यात्री
- (B) विद्यापति आ चन्दा झा
- (C) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज

२३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २३?

- (A) एकांकी-संग्रह
- (B) भाषावैज्ञानिक कोश
- (C) कथा-संकलन
- (D) महाकाव्य

२४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २४?

- (A) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (D) लेखकक नाम छोड़ि देब

२५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २५?

- (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (B) केवल व्याकरण-पाठ
- (C) केवल लोकगीत-पाठ
- (D) केवल लिपि-अभ्यास

२६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २६?

- (A) एके कविताक पाठ
- (B) केवल शब्दार्थ-संग्रह
- (C) केवल शास्त्रीय छन्द
- (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय

२७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २७?

- (A) दैनिक समाचार
- (B) केवल खेल-रिपोर्ट
- (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (D) बाजारू विज्ञापन

२८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २८?

- (A) केवल संगीत-स्वर
- (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव
- (C) केवल गणितीय गणना
- (D) केवल मानचित्र-रेखांकन

२९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास २९?

- (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (B) स्रोतक नाम हटायब
- (C) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (D) शीर्षक बदलि देब

३०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३०?

- (A) सभ कथाकेँ एके लेखकक मानब
- (B) विधा-भेद समाप्त करब
- (C) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब

३१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३१?

- (A) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (B) भारती पुस्तक केन्द्र
- (C) मैथिली अकादेमी, पटना
- (D) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

३२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३२?

- (A) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज
- (C) हरिमोहन झा आ यात्री
- (D) विद्यापति आ चन्दा झा

३३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३३?

- (A) कथा-संकलन
- (B) महाकाव्य
- (C) एकांकी-संग्रह
- (D) भाषावैज्ञानिक कोश

३४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३४?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (B) लेखकक नाम छोड़ि देब
- (C) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना

३५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३५?

- (A) केवल लोकगीत-पाठ
- (B) केवल लिपि-अभ्यास
- (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (D) केवल व्याकरण-पाठ

३६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३६?

- (A) केवल शास्त्रीय छन्द
- (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय
- (C) एके कविताक पाठ
- (D) केवल शब्दार्थ-संग्रह

३७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३७?

- (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (B) बाजारू विज्ञापन
- (C) दैनिक समाचार
- (D) केवल खेल-रिपोर्ट

३८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३८?

- (A) केवल गणितीय गणना
- (B) केवल मानचित्र-रेखांकन
- (C) केवल संगीत-स्वर
- (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव

३९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ३९?

- (A) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (B) शीर्षक बदलि देब
- (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (D) स्रोतक नाम हटायब

४०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४०?

- (A) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब
- (C) सभ कथाकेँ एके लेखकक मानब
- (D) विधा-भेद समाप्त करब

४१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४१?

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- (C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (D) भारती पुस्तक केन्द्र

४२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४२?

- (A) हरिमोहन झा आ यात्री
- (B) विद्यापति आ चन्दा झा
- (C) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज

४३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४३?

- (A) एकांकी-संग्रह
- (B) भाषावैज्ञानिक कोश
- (C) कथा-संकलन
- (D) महाकाव्य

४४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४४?

- (A) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (D) लेखकक नाम छोड़ि देब

४५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४५?

- (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (B) केवल व्याकरण-पाठ
- (C) केवल लोकगीत-पाठ
- (D) केवल लिपि-अभ्यास

४६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४६?

- (A) एके कविताक पाठ
- (B) केवल शब्दार्थ-संग्रह
- (C) केवल शास्त्रीय छन्द
- (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठांम परिचय

४७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४७?

- (A) दैनिक समाचार
- (B) केवल खेल-रिपोर्ट
- (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (D) बाजारू विज्ञापन

४८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४८?

- (A) केवल संगीत-स्वर
- (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव
- (C) केवल गणितीय गणना
- (D) केवल मानचित्र-रेखांकन

४९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ४९?

- (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (B) स्रोतक नाम हटायब
- (C) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (D) शीर्षक बदलि देब

५०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५०?

- (A) सभ कथाकेँ एके लेखकक मानब
- (B) विधा-भेद समाप्त करब
- (C) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब

५१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५१?

- (A) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (B) भारती पुस्तक केन्द्र
- (C) मैथिली अकादेमी, पटना
- (D) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

५२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५२?

- (A) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज
- (C) हरिमोहन झा आ यात्री
- (D) विद्यापति आ चन्दा झा

५३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५३?

- (A) कथा-संकलन
- (B) महाकाव्य
- (C) एकांकी-संग्रह
- (D) भाषावैज्ञानिक कोश

५४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५४?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (B) लेखकक नाम छोड़ि देब
- (C) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना

५५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५५?

- (A) केवल लोकगीत-पाठ
- (B) केवल लिपि-अभ्यास
- (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (D) केवल व्याकरण-पाठ

५६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५६?

- (A) केवल शास्त्रीय छन्द
- (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय
- (C) एके कविताक पाठ
- (D) केवल शब्दार्थ-संग्रह

५७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५७?

- (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (B) बाजारू विज्ञापन
- (C) दैनिक समाचार
- (D) केवल खेल-रिपोर्ट

५८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५८?

- (A) केवल गणितीय गणना
- (B) केवल मानचित्र-रेखांकन
- (C) केवल संगीत-स्वर
- (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव

५९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ५९?

- (A) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (B) शीर्षक बदलि देब
- (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (D) स्रोतक नाम हटायब

६०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६०?

- (A) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब
- (C) सभ कथाकँ एके लेखकक मानब
- (D) विधा-भेद समाप्त करब

६१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६१?

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- (C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (D) भारती पुस्तक केन्द्र

६२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६२?

- (A) हरिमोहन झा आ यात्री
- (B) विद्यापति आ चन्दा झा
- (C) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज

६३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६३?

- (A) एकांकी-संग्रह
- (B) भाषावैज्ञानिक कोश
- (C) कथा-संकलन
- (D) महाकाव्य

६४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६४?

- (A) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (D) लेखकक नाम छोड़ि देब

६५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६५?

- (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (B) केवल व्याकरण-पाठ
- (C) केवल लोकगीत-पाठ
- (D) केवल लिपि-अभ्यास

६६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६६?

- (A) एके कविताक पाठ
- (B) केवल शब्दार्थ-संग्रह
- (C) केवल शास्त्रीय छन्द
- (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठांम परिचय

६७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६७?

- (A) दैनिक समाचार
- (B) केवल खेल-रिपोर्ट
- (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (D) बाजारू विज्ञापन

६८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६८?

- (A) केवल संगीत-स्वर
- (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव
- (C) केवल गणितीय गणना
- (D) केवल मानचित्र-रेखांकन

६९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ६९?

- (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (B) स्रोतक नाम हटायब
- (C) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (D) शीर्षक बदलि देब

७०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७०?

- (A) सभ कथाकेँ एके लेखकक मानब
- (B) विधा-भेद समाप्त करब
- (C) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब

७१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७१?

- (A) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (B) भारती पुस्तक केन्द्र
- (C) मैथिली अकादेमी, पटना
- (D) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

७२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७२?

- (A) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज
- (C) हरिमोहन झा आ यात्री
- (D) विद्यापति आ चन्दा झा

७३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७३?

- (A) कथा-संकलन
- (B) महाकाव्य
- (C) एकांकी-संग्रह
- (D) भाषावैज्ञानिक कोश

७४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७४?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (B) लेखकक नाम छोड़ि देब
- (C) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना

७५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७५?

- (A) केवल लोकगीत-पाठ
- (B) केवल लिपि-अभ्यास
- (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (D) केवल व्याकरण-पाठ

७६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७६?

- (A) केवल शास्त्रीय छन्द
- (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय
- (C) एके कविताक पाठ
- (D) केवल शब्दार्थ-संग्रह

७७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७७?

- (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (B) बाजारू विज्ञापन
- (C) दैनिक समाचार
- (D) केवल खेल-रिपोर्ट

७८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७८?

- (A) केवल गणितीय गणना
- (B) केवल मानचित्र-रेखांकन
- (C) केवल संगीत-स्वर
- (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव

७९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ७९?

- (A) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (B) शीर्षक बदलि देब
- (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (D) स्रोतक नाम हटायब

८०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८०?

- (A) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब
- (C) सभ कथाकेँ एके लेखकक मानब
- (D) विधा-भेद समाप्त करब

८१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८१?

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- (C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (D) भारती पुस्तक केन्द्र

८२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८२?

- (A) हरिमोहन झा आ यात्री
- (B) विद्यापति आ चन्दा झा
- (C) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज

८३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८३?

- (A) एकांकी-संग्रह
- (B) भाषावैज्ञानिक कोश
- (C) कथा-संकलन
- (D) महाकाव्य

८४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८४?

- (A) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (D) लेखकक नाम छोड़ि देब

८५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८५?

- (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (B) केवल व्याकरण-पाठ
- (C) केवल लोकगीत-पाठ
- (D) केवल लिपि-अभ्यास

८६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८६?

- (A) एके कविताक पाठ
- (B) केवल शब्दार्थ-संग्रह
- (C) केवल शास्त्रीय छन्द
- (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठांम परिचय

८७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८७?

- (A) दैनिक समाचार
- (B) केवल खेल-रिपोर्ट
- (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (D) बाजारू विज्ञापन

८८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८८?

- (A) केवल संगीत-स्वर
- (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव
- (C) केवल गणितीय गणना
- (D) केवल मानचित्र-रेखांकन

८९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ८९?

- (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (B) स्रोतक नाम हटायब
- (C) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (D) शीर्षक बदलि देब

९०. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९०?

- (A) सभ कथाकेँ एके लेखकक मानब
- (B) विधा-भेद समाप्त करब
- (C) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब

९१. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक प्रकाशक सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९१?

- (A) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
- (B) भारती पुस्तक केन्द्र
- (C) मैथिली अकादेमी, पटना
- (D) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

९२. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक संपादन-सन्दर्भ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९२?

- (A) ज्योतिरीश्वर आ उमापति
- (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज
- (C) हरिमोहन झा आ यात्री
- (D) विद्यापति आ चन्दा झा

९३. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक विधागत रूप सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९३?

- (A) कथा-संकलन
- (B) महाकाव्य
- (C) एकांकी-संग्रह
- (D) भाषावैज्ञानिक कोश

९४. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक अध्ययन-पद्धति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९४?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या याद करब
- (B) लेखकक नाम छोड़ि देब
- (C) कथा नै पढ़ि केवल शीर्षक रटब
- (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना

९५. कथा-संग्रहक अध्ययनमे पाठ्यक्रममे कथा-संग्रहक स्थिति सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९५?

- (A) केवल लोकगीत-पाठ
- (B) केवल लिपि-अभ्यास
- (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ
- (D) केवल व्याकरण-पाठ

९६. कथा-संग्रहक अध्ययनमे संकलन-पाठक मुख्य लाभ सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९६?

- (A) केवल शास्त्रीय छन्द
- (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय
- (C) एके कविताक पाठ
- (D) केवल शब्दार्थ-संग्रह

९७. कथा-संग्रहक अध्ययनमे मैथिली अकादेमीक प्रकाशनक महत्त्व सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९७?

- (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण
- (B) बाजारू विज्ञापन
- (C) दैनिक समाचार
- (D) केवल खेल-रिपोर्ट

९८. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक परीक्षा-मूल्य सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९८?

- (A) केवल गणितीय गणना
- (B) केवल मानचित्र-रेखांकन
- (C) केवल संगीत-स्वर
- (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव

९९. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संग्रहक पाठक लेल पहिल काज सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास ९९?

- (A) केवल आखिरी पृष्ठ पढ़ब
- (B) शीर्षक बदलि देब
- (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब
- (D) स्रोतक नाम हटायब

१००. कथा-संग्रहक अध्ययनमे कथा-संकलनक आलोचनात्मक उपयोग सम्बन्धी सही बात की अछि — अभ्यास १००?

- (A) कथानक छोड़ि केवल छन्द देखब
- (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब
- (C) सभ कथाकेँ एके लेखकक मानब
- (D) विधा-भेद समाप्त करब

1

१०१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि?

- (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
- (B) केवल राजकीय आदेश
- (C) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (D) केवल छन्द-सूची

१०२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि?

- (A) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
- (B) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि
- (C) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
- (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि

१०३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि?

- (A) काव्य-छन्द गिनब
- (B) केवल शब्द-कोश बनायब
- (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
- (D) असंभव घटना मात्र लिखब

१०४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि?

- (A) वर्णमाला-अभ्यास
- (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि
- (C) मात्र पौराणिक अनुकरण
- (D) केवल सूत्रात्मक उपदेश

१०५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि?

- (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
- (B) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि
- (C) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
- (D) दुनूमे कोनो भेद नहि

१०६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि?

- (A) मुद्रणक पूर्ण निषेध
- (B) केवल संस्कृत भाषण
- (C) कोनो श्रोता नहि
- (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध

१०७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि?

- (A) केवल अमूर्त गणना
- (B) विषयहीन पंक्ति
- (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (D) असंबद्ध विदेशी नकल

१०८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि?

- (A) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि
- (C) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (D) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि

१०९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि?

- (A) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
- (B) केवल नाम-सूची याद करब
- (C) पात्रकेँ नष्ट करब
- (D) कथानकमे अर्थ नै राखब

११०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि?

- (A) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (B) सभ कथा छोड़ि देब
- (C) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
- (D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब

१११. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १११?

- (A) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (B) केवल छन्द-सूची
- (C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
- (D) केवल राजकीय आदेश

११२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास ११२?

- (A) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
- (B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि
- (C) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
- (D) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि

११३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास ११३?

- (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
- (B) असंभव घटना मात्र लिखब
- (C) काव्य-छन्द गिनब
- (D) केवल शब्द-कोश बनायब

११४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास ११४?

- (A) मात्र पौराणिक अनुकरण
- (B) केवल सूत्रात्मक उपदेश
- (C) वर्णमाला-अभ्यास
- (D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि

११५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास ११५?

- (A) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
- (B) दुनूमे कोनो भेद नहि
- (C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
- (D) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि

११६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास ११६?

- (A) कोनो श्रोता नहि
- (B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध
- (C) मुद्रणक पूर्ण निषेध
- (D) केवल संस्कृत भाषण

११७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास ११७?

- (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (B) असंबद्ध विदेशी नकल
- (C) केवल अमूर्त गणना
- (D) विषयहीन पंक्ति

११८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास ११८?

- (A) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (B) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि
- (C) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि

११९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास ११९?

- (A) पात्रकेँ नष्ट करब
- (B) कथानकमे अर्थ नै राखब
- (C) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
- (D) केवल नाम-सूची याद करब

१२०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२०?

- (A) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
- (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब
- (C) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (D) सभ कथा छोड़ि देब

१२१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२१?

- (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
- (B) केवल राजकीय आदेश
- (C) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (D) केवल छन्द-सूची

१२२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२२?

- (A) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
- (B) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि
- (C) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
- (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि

१२३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२३?

- (A) काव्य-छन्द गिनब
- (B) केवल शब्द-कोश बनायब
- (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
- (D) असंभव घटना मात्र लिखब

१२४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२४?

- (A) वर्णमाला-अभ्यास
- (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि
- (C) मात्र पौराणिक अनुकरण
- (D) केवल सूत्रात्मक उपदेश

१२५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२५?

- (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
- (B) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि
- (C) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
- (D) दुनूमे कोनो भेद नहि

१२६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२६?

- (A) मुद्रणक पूर्ण निषेध
- (B) केवल संस्कृत भाषण
- (C) कोनो श्रोता नहि
- (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध

१२७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२७?

- (A) केवल अमूर्त गणना
- (B) विषयहीन पंक्ति
- (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (D) असंबद्ध विदेशी नकल

१२८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२८?

- (A) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि
- (C) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (D) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि

१२९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १२९?
- (A) जीवनक प्रश्नकें कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
(B) केवल नाम-सूची याद करब
(C) पात्रकें नष्ट करब
(D) कथानकमे अर्थ नै राखब
१३०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३०?
- (A) केवल मुखपृष्ठ देखब
(B) सभ कथा छोड़ि देब
(C) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
(D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब
१३१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३१?
- (A) केवल वैज्ञानिक सूत्र
(B) केवल छन्द-सूची
(C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
(D) केवल राजकीय आदेश
१३२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३२?
- (A) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
(B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि
(C) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
(D) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि
१३३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३३?
- (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
(B) असंभव घटना मात्र लिखब
(C) काव्य-छन्द गिनब
(D) केवल शब्द-कोश बनायब
१३४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३४?
- (A) मात्र पौराणिक अनुकरण
(B) केवल सूत्रात्मक उपदेश
(C) वर्णमाला-अभ्यास
(D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि
१३५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३५?
- (A) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
(B) दुनूमे कोनो भेद नहि
(C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
(D) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि
१३६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३६?
- (A) कोनो श्रोता नहि
(B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध
(C) मुद्रणक पूर्ण निषेध
(D) केवल संस्कृत भाषण

१३७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३७?
- (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
(B) असंबद्ध विदेशी नकल
(C) केवल अमूर्त गणना
(D) विषयहीन पंक्ति
१३८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३८?
- (A) परम्परा सदियन रुकि जाइत अछि
(B) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि
(C) कथा मे समाजक स्थान नहि
(D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि
१३९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १३९?
- (A) पात्रकें नष्ट करब
(B) कथानकमे अर्थ नै राखब
(C) जीवनक प्रश्नकें कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
(D) केवल नाम-सूची याद करब
१४०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४०?
- (A) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
(B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब
(C) केवल मुखपृष्ठ देखब
(D) सभ कथा छोड़ि देब
१४१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४१?
- (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
(B) केवल राजकीय आदेश
(C) केवल वैज्ञानिक सूत्र
(D) केवल छन्द-सूची
१४२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४२?
- (A) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
(B) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि
(C) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
(D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि
१४३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४३?
- (A) काव्य-छन्द गिनब
(B) केवल शब्द-कोश बनायब
(C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
(D) असंभव घटना मात्र लिखब
१४४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४४?
- (A) वर्णमाला-अभ्यास
(B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि
(C) मात्र पौराणिक अनुकरण
(D) केवल सूत्रात्मक उपदेश

१४५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४५?

- (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
- (B) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि
- (C) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
- (D) दुनूमे कोनो भेद नहि

१४६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४६?

- (A) मुद्रणक पूर्ण निषेध
- (B) केवल संस्कृत भाषण
- (C) कोनो श्रोता नहि
- (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध

१४७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४७?

- (A) केवल अमूर्त गणना
- (B) विषयहीन पंक्ति
- (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (D) असंबद्ध विदेशी नकल

१४८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४८?

- (A) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि
- (C) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (D) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि

१४९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १४९?

- (A) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
- (B) केवल नाम-सूची याद करब
- (C) पात्रकेँ नष्ट करब
- (D) कथानकमे अर्थ नै राखब

१५०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५०?

- (A) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (B) सभ कथा छोड़ि देब
- (C) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
- (D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब

१५१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५१?

- (A) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (B) केवल छन्द-सूची
- (C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
- (D) केवल राजकीय आदेश

१५२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५२?

- (A) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
- (B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि
- (C) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
- (D) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि

१५३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५३?

- (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
- (B) असंभव घटना मात्र लिखब
- (C) काव्य-छन्द गिनब
- (D) केवल शब्द-कोश बनायब

१५४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५४?

- (A) मात्र पौराणिक अनुकरण
- (B) केवल सूत्रात्मक उपदेश
- (C) वर्णमाला-अभ्यास
- (D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि

१५५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५५?

- (A) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
- (B) दुनूमे कोनो भेद नहि
- (C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
- (D) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि

१५६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५६?

- (A) कोनो श्रोता नहि
- (B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध
- (C) मुद्रणक पूर्ण निषेध
- (D) केवल संस्कृत भाषण

१५७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५७?

- (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (B) असंबद्ध विदेशी नकल
- (C) केवल अमूर्त गणना
- (D) विषयहीन पंक्ति

१५८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५८?

- (A) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (B) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि
- (C) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि

१५९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १५९?

- (A) पात्रकेँ नष्ट करब
- (B) कथानकमे अर्थ नै राखब
- (C) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
- (D) केवल नाम-सूची याद करब

१६०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६०?

- (A) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
- (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब
- (C) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (D) सभ कथा छोड़ि देब

१६१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६१?

- (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
- (B) केवल राजकीय आदेश
- (C) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (D) केवल छन्द-सूची

१६२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६२?

- (A) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
- (B) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि
- (C) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
- (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि

१६३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६३?

- (A) काव्य-छन्द गिनब
- (B) केवल शब्द-कोश बनायब
- (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
- (D) असंभव घटना मात्र लिखब

१६४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६४?

- (A) वर्णमाला-अभ्यास
- (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि
- (C) मात्र पौराणिक अनुकरण
- (D) केवल सूत्रात्मक उपदेश

१६५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६५?

- (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
- (B) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि
- (C) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
- (D) दुनूमे कोनो भेद नहि

१६६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६६?

- (A) मुद्रणक पूर्ण निषेध
- (B) केवल संस्कृत भाषण
- (C) कोनो श्रोता नहि
- (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध

१६७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६७?

- (A) केवल अमूर्त गणना
- (B) विषयहीन पंक्ति
- (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (D) असंबद्ध विदेशी नकल

१६८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६८?

- (A) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि
- (C) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (D) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि

१६९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १६९?
- (A) जीवनक प्रश्नकें कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
(B) केवल नाम-सूची याद करब
(C) पात्रकें नष्ट करब
(D) कथानकमे अर्थ नै राखब
१७०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७०?
- (A) केवल मुखपृष्ठ देखब
(B) सभ कथा छोड़ि देब
(C) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
(D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब
१७१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७१?
- (A) केवल वैज्ञानिक सूत्र
(B) केवल छन्द-सूची
(C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
(D) केवल राजकीय आदेश
१७२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७२?
- (A) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
(B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि
(C) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
(D) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि
१७३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७३?
- (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
(B) असंभव घटना मात्र लिखब
(C) काव्य-छन्द गिनब
(D) केवल शब्द-कोश बनायब
१७४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७४?
- (A) मात्र पौराणिक अनुकरण
(B) केवल सूत्रात्मक उपदेश
(C) वर्णमाला-अभ्यास
(D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि
१७५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७५?
- (A) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
(B) दुनूमे कोनो भेद नहि
(C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
(D) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि
१७६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७६?
- (A) कोनो श्रोता नहि
(B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध
(C) मुद्रणक पूर्ण निषेध
(D) केवल संस्कृत भाषण

१७७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७७?

- (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (B) असंबद्ध विदेशी नकल
- (C) केवल अमूर्त गणना
- (D) विषयहीन पंक्ति

१७८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७८?

- (A) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (B) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि
- (C) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि

१७९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १७९?

- (A) पात्रकें नष्ट करब
- (B) कथानकमे अर्थ नै राखब
- (C) जीवनक प्रश्नकें कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
- (D) केवल नाम-सूची याद करब

१८०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८०?

- (A) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
- (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब
- (C) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (D) सभ कथा छोड़ि देब

१८१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८१?

- (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
- (B) केवल राजकीय आदेश
- (C) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (D) केवल छन्द-सूची

१८२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८२?

- (A) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
- (B) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि
- (C) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
- (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि

१८३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८३?

- (A) काव्य-छन्द गिनब
- (B) केवल शब्द-कोश बनायब
- (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
- (D) असंभव घटना मात्र लिखब

१८४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८४?

- (A) वर्णमाला-अभ्यास
- (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि
- (C) मात्र पौराणिक अनुकरण
- (D) केवल सूत्रात्मक उपदेश

१८५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८५?

- (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
- (B) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि
- (C) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
- (D) दुनूमे कोनो भेद नहि

१८६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८६?

- (A) मुद्रणक पूर्ण निषेध
- (B) केवल संस्कृत भाषण
- (C) कोनो श्रोता नहि
- (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध

१८७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८७?

- (A) केवल अमूर्त गणना
- (B) विषयहीन पंक्ति
- (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (D) असंबद्ध विदेशी नकल

१८८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८८?

- (A) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि
- (C) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (D) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि

१८९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १८९?

- (A) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
- (B) केवल नाम-सूची याद करब
- (C) पात्रकेँ नष्ट करब
- (D) कथानकमे अर्थ नै राखब

१९०. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९०?

- (A) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (B) सभ कथा छोड़ि देब
- (C) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
- (D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब

१९१. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथाक मूल पृष्ठभूमि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९१?

- (A) केवल वैज्ञानिक सूत्र
- (B) केवल छन्द-सूची
- (C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा
- (D) केवल राजकीय आदेश

१९२. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: आधुनिक कथा आ लोककथाक सम्बन्ध की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९२?

- (A) लोककथा केवल व्याकरण होइत अछि
- (B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि
- (C) दुनू पूर्णतः असंबद्ध अछि
- (D) आधुनिक कथा मे समाज नहि रहैत अछि

१९३. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे यथार्थवाद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९३?

- (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब
- (B) असंभव घटना मात्र लिखब
- (C) काव्य-छन्द गिनब
- (D) केवल शब्द-कोश बनायब

१९४. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-विधाक आधुनिकता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९४?

- (A) मात्र पौराणिक अनुकरण
- (B) केवल सूत्रात्मक उपदेश
- (C) वर्णमाला-अभ्यास
- (D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि

१९५. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा आ उपन्यासक मूल भेद की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९५?

- (A) उपन्यासमे पात्र नहि होइत अछि
- (B) दुनूमे कोनो भेद नहि
- (C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित
- (D) कथा सदिखन हजार पृष्ठक होइत अछि

१९६. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मौखिक कथनक विशेषता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९६?

- (A) कोनो श्रोता नहि
- (B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध
- (C) मुद्रणक पूर्ण निषेध
- (D) केवल संस्कृत भाषण

१९७. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: मैथिली कथामे क्षेत्रीयता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९७?

- (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार
- (B) असंबद्ध विदेशी नकल
- (C) केवल अमूर्त गणना
- (D) विषयहीन पंक्ति

१९८. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा परम्पराक निरन्तरता की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९८?

- (A) परम्परा सदिखन रुकि जाइत अछि
- (B) नब कथा पुरानक विरोध मात्र अछि
- (C) कथा मे समाजक स्थान नहि
- (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि

१९९. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथाकारक समाज-दृष्टि की सूचित करैत अछि — अभ्यास १९९?

- (A) पात्रकेँ नष्ट करब
- (B) कथानकमे अर्थ नै राखब
- (C) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता
- (D) केवल नाम-सूची याद करब

२००. मैथिली कथा-परम्परा सम्बन्धी कथनमे सही विकल्प चुनू: कथा-संग्रहमे परम्परा पढ़बाक तरीका की सूचित करैत अछि — अभ्यास २००?

- (A) एके उत्तर सभ ठाम लिखब
- (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब
- (C) केवल मुखपृष्ठ देखब
- (D) सभ कथा छोड़ि देब

२०१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि?

- (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (D) केवल छपाइ-रंग

२०२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल स्थान-सूची
- (B) छन्द-गणना मात्र
- (C) अक्षरक आकार
- (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति

२०३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि?

- (A) पृष्ठक मोटाइ
- (B) तालवाद्यक प्रकार
- (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (D) मुद्रणालयक पता

२०४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल चित्र
- (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल सूची

२०५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि?

- (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (B) सामान्य गिनती
- (C) कागजक मूल्य
- (D) मात्र नाम

२०६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि?

- (A) सादा सूचना मात्र
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) अक्षर-अभ्यास
- (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत

२०७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि?

- (A) संगीतक ताल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर
- (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (D) आरम्भक पृष्ठ-संख्या

२०८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि?

- (A) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प
- (C) केवल भविष्यवाणी
- (D) रेखाचित्रक माप

२०९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि?

- (A) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (B) ग्रन्थक मूल्य मात्र
- (C) मुद्रकक पता मात्र
- (D) कागजक रंग मात्र

२१०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल अनुक्रमणिका
- (B) नामक गिनती
- (C) संगीत-स्वर
- (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण

२११. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २११?

- (A) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (B) केवल छपाइ-रंग
- (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (D) केवल पुस्तकक आकार

२१२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २१२?

- (A) अक्षरक आकार
- (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति
- (C) केवल स्थान-सूची
- (D) छन्द-गणना मात्र

२१३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २१३?

- (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (B) मुद्रणालयक पता
- (C) पृष्ठक मोटाइ
- (D) तालवाद्यक प्रकार

२१४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २१४?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल सूची
- (C) केवल चित्र
- (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब

२१५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २१५?

- (A) कागजक मूल्य
- (B) मात्र नाम
- (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (D) सामान्य गिनती

२१६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २१६?

- (A) अक्षर-अभ्यास
- (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत
- (C) सादा सूचना मात्र
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

२१७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २१७?

- (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (B) आरम्भक पृष्ठ-संख्या
- (C) संगीतक ताल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर

२१८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २१८?

- (A) केवल भविष्यवाणी
- (B) रेखाचित्रक माप
- (C) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प

२१९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २१९?

- (A) मुद्रकक पता मात्र
- (B) कागजक रंग मात्र
- (C) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (D) ग्रन्थक मूल्य मात्र

२२०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२०?

- (A) संगीत-स्वर
- (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण
- (C) केवल अनुक्रमणिका
- (D) नामक गिनती

२२१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२१?

- (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (D) केवल छपाइ-रंग

२२२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२२?

- (A) केवल स्थान-सूची
- (B) छन्द-गणना मात्र
- (C) अक्षरक आकार
- (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति

२२३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२३?

- (A) पृष्ठक मोटाइ
- (B) तालवाद्यक प्रकार
- (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (D) मुद्रणालयक पता

२२४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२४?

- (A) केवल चित्र
- (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल सूची

२२५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२५?

- (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (B) सामान्य गिनती
- (C) कागजक मूल्य
- (D) मात्र नाम

२२६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२६?

- (A) सादा सूचना मात्र
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) अक्षर-अभ्यास
- (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत

२२७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२७?

- (A) संगीतक ताल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर
- (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (D) आरम्भक पृष्ठ-संख्या

२२८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२८?

- (A) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प
- (C) केवल भविष्यवाणी
- (D) रेखाचित्रक माप

२२९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २२९?

- (A) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (B) ग्रन्थक मूल्य मात्र
- (C) मुद्रकक पता मात्र
- (D) कागजक रंग मात्र

२३०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३०?

- (A) केवल अनुक्रमणिका
- (B) नामक गिनती
- (C) संगीत-स्वर
- (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण

२३१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३१?

- (A) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (B) केवल छपाइ-रंग
- (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (D) केवल पुस्तकक आकार

२३२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३२?

- (A) अक्षरक आकार
- (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति
- (C) केवल स्थान-सूची
- (D) छन्द-गणना मात्र

२३३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३३?

- (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (B) मुद्रणालयक पता
- (C) पृष्ठक मोटाइ
- (D) तालवाद्यक प्रकार

२३४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३४?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल सूची
- (C) केवल चित्र
- (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब

२३५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३५?

- (A) कागजक मूल्य
- (B) मात्र नाम
- (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (D) सामान्य गिनती

२३६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३६?

- (A) अक्षर-अभ्यास
- (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत
- (C) सादा सूचना मात्र
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

२३७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३७?

- (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (B) आरम्भक पृष्ठ-संख्या
- (C) संगीतक ताल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर

२३८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३८?

- (A) केवल भविष्यवाणी
- (B) रेखाचित्रक माप
- (C) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प

२३९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २३९?

- (A) मुद्रकक पता मात्र
- (B) कागजक रंग मात्र
- (C) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (D) ग्रन्थक मूल्य मात्र

२४०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४०?

- (A) संगीत-स्वर
- (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण
- (C) केवल अनुक्रमणिका
- (D) नामक गिनती

२४१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४१?

- (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (D) केवल छपाइ-रंग

२४२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४२?

- (A) केवल स्थान-सूची
- (B) छन्द-गणना मात्र
- (C) अक्षरक आकार
- (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति

२४३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४३?

- (A) पृष्ठक मोटाइ
- (B) तालवाद्यक प्रकार
- (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (D) मुद्रणालयक पता

२४४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४४?

- (A) केवल चित्र
- (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल सूची

२४५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४५?

- (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (B) सामान्य गिनती
- (C) कागजक मूल्य
- (D) मात्र नाम

२४६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४६?

- (A) सादा सूचना मात्र
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) अक्षर-अभ्यास
- (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत

२४७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४७?

- (A) संगीतक ताल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर
- (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (D) आरम्भक पृष्ठ-संख्या

२४८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४८?

- (A) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प
- (C) केवल भविष्यवाणी
- (D) रेखाचित्रक माप

२४९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २४९?

- (A) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (B) ग्रन्थक मूल्य मात्र
- (C) मुद्रकक पता मात्र
- (D) कागजक रंग मात्र

२५०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५०?

- (A) केवल अनुक्रमणिका
- (B) नामक गिनती
- (C) संगीत-स्वर
- (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण

२५१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५१?

- (A) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (B) केवल छपाइ-रंग
- (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (D) केवल पुस्तकक आकार

२५२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५२?

- (A) अक्षरक आकार
- (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति
- (C) केवल स्थान-सूची
- (D) छन्द-गणना मात्र

२५३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५३?

- (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (B) मुद्रणालयक पता
- (C) पृष्ठक मोटाइ
- (D) तालवाद्यक प्रकार

२५४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५४?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल सूची
- (C) केवल चित्र
- (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब

२५५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५५?

- (A) कागजक मूल्य
- (B) मात्र नाम
- (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (D) सामान्य गिनती

२५६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५६?

- (A) अक्षर-अभ्यास
- (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत
- (C) सादा सूचना मात्र
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

२५७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५७?

- (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (B) आरम्भक पृष्ठ-संख्या
- (C) संगीतक ताल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर

२५८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५८?

- (A) केवल भविष्यवाणी
- (B) रेखाचित्रक माप
- (C) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प

२५९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २५९?

- (A) मुद्रकक पता मात्र
- (B) कागजक रंग मात्र
- (C) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (D) ग्रन्थक मूल्य मात्र

२६०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६०?

- (A) संगीत-स्वर
- (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण
- (C) केवल अनुक्रमणिका
- (D) नामक गिनती

२६१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६१?

- (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (D) केवल छपाइ-रंग

२६२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६२?

- (A) केवल स्थान-सूची
- (B) छन्द-गणना मात्र
- (C) अक्षरक आकार
- (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति

२६३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६३?

- (A) पृष्ठक मोटाइ
- (B) तालवाद्यक प्रकार
- (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (D) मुद्रणालयक पता

२६४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६४?

- (A) केवल चित्र
- (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल सूची

२६५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६५?

- (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (B) सामान्य गिनती
- (C) कागजक मूल्य
- (D) मात्र नाम

२६६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६६?

- (A) सादा सूचना मात्र
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) अक्षर-अभ्यास
- (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत

२६७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६७?

- (A) संगीतक ताल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर
- (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (D) आरम्भक पृष्ठ-संख्या

२६८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६८?

- (A) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प
- (C) केवल भविष्यवाणी
- (D) रेखाचित्रक माप

२६९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २६९?

- (A) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (B) ग्रन्थक मूल्य मात्र
- (C) मुद्रकक पता मात्र
- (D) कागजक रंग मात्र

२७०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७०?

- (A) केवल अनुक्रमणिका
- (B) नामक गिनती
- (C) संगीत-स्वर
- (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण

२७१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७१?

- (A) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (B) केवल छपाइ-रंग
- (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (D) केवल पुस्तकक आकार

२७२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७२?

- (A) अक्षरक आकार
- (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति
- (C) केवल स्थान-सूची
- (D) छन्द-गणना मात्र

२७३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७३?

- (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (B) मुद्रणालयक पता
- (C) पृष्ठक मोटाइ
- (D) तालवाद्यक प्रकार

२७४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७४?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल सूची
- (C) केवल चित्र
- (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब

२७५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७५?

- (A) कागजक मूल्य
- (B) मात्र नाम
- (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (D) सामान्य गिनती

२७६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७६?

- (A) अक्षर-अभ्यास
- (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत
- (C) सादा सूचना मात्र
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

२७७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७७?

- (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (B) आरम्भक पृष्ठ-संख्या
- (C) संगीतक ताल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर

२७८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७८?

- (A) केवल भविष्यवाणी
- (B) रेखाचित्रक माप
- (C) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प

२७९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २७९?

- (A) मुद्रकक पता मात्र
- (B) कागजक रंग मात्र
- (C) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (D) ग्रन्थक मूल्य मात्र

२८०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८०?

- (A) संगीत-स्वर
- (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण
- (C) केवल अनुक्रमणिका
- (D) नामक गिनती

२८१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८१?

- (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (B) केवल पुस्तकक आकार
- (C) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (D) केवल छपाइ-रंग

२८२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८२?

- (A) केवल स्थान-सूची
- (B) छन्द-गणना मात्र
- (C) अक्षरक आकार
- (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति

२८३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८३?

- (A) पृष्ठक मोटाइ
- (B) तालवाद्यक प्रकार
- (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (D) मुद्रणालयक पता

२८४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८४?

- (A) केवल चित्र
- (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल सूची

२८५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८५?

- (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (B) सामान्य गिनती
- (C) कागजक मूल्य
- (D) मात्र नाम

२८६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८६?

- (A) सादा सूचना मात्र
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) अक्षर-अभ्यास
- (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत

२८७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८७?

- (A) संगीतक ताल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर
- (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (D) आरम्भक पृष्ठ-संख्या

२८८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८८?

- (A) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प
- (C) केवल भविष्यवाणी
- (D) रेखाचित्रक माप

२८९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २८९?

- (A) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (B) ग्रन्थक मूल्य मात्र
- (C) मुद्रकक पता मात्र
- (D) कागजक रंग मात्र

२९०. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९०?

- (A) केवल अनुक्रमणिका
- (B) नामक गिनती
- (C) संगीत-स्वर
- (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण

२९१. आधुनिक कथाशिल्पमे “कथानक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९१?

- (A) केवल लेखकक जन्मतिथि
- (B) केवल छपाइ-रंग
- (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि
- (D) केवल पुस्तकक आकार

२९२. आधुनिक कथाशिल्पमे “चरित्र-चित्रण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९२?

- (A) अक्षरक आकार
- (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति
- (C) केवल स्थान-सूची
- (D) छन्द-गणना मात्र

२९३. आधुनिक कथाशिल्पमे “दृष्टिबिन्दु”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९३?

- (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी
- (B) मुद्रणालयक पता
- (C) पृष्ठक मोटाइ
- (D) तालवाद्यक प्रकार

२९४. आधुनिक कथाशिल्पमे “संवाद”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९४?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल सूची
- (C) केवल चित्र
- (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब

२९५. आधुनिक कथाशिल्पमे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९५?

- (A) कागजक मूल्य
- (B) मात्र नाम
- (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत
- (D) सामान्य गिनती

२९६. आधुनिक कथाशिल्पमे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९६?

- (A) अक्षर-अभ्यास
- (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत
- (C) सादा सूचना मात्र
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

२९७. आधुनिक कथाशिल्पमे “अन्त”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९७?

- (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत
- (B) आरम्भक पृष्ठ-संख्या
- (C) संगीतक ताल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर

२९८. आधुनिक कथाशिल्पमे “फ्लैशबैक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९८?

- (A) केवल भविष्यवाणी
- (B) रेखाचित्रक माप
- (C) वर्णमालाक उलटा क्रम
- (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प

२९९. आधुनिक कथाशिल्पमे “शीर्षक”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास २९९?

- (A) मुद्रकक पता मात्र
- (B) कागजक रंग मात्र
- (C) कथाक संकेतात्मक द्वार
- (D) ग्रन्थक मूल्य मात्र

३००. आधुनिक कथाशिल्पमे “वातावरण”क सही अर्थ की अछि — अभ्यास ३००?

- (A) संगीत-स्वर
- (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण
- (C) केवल अनुक्रमणिका
- (D) नामक गिनती

3

३०१. कथा-संग्रह पढ़ैत काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (B) केवल छन्दकार
- (C) केवल लिपिकार
- (D) केवल चित्रकार

३०२. कथा-संग्रह पढ़ैत काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (B) केवल शास्त्रीय सूत्र
- (C) केवल अनुवादक नाम
- (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर

३०३. कथा-संग्रह पढ़ैत काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (B) केवल संगीत-वादक
- (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (D) केवल पौराणिक टीकाकार

३०४. कथा-संग्रह पढ़ैत काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) केवल छापाखाना मालिक
- (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार
- (C) केवल गणितज्ञ
- (D) केवल ध्वनिविज्ञानी

३०५. कथा-संग्रह पढ़ैत काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (B) केवल व्याकरण-सूत्रकार
- (C) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (D) केवल तालवादक

३०६. कथा-संग्रह पढ़ैत काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (B) केवल चितेरा
- (C) केवल संगीतज्ञ
- (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार

३०७. कथा-संग्रह पढ़ैत काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) केवल नक्शानवीस
- (B) केवल पौराणिक पात्र
- (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (D) केवल छन्द-अध्यापक

३०८. कथा-संग्रह पढ़ैत काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) केवल प्राचीन राजा
- (B) मैथिली कथा-साहित्यिक लेखक रूपमे परिचित
- (C) केवल मूर्तिकार
- (D) केवल वाद्य-निर्माता

३०९. कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (B) केवल राग-संगीतकार
- (C) केवल भूगोलवेत्ता
- (D) केवल व्यापारी

३१०. कथा-संग्रह पढ़ैत काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि?

- (A) केवल प्राचीन नाटककार
- (B) केवल अश्वारोही
- (C) केवल मुद्रक
- (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक

३११. कथा-संग्रह पढ़ैत काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३११?

- (A) केवल लिपिकार
- (B) केवल चित्रकार
- (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (D) केवल छन्दकार

३१२. कथा-संग्रह पढ़ैत काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३१२?

- (A) केवल अनुवादक नाम
- (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर
- (C) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (D) केवल शास्त्रीय सूत्र

३१३. कथा-संग्रह पढ़ते काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३१३?

- (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (B) केवल पौराणिक टीकाकार
- (C) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (D) केवल संगीत-वादक

३१४. कथा-संग्रह पढ़ते काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३१४?

- (A) केवल गणितज्ञ
- (B) केवल ध्वनिविज्ञानी
- (C) केवल छापाखाना मालिक
- (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार

३१५. कथा-संग्रह पढ़ते काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३१५?

- (A) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (B) केवल तालवादक
- (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (D) केवल व्याकरण-सूत्रकार

३१६. कथा-संग्रह पढ़ते काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३१६?

- (A) केवल संगीतज्ञ
- (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार
- (C) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (D) केवल चितेरा

३१७. कथा-संग्रह पढ़ते काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३१७?

- (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (B) केवल छन्द-अध्यापक
- (C) केवल नक्शानवीस
- (D) केवल पौराणिक पात्र

३१८. कथा-संग्रह पढ़ते काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३१८?

- (A) केवल मूर्तिकार
- (B) केवल वाद्य-निर्माता
- (C) केवल प्राचीन राजा
- (D) मैथिली कथा-साहित्यिक लेखक रूपमे परिचित

३१९. कथा-संग्रह पढ़ते काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३१९?

- (A) केवल भूगोलवेत्ता
- (B) केवल व्यापारी
- (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (D) केवल राग-संगीतकार

३२०. कथा-संग्रह पढ़ते काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२०?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक
- (C) केवल प्राचीन नाटककार
- (D) केवल अश्वारोही

३२१. कथा-संग्रह पढ़ते काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२१?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (B) केवल छन्दकार
- (C) केवल लिपिकार
- (D) केवल चित्रकार

३२२. कथा-संग्रह पढ़ते काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२२?

- (A) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (B) केवल शास्त्रीय सूत्र
- (C) केवल अनुवादक नाम
- (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर

३२३. कथा-संग्रह पढ़ते काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२३?

- (A) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (B) केवल संगीत-वादक
- (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (D) केवल पौराणिक टीकाकार

३२४. कथा-संग्रह पढ़ते काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२४?

- (A) केवल छापाखाना मालिक
- (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार
- (C) केवल गणितज्ञ
- (D) केवल ध्वनिविज्ञानी

३२५. कथा-संग्रह पढ़ते काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२५?

- (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (B) केवल व्याकरण-सूत्रकार
- (C) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (D) केवल तालवादक

३२६. कथा-संग्रह पढ़ते काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२६?

- (A) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (B) केवल चितेरा
- (C) केवल संगीतज्ञ
- (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार

३२७. कथा-संग्रह पढ़ते काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२७?

- (A) केवल नक्शानवीस
- (B) केवल पौराणिक पात्र
- (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (D) केवल छन्द-अध्यापक

३२८. कथा-संग्रह पढ़ते काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२८?

- (A) केवल प्राचीन राजा
- (B) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित
- (C) केवल मूर्तिकार
- (D) केवल वाद्य-निर्माता

३२९. कथा-संग्रह पढ़ते काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३२९?

- (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (B) केवल राग-संगीतकार
- (C) केवल भूगोलवेत्ता
- (D) केवल व्यापारी

३३०. कथा-संग्रह पढ़ते काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३०?

- (A) केवल प्राचीन नाटककार
- (B) केवल अश्वारोही
- (C) केवल मुद्रक
- (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक

३३१. कथा-संग्रह पढ़ते काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३१?

- (A) केवल लिपिकार
- (B) केवल चित्रकार
- (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (D) केवल छन्दकार

३३२. कथा-संग्रह पढ़ते काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३२?

- (A) केवल अनुवादक नाम
- (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर
- (C) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (D) केवल शास्त्रीय सूत्र

३३३. कथा-संग्रह पढ़ते काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३३?

- (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (B) केवल पौराणिक टीकाकार
- (C) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (D) केवल संगीत-वादक

३३४. कथा-संग्रह पढ़ते काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३४?

- (A) केवल गणितज्ञ
- (B) केवल ध्वनिविज्ञानी
- (C) केवल छापाखाना मालिक
- (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार

३३५. कथा-संग्रह पढ़ते काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३५?

- (A) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (B) केवल तालवादक
- (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (D) केवल व्याकरण-सूत्रकार

३३६. कथा-संग्रह पढ़ते काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३६?

- (A) केवल संगीतज्ञ
- (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार
- (C) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (D) केवल चितेरा

३३७. कथा-संग्रह पढ़ते काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३७?

- (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (B) केवल छन्द-अध्यापक
- (C) केवल नक्शानवीस
- (D) केवल पौराणिक पात्र

३३८. कथा-संग्रह पढ़ते काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३८?

- (A) केवल मूर्तिकार
- (B) केवल वाद्य-निर्माता
- (C) केवल प्राचीन राजा
- (D) मैथिली कथा-साहित्यिक लेखक रूपमे परिचित

३३९. कथा-संग्रह पढ़ते काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३३९?

- (A) केवल भूगोलवेत्ता
- (B) केवल व्यापारी
- (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (D) केवल राग-संगीतकार

३४०. कथा-संग्रह पढ़ते काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४०?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक
- (C) केवल प्राचीन नाटककार
- (D) केवल अश्वारोही

३४१. कथा-संग्रह पढ़ते काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४१?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (B) केवल छन्दकार
- (C) केवल लिपिकार
- (D) केवल चित्रकार

३४२. कथा-संग्रह पढ़ते काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४२?

- (A) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (B) केवल शास्त्रीय सूत्र
- (C) केवल अनुवादक नाम
- (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर

३४३. कथा-संग्रह पढ़ते काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४३?

- (A) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (B) केवल संगीत-वादक
- (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (D) केवल पौराणिक टीकाकार

३४४. कथा-संग्रह पढ़ते काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४४?

- (A) केवल छापाखाना मालिक
- (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार
- (C) केवल गणितज्ञ
- (D) केवल ध्वनिविज्ञानी

३४५. कथा-संग्रह पढ़ते काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४५?

- (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (B) केवल व्याकरण-सूत्रकार
- (C) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (D) केवल तालवादक

३४६. कथा-संग्रह पढ़ते काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४६?

- (A) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (B) केवल चितेरा
- (C) केवल संगीतज्ञ
- (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार

३४७. कथा-संग्रह पढ़ते काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४७?

- (A) केवल नक्शानवीस
- (B) केवल पौराणिक पात्र
- (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (D) केवल छन्द-अध्यापक

३४८. कथा-संग्रह पढ़ते काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४८?

- (A) केवल प्राचीन राजा
- (B) मैथिली कथा-साहित्यिक लेखक रूपमे परिचित
- (C) केवल मूर्तिकार
- (D) केवल वाद्य-निर्माता

३४९. कथा-संग्रह पढ़ते काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३४९?

- (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (B) केवल राग-संगीतकार
- (C) केवल भूगोलवेत्ता
- (D) केवल व्यापारी

३५०. कथा-संग्रह पढ़ते काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५०?

- (A) केवल प्राचीन नाटककार
- (B) केवल अश्वारोही
- (C) केवल मुद्रक
- (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक

३५१. कथा-संग्रह पढ़ते काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५१?

- (A) केवल लिपिकार
- (B) केवल चित्रकार
- (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (D) केवल छन्दकार

३५२. कथा-संग्रह पढ़ते काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५२?

- (A) केवल अनुवादक नाम
- (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर
- (C) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (D) केवल शास्त्रीय सूत्र

३५३. कथा-संग्रह पढ़ते काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५३?

- (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (B) केवल पौराणिक टीकाकार
- (C) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (D) केवल संगीत-वादक

३५४. कथा-संग्रह पढ़ते काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५४?

- (A) केवल गणितज्ञ
- (B) केवल ध्वनिविज्ञानी
- (C) केवल छापाखाना मालिक
- (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार

३५५. कथा-संग्रह पढ़ते काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५५?

- (A) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (B) केवल तालवादक
- (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (D) केवल व्याकरण-सूत्रकार

३५६. कथा-संग्रह पढ़ते काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५६?

- (A) केवल संगीतज्ञ
- (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार
- (C) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (D) केवल चितेरा

३५७. कथा-संग्रह पढ़ते काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५७?

- (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (B) केवल छन्द-अध्यापक
- (C) केवल नक्शानवीस
- (D) केवल पौराणिक पात्र

३५८. कथा-संग्रह पढ़ते काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५८?

- (A) केवल मूर्तिकार
- (B) केवल वाद्य-निर्माता
- (C) केवल प्राचीन राजा
- (D) मैथिली कथा-साहित्यिक लेखक रूपमे परिचित

३५९. कथा-संग्रह पढ़ते काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३५९?

- (A) केवल भूगोलवेत्ता
- (B) केवल व्यापारी
- (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (D) केवल राग-संगीतकार

३६०. कथा-संग्रह पढ़ते काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६०?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक
- (C) केवल प्राचीन नाटककार
- (D) केवल अश्वारोही

३६१. कथा-संग्रह पढ़ैत काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६१?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (B) केवल छन्दकार
- (C) केवल लिपिकार
- (D) केवल चित्रकार

३६२. कथा-संग्रह पढ़ैत काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६२?

- (A) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (B) केवल शास्त्रीय सूत्र
- (C) केवल अनुवादक नाम
- (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर

३६३. कथा-संग्रह पढ़ैत काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६३?

- (A) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (B) केवल संगीत-वादक
- (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (D) केवल पौराणिक टीकाकार

३६४. कथा-संग्रह पढ़ैत काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६४?

- (A) केवल छापाखाना मालिक
- (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार
- (C) केवल गणितज्ञ
- (D) केवल ध्वनिविज्ञानी

३६५. कथा-संग्रह पढ़ैत काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६५?

- (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (B) केवल व्याकरण-सूत्रकार
- (C) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (D) केवल तालवादक

३६६. कथा-संग्रह पढ़ैत काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६६?

- (A) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (B) केवल चितेरा
- (C) केवल संगीतज्ञ
- (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार

३६७. कथा-संग्रह पढ़ैत काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६७?

- (A) केवल नक्शानवीस
- (B) केवल पौराणिक पात्र
- (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (D) केवल छन्द-अध्यापक

३६८. कथा-संग्रह पढ़ैत काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६८?

- (A) केवल प्राचीन राजा
- (B) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित
- (C) केवल मूर्तिकार
- (D) केवल वाद्य-निर्माता

३६९. कथा-संग्रह पढ़ते काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३६९?

- (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (B) केवल राग-संगीतकार
- (C) केवल भूगोलवेत्ता
- (D) केवल व्यापारी

३७०. कथा-संग्रह पढ़ते काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७०?

- (A) केवल प्राचीन नाटककार
- (B) केवल अश्वारोही
- (C) केवल मुद्रक
- (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक

३७१. कथा-संग्रह पढ़ते काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७१?

- (A) केवल लिपिकार
- (B) केवल चित्रकार
- (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (D) केवल छन्दकार

३७२. कथा-संग्रह पढ़ते काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७२?

- (A) केवल अनुवादक नाम
- (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर
- (C) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (D) केवल शास्त्रीय सूत्र

३७३. कथा-संग्रह पढ़ते काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७३?

- (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (B) केवल पौराणिक टीकाकार
- (C) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (D) केवल संगीत-वादक

३७४. कथा-संग्रह पढ़ते काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७४?

- (A) केवल गणितज्ञ
- (B) केवल ध्वनिविज्ञानी
- (C) केवल छापाखाना मालिक
- (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार

३७५. कथा-संग्रह पढ़ते काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७५?

- (A) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (B) केवल तालवादक
- (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (D) केवल व्याकरण-सूत्रकार

३७६. कथा-संग्रह पढ़ते काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७६?

- (A) केवल संगीतज्ञ
- (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार
- (C) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (D) केवल चितेरा

३७७. कथा-संग्रह पढ़ैत काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७७?

- (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (B) केवल छन्द-अध्यापक
- (C) केवल नक्शानवीस
- (D) केवल पौराणिक पात्र

३७८. कथा-संग्रह पढ़ैत काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७८?

- (A) केवल मूर्तिकार
- (B) केवल वाद्य-निर्माता
- (C) केवल प्राचीन राजा
- (D) मैथिली कथा-साहित्यिक लेखक रूपमे परिचित

३७९. कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३७९?

- (A) केवल भूगोलवेत्ता
- (B) केवल व्यापारी
- (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (D) केवल राग-संगीतकार

३८०. कथा-संग्रह पढ़ैत काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८०?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक
- (C) केवल प्राचीन नाटककार
- (D) केवल अश्वारोही

३८१. कथा-संग्रह पढ़ैत काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८१?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (B) केवल छन्दकार
- (C) केवल लिपिकार
- (D) केवल चित्रकार

३८२. कथा-संग्रह पढ़ैत काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८२?

- (A) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (B) केवल शास्त्रीय सूत्र
- (C) केवल अनुवादक नाम
- (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर

३८३. कथा-संग्रह पढ़ैत काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८३?

- (A) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (B) केवल संगीत-वादक
- (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (D) केवल पौराणिक टीकाकार

३८४. कथा-संग्रह पढ़ैत काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८४?

- (A) केवल छापाखाना मालिक
- (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार
- (C) केवल गणितज्ञ
- (D) केवल ध्वनिविज्ञानी

३८५. कथा-संग्रह पढ़ैत काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८५?

- (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (B) केवल व्याकरण-सूत्रकार
- (C) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (D) केवल तालवादक

३८६. कथा-संग्रह पढ़ैत काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८६?

- (A) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (B) केवल चितेरा
- (C) केवल संगीतज्ञ
- (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार

३८७. कथा-संग्रह पढ़ैत काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८७?

- (A) केवल नक्शानवीस
- (B) केवल पौराणिक पात्र
- (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (D) केवल छन्द-अध्यापक

३८८. कथा-संग्रह पढ़ैत काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८८?

- (A) केवल प्राचीन राजा
- (B) मैथिली कथा-साहित्यिक लेखक रूपमे परिचित
- (C) केवल मूर्तिकार
- (D) केवल वाद्य-निर्माता

३८९. कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३८९?

- (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (B) केवल राग-संगीतकार
- (C) केवल भूगोलवेत्ता
- (D) केवल व्यापारी

३९०. कथा-संग्रह पढ़ैत काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९०?

- (A) केवल प्राचीन नाटककार
- (B) केवल अश्वारोही
- (C) केवल मुद्रक
- (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक

३९१. कथा-संग्रह पढ़ैत काल हरिमोहन झा सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९१?

- (A) केवल लिपिकार
- (B) केवल चित्रकार
- (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध
- (D) केवल छन्दकार

३९२. कथा-संग्रह पढ़ैत काल यात्री सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९२?

- (A) केवल अनुवादक नाम
- (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर
- (C) केवल दरबारी प्रशस्ति
- (D) केवल शास्त्रीय सूत्र

३९३. कथा-संग्रह पढ़ते काल राजकमल चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९३?

- (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार
- (B) केवल पौराणिक टीकाकार
- (C) केवल पुरातत्त्वज्ञ
- (D) केवल संगीत-वादक

३९४. कथा-संग्रह पढ़ते काल मणिपद्म सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९४?

- (A) केवल गणितज्ञ
- (B) केवल ध्वनिविज्ञानी
- (C) केवल छापाखाना मालिक
- (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार

३९५. कथा-संग्रह पढ़ते काल लिली रे सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९५?

- (A) केवल मध्यकालीन दरबारी कवि
- (B) केवल तालवादक
- (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर
- (D) केवल व्याकरण-सूत्रकार

३९६. कथा-संग्रह पढ़ते काल मायानन्द मिश्र सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९६?

- (A) केवल संगीतज्ञ
- (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार
- (C) केवल ज्योतिष-पण्डित
- (D) केवल चितेरा

३९७. कथा-संग्रह पढ़ते काल रमानन्द रेणु सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९७?

- (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम
- (B) केवल छन्द-अध्यापक
- (C) केवल नक्शानवीस
- (D) केवल पौराणिक पात्र

३९८. कथा-संग्रह पढ़ते काल विद्यानाथ झा 'विदित' सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९८?

- (A) केवल मूर्तिकार
- (B) केवल वाद्य-निर्माता
- (C) केवल प्राचीन राजा
- (D) मैथिली कथा-साहित्यिक लेखक रूपमे परिचित

३९९. कथा-संग्रह पढ़ते काल प्रभास कुमार चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ३९९?

- (A) केवल भूगोलवेत्ता
- (B) केवल व्यापारी
- (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार
- (D) केवल राग-संगीतकार

४००. कथा-संग्रह पढ़ते काल केदारनाथ चौधरी सम्बन्धी उपयुक्त साहित्यिक संकेत कोन अछि — अभ्यास ४००?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक
- (C) केवल प्राचीन नाटककार
- (D) केवल अश्वारोही

४०१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (B) केवल भवनक ऊँचाइ
- (C) केवल विदेश-यात्रा
- (D) केवल गणना

४०२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) सजावट मात्र
- (B) व्याकरणिक प्रत्यय
- (C) छन्दक नाम
- (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति

४०३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) नदीक रंग
- (B) कागजक आकार
- (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (D) मौसमक नाम

४०४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल राज-दरबार
- (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था
- (C) मुद्रण-कला
- (D) समुद्री जहाज

४०५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नव संघर्ष
- (B) केवल शब्द-रचना
- (C) रस-सूत्र
- (D) ताल-चिह्न

४०६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल सजावटी पंक्ति
- (B) मिठाइ
- (C) पोशाक
- (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन

४०७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) मात्र भोजन-सूची
- (B) मात्र अक्षर
- (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (D) मात्र मौसम वर्णन

४०८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) केवल लिपि
- (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व
- (C) केवल चित्रकला
- (D) केवल राग

४०९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल प्रकाशकक मुहर
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

४१०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि?

- (A) अचल जड़ता मात्र
- (B) कोनो घटना नहि
- (C) शब्दकोशक सूची
- (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव

४११. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४११?

- (A) केवल विदेश-यात्रा
- (B) केवल गणना
- (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (D) केवल भवनक ऊँचाइ

४१२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४१२?

- (A) छन्दक नाम
- (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति
- (C) सजावट मात्र
- (D) व्याकरणिक प्रत्यय

४१३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४१३?

- (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (B) मौसमक नाम
- (C) नदीक रंग
- (D) कागजक आकार

४१४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४१४?

- (A) मुद्रण-कला
- (B) समुद्री जहाज
- (C) केवल राज-दरबार
- (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था

४१५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४१५?

- (A) रस-सूत्र
- (B) ताल-चिह्न
- (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष
- (D) केवल शब्द-रचना

४१६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४१६?

- (A) पोशाक
- (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन
- (C) केवल सजावटी पंक्ति
- (D) मिठाइ

४१७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४१७?

- (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (B) मात्र मौसम वर्णन
- (C) मात्र भोजन-सूची
- (D) मात्र अक्षर

४१८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४१८?

- (A) केवल चित्रकला
- (B) केवल राग
- (C) केवल लिपि
- (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व

४१९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४१९?

- (A) केवल प्रकाशकक मुहर
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (D) केवल लेखकक पता

४२०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२०?

- (A) शब्दकोशक सूची
- (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव
- (C) अचल जड़ता मात्र
- (D) कोनो घटना नहि

४२१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२१?

- (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (B) केवल भवनक ऊँचाइ
- (C) केवल विदेश-यात्रा
- (D) केवल गणना

४२२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२२?

- (A) सजावट मात्र
- (B) व्याकरणिक प्रत्यय
- (C) छन्दक नाम
- (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति

४२३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२३?

- (A) नदीक रंग
- (B) कागजक आकार
- (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (D) मौसमक नाम

४२४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२४?

- (A) केवल राज-दरबार
- (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था
- (C) मुद्रण-कला
- (D) समुद्री जहाज

४२५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२५?

- (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष
- (B) केवल शब्द-रचना
- (C) रस-सूत्र
- (D) ताल-चिह्न

४२६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२६?

- (A) केवल सजावटी पंक्ति
- (B) मिठाइ
- (C) पोशाक
- (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन

४२७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२७?

- (A) मात्र भोजन-सूची
- (B) मात्र अक्षर
- (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (D) मात्र मौसम वर्णन

४२८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२८?

- (A) केवल लिपि
- (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व
- (C) केवल चित्रकला
- (D) केवल राग

४२९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४२९?

- (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल प्रकाशकक मुहर
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

४३०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३०?

- (A) अचल जड़ता मात्र
- (B) कोनो घटना नहि
- (C) शब्दकोशक सूची
- (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव

४३१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३१?

- (A) केवल विदेश-यात्रा
- (B) केवल गणना
- (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (D) केवल भवनक ऊँचाइ

४३२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३२?

- (A) छन्दक नाम
- (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति
- (C) सजावट मात्र
- (D) व्याकरणिक प्रत्यय

४३३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३३?

- (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (B) मौसमक नाम
- (C) नदीक रंग
- (D) कागजक आकार

४३४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३४?

- (A) मुद्रण-कला
- (B) समुद्री जहाज
- (C) केवल राज-दरबार
- (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था

४३५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३५?

- (A) रस-सूत्र
- (B) ताल-चिह्न
- (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष
- (D) केवल शब्द-रचना

४३६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३६?

- (A) पोशाक
- (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन
- (C) केवल सजावटी पंक्ति
- (D) मिठाइ

४३७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३७?

- (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (B) मात्र मौसम वर्णन
- (C) मात्र भोजन-सूची
- (D) मात्र अक्षर

४३८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३८?

- (A) केवल चित्रकला
- (B) केवल राग
- (C) केवल लिपि
- (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व

४३९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४३९?

- (A) केवल प्रकाशकक मुहर
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (D) केवल लेखकक पता

४४०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४०?

- (A) शब्दकोशक सूची
- (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव
- (C) अचल जड़ता मात्र
- (D) कोनो घटना नहि

४४१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४१?

- (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (B) केवल भवनक ऊँचाइ
- (C) केवल विदेश-यात्रा
- (D) केवल गणना

४४२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४२?

- (A) सजावट मात्र
- (B) व्याकरणिक प्रत्यय
- (C) छन्दक नाम
- (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति

४४३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४३?

- (A) नदीक रंग
- (B) कागजक आकार
- (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (D) मौसमक नाम

४४४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४४?

- (A) केवल राज-दरबार
- (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था
- (C) मुद्रण-कला
- (D) समुद्री जहाज

४४५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४५?

- (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नव संघर्ष
- (B) केवल शब्द-रचना
- (C) रस-सूत्र
- (D) ताल-चिह्न

४४६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४६?

- (A) केवल सजावटी पंक्ति
- (B) मिठाइ
- (C) पोशाक
- (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन

४४७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४७?

- (A) मात्र भोजन-सूची
- (B) मात्र अक्षर
- (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (D) मात्र मौसम वर्णन

४४८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४८?

- (A) केवल लिपि
- (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व
- (C) केवल चित्रकला
- (D) केवल राग

४४९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४४९?

- (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल प्रकाशकक मुहर
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

४५०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५०?

- (A) अचल जड़ता मात्र
- (B) कोनो घटना नहि
- (C) शब्दकोशक सूची
- (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव

४५१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५१?

- (A) केवल विदेश-यात्रा
- (B) केवल गणना
- (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (D) केवल भवनक ऊँचाइ

४५२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५२?

- (A) छन्दक नाम
- (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति
- (C) सजावट मात्र
- (D) व्याकरणिक प्रत्यय

४५३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५३?

- (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (B) मौसमक नाम
- (C) नदीक रंग
- (D) कागजक आकार

४५४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५४?

- (A) मुद्रण-कला
- (B) समुद्री जहाज
- (C) केवल राज-दरबार
- (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था

४५५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५५?

- (A) रस-सूत्र
- (B) ताल-चिह्न
- (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष
- (D) केवल शब्द-रचना

४५६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५६?

- (A) पोशाक
- (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन
- (C) केवल सजावटी पंक्ति
- (D) मिठाइ

४५७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५७?

- (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (B) मात्र मौसम वर्णन
- (C) मात्र भोजन-सूची
- (D) मात्र अक्षर

४५८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५८?

- (A) केवल चित्रकला
- (B) केवल राग
- (C) केवल लिपि
- (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व

४५९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४५९?

- (A) केवल प्रकाशकक मुहर
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (D) केवल लेखकक पता

४६०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६०?

- (A) शब्दकोशक सूची
- (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव
- (C) अचल जड़ता मात्र
- (D) कोनो घटना नहि

४६१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६१?

- (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (B) केवल भवनक ऊँचाइ
- (C) केवल विदेश-यात्रा
- (D) केवल गणना

४६२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६२?

- (A) सजावट मात्र
- (B) व्याकरणिक प्रत्यय
- (C) छन्दक नाम
- (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति

४६३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६३?

- (A) नदीक रंग
- (B) कागजक आकार
- (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (D) मौसमक नाम

४६४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६४?

- (A) केवल राज-दरबार
- (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था
- (C) मुद्रण-कला
- (D) समुद्री जहाज

४६५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६५?

- (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष
- (B) केवल शब्द-रचना
- (C) रस-सूत्र
- (D) ताल-चिह्न

४६६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६६?

- (A) केवल सजावटी पंक्ति
- (B) मिठाई
- (C) पोशाक
- (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन

४६७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६७?

- (A) मात्र भोजन-सूची
- (B) मात्र अक्षर
- (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (D) मात्र मौसम वर्णन

४६८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६८?

- (A) केवल लिपि
- (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व
- (C) केवल चित्रकला
- (D) केवल राग

४६९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४६९?

- (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल प्रकाशकक मुहर
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

४७०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७०?

- (A) अचल जड़ता मात्र
- (B) कोनो घटना नहि
- (C) शब्दकोशक सूची
- (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव

४७१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७१?

- (A) केवल विदेश-यात्रा
- (B) केवल गणना
- (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (D) केवल भवनक ऊँचाइ

४७२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७२?

- (A) छन्दक नाम
- (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति
- (C) सजावट मात्र
- (D) व्याकरणिक प्रत्यय

४७३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७३?

- (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (B) मौसमक नाम
- (C) नदीक रंग
- (D) कागजक आकार

४७४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७४?

- (A) मुद्रण-कला
- (B) समुद्री जहाज
- (C) केवल राज-दरबार
- (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था

४७५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७५?

- (A) रस-सूत्र
- (B) ताल-चिह्न
- (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष
- (D) केवल शब्द-रचना

४७६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७६?

- (A) पोशाक
- (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन
- (C) केवल सजावटी पंक्ति
- (D) मिठाइ

४७७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७७?

- (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (B) मात्र मौसम वर्णन
- (C) मात्र भोजन-सूची
- (D) मात्र अक्षर

४७८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७८?

- (A) केवल चित्रकला
- (B) केवल राग
- (C) केवल लिपि
- (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व

४७९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४७९?

- (A) केवल प्रकाशकक मुहर
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (D) केवल लेखकक पता

४८०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८०?

- (A) शब्दकोशक सूची
- (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव
- (C) अचल जड़ता मात्र
- (D) कोनो घटना नहि

४८१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८१?

- (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (B) केवल भवनक ऊँचाइ
- (C) केवल विदेश-यात्रा
- (D) केवल गणना

४८२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८२?

- (A) सजावट मात्र
- (B) व्याकरणिक प्रत्यय
- (C) छन्दक नाम
- (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति

४८३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८३?

- (A) नदीक रंग
- (B) कागजक आकार
- (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (D) मौसमक नाम

४८४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८४?

- (A) केवल राज-दरबार
- (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था
- (C) मुद्रण-कला
- (D) समुद्री जहाज

४८५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८५?

- (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नव संघर्ष
- (B) केवल शब्द-रचना
- (C) रस-सूत्र
- (D) ताल-चिह्न

४८६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८६?

- (A) केवल सजावटी पंक्ति
- (B) मिठाइ
- (C) पोशाक
- (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन

४८७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८७?

- (A) मात्र भोजन-सूची
- (B) मात्र अक्षर
- (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (D) मात्र मौसम वर्णन

४८८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८८?

- (A) केवल लिपि
- (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व
- (C) केवल चित्रकला
- (D) केवल राग

४८९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४८९?

- (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल प्रकाशकक मुहर
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

४९०. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९०?

- (A) अचल जड़ता मात्र
- (B) कोनो घटना नहि
- (C) शब्दकोशक सूची
- (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव

४९१. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गामक जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९१?

- (A) केवल विदेश-यात्रा
- (B) केवल गणना
- (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र
- (D) केवल भवनक ऊँचाइ

४९२. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “गरीबी”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९२?

- (A) छन्दक नाम
- (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति
- (C) सजावट मात्र
- (D) व्याकरणिक प्रत्यय

४९३. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “जाति-संरचना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९३?

- (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था
- (B) मौसमक नाम
- (C) नदीक रंग
- (D) कागजक आकार

४९४. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “कृषि-जीवन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९४?

- (A) मुद्रण-कला
- (B) समुद्री जहाज
- (C) केवल राज-दरबार
- (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था

४९५. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “विस्थापन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९५?

- (A) रस-सूत्र
- (B) ताल-चिह्न
- (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष
- (D) केवल शब्द-रचना

४९६. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “शिक्षा”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९६?

- (A) पोशाक
- (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन
- (C) केवल सजावटी पंक्ति
- (D) मिठाइ

४९७. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “राजनीतिक चेतना”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९७?

- (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न
- (B) मात्र मौसम वर्णन
- (C) मात्र भोजन-सूची
- (D) मात्र अक्षर

४९८. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “अर्थ-संघर्ष”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९८?

- (A) केवल चित्रकला
- (B) केवल राग
- (C) केवल लिपि
- (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व

४९९. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “परिवार”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ४९९?

- (A) केवल प्रकाशकक मुहर
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि
- (D) केवल लेखकक पता

५००. कथा-संग्रहक सामाजिक पाठमे “सामाजिक परिवर्तन”क साहित्यिक अर्थ की अछि — अभ्यास ५००?

- (A) शब्दकोशक सूची
- (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव
- (C) अचल जड़ता मात्र
- (D) कोनो घटना नहि

5

५०१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की?

- (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (B) केवल सजावट
- (C) केवल अलंकार-सूची
- (D) केवल शीर्षक

५०२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की?

- (A) केवल भूगोल
- (B) केवल छन्द
- (C) केवल अक्षर
- (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध

५०३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) केवल रंग
- (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

५०४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की?

- (A) केवल संख्या
- (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) केवल ताल

५०५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की?

- (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (B) केवल अवकाश
- (C) केवल खेल
- (D) केवल अलंकार

५०६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की?

- (A) मौसमक परिवर्तन
- (B) कथा-कागज
- (C) लिपिक आकार
- (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना

५०७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की?

- (A) केवल रसक नाम
- (B) केवल दूकान
- (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (D) केवल गीतक ताल

५०८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की?

- (A) केवल मुखपृष्ठ
- (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन
- (C) केवल पुरुषक आदेश
- (D) केवल छन्द-गणना

५०९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की?

- (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (B) केवल यात्रा-वृत्त
- (C) केवल व्याकरण
- (D) केवल कृषिफल

५१०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की?

- (A) केवल चिड़ैक नाम
- (B) केवल नक्शा
- (C) केवल छपाई
- (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा

५११. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५११?

- (A) केवल अलंकार-सूची
- (B) केवल शीर्षक
- (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (D) केवल सजावट

५१२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५१२?

- (A) केवल अक्षर
- (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध
- (C) केवल भूगोल
- (D) केवल छन्द

५१३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५१३?

- (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल मुद्रक
- (D) केवल रंग

५१४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५१४?

- (A) केवल नदीक नाम
- (B) केवल ताल
- (C) केवल संख्या
- (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष

५१५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५१५?

- (A) केवल खेल
- (B) केवल अलंकार
- (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (D) केवल अवकाश

५१६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५१६?

- (A) लिपिक आकार
- (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना
- (C) मौसमक परिवर्तन
- (D) कथा-कागज

५१७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५१७?

- (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (B) केवल गीतक ताल
- (C) केवल रसक नाम
- (D) केवल दूकान

५१८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५१८?

- (A) केवल पुरुषक आदेश
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) केवल मुखपृष्ठ
- (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन

५१९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५१९?

- (A) केवल व्याकरण
- (B) केवल कृषिफल
- (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (D) केवल यात्रा-वृत्त

५२०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२०?

- (A) केवल छपाई
- (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा
- (C) केवल चिड़ैक नाम
- (D) केवल नक्शा

५२१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२१?

- (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (B) केवल सजावट
- (C) केवल अलंकार-सूची
- (D) केवल शीर्षक

५२२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२२?

- (A) केवल भूगोल
- (B) केवल छन्द
- (C) केवल अक्षर
- (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध

५२३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२३?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) केवल रंग
- (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

५२४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२४?

- (A) केवल संख्या
- (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) केवल ताल

५२५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२५?

- (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (B) केवल अवकाश
- (C) केवल खेल
- (D) केवल अलंकार

५२६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२६?

- (A) मौसमक परिवर्तन
- (B) कथा-कागज
- (C) लिपिक आकार
- (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना

५२७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२७?

- (A) केवल रसक नाम
- (B) केवल दूकान
- (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (D) केवल गीतक ताल

५२८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२८?

- (A) केवल मुखपृष्ठ
- (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन
- (C) केवल पुरुषक आदेश
- (D) केवल छन्द-गणना

५२९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५२९?

- (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (B) केवल यात्रा-वृत्त
- (C) केवल व्याकरण
- (D) केवल कृषिफल

५३०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३०?

- (A) केवल चिड़ैक नाम
- (B) केवल नक्शा
- (C) केवल छपाई
- (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा

५३१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३१?

- (A) केवल अलंकार-सूची
- (B) केवल शीर्षक
- (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (D) केवल सजावट

५३२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३२?

- (A) केवल अक्षर
- (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध
- (C) केवल भूगोल
- (D) केवल छन्द

५३३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३३?

- (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल मुद्रक
- (D) केवल रंग

५३४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३४?

- (A) केवल नदीक नाम
- (B) केवल ताल
- (C) केवल संख्या
- (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष

५३५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३५?

- (A) केवल खेल
- (B) केवल अलंकार
- (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (D) केवल अवकाश

५३६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३६?

- (A) लिपिक आकार
- (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना
- (C) मौसमक परिवर्तन
- (D) कथा-कागज

५३७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३७?

- (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (B) केवल गीतक ताल
- (C) केवल रसक नाम
- (D) केवल दूकान

५३८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३८?

- (A) केवल पुरुषक आदेश
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) केवल मुखपृष्ठ
- (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन

५३९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५३९?

- (A) केवल व्याकरण
- (B) केवल कृषिफल
- (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (D) केवल यात्रा-वृत्त

५४०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४०?

- (A) केवल छपाई
- (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा
- (C) केवल चिड़ैक नाम
- (D) केवल नक्शा

५४१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४१?

- (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (B) केवल सजावट
- (C) केवल अलंकार-सूची
- (D) केवल शीर्षक

५४२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४२?

- (A) केवल भूगोल
- (B) केवल छन्द
- (C) केवल अक्षर
- (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध

५४३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४३?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) केवल रंग
- (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

५४४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४४?

- (A) केवल संख्या
- (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) केवल ताल

५४५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४५?

- (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (B) केवल अवकाश
- (C) केवल खेल
- (D) केवल अलंकार

५४६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४६?

- (A) मौसमक परिवर्तन
- (B) कथा-कागज
- (C) लिपिक आकार
- (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना

५४७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४७?

- (A) केवल रसक नाम
- (B) केवल दूकान
- (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (D) केवल गीतक ताल

५४८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४८?

- (A) केवल मुखपृष्ठ
- (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन
- (C) केवल पुरुषक आदेश
- (D) केवल छन्द-गणना

५४९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५४९?

- (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (B) केवल यात्रा-वृत्त
- (C) केवल व्याकरण
- (D) केवल कृषिफल

५५०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५०?

- (A) केवल चिड़ैक नाम
- (B) केवल नक्शा
- (C) केवल छपाई
- (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा

५५१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५१?

- (A) केवल अलंकार-सूची
- (B) केवल शीर्षक
- (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (D) केवल सजावट

५५२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५२?

- (A) केवल अक्षर
- (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध
- (C) केवल भूगोल
- (D) केवल छन्द

५५३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५३?

- (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल मुद्रक
- (D) केवल रंग

५५४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५४?

- (A) केवल नदीक नाम
- (B) केवल ताल
- (C) केवल संख्या
- (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष

५५५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५५?

- (A) केवल खेल
- (B) केवल अलंकार
- (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (D) केवल अवकाश

५५६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५६?

- (A) लिपिक आकार
- (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना
- (C) मौसमक परिवर्तन
- (D) कथा-कागज

५५७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५७?

- (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (B) केवल गीतक ताल
- (C) केवल रसक नाम
- (D) केवल दूकान

५५८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५८?

- (A) केवल पुरुषक आदेश
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) केवल मुखपृष्ठ
- (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन

५५९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५५९?

- (A) केवल व्याकरण
- (B) केवल कृषिफल
- (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (D) केवल यात्रा-वृत्त

५६०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६०?

- (A) केवल छपाई
- (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा
- (C) केवल चिड़ैक नाम
- (D) केवल नक्शा

५६१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६१?

- (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (B) केवल सजावट
- (C) केवल अलंकार-सूची
- (D) केवल शीर्षक

५६२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६२?

- (A) केवल भूगोल
- (B) केवल छन्द
- (C) केवल अक्षर
- (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध

५६३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६३?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) केवल रंग
- (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

५६४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६४?

- (A) केवल संख्या
- (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) केवल ताल

५६५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६५?

- (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (B) केवल अवकाश
- (C) केवल खेल
- (D) केवल अलंकार

५६६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६६?

- (A) मौसमक परिवर्तन
- (B) कथा-कागज
- (C) लिपिक आकार
- (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना

५६७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६७?

- (A) केवल रसक नाम
- (B) केवल दूकान
- (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (D) केवल गीतक ताल

५६८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६८?

- (A) केवल मुखपृष्ठ
- (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन
- (C) केवल पुरुषक आदेश
- (D) केवल छन्द-गणना

५६९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५६९?

- (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (B) केवल यात्रा-वृत्त
- (C) केवल व्याकरण
- (D) केवल कृषिफल

५७०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७०?

- (A) केवल चिड़ैक नाम
- (B) केवल नक्शा
- (C) केवल छपाई
- (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा

५७१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७१?

- (A) केवल अलंकार-सूची
- (B) केवल शीर्षक
- (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (D) केवल सजावट

५७२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७२?

- (A) केवल अक्षर
- (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध
- (C) केवल भूगोल
- (D) केवल छन्द

५७३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७३?

- (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल मुद्रक
- (D) केवल रंग

५७४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७४?

- (A) केवल नदीक नाम
- (B) केवल ताल
- (C) केवल संख्या
- (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष

५७५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७५?

- (A) केवल खेल
- (B) केवल अलंकार
- (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (D) केवल अवकाश

५७६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७६?

- (A) लिपिक आकार
- (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना
- (C) मौसमक परिवर्तन
- (D) कथा-कागज

५७७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७७?

- (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (B) केवल गीतक ताल
- (C) केवल रसक नाम
- (D) केवल दूकान

५७८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७८?

- (A) केवल पुरुषक आदेश
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) केवल मुखपृष्ठ
- (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन

५७९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५७९?

- (A) केवल व्याकरण
- (B) केवल कृषिफल
- (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (D) केवल यात्रा-वृत्त

५८०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८०?

- (A) केवल छपाई
- (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा
- (C) केवल चिड़ैक नाम
- (D) केवल नक्शा

५८१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८१?

- (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (B) केवल सजावट
- (C) केवल अलंकार-सूची
- (D) केवल शीर्षक

५८२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८२?

- (A) केवल भूगोल
- (B) केवल छन्द
- (C) केवल अक्षर
- (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध

५८३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८३?

- (A) केवल मुद्रक
- (B) केवल रंग
- (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

५८४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८४?

- (A) केवल संख्या
- (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) केवल ताल

५८५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८५?

- (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (B) केवल अवकाश
- (C) केवल खेल
- (D) केवल अलंकार

५८६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८६?

- (A) मौसमक परिवर्तन
- (B) कथा-कागज
- (C) लिपिक आकार
- (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना

५८७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८७?

- (A) केवल रसक नाम
- (B) केवल दूकान
- (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (D) केवल गीतक ताल

५८८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८८?

- (A) केवल मुखपृष्ठ
- (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन
- (C) केवल पुरुषक आदेश
- (D) केवल छन्द-गणना

५८९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५८९?

- (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (B) केवल यात्रा-वृत्त
- (C) केवल व्याकरण
- (D) केवल कृषिफल

५९०. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९०?

- (A) केवल चिड़ैक नाम
- (B) केवल नक्शा
- (C) केवल छपाई
- (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा

५९१. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-पात्र”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९१?

- (A) केवल अलंकार-सूची
- (B) केवल शीर्षक
- (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र
- (D) केवल सजावट

५९२. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “दाम्पत्य”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९२?

- (A) केवल अक्षर
- (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध
- (C) केवल भूगोल
- (D) केवल छन्द

५९३. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “मातृत्व”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९३?

- (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल मुद्रक
- (D) केवल रंग

५९४. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “कन्या-जीवन”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९४?

- (A) केवल नदीक नाम
- (B) केवल ताल
- (C) केवल संख्या
- (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष

५९५. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घरेलू श्रम”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९५?

- (A) केवल खेल
- (B) केवल अलंकार
- (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन
- (D) केवल अवकाश

५९६. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पितृसत्ता”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९६?

- (A) लिपिक आकार
- (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना
- (C) मौसमक परिवर्तन
- (D) कथा-कागज

५९७. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “पीढ़ी-संघर्ष”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९७?

- (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव
- (B) केवल गीतक ताल
- (C) केवल रसक नाम
- (D) केवल दूकान

५९८. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “स्त्री-स्वर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९८?

- (A) केवल पुरुषक आदेश
- (B) केवल छन्द-गणना
- (C) केवल मुखपृष्ठ
- (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन

५९९. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “विवाह-संस्था”क सही व्याख्या की — अभ्यास ५९९?

- (A) केवल व्याकरण
- (B) केवल कृषिफल
- (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था
- (D) केवल यात्रा-वृत्त

६००. कथा-संग्रहक पारिवारिक/स्त्री-दृष्टि पाठमे “घर-बाहर”क सही व्याख्या की — अभ्यास ६००?

- (A) केवल छपाई
- (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा
- (C) केवल चिड़ैक नाम
- (D) केवल नक्शा

६०१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (B) केवल शुष्क परिभाषा
- (C) केवल संख्यात्मक तालिका
- (D) केवल चित्र

६०२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) केवल मुद्रण-दोष
- (C) केवल पात्रक नाम
- (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन

६०३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) केवल गणित
- (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (D) केवल शास्त्रीय अनुवाद

६०४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल संख्या
- (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट
- (C) केवल प्रशंसा
- (D) केवल आदेश

६०५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (B) केवल सपाट सूचना
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल रंग

६०६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) लेखकक जन्मपत्र
- (B) कागजक मोटाई
- (C) पुस्तकक मूल्य
- (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा

६०७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) प्रकाशकक लोगो
- (B) तालवाद्य
- (C) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (D) छपाई मशीन

६०८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) असंबद्ध संख्या
- (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न
- (C) निरर्थक शोर
- (D) विदेशी नकल मात्र

६०९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (B) अर्थहीन जटिलता
- (C) केवल कठिन शब्द
- (D) पाठकसँ दूरी

६१०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाईत अछि?

- (A) पूर्ण मौन
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) प्रशासनिक सूची
- (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग

६११. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६११?

- (A) केवल संख्यात्मक तालिका
- (B) केवल चित्र
- (C) भाषाकें लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (D) केवल शुष्क परिभाषा

६१२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६१२?

- (A) केवल पात्रक नाम
- (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) केवल मुद्रण-दोष

६१३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६१३?

- (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (B) केवल शास्त्रीय अनुवाद
- (C) केवल मौन
- (D) केवल गणित

६१४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६१४?

- (A) केवल प्रशंसा
- (B) केवल आदेश
- (C) केवल संख्या
- (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट

६१५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६१५?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल रंग
- (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (D) केवल सपाट सूचना

६१६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६१६?

- (A) पुस्तकक मूल्य
- (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा
- (C) लेखकक जन्मपत्र
- (D) कागजक मोटाइ

६१७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६१७?

- (A) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (B) छपाई मशीन
- (C) प्रकाशकक लोगो
- (D) तालवाद्य

६१८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६१८?

- (A) निरर्थक शोर
- (B) विदेशी नकल मात्र
- (C) असंबद्ध संख्या
- (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न

६१९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६१९?

- (A) केवल कठिन शब्द
- (B) पाठकसँ दूरी
- (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (D) अर्थहीन जटिलता

६२०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२०?

- (A) प्रशासनिक सूची
- (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग
- (C) पूर्ण मौन
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

६२१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२१?

- (A) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (B) केवल शुष्क परिभाषा
- (C) केवल संख्यात्मक तालिका
- (D) केवल चित्र

६२२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२२?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) केवल मुद्रण-दोष
- (C) केवल पात्रक नाम
- (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन

६२३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२३?

- (A) केवल मौन
- (B) केवल गणित
- (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (D) केवल शास्त्रीय अनुवाद

६२४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२४?

- (A) केवल संख्या
- (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट
- (C) केवल प्रशंसा
- (D) केवल आदेश

६२५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२५?

- (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (B) केवल सपाट सूचना
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल रंग

६२६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२६?

- (A) लेखकक जन्मपत्र
- (B) कागजक मोटाइ
- (C) पुस्तकक मूल्य
- (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा

६२७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२७?

- (A) प्रकाशकक लोगो
- (B) तालवाद्य
- (C) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (D) छपाई मशीन

६२८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२८?

- (A) असंबद्ध संख्या
- (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न
- (C) निरर्थक शोर
- (D) विदेशी नकल मात्र

६२९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६२९?

- (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (B) अर्थहीन जटिलता
- (C) केवल कठिन शब्द
- (D) पाठकसँ दूरी

६३०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६३०?

- (A) पूर्ण मौन
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) प्रशासनिक सूची
- (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग

६३१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६३१?

- (A) केवल संख्यात्मक तालिका
- (B) केवल चित्र
- (C) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (D) केवल शुष्क परिभाषा

६३२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६३२?

- (A) केवल पात्रक नाम
- (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) केवल मुद्रण-दोष

६३३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६३३?

- (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (B) केवल शास्त्रीय अनुवाद
- (C) केवल मौन
- (D) केवल गणित

६३४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६३४?

- (A) केवल प्रशंसा
- (B) केवल आदेश
- (C) केवल संख्या
- (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट

६३५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६३५?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल रंग
- (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (D) केवल सपाट सूचना

६३६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६३६?

- (A) पुस्तकक मूल्य
- (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा
- (C) लेखकक जन्मपत्र
- (D) कागजक मोटाइ

६३७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६३७?

- (A) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (B) छपाई मशीन
- (C) प्रकाशकक लोगो
- (D) तालवाद्य

६३८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६३८?

- (A) निरर्थक शोर
- (B) विदेशी नकल मात्र
- (C) असंबद्ध संख्या
- (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न

६३९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६३९?

- (A) केवल कठिन शब्द
- (B) पाठकसँ दूरी
- (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (D) अर्थहीन जटिलता

६४०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४०?

- (A) प्रशासनिक सूची
- (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग
- (C) पूर्ण मौन
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

६४१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४१?

- (A) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (B) केवल शुष्क परिभाषा
- (C) केवल संख्यात्मक तालिका
- (D) केवल चित्र

६४२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४२?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) केवल मुद्रण-दोष
- (C) केवल पात्रक नाम
- (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन

६४३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४३?

- (A) केवल मौन
- (B) केवल गणित
- (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (D) केवल शास्त्रीय अनुवाद

६४४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४४?

- (A) केवल संख्या
- (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट
- (C) केवल प्रशंसा
- (D) केवल आदेश

६४५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४५?

- (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (B) केवल सपाट सूचना
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल रंग

६४६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४६?

- (A) लेखकक जन्मपत्र
- (B) कागजक मोटाई
- (C) पुस्तकक मूल्य
- (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा

६४७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४७?

- (A) प्रकाशकक लोगो
- (B) तालवाद्य
- (C) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (D) छपाई मशीन

६४८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४८?

- (A) असंबद्ध संख्या
- (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न
- (C) निरर्थक शोर
- (D) विदेशी नकल मात्र

६४९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६४९?

- (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (B) अर्थहीन जटिलता
- (C) केवल कठिन शब्द
- (D) पाठकसँ दूरी

६५०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६५०?

- (A) पूर्ण मौन
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) प्रशासनिक सूची
- (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग

६५१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६५१?

- (A) केवल संख्यात्मक तालिका
- (B) केवल चित्र
- (C) भाषाकें लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (D) केवल शुष्क परिभाषा

६५२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६५२?

- (A) केवल पात्रक नाम
- (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) केवल मुद्रण-दोष

६५३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६५३?

- (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (B) केवल शास्त्रीय अनुवाद
- (C) केवल मौन
- (D) केवल गणित

६५४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६५४?

- (A) केवल प्रशंसा
- (B) केवल आदेश
- (C) केवल संख्या
- (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट

६५५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६५५?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल रंग
- (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (D) केवल सपाट सूचना

६५६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६५६?

- (A) पुस्तकक मूल्य
- (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा
- (C) लेखकक जन्मपत्र
- (D) कागजक मोटाइ

६५७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६५७?

- (A) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (B) छपाई मशीन
- (C) प्रकाशकक लोगो
- (D) तालवाद्य

६५८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६५८?

- (A) निरर्थक शोर
- (B) विदेशी नकल मात्र
- (C) असंबद्ध संख्या
- (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न

६५९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६५९?

- (A) केवल कठिन शब्द
- (B) पाठकसँ दूरी
- (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (D) अर्थहीन जटिलता

६६०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६६०?

- (A) प्रशासनिक सूची
- (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग
- (C) पूर्ण मौन
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

६६१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६६१?

- (A) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (B) केवल शुष्क परिभाषा
- (C) केवल संख्यात्मक तालिका
- (D) केवल चित्र

६६२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६६२?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) केवल मुद्रण-दोष
- (C) केवल पात्रक नाम
- (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन

६६३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६६३?

- (A) केवल मौन
- (B) केवल गणित
- (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (D) केवल शास्त्रीय अनुवाद

६६४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६६४?

- (A) केवल संख्या
- (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट
- (C) केवल प्रशंसा
- (D) केवल आदेश

६६५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६६५?

- (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (B) केवल सपाट सूचना
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल रंग

६६६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६६६?

- (A) लेखकक जन्मपत्र
- (B) कागजक मोटाइ
- (C) पुस्तकक मूल्य
- (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा

६६७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६६७?

- (A) प्रकाशकक लोगो
- (B) तालवाद्य
- (C) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (D) छपाई मशीन

६६८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६६८?

- (A) असंबद्ध संख्या
- (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न
- (C) निरर्थक शोर
- (D) विदेशी नकल मात्र

६६९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६६९?

- (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (B) अर्थहीन जटिलता
- (C) केवल कठिन शब्द
- (D) पाठकसँ दूरी

६७०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७०?

- (A) पूर्ण मौन
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) प्रशासनिक सूची
- (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग

६७१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७१?

- (A) केवल संख्यात्मक तालिका
- (B) केवल चित्र
- (C) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (D) केवल शुष्क परिभाषा

६७२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७२?

- (A) केवल पात्रक नाम
- (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) केवल मुद्रण-दोष

६७३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७३?

- (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (B) केवल शास्त्रीय अनुवाद
- (C) केवल मौन
- (D) केवल गणित

६७४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७४?

- (A) केवल प्रशंसा
- (B) केवल आदेश
- (C) केवल संख्या
- (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट

६७५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७५?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल रंग
- (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (D) केवल सपाट सूचना

६७६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७६?

- (A) पुस्तकक मूल्य
- (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा
- (C) लेखकक जन्मपत्र
- (D) कागजक मोटाइ

६७७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७७?

- (A) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (B) छपाई मशीन
- (C) प्रकाशकक लोगो
- (D) तालवाद्य

६७८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७८?

- (A) निरर्थक शोर
- (B) विदेशी नकल मात्र
- (C) असंबद्ध संख्या
- (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न

६७९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६७९?

- (A) केवल कठिन शब्द
- (B) पाठकसँ दूरी
- (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (D) अर्थहीन जटिलता

६८०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८०?

- (A) प्रशासनिक सूची
- (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग
- (C) पूर्ण मौन
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

६८१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८१?

- (A) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (B) केवल शुष्क परिभाषा
- (C) केवल संख्यात्मक तालिका
- (D) केवल चित्र

६८२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८२?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) केवल मुद्रण-दोष
- (C) केवल पात्रक नाम
- (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन

६८३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८३?

- (A) केवल मौन
- (B) केवल गणित
- (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (D) केवल शास्त्रीय अनुवाद

६८४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८४?

- (A) केवल संख्या
- (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट
- (C) केवल प्रशंसा
- (D) केवल आदेश

६८५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८५?

- (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (B) केवल सपाट सूचना
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल रंग

६८६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८६?

- (A) लेखकक जन्मपत्र
- (B) कागजक मोटाई
- (C) पुस्तकक मूल्य
- (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा

६८७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८७?

- (A) प्रकाशकक लोगो
- (B) तालवाद्य
- (C) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (D) छपाई मशीन

६८८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८८?

- (A) असंबद्ध संख्या
- (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न
- (C) निरर्थक शोर
- (D) विदेशी नकल मात्र

६८९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६८९?

- (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (B) अर्थहीन जटिलता
- (C) केवल कठिन शब्द
- (D) पाठकसँ दूरी

६९०. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६९०?

- (A) पूर्ण मौन
- (B) निरर्थक पुनरावृत्ति
- (C) प्रशासनिक सूची
- (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग

६९१. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “मुहावरा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६९१?

- (A) केवल संख्यात्मक तालिका
- (B) केवल चित्र
- (C) भाषाकें लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग
- (D) केवल शुष्क परिभाषा

६९२. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “लोकोक्ति” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६९२?

- (A) केवल पात्रक नाम
- (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) केवल मुद्रण-दोष

६९३. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “बोलचाल” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६९३?

- (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा
- (B) केवल शास्त्रीय अनुवाद
- (C) केवल मौन
- (D) केवल गणित

६९४. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “व्यंग्यात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६९४?

- (A) केवल प्रशंसा
- (B) केवल आदेश
- (C) केवल संख्या
- (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट

६९५. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “प्रतीकात्मक भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६९५?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल रंग
- (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत
- (D) केवल सपाट सूचना

६९६. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “संवाद-भाषा” सँ की बुझाईत अछि — अभ्यास ६९६?

- (A) पुस्तकक मूल्य
- (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा
- (C) लेखकक जन्मपत्र
- (D) कागजक मोटाइ

६९७. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “कथावाचक भाषा” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६९७?

- (A) कथा कहयवला स्वरक शैली
- (B) छपाई मशीन
- (C) प्रकाशकक लोगो
- (D) तालवाद्य

६९८. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “क्षेत्रीय शब्द” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६९८?

- (A) निरर्थक शोर
- (B) विदेशी नकल मात्र
- (C) असंबद्ध संख्या
- (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न

६९९. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “सरलता” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ६९९?

- (A) केवल कठिन शब्द
- (B) पाठकसँ दूरी
- (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता
- (D) अर्थहीन जटिलता

७००. कथा-संग्रहक भाषा-शैलीक विश्लेषणमे “वक्रता” सँ की बुझाइत अछि — अभ्यास ७००?

- (A) प्रशासनिक सूची
- (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग
- (C) पूर्ण मौन
- (D) निरर्थक पुनरावृत्ति

7

७०१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसँ “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (B) केवल बाहरी युद्ध
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल पृष्ठ

७०२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसँ “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) केवल भविष्यक सूची
- (B) केवल नकल
- (C) केवल छन्द
- (D) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब

७०३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसँ “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) केवल खेती-कैलेंडर
- (B) केवल तालिका
- (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (D) केवल मुद्रण

७०४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसँ “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ
- (C) केवल भोजन
- (D) केवल खेल

७०५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (B) केवल उत्सव
- (C) केवल ताल
- (D) केवल बाहरी सजावट

७०६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) केवल प्रसन्नता
- (B) केवल छन्द-नाम
- (C) केवल लेखक-नाम
- (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति

७०७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) केवल हास्य
- (B) केवल गणना
- (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (D) पूर्ण पराधीनता

७०८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव
- (C) केवल रंगक भेद
- (D) केवल लिपिक नाम

७०९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (B) केवल निर्माण
- (C) केवल सूची
- (D) केवल मानचित्र

७१०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि?

- (A) केवल बाहरी परिचय
- (B) केवल संख्या
- (C) केवल छपाई
- (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब

७११. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७११?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (D) केवल बाहरी युद्ध

७१२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७१२?

- (A) केवल छन्द
- (B) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब
- (C) केवल भविष्यक सूची
- (D) केवल नकल

७१३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७१३?

- (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (B) केवल मुद्रण
- (C) केवल खेती-कैलेंडर
- (D) केवल तालिका

७१४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७१४?

- (A) केवल भोजन
- (B) केवल खेल
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) कर्म वा निर्णायक नैतिक बोझ

७१५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७१५?

- (A) केवल ताल
- (B) केवल बाहरी सजावट
- (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (D) केवल उत्सव

७१६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७१६?

- (A) केवल लेखक-नाम
- (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति
- (C) केवल प्रसन्नता
- (D) केवल छन्द-नाम

७१७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७१७?

- (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (B) पूर्ण पराधीनता
- (C) केवल हास्य
- (D) केवल गणना

७१८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७१८?

- (A) केवल रंगक भेद
- (B) केवल लिपिक नाम
- (C) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव

७१९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७१९?

- (A) केवल सूची
- (B) केवल मानचित्र
- (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (D) केवल निर्माण

७२०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२०?

- (A) केवल छपाई
- (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब
- (C) केवल बाहरी परिचय
- (D) केवल संख्या

७२१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२१?

- (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (B) केवल बाहरी युद्ध
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल पृष्ठ

७२२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२२?

- (A) केवल भविष्यक सूची
- (B) केवल नकल
- (C) केवल छन्द
- (D) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब

७२३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२३?

- (A) केवल खेती-कैलेंडर
- (B) केवल तालिका
- (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (D) केवल मुद्रण

७२४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२४?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ
- (C) केवल भोजन
- (D) केवल खेल

७२५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२५?

- (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (B) केवल उत्सव
- (C) केवल ताल
- (D) केवल बाहरी सजावट

७२६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२६?

- (A) केवल प्रसन्नता
- (B) केवल छन्द-नाम
- (C) केवल लेखक-नाम
- (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति

७२७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२७?

- (A) केवल हास्य
- (B) केवल गणना
- (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (D) पूर्ण पराधीनता

७२८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२८?

- (A) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव
- (C) केवल रंगक भेद
- (D) केवल लिपिक नाम

७२९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७२९?

- (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (B) केवल निर्माण
- (C) केवल सूची
- (D) केवल मानचित्र

७३०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३०?

- (A) केवल बाहरी परिचय
- (B) केवल संख्या
- (C) केवल छपाई
- (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब

७३१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३१?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (D) केवल बाहरी युद्ध

७३२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३२?

- (A) केवल छन्द
- (B) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब
- (C) केवल भविष्यक सूची
- (D) केवल नकल

७३३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३३?

- (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (B) केवल मुद्रण
- (C) केवल खेती-कैलेंडर
- (D) केवल तालिका

७३४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३४?

- (A) केवल भोजन
- (B) केवल खेल
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) कर्म वा निर्णायक नैतिक बोझ

७३५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३५?

- (A) केवल ताल
- (B) केवल बाहरी सजावट
- (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (D) केवल उत्सव

७३६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३६?

- (A) केवल लेखक-नाम
- (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति
- (C) केवल प्रसन्नता
- (D) केवल छन्द-नाम

७३७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३७?

- (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (B) पूर्ण पराधीनता
- (C) केवल हास्य
- (D) केवल गणना

७३८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३८?

- (A) केवल रंगक भेद
- (B) केवल लिपिक नाम
- (C) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव

७३९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७३९?

- (A) केवल सूची
- (B) केवल मानचित्र
- (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (D) केवल निर्माण

७४०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४०?

- (A) केवल छपाई
- (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब
- (C) केवल बाहरी परिचय
- (D) केवल संख्या

७४१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४१?

- (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (B) केवल बाहरी युद्ध
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल पृष्ठ

७४२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४२?

- (A) केवल भविष्यक सूची
- (B) केवल नकल
- (C) केवल छन्द
- (D) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब

७४३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४३?

- (A) केवल खेती-कैलेंडर
- (B) केवल तालिका
- (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (D) केवल मुद्रण

७४४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४४?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) कर्म वा निर्णायक नैतिक बोझ
- (C) केवल भोजन
- (D) केवल खेल

७४५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४५?

- (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (B) केवल उत्सव
- (C) केवल ताल
- (D) केवल बाहरी सजावट

७४६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४६?

- (A) केवल प्रसन्नता
- (B) केवल छन्द-नाम
- (C) केवल लेखक-नाम
- (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति

७४७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४७?

- (A) केवल हास्य
- (B) केवल गणना
- (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (D) पूर्ण पराधीनता

७४८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४८?

- (A) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव
- (C) केवल रंगक भेद
- (D) केवल लिपिक नाम

७४९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७४९?

- (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (B) केवल निर्माण
- (C) केवल सूची
- (D) केवल मानचित्र

७५०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५०?

- (A) केवल बाहरी परिचय
- (B) केवल संख्या
- (C) केवल छपाई
- (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब

७५१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५१?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (D) केवल बाहरी युद्ध

७५२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५२?

- (A) केवल छन्द
- (B) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब
- (C) केवल भविष्यक सूची
- (D) केवल नकल

७५३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५३?

- (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (B) केवल मुद्रण
- (C) केवल खेती-कैलेंडर
- (D) केवल तालिका

७५४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५४?

- (A) केवल भोजन
- (B) केवल खेल
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) कर्म वा निर्णायक नैतिक बोझ

७५५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५५?

- (A) केवल ताल
- (B) केवल बाहरी सजावट
- (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (D) केवल उत्सव

७५६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५६?

- (A) केवल लेखक-नाम
- (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति
- (C) केवल प्रसन्नता
- (D) केवल छन्द-नाम

७५७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५७?

- (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (B) पूर्ण पराधीनता
- (C) केवल हास्य
- (D) केवल गणना

७५८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५८?

- (A) केवल रंगक भेद
- (B) केवल लिपिक नाम
- (C) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव

७५९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७५९?

- (A) केवल सूची
- (B) केवल मानचित्र
- (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (D) केवल निर्माण

७६०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६०?

- (A) केवल छपाई
- (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब
- (C) केवल बाहरी परिचय
- (D) केवल संख्या

७६१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६१?

- (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (B) केवल बाहरी युद्ध
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल पृष्ठ

७६२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६२?

- (A) केवल भविष्यक सूची
- (B) केवल नकल
- (C) केवल छन्द
- (D) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब

७६३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६३?

- (A) केवल खेती-कैलेंडर
- (B) केवल तालिका
- (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (D) केवल मुद्रण

७६४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६४?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ
- (C) केवल भोजन
- (D) केवल खेल

७६५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६५?

- (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (B) केवल उत्सव
- (C) केवल ताल
- (D) केवल बाहरी सजावट

७६६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६६?

- (A) केवल प्रसन्नता
- (B) केवल छन्द-नाम
- (C) केवल लेखक-नाम
- (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति

७६७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६७?

- (A) केवल हास्य
- (B) केवल गणना
- (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (D) पूर्ण पराधीनता

७६८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६८?

- (A) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव
- (C) केवल रंगक भेद
- (D) केवल लिपिक नाम

७६९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७६९?

- (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (B) केवल निर्माण
- (C) केवल सूची
- (D) केवल मानचित्र

७७०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७०?

- (A) केवल बाहरी परिचय
- (B) केवल संख्या
- (C) केवल छपाई
- (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब

७७१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७१?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (D) केवल बाहरी युद्ध

७७२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७२?

- (A) केवल छन्द
- (B) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब
- (C) केवल भविष्यक सूची
- (D) केवल नकल

७७३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७३?

- (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (B) केवल मुद्रण
- (C) केवल खेती-कैलेंडर
- (D) केवल तालिका

७७४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७४?

- (A) केवल भोजन
- (B) केवल खेल
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) कर्म वा निर्णायक नैतिक बोझ

७७५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७५?

- (A) केवल ताल
- (B) केवल बाहरी सजावट
- (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (D) केवल उत्सव

७७६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७६?

- (A) केवल लेखक-नाम
- (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति
- (C) केवल प्रसन्नता
- (D) केवल छन्द-नाम

७७७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७७?

- (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (B) पूर्ण पराधीनता
- (C) केवल हास्य
- (D) केवल गणना

७७८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७८?

- (A) केवल रंगक भेद
- (B) केवल लिपिक नाम
- (C) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव

७७९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७७९?

- (A) केवल सूची
- (B) केवल मानचित्र
- (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (D) केवल निर्माण

७८०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८०?

- (A) केवल छपाई
- (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब
- (C) केवल बाहरी परिचय
- (D) केवल संख्या

७८१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८१?

- (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (B) केवल बाहरी युद्ध
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल पृष्ठ

७८२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८२?

- (A) केवल भविष्यक सूची
- (B) केवल नकल
- (C) केवल छन्द
- (D) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब

७८३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८३?

- (A) केवल खेती-कैलेंडर
- (B) केवल तालिका
- (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (D) केवल मुद्रण

७८४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८४?

- (A) केवल पृष्ठ-सूची
- (B) कर्म वा निर्णायक नैतिक बोझ
- (C) केवल भोजन
- (D) केवल खेल

७८५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८५?

- (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (B) केवल उत्सव
- (C) केवल ताल
- (D) केवल बाहरी सजावट

७८६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८६?

- (A) केवल प्रसन्नता
- (B) केवल छन्द-नाम
- (C) केवल लेखक-नाम
- (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति

७८७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८७?

- (A) केवल हास्य
- (B) केवल गणना
- (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (D) पूर्ण पराधीनता

७८८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८८?

- (A) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव
- (C) केवल रंगक भेद
- (D) केवल लिपिक नाम

७८९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७८९?

- (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (B) केवल निर्माण
- (C) केवल सूची
- (D) केवल मानचित्र

७९०. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९०?

- (A) केवल बाहरी परिचय
- (B) केवल संख्या
- (C) केवल छपाई
- (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब

७९१. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अन्तर्द्वन्द्व”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९१?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष
- (D) केवल बाहरी युद्ध

७९२. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्मृति”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९२?

- (A) केवल छन्द
- (B) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब
- (C) केवल भविष्यक सूची
- (D) केवल नकल

७९३. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आकांक्षा”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९३?

- (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य
- (B) केवल मुद्रण
- (C) केवल खेती-कैलेंडर
- (D) केवल तालिका

७९४. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “अपराध-बोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९४?

- (A) केवल भोजन
- (B) केवल खेल
- (C) केवल पृष्ठ-सूची
- (D) कर्म वा निर्णायक नैतिक बोझ

७९५. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “एकाकीपन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९५?

- (A) केवल ताल
- (B) केवल बाहरी सजावट
- (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन
- (D) केवल उत्सव

७९६. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “भय”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९६?

- (A) केवल लेखक-नाम
- (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति
- (C) केवल प्रसन्नता
- (D) केवल छन्द-नाम

७९७. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “स्वाभिमान”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९७?

- (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना
- (B) पूर्ण पराधीनता
- (C) केवल हास्य
- (D) केवल गणना

७९८. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “नैतिक संकट”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९८?

- (A) केवल रंगक भेद
- (B) केवल लिपिक नाम
- (C) केवल प्रकाशन-वर्ष
- (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव

७९९. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “संबंधक टूटन”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ७९९?

- (A) केवल सूची
- (B) केवल मानचित्र
- (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार
- (D) केवल निर्माण

८००. पात्र-मनोविज्ञानक दृष्टिसे “आत्मबोध”क उचित अर्थ की अछि — अभ्यास ८००?

- (A) केवल छपाई
- (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब
- (C) केवल बाहरी परिचय
- (D) केवल संख्या

८०१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की?

- (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (B) पूर्ण असम्बन्ध
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) मात्र छपाई

८०२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की?

- (A) केवल अलंकार गिनब
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) केवल कवर
- (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब

८०३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की?

- (A) केवल विवरण
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (D) केवल नारा

८०४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की?

- (A) केवल आँकड़ा
- (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन
- (C) केवल पुरुष-वंशावली
- (D) केवल प्रकाशक

८०५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की?

- (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (B) केवल शहरी नक्शा
- (C) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (D) केवल गिनती

८०६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की?

- (A) केवल बाहरी पोशाक
- (B) केवल ग्रन्थ-मूल्य
- (C) केवल अक्षर-गणना
- (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन

८०७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की?

- (A) काव्य निषेध
- (B) रचना निषेध
- (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब
- (D) कल्पना निषेध

८०८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की?

- (A) केवल अनुक्रम
- (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब
- (C) केवल शब्दार्थ
- (D) केवल नाम

८०९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की?

- (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (B) केवल एके पंक्ति रटब
- (C) सभ लेखककेँ एक करब
- (D) विषय न देखब

८१०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की?

- (A) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (B) बिना उदाहरणक दावा
- (C) केवल भावुकता
- (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर

८११. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८११?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) मात्र छपाई
- (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (D) पूर्ण असम्बन्ध

८१२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८१२?

- (A) केवल कवर
- (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब
- (C) केवल अलंकार गिनब
- (D) केवल लेखकक उम्र

८१३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८१३?

- (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (B) केवल नारा
- (C) केवल विवरण
- (D) केवल पृष्ठ

८१४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८१४?

- (A) केवल पुरुष-वंशावली
- (B) केवल प्रकाशक
- (C) केवल आँकड़ा
- (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन

८१५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८१५?

- (A) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (B) केवल गिनती
- (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (D) केवल शहरी नक्शा

८१६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८१६?

- (A) केवल अक्षर-गणना
- (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन
- (C) केवल बाहरी पोशाक
- (D) केवल ग्रन्थ-मूल्य

८१७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८१७?

- (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाइ देखब
- (B) कल्पना निषेध
- (C) काव्य निषेध
- (D) रचना निषेध

८१८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८१८?

- (A) केवल शब्दार्थ
- (B) केवल नाम
- (C) केवल अनुक्रम
- (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब

८१९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८१९?

- (A) सभ लेखककेँ एक करब
- (B) विषय न देखब
- (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (D) केवल एके पंक्ति रटब

८२०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२०?

- (A) केवल भावुकता
- (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर
- (C) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (D) बिना उदाहरणक दावा

८२१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२१?

- (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (B) पूर्ण असम्बन्ध
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) मात्र छपाई

८२२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२२?

- (A) केवल अलंकार गिनब
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) केवल कवर
- (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब

८२३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२३?

- (A) केवल विवरण
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (D) केवल नारा

८२४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२४?

- (A) केवल आँकड़ा
- (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन
- (C) केवल पुरुष-वंशावली
- (D) केवल प्रकाशक

८२५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२५?

- (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (B) केवल शहरी नक्शा
- (C) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (D) केवल गिनती

८२६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२६?

- (A) केवल बाहरी पोशाक
- (B) केवल ग्रन्थ-मूल्य
- (C) केवल अक्षर-गणना
- (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन

८२७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२७?

- (A) काव्य निषेध
- (B) रचना निषेध
- (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब
- (D) कल्पना निषेध

८२८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२८?

- (A) केवल अनुक्रम
- (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब
- (C) केवल शब्दार्थ
- (D) केवल नाम

८२९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८२९?

- (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (B) केवल एके पंक्ति रटब
- (C) सभ लेखककेँ एक करब
- (D) विषय न देखब

८३०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३०?

- (A) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (B) बिना उदाहरणक दावा
- (C) केवल भावुकता
- (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर

८३१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३१?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) मात्र छपाई
- (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (D) पूर्ण असम्बन्ध

८३२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३२?

- (A) केवल कवर
- (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब
- (C) केवल अलंकार गिनब
- (D) केवल लेखकक उम्र

८३३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३३?

- (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (B) केवल नारा
- (C) केवल विवरण
- (D) केवल पृष्ठ

८३४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३४?

- (A) केवल पुरुष-वंशावली
- (B) केवल प्रकाशक
- (C) केवल आँकड़ा
- (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन

८३५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३५?

- (A) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (B) केवल गिनती
- (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (D) केवल शहरी नक्शा

८३६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३६?

- (A) केवल अक्षर-गणना
- (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन
- (C) केवल बाहरी पोशाक
- (D) केवल ग्रन्थ-मूल्य

८३७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३७?

- (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब
- (B) कल्पना निषेध
- (C) काव्य निषेध
- (D) रचना निषेध

८३८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३८?

- (A) केवल शब्दार्थ
- (B) केवल नाम
- (C) केवल अनुक्रम
- (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब

८३९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८३९?

- (A) सभ लेखककेँ एक करब
- (B) विषय न देखब
- (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (D) केवल एके पंक्ति रटब

८४०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४०?

- (A) केवल भावुकता
- (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर
- (C) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (D) बिना उदाहरणक दावा

८४१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४१?

- (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (B) पूर्ण असम्बन्ध
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) मात्र छपाई

८४२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४२?

- (A) केवल अलंकार गिनब
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) केवल कवर
- (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब

८४३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४३?

- (A) केवल विवरण
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (D) केवल नारा

८४४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४४?

- (A) केवल आँकड़ा
- (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन
- (C) केवल पुरुष-वंशावली
- (D) केवल प्रकाशक

८४५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४५?

- (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (B) केवल शहरी नक्शा
- (C) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (D) केवल गिनती

८४६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४६?

- (A) केवल बाहरी पोशाक
- (B) केवल ग्रन्थ-मूल्य
- (C) केवल अक्षर-गणना
- (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन

८४७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४७?

- (A) काव्य निषेध
- (B) रचना निषेध
- (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब
- (D) कल्पना निषेध

८४८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४८?

- (A) केवल अनुक्रम
- (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब
- (C) केवल शब्दार्थ
- (D) केवल नाम

८४९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८४९?

- (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (B) केवल एके पंक्ति रटब
- (C) सभ लेखककेँ एक करब
- (D) विषय न देखब

८५०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५०?

- (A) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (B) बिना उदाहरणक दावा
- (C) केवल भावुकता
- (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर

८५१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५१?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) मात्र छपाई
- (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (D) पूर्ण असम्बन्ध

८५२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५२?

- (A) केवल कवर
- (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब
- (C) केवल अलंकार गिनब
- (D) केवल लेखकक उम्र

८५३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५३?

- (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (B) केवल नारा
- (C) केवल विवरण
- (D) केवल पृष्ठ

८५४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५४?

- (A) केवल पुरुष-वंशावली
- (B) केवल प्रकाशक
- (C) केवल आँकड़ा
- (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन

८५५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५५?

- (A) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (B) केवल गिनती
- (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (D) केवल शहरी नक्शा

८५६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५६?

- (A) केवल अक्षर-गणना
- (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन
- (C) केवल बाहरी पोशाक
- (D) केवल ग्रन्थ-मूल्य

८५७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५७?

- (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाइ देखब
- (B) कल्पना निषेध
- (C) काव्य निषेध
- (D) रचना निषेध

८५८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५८?

- (A) केवल शब्दार्थ
- (B) केवल नाम
- (C) केवल अनुक्रम
- (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब

८५९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८५९?

- (A) सभ लेखककेँ एक करब
- (B) विषय न देखब
- (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (D) केवल एके पंक्ति रटब

८६०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६०?

- (A) केवल भावुकता
- (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर
- (C) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (D) बिना उदाहरणक दावा

८६१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६१?

- (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (B) पूर्ण असम्बन्ध
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) मात्र छपाई

८६२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६२?

- (A) केवल अलंकार गिनब
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) केवल कवर
- (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब

८६३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६३?

- (A) केवल विवरण
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (D) केवल नारा

८६४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६४?

- (A) केवल आँकड़ा
- (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन
- (C) केवल पुरुष-वंशावली
- (D) केवल प्रकाशक

८६५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६५?

- (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (B) केवल शहरी नक्शा
- (C) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (D) केवल गिनती

८६६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६६?

- (A) केवल बाहरी पोशाक
- (B) केवल ग्रन्थ-मूल्य
- (C) केवल अक्षर-गणना
- (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन

८६७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६७?

- (A) काव्य निषेध
- (B) रचना निषेध
- (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब
- (D) कल्पना निषेध

८६८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६८?

- (A) केवल अनुक्रम
- (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब
- (C) केवल शब्दार्थ
- (D) केवल नाम

८६९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८६९?

- (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (B) केवल एके पंक्ति रटब
- (C) सभ लेखककेँ एक करब
- (D) विषय न देखब

८७०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७०?

- (A) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (B) बिना उदाहरणक दावा
- (C) केवल भावुकता
- (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर

८७१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७१?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) मात्र छपाई
- (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (D) पूर्ण असम्बन्ध

८७२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७२?

- (A) केवल कवर
- (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब
- (C) केवल अलंकार गिनब
- (D) केवल लेखकक उम्र

८७३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७३?

- (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (B) केवल नारा
- (C) केवल विवरण
- (D) केवल पृष्ठ

८७४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७४?

- (A) केवल पुरुष-वंशावली
- (B) केवल प्रकाशक
- (C) केवल आँकड़ा
- (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन

८७५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७५?

- (A) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (B) केवल गिनती
- (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (D) केवल शहरी नक्शा

८७६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७६?

- (A) केवल अक्षर-गणना
- (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन
- (C) केवल बाहरी पोशाक
- (D) केवल ग्रन्थ-मूल्य

८७७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७७?

- (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब
- (B) कल्पना निषेध
- (C) काव्य निषेध
- (D) रचना निषेध

८७८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७८?

- (A) केवल शब्दार्थ
- (B) केवल नाम
- (C) केवल अनुक्रम
- (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब

८७९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८७९?

- (A) सभ लेखककेँ एक करब
- (B) विषय न देखब
- (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (D) केवल एके पंक्ति रटब

८८०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८०?

- (A) केवल भावुकता
- (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर
- (C) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (D) बिना उदाहरणक दावा

८८१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८१?

- (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (B) पूर्ण असम्बन्ध
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या
- (D) मात्र छपाई

८८२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८२?

- (A) केवल अलंकार गिनब
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) केवल कवर
- (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब

८८३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८३?

- (A) केवल विवरण
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (D) केवल नारा

८८४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८४?

- (A) केवल आँकड़ा
- (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन
- (C) केवल पुरुष-वंशावली
- (D) केवल प्रकाशक

८८५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८५?

- (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (B) केवल शहरी नक्शा
- (C) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (D) केवल गिनती

८८६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८६?

- (A) केवल बाहरी पोशाक
- (B) केवल ग्रन्थ-मूल्य
- (C) केवल अक्षर-गणना
- (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन

८८७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८७?

- (A) काव्य निषेध
- (B) रचना निषेध
- (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब
- (D) कल्पना निषेध

८८८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८८?

- (A) केवल अनुक्रम
- (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब
- (C) केवल शब्दार्थ
- (D) केवल नाम

८८९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८८९?

- (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (B) केवल एके पंक्ति रटब
- (C) सभ लेखककेँ एक करब
- (D) विषय न देखब

८९०. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९०?

- (A) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (B) बिना उदाहरणक दावा
- (C) केवल भावुकता
- (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर

८९१. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “कथ्य-शिल्प सम्बन्ध”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९१?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या
- (B) मात्र छपाई
- (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य
- (D) पूर्ण असम्बन्ध

८९२. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “समाजशास्त्रीय पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९२?

- (A) केवल कवर
- (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब
- (C) केवल अलंकार गिनब
- (D) केवल लेखकक उम्र

८९३. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “सौन्दर्यात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९३?

- (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब
- (B) केवल नारा
- (C) केवल विवरण
- (D) केवल पृष्ठ

८९४. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “स्त्रीवादी पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९४?

- (A) केवल पुरुष-वंशावली
- (B) केवल प्रकाशक
- (C) केवल आँकड़ा
- (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन

८९५. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “लोक-आधारित पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९५?

- (A) केवल विज्ञान-प्रयोग
- (B) केवल गिनती
- (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन
- (D) केवल शहरी नक्शा

८९६. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “मनोवैज्ञानिक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९६?

- (A) केवल अक्षर-गणना
- (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन
- (C) केवल बाहरी पोशाक
- (D) केवल ग्रन्थ-मूल्य

८९७. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “यथार्थवादी मूल्यांकन”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९७?

- (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब
- (B) कल्पना निषेध
- (C) काव्य निषेध
- (D) रचना निषेध

८९८. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९८?

- (A) केवल शब्दार्थ
- (B) केवल नाम
- (C) केवल अनुक्रम
- (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब

८९९. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग की — अभ्यास ८९९?

- (A) सभ लेखककेँ एक करब
- (B) विषय न देखब
- (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब
- (D) केवल एके पंक्ति रटब

९००. कथा-संग्रहक आलोचनात्मक अध्ययनमे “परीक्षोपयोगी आलोचना”क सही उपयोग की — अभ्यास ९००?

- (A) केवल भावुकता
- (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर
- (C) अव्यवस्थित टिप्पणी
- (D) बिना उदाहरणक दावा

9

९०१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसँ “कथा-संग्रह पढ़बाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (B) केवल अन्तिम कथा
- (C) केवल आवरण
- (D) केवल प्रकाशक नाम

९०२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसँ “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (B) गलत पंक्ति
- (C) बिना प्रसंग
- (D) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब

९०३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसँ “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) कथाक चर्चा नहि
- (B) केवल जन्मस्थान
- (C) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (D) पूरा जीवनचरित मात्र

९०४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसँ “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) बिना संरचना
- (B) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) अस्पष्ट प्रशंसा

९०५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (B) केवल सामाजिक नारा
- (C) केवल प्रकाशन-सूची
- (D) केवल सारांश

९०६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) दुनू पूर्ण समान
- (B) सारांशमे तर्क निषिद्ध
- (C) आलोचनामे उदाहरण नहि
- (D) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन

९०७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) नामक उलझन
- (B) बिना आधार तुलना
- (C) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (D) एकटा कथा छोड़ि देब

९०८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) कोनो उत्तर नहि
- (B) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण
- (C) लम्बा भटकाव
- (D) अनावश्यक कथा

९०९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (B) एक पंक्ति
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल नाम

९१०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि?

- (A) बिना नोट पढ़ब
- (B) केवल अनुमान
- (C) पाठ छोड़ब
- (D) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब

९११. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़बाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९११?

- (A) केवल आवरण
- (B) केवल प्रकाशकक नाम
- (C) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (D) केवल अन्तिम कथा

९१२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९१२?

- (A) बिना प्रसंग
- (B) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब
- (C) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (D) गलत पंक्ति

११३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ११३?

- (A) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (B) पूरा जीवनचरित मात्र
- (C) कथाक चर्चा नहि
- (D) केवल जन्मस्थान

११४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ११४?

- (A) केवल नाम-सूची
- (B) अस्पष्ट प्रशंसा
- (C) बिना संरचना
- (D) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम

११५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ११५?

- (A) केवल प्रकाशन-सूची
- (B) केवल सारांश
- (C) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (D) केवल सामाजिक नारा

११६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ११६?

- (A) आलोचनानामे उदाहरण नहि
- (B) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन
- (C) दुनू पूर्ण समान
- (D) सारांशमे तर्क निषिद्ध

११७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ११७?

- (A) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (B) एकटा कथा छोड़ि देब
- (C) नामक उलझन
- (D) बिना आधार तुलना

११८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ११८?

- (A) लम्बा भटकाव
- (B) अनावश्यक कथा
- (C) कोनो उत्तर नहि
- (D) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण

११९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ११९?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल नाम
- (C) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (D) एक पंक्ति

१२०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२०?

- (A) पाठ छोड़ब
- (B) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब
- (C) बिना नोट पढ़ब
- (D) केवल अनुमान

१२१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़ाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२१?

- (A) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (B) केवल अन्तिम कथा
- (C) केवल आवरण
- (D) केवल प्रकाशकक नाम

१२२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२२?

- (A) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (B) गलत पंक्ति
- (C) बिना प्रसंग
- (D) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब

१२३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२३?

- (A) कथाक चर्चा नहि
- (B) केवल जन्मस्थान
- (C) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (D) पूरा जीवनचरित मात्र

१२४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२४?

- (A) बिना संरचना
- (B) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) अस्पष्ट प्रशंसा

१२५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२५?

- (A) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (B) केवल सामाजिक नारा
- (C) केवल प्रकाशन-सूची
- (D) केवल सारांश

१२६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२६?

- (A) दुनू पूर्ण समान
- (B) सारांशमे तर्क निषिद्ध
- (C) आलोचनामे उदाहरण नहि
- (D) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन

१२७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२७?

- (A) नामक उलझन
- (B) बिना आधार तुलना
- (C) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (D) एकटा कथा छोड़ि देब

१२८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १२८?

- (A) कोनो उत्तर नहि
- (B) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण
- (C) लम्बा भटकाव
- (D) अनावश्यक कथा

९२९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९२९?

- (A) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (B) एक पंक्ति
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल नाम

९३०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३०?

- (A) बिना नोट पढ़ब
- (B) केवल अनुमान
- (C) पाठ छोड़ब
- (D) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब

९३१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़बाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३१?

- (A) केवल आवरण
- (B) केवल प्रकाशक नाम
- (C) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (D) केवल अन्तिम कथा

९३२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३२?

- (A) बिना प्रसंग
- (B) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब
- (C) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (D) गलत पंक्ति

९३३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३३?

- (A) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (B) पूरा जीवनचरित मात्र
- (C) कथाक चर्चा नहि
- (D) केवल जन्मस्थान

९३४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३४?

- (A) केवल नाम-सूची
- (B) अस्पष्ट प्रशंसा
- (C) बिना संरचना
- (D) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम

९३५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३५?

- (A) केवल प्रकाशन-सूची
- (B) केवल सारांश
- (C) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (D) केवल सामाजिक नारा

९३६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३६?

- (A) आलोचनामे उदाहरण नहि
- (B) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन
- (C) दुनू पूर्ण समान
- (D) सारांशमे तर्क निषिद्ध

९३७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३७?

- (A) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (B) एकटा कथा छोड़ि देब
- (C) नामक उलझन
- (D) बिना आधार तुलना

९३८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३८?

- (A) लम्बा भटकाव
- (B) अनावश्यक कथा
- (C) कोनो उत्तर नहि
- (D) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण

९३९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९३९?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल नाम
- (C) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (D) एक पंक्ति

९४०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९४०?

- (A) पाठ छोड़ब
- (B) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब
- (C) बिना नोट पढ़ब
- (D) केवल अनुमान

९४१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़बाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९४१?

- (A) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (B) केवल अन्तिम कथा
- (C) केवल आवरण
- (D) केवल प्रकाशकक नाम

९४२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९४२?

- (A) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (B) गलत पंक्ति
- (C) बिना प्रसंग
- (D) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब

९४३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९४३?

- (A) कथाक चर्चा नहि
- (B) केवल जन्मस्थान
- (C) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (D) पूरा जीवनचरित मात्र

९४४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९४४?

- (A) बिना संरचना
- (B) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) अस्पष्ट प्रशंसा

१४५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १४५?

- (A) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (B) केवल सामाजिक नारा
- (C) केवल प्रकाशन-सूची
- (D) केवल सारांश

१४६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १४६?

- (A) दुनू पूर्ण समान
- (B) सारांशमे तर्क निषिद्ध
- (C) आलोचनामे उदाहरण नहि
- (D) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन

१४७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १४७?

- (A) नामक उलझन
- (B) बिना आधार तुलना
- (C) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (D) एकटा कथा छोड़ि देब

१४८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १४८?

- (A) कोनो उत्तर नहि
- (B) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण
- (C) लम्बा भटकाव
- (D) अनावश्यक कथा

१४९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १४९?

- (A) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (B) एक पंक्ति
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल नाम

१५०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १५०?

- (A) बिना नोट पढ़ब
- (B) केवल अनुमान
- (C) पाठ छोड़ब
- (D) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब

१५१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़बाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १५१?

- (A) केवल आवरण
- (B) केवल प्रकाशकक नाम
- (C) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (D) केवल अन्तिम कथा

१५२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १५२?

- (A) बिना प्रसंग
- (B) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब
- (C) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (D) गलत पंक्ति

९५३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९५३?

- (A) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (B) पूरा जीवनचरित मात्र
- (C) कथाक चर्चा नहि
- (D) केवल जन्मस्थान

९५४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९५४?

- (A) केवल नाम-सूची
- (B) अस्पष्ट प्रशंसा
- (C) बिना संरचना
- (D) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम

९५५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९५५?

- (A) केवल प्रकाशन-सूची
- (B) केवल सारांश
- (C) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (D) केवल सामाजिक नारा

९५६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९५६?

- (A) आलोचनानामे उदाहरण नहि
- (B) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन
- (C) दुनू पूर्ण समान
- (D) सारांशमे तर्क निषिद्ध

९५७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९५७?

- (A) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (B) एकटा कथा छोड़ि देब
- (C) नामक उलझन
- (D) बिना आधार तुलना

९५८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९५८?

- (A) लम्बा भटकाव
- (B) अनावश्यक कथा
- (C) कोनो उत्तर नहि
- (D) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण

९५९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९५९?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल नाम
- (C) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (D) एक पंक्ति

९६०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६०?

- (A) पाठ छोड़ब
- (B) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब
- (C) बिना नोट पढ़ब
- (D) केवल अनुमान

९६१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़ाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६१?

- (A) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (B) केवल अन्तिम कथा
- (C) केवल आवरण
- (D) केवल प्रकाशकक नाम

९६२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६२?

- (A) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (B) गलत पंक्ति
- (C) बिना प्रसंग
- (D) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब

९६३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६३?

- (A) कथाक चर्चा नहि
- (B) केवल जन्मस्थान
- (C) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (D) पूरा जीवनचरित मात्र

९६४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६४?

- (A) बिना संरचना
- (B) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) अस्पष्ट प्रशंसा

९६५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६५?

- (A) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (B) केवल सामाजिक नारा
- (C) केवल प्रकाशन-सूची
- (D) केवल सारांश

९६६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६६?

- (A) दुनू पूर्ण समान
- (B) सारांशमे तर्क निषिद्ध
- (C) आलोचनामे उदाहरण नहि
- (D) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन

९६७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६७?

- (A) नामक उलझन
- (B) बिना आधार तुलना
- (C) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (D) एकटा कथा छोड़ि देब

९६८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६८?

- (A) कोनो उत्तर नहि
- (B) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण
- (C) लम्बा भटकाव
- (D) अनावश्यक कथा

९६९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९६९?

- (A) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (B) एक पंक्ति
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल नाम

९७०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७०?

- (A) बिना नोट पढ़ब
- (B) केवल अनुमान
- (C) पाठ छोड़ब
- (D) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब

९७१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़बाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७१?

- (A) केवल आवरण
- (B) केवल प्रकाशकक नाम
- (C) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (D) केवल अन्तिम कथा

९७२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७२?

- (A) बिना प्रसंग
- (B) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब
- (C) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (D) गलत पंक्ति

९७३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७३?

- (A) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (B) पूरा जीवनचरित मात्र
- (C) कथाक चर्चा नहि
- (D) केवल जन्मस्थान

९७४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७४?

- (A) केवल नाम-सूची
- (B) अस्पष्ट प्रशंसा
- (C) बिना संरचना
- (D) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम

९७५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७५?

- (A) केवल प्रकाशन-सूची
- (B) केवल सारांश
- (C) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (D) केवल सामाजिक नारा

९७६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७६?

- (A) आलोचनाने उदाहरण नहि
- (B) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन
- (C) दुनू पूर्ण समान
- (D) सारांशमे तर्क निषिद्ध

९७७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७७?

- (A) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (B) एकटा कथा छोड़ि देब
- (C) नामक उलझन
- (D) बिना आधार तुलना

९७८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७८?

- (A) लम्बा भटकाव
- (B) अनावश्यक कथा
- (C) कोनो उत्तर नहि
- (D) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण

९७९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९७९?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल नाम
- (C) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (D) एक पंक्ति

९८०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९८०?

- (A) पाठ छोड़ब
- (B) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब
- (C) बिना नोट पढ़ब
- (D) केवल अनुमान

९८१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़बाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९८१?

- (A) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (B) केवल अन्तिम कथा
- (C) केवल आवरण
- (D) केवल प्रकाशकक नाम

९८२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९८२?

- (A) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (B) गलत पंक्ति
- (C) बिना प्रसंग
- (D) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब

९८३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९८३?

- (A) कथाक चर्चा नहि
- (B) केवल जन्मस्थान
- (C) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (D) पूरा जीवनचरित मात्र

९८४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९८४?

- (A) बिना संरचना
- (B) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) अस्पष्ट प्रशंसा

१८५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १८५?

- (A) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (B) केवल सामाजिक नारा
- (C) केवल प्रकाशन-सूची
- (D) केवल सारांश

१८६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १८६?

- (A) दुनू पूर्ण समान
- (B) सारांशमे तर्क निषिद्ध
- (C) आलोचनामे उदाहरण नहि
- (D) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन

१८७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १८७?

- (A) नामक उलझन
- (B) बिना आधार तुलना
- (C) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (D) एकटा कथा छोड़ि देब

१८८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १८८?

- (A) कोनो उत्तर नहि
- (B) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण
- (C) लम्बा भटकाव
- (D) अनावश्यक कथा

१८९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १८९?

- (A) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (B) एक पंक्ति
- (C) केवल शीर्षक
- (D) केवल नाम

१९०. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १९०?

- (A) बिना नोट पढ़ब
- (B) केवल अनुमान
- (C) पाठ छोड़ब
- (D) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब

१९१. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रह पढ़बाक सर्वश्रेष्ठ क्रम” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १९१?

- (A) केवल आवरण
- (B) केवल प्रकाशकक नाम
- (C) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार
- (D) केवल अन्तिम कथा

१९२. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “उत्तर-लेखनमे उद्धरणक उपयोग” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १९२?

- (A) बिना प्रसंग
- (B) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब
- (C) लम्बा असंबद्ध उद्धरण
- (D) गलत पंक्ति

९९३. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथाकार-परिचयक सीमा” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९९३?

- (A) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य
- (B) पूरा जीवनचरित मात्र
- (C) कथाक चर्चा नहि
- (D) केवल जन्मस्थान

९९४. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “विषयगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९९४?

- (A) केवल नाम-सूची
- (B) अस्पष्ट प्रशंसा
- (C) बिना संरचना
- (D) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम

९९५. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “शिल्पगत प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९९५?

- (A) केवल प्रकाशन-सूची
- (B) केवल सारांश
- (C) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा
- (D) केवल सामाजिक नारा

९९६. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “सारांश आ आलोचना मे भेद” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९९६?

- (A) आलोचनानामे उदाहरण नहि
- (B) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन
- (C) दुनू पूर्ण समान
- (D) सारांशमे तर्क निषिद्ध

९९७. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “तुलनात्मक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९९७?

- (A) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब
- (B) एकटा कथा छोड़ि देब
- (C) नामक उलझन
- (D) बिना आधार तुलना

९९८. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “लघु-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९९८?

- (A) लम्बा भटकाव
- (B) अनावश्यक कथा
- (C) कोनो उत्तर नहि
- (D) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण

९९९. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “दीर्घ-प्रश्नक उत्तर” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास ९९९?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल नाम
- (C) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष
- (D) एक पंक्ति

१०००. परीक्षा-अभ्यासक दृष्टिसे “कथा-संग्रहक पुनरावृत्ति” लेल सही तरीका कोन अछि — अभ्यास १०००?

- (A) पाठ छोड़ब
- (B) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब
- (C) बिना नोट पढ़ब
- (D) केवल अनुमान

१. (A) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्वपूर्ण अछि।
२. (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
३. (C) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
४. (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
५. (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
६. (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
७. (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
८. (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
९. (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
१०. (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
११. (C) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्वपूर्ण अछि।
१२. (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
१३. (A) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
१४. (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
१५. (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
१६. (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
१७. (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
१८. (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
१९. (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
२०. (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
२१. (A) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्वपूर्ण अछि।
२२. (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
२३. (C) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।

२४. (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
२५. (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
२६. (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
२७. (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
२८. (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
२९. (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
३०. (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
३१. (C) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्वपूर्ण अछि।
३२. (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
३३. (A) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
३४. (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
३५. (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
३६. (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
३७. (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
३८. (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
३९. (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
४०. (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
४१. (A) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्वपूर्ण अछि।
४२. (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
४३. (C) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
४४. (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
४५. (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
४६. (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
४७. (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।

४८. (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
४९. (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
५०. (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
५१. (C) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्वपूर्ण अछि।
५२. (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
५३. (A) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
५४. (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
५५. (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
५६. (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
५७. (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
५८. (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
५९. (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
६०. (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
६१. (A) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्वपूर्ण अछि।
६२. (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
६३. (C) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
६४. (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
६५. (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
६६. (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
६७. (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
६८. (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
६९. (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
७०. (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
७१. (C) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्वपूर्ण अछि।

७२. (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
७३. (A) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
७४. (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
७५. (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
७६. (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
७७. (A) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
७८. (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
७९. (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
८०. (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
८१. (A) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्त्वपूर्ण अछि।
८२. (D) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
८३. (C) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
८४. (B) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
८५. (A) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
८६. (D) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
८७. (C) मैथिली भाषा-साहित्यक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
८८. (B) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
८९. (A) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
९०. (D) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
९१. (C) मैथिली अकादेमी, पटना — एहि पाठ्य-कृतिमे प्रकाशक रूपेँ मैथिली अकादेमी, पटना उल्लेखित अछि; परीक्षा-तैयारीमे ई ग्रन्थ-सन्दर्भ पहिचान महत्त्वपूर्ण अछि।
९२. (B) डॉ. अमरेश पाठक आ मोहन भारद्वाज — कथा-संग्रह संकलन-ग्रन्थ होयबाक कारण संपादकीय दृष्टि कथा-चयन आ क्रम-निर्धारणमे भूमिका निभबैत अछि।
९३. (A) कथा-संकलन — शीर्षक आ पाठ्य-सन्दर्भ दुनू ई संकेत करैत अछि जे ई अनेक कथा/कथाकारकेँ समेटनिहार संकलन अछि।
९४. (D) कथा-दर-कथा कथ्य, पात्र आ शिल्पक तुलना — कथा-संग्रह पढ़ैत काल प्रत्येक कथाक कथ्य, चरित्र, भाषा, अन्त आ सामाजिक संकेतक तुलनात्मक अध्ययन उपयोगी अछि।
९५. (C) मैथिली साहित्यक निर्धारित आधुनिक गद्य-पाठ — ई ग्रन्थ आधुनिक मैथिली कथा-विधाक प्रतिनिधि पाठ रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

१६. (B) विविध कथाकार आ कथा-प्रवृत्तिक एकठाम परिचय — संकलनक महत्त्व ई अछि जे पाठक भिन्न काल, भिन्न स्वर आ भिन्न सामाजिक दृष्टिक कथा एक संग देखैत अछि।
१७. (A) मैथिली भाषा-साहित्यिक संस्थागत संरक्षण — अकादेमी-संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रन्थ भाषा आ साहित्यिक अध्ययन-अभिलेखनमे सहायक होइत अछि।
१८. (D) कथ्य-शिल्प आ सामाजिक अर्थ पर प्रश्न सम्भव — कथा-संग्रहसँ प्रश्न सामान्यतः कथा-कला, चरित्र, सामाजिक संकेत, भाषा-शैली आ आलोचना पर केन्द्रित रहैत अछि।
१९. (C) ग्रन्थ-सन्दर्भ आ कथा-सूची बुझब — अध्ययनक आरम्भ ग्रन्थ-सन्दर्भ, संपादन, प्रकाशन आ कथा-सूची सँ करब स्पष्टता दैत अछि।
१००. (B) एके विषय पर अलग-अलग कथाकारक दृष्टि देखब — संकलन आलोचना लेल उपयोगी अछि, कारण एहिमे समान सामाजिक प्रसंग पर अलग रचनाकारक भिन्न प्रतिक्रिया भेटि सकैत अछि।
१०१. (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१०२. (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
१०३. (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१०४. (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१०५. (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१०६. (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
१०७. (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१०८. (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१०९. (A) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमँ व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
११०. (D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१११. (C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
११२. (B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
११३. (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
११४. (D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
११५. (C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
११६. (B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
११७. (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
११८. (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
११९. (C) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमँ व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
१२०. (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१२१. (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१२२. (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।

१२३. (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१२४. (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१२५. (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१२६. (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
१२७. (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१२८. (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१२९. (A) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमँ व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
१३०. (D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१३१. (C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१३२. (B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
१३३. (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१३४. (D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१३५. (C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१३६. (B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
१३७. (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१३८. (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१३९. (C) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमँ व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
१४०. (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१४१. (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१४२. (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
१४३. (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१४४. (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१४५. (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१४६. (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
१४७. (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१४८. (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१४९. (A) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमँ व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।

१५०. (D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१५१. (C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१५२. (B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
१५३. (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१५४. (D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१५५. (C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१५६. (B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्वपूर्ण रहैत अछि।
१५७. (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१५८. (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१५९. (C) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमँ व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
१६०. (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१६१. (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१६२. (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
१६३. (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१६४. (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१६५. (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१६६. (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्वपूर्ण रहैत अछि।
१६७. (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१६८. (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१६९. (A) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमँ व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
१७०. (D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१७१. (C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१७२. (B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
१७३. (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१७४. (D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१७५. (C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१७६. (B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्वपूर्ण रहैत अछि।

१७७. (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१७८. (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१७९. (C) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमें व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
१८०. (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१८१. (A) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१८२. (D) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
१८३. (C) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१८४. (B) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१८५. (A) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१८६. (D) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्वपूर्ण रहैत अछि।
१८७. (C) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१८८. (B) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१८९. (A) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमें व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
१९०. (D) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
१९१. (C) लोककथा, आख्यान आ मौखिक परम्परा — मैथिली कथाक पृष्ठभूमिमे लोक-स्मृति, किस्सा, आख्यान आ समाजक अनुभव रहैत अछि।
१९२. (B) लोककथाक कथन-ऊर्जा आधुनिक कथामे नब रूप लैत अछि — आधुनिक कथा लोककथा-संस्कार सँ भाषा, मुहावरा, चरित्र आ कथनक ऊर्जा ग्रहण कऽ सकैत अछि।
१९३. (A) जीवनक ठोस सामाजिक परिस्थिति चित्रित करब — यथार्थवादक बल गाम-शहर, गरीबी, सम्बन्ध, संघर्ष आ सामाजिक दबावक ठोस चित्रण पर रहैत अछि।
१९४. (D) व्यक्ति-चेतना, सामाजिक प्रश्न आ शिल्प-प्रयोगक वृद्धि — आधुनिक कथामे अनुभवक जटिलता, मनोवैज्ञानिकता आ संरचनात्मक प्रयोग अधिक देखाइत अछि।
१९५. (C) कथा अपेक्षाकृत संक्षिप्त आ एक प्रभाव केन्द्रित — कथा कम विस्तारमे एक प्रसंग, एक स्थिति वा एक भाव-प्रहार पर केन्द्रित भऽ सकैत अछि।
१९६. (B) सुनयवला समुदायसँ सीधा सम्बन्ध — मौखिक कथामे कथावाचक, श्रोता, स्मृति आ स्थानीय बोलचाल महत्वपूर्ण रहैत अछि।
१९७. (A) स्थान-विशेषक जीवन आ भाषा-संस्कार — क्षेत्रीयता कथा केँ गाम, नदी, खेत, परिवार, रीति आ बोलीक विशिष्ट रंग दैत अछि।
१९८. (D) पुरान कथन-संस्कार नब विषयमे बदलि जाइत अछि — साहित्यिक विकासमे परम्परा समाप्त नहि होइत, बल्कि नब परिस्थिति अनुसार रूप बदलैत अछि।
१९९. (C) जीवनक प्रश्नकेँ कथा-रूपमे देखबाक क्षमता — समाज-दृष्टि कथाकारकेँ पात्रक जीवनक माध्यमें व्यापक प्रश्न उठेबामे सक्षम बनबैत अछि।
२००. (B) कथा सभक काल, विषय आ शैलीक क्रम देखब — संकलनमे कथासभक तुलनात्मक क्रम पाठककेँ विधाक विकास बुझयमे मदति करैत अछि।
२०१. (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२०२. (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२०३. (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२०४. (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२०५. (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।

२०६. (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उधार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२०७. (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२०८. (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२०९. (A) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२१०. (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२११. (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२१२. (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२१३. (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२१४. (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२१५. (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२१६. (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उधार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२१७. (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२१८. (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२१९. (C) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२२०. (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२२१. (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२२२. (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२२३. (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२२४. (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२२५. (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२२६. (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उधार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२२७. (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२२८. (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२२९. (A) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२३०. (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२३१. (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२३२. (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२३३. (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२३४. (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२३५. (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२३६. (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उधार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२३७. (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२३८. (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।

२३९. (C) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२४०. (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२४१. (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२४२. (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२४३. (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२४४. (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२४५. (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२४६. (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उधार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२४७. (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौंक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२४८. (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२४९. (A) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२५०. (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२५१. (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२५२. (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२५३. (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२५४. (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२५५. (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२५६. (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उधार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२५७. (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौंक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२५८. (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२५९. (C) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२६०. (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२६१. (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२६२. (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२६३. (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२६४. (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२६५. (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२६६. (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उधार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२६७. (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौंक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२६८. (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२६९. (A) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२७०. (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२७१. (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।

२७२. (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२७३. (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२७४. (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२७५. (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२७६. (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उघार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२७७. (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२७८. (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२७९. (C) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२८०. (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२८१. (A) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२८२. (D) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२८३. (C) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२८४. (B) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२८५. (A) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२८६. (D) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उघार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२८७. (C) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२८८. (B) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२८९. (A) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
२९०. (D) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
२९१. (C) घटना-क्रम जे कथा केँ आगू बढ़बैत अछि — कथानक पात्र, घटना आ संघर्षक क्रमबद्धता द्वारा कथा केँ गति दैत अछि।
२९२. (B) पात्रक स्वभाव, व्यवहार आ द्वन्द्वक प्रस्तुति — चरित्र-चित्रण कथा केँ मानवीय बनबैत अछि आ पाठककेँ पात्रक भीतर प्रवेश करबैत अछि।
२९३. (A) कथा कहयवला दृष्टि आ दूरी — कथा प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष वा सीमित दृष्टि सँ कहल जा सकैत अछि; एहि सँ अर्थ बदलैत अछि।
२९४. (D) पात्रक कथोपकथन द्वारा स्वभाव आ स्थिति खुलब — संवाद कथामे जीवंतता, स्थानीयता आ नाटकीय तनाव उत्पन्न करैत अछि।
२९५. (C) किसी वस्तु/दृश्य द्वारा गहिर अर्थ संकेत — प्रतीक कथाक कथ्यकेँ संक्षिप्त मुदा गहिर अर्थ देबा मे सहायक होइत अछि।
२९६. (B) विसंगति पर मार्मिक संकेत — व्यंग्य समाजक पाखण्ड, दोहरापन आ अन्याय केँ उघार करबाक साहित्यिक साधन अछि।
२९७. (A) कथाक प्रभाव केँ तीव्र करयवला निष्कर्ष वा खुला संकेत — कथाक अन्त पाठक पर चौक, करुणा, प्रश्न, विडम्बना वा आत्मचिन्तन छोड़ि सकैत अछि।
२९८. (D) वर्तमान सँ स्मृतिमे लौटबाक शिल्प — फ्लैशबैक पात्रक अतीत आ वर्तमानक सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
२९९. (C) कथाक संकेतात्मक द्वार — सफल शीर्षक कथा पढ़बाक दृष्टि बनबैत अछि आ अन्तमे नब अर्थ खोलि सकैत अछि।
३००. (B) स्थान, समय, मौसम आ सामाजिक मनोदशाक निर्माण — वातावरण कथा केँ ठोस जगत दैत अछि, जाहिमे पात्रक क्रिया विश्वसनीय लगैत अछि।
३०१. (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३०२. (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३०३. (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।

३०४. (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३०५. (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३०६. (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३०७. (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३०८. (B) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३०९. (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३१०. (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
३११. (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३१२. (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३१३. (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३१४. (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३१५. (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३१६. (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३१७. (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३१८. (D) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३१९. (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३२०. (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
३२१. (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३२२. (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३२३. (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३२४. (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३२५. (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३२६. (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३२७. (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३२८. (B) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३२९. (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३३०. (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
३३१. (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३३२. (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।

३३३. (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३३४. (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३३५. (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३३६. (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३३७. (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३३८. (D) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३३९. (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३४०. (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
३४१. (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३४२. (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३४३. (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३४४. (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३४५. (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३४६. (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३४७. (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३४८. (B) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३४९. (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३५०. (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
३५१. (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३५२. (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३५३. (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३५४. (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३५५. (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३५६. (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३५७. (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३५८. (D) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३५९. (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३६०. (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
३६१. (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।

३६२. (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३६३. (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३६४. (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३६५. (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३६६. (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३६७. (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३६८. (B) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३६९. (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३७०. (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
३७१. (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३७२. (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३७३. (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३७४. (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३७५. (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३७६. (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३७७. (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३७८. (D) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३७९. (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३८०. (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
३८१. (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३८२. (D) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३८३. (C) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३८४. (B) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३८५. (A) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३८६. (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३८७. (C) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३८८. (B) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३८९. (A) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
३९०. (D) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।

३९१. (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक कथा-परम्परा सँ सम्बद्ध — हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीमे व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक चमक लेल चर्चित अछि।
३९२. (B) जनजीवन, यथार्थ आ परिवर्तनशील समाजक स्वर — यात्री नामक साहित्यिक व्यक्तित्व जनपक्षधरता आ यथार्थबोधसँ जोड़ल जाइत अछि।
३९३. (A) आधुनिक मन, विद्रोह आ शहरी-ग्रामीण विडम्बनाक कथाकार — राजकमल चौधरी आधुनिक संवेदना, तीखा प्रश्न आ जटिल पात्र-निर्माण लेल चर्चित छथि।
३९४. (D) लोकगाथा, इतिहास आ कथा-कला केँ जोड़यवला रचनाकार — मणिपद्मक लेखन लोक-संस्कार आ कथात्मक विस्तारक कारण महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
३९५. (C) स्त्री-अनुभव आ आधुनिक कथा-संवेदनासँ जुड़ल स्वर — लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-साहित्यक उल्लेखनीय स्त्री-स्वरमे गनल जाइत छथि।
३९६. (B) कथा, उपन्यास आ सामाजिक यथार्थक व्यापक रचनाकार — मायानन्द मिश्रक कथा-दृष्टिमे मिथिला-जीवन आ समाजक जटिलता प्रमुख अछि।
३९७. (A) मैथिली कथा आ गद्य-लेखनक महत्त्वपूर्ण नाम — रमानन्द रेणु कथा-संवेदना, भाषा आ सामाजिक अनुभव लेल महत्त्वपूर्ण छथि।
३९८. (D) मैथिली कथा-साहित्यक लेखक रूपमे परिचित — विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम मैथिली कथा-परम्पराक आधुनिक चर्चा मे आयैत अछि।
३९९. (C) समकालीन कथा-संवेदनासँ सम्बद्ध रचनाकार — एहन रचनाकारक अध्ययन सँ आधुनिक कथा-विस्तार आ सामाजिक सरोकार बुझल जाइत अछि।
४००. (B) आधुनिक मैथिली कथा-क्षेत्रक सम्बद्ध लेखक — कथाकारक पीढ़ीगत अध्ययनसँ कथा-विधाक विकासक रेखा स्पष्ट होइत अछि।
४०१. (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४०२. (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४०३. (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४०४. (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४०५. (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नव संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४०६. (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी केँ प्रभावित करैत अछि।
४०७. (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४०८. (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता केँ प्रभावित करैत अछि।
४०९. (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा केँ भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४१०. (D) पुरान व्यवस्था आ नव आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।
४११. (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४१२. (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४१३. (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४१४. (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४१५. (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नव संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४१६. (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी केँ प्रभावित करैत अछि।
४१७. (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४१८. (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता केँ प्रभावित करैत अछि।
४१९. (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा केँ भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४२०. (B) पुरान व्यवस्था आ नव आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।

४२१. (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४२२. (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४२३. (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४२४. (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४२५. (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४२६. (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी कें प्रभावित करैत अछि।
४२७. (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४२८. (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता कें प्रभावित करैत अछि।
४२९. (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा कें भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४३०. (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।
४३१. (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४३२. (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४३३. (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४३४. (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४३५. (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४३६. (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी कें प्रभावित करैत अछि।
४३७. (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४३८. (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता कें प्रभावित करैत अछि।
४३९. (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा कें भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४४०. (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।
४४१. (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४४२. (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४४३. (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४४४. (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४४५. (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४४६. (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी कें प्रभावित करैत अछि।
४४७. (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४४८. (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता कें प्रभावित करैत अछि।
४४९. (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा कें भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४५०. (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।

४५१. (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४५२. (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४५३. (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४५४. (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४५५. (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४५६. (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी केँ प्रभावित करैत अछि।
४५७. (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४५८. (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता केँ प्रभावित करैत अछि।
४५९. (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा केँ भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४६०. (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।
४६१. (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४६२. (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४६३. (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४६४. (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४६५. (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४६६. (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी केँ प्रभावित करैत अछि।
४६७. (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४६८. (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता केँ प्रभावित करैत अछि।
४६९. (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा केँ भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४७०. (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।
४७१. (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४७२. (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४७३. (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४७४. (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४७५. (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४७६. (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी केँ प्रभावित करैत अछि।
४७७. (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४७८. (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता केँ प्रभावित करैत अछि।
४७९. (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा केँ भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४८०. (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।

४८१. (A) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४८२. (D) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४८३. (C) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४८४. (B) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४८५. (A) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४८६. (D) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी केँ प्रभावित करैत अछि।
४८७. (C) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४८८. (B) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता केँ प्रभावित करैत अछि।
४८९. (A) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा केँ भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
४९०. (D) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।
४९१. (C) सम्बन्ध, श्रम, परम्परा आ संघर्षक संयुक्त चित्र — मैथिली कथामे गाम केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि चरित्र आ सामाजिक अर्थक सक्रिय स्रोत होइत अछि।
४९२. (B) मानवीय गरिमा आ संघर्षक परखयवला परिस्थिति — गरीबीक चित्रण कथा मे करुणा, विद्रोह आ सामाजिक असमानताक बोध जगबैत अछि।
४९३. (A) सत्ता, सम्बन्ध आ अवसरक असमान व्यवस्था — जाति-संरचना कथामे पात्रक स्वाभिमान, पीड़ा आ संघर्षक कारण बनि सकैत अछि।
४९४. (D) खेती, ऋतु, श्रम आ आश्रित अर्थव्यवस्था — कृषि मिथिला समाजक आर्थिक-सांस्कृतिक आधार रहल, तँ कथा मे खेत-खरिहान अर्थपूर्ण प्रतीक बनैत अछि।
४९५. (C) घर-गाम सँ दूर जायबाक पीड़ा आ नब संघर्ष — विस्थापन कथा मे स्मृति, पहचान, रोजी-रोटी आ सम्बन्धक संकट उधार करैत अछि।
४९६. (B) परिवर्तन आ सामाजिक गतिशीलताक साधन — शिक्षा पात्रक सोच, आकांक्षा आ पीढ़ीगत दूरी केँ प्रभावित करैत अछि।
४९७. (A) सत्ता आ समाजक सम्बन्ध पर प्रश्न — कथा राजनीतिक नारा मात्र नहि, मुदा जीवनमे सत्ता-संबंधक असर देखाबैत अछि।
४९८. (D) रोजगार, कर्ज, श्रम आ प्रतिष्ठाक द्वन्द्व — आर्थिक दबाव कथा मे पात्रक निर्णय, सम्बन्ध आ नैतिकता केँ प्रभावित करैत अछि।
४९९. (C) समाजक छोट इकाई जे संघर्ष आ स्नेह दुनू समेटैत अछि — परिवारक भीतरक सम्बन्ध कथा केँ भावनात्मक आ सामाजिक गहराई दैत अछि।
५००. (B) पुरान व्यवस्था आ नब आकांक्षाक टकराव — आधुनिक कथामे परिवर्तनक कारण पीढ़ी, मूल्य, जीवनशैली आ संघर्ष बदलैत देखाइत अछि।
५०१. (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५०२. (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमे समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५०३. (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५०४. (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमे समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५०५. (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५०६. (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५०७. (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५०८. (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५०९. (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, देहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
५१०. (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।

५११. (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५१२. (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५१३. (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५१४. (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५१५. (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५१६. (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५१७. (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५१८. (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५१९. (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
५२०. (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
५२१. (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५२२. (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५२३. (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५२४. (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५२५. (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५२६. (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५२७. (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५२८. (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५२९. (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
५३०. (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
५३१. (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५३२. (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५३३. (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५३४. (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५३५. (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५३६. (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५३७. (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५३८. (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५३९. (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।

५४०. (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
५४१. (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५४२. (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५४३. (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५४४. (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५४५. (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५४६. (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५४७. (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५४८. (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५४९. (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
५५०. (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
५५१. (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५५२. (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५५३. (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५५४. (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५५५. (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५५६. (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५५७. (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५५८. (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५५९. (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
५६०. (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
५६१. (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५६२. (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५६३. (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५६४. (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५६५. (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५६६. (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५६७. (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५६८. (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।

५६१. (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
५७०. (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
५७१. (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५७२. (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५७३. (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५७४. (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५७५. (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५७६. (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५७७. (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५७८. (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५७९. (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
५८०. (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
५८१. (A) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५८२. (D) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५८३. (C) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५८४. (B) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५८५. (A) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५८६. (D) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५८७. (C) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।
५८८. (B) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५८९. (A) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
५९०. (D) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
५९१. (C) अनुभव, प्रतिरोध, मौन आ आत्मबोधक केन्द्र — आधुनिक कथा स्त्रीकेँ केवल सहायक पात्र नहि, बल्कि अनुभवक स्वतन्त्र केन्द्र रूपेँ देखैत अछि।
५९२. (B) स्नेह, अधिकार, असमानता आ संवादक जटिल सम्बन्ध — दाम्पत्य कथामे निजी जीवनक माध्यमेँ समाजक मूल्य आ शक्ति-संबंध सामने आनैत अछि।
५९३. (A) ममता, त्याग, दबाव आ सामाजिक अपेक्षाक मिश्रित अनुभव — मातृत्वक चित्रणमे भावनात्मकता संग सामाजिक बोझ आ असमानता सेहो देखल जा सकैत अछि।
५९४. (D) परिवार, शिक्षा, विवाह आ स्वप्नक बीचक संघर्ष — कन्या-पात्रक माध्यमेँ समाजक भविष्य, भय आ परिवर्तनक प्रश्न उठैत अछि।
५९५. (C) अदृश्य मेहनतक सामाजिक मूल्यांकन — घरेलू श्रमक चर्चा स्त्रीक काम, पहचान आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।
५९६. (B) पुरुष-प्रधान सत्ता-संरचना — पितृसत्ता कथा मे स्त्रीक आवाज, निर्णय आ देह पर नियन्त्रणक रूपमे देखाइत अछि।
५९७. (A) पुरान आ नब मूल्यक पारिवारिक टकराव — पीढ़ी-संघर्ष आधुनिक कथामे परिवार आ समाजक परिवर्तनक संकेत बनैत अछि।

५९८. (D) स्त्रीक अपन अनुभवसँ कथन — स्त्री-स्वर कथा मे अनुभवक केन्द्र बदलैत अछि आ मौन बात सभ कहबाक जगह बनबैत अछि।
५९९. (C) सम्बन्ध, रीति, अर्थ आ अधिकारक सामाजिक व्यवस्था — विवाह कथामे प्रेम, दबाव, दहेज, जाति, परिवार आ स्वायत्तता सभक प्रश्न जोड़ैत अछि।
६००. (B) निजी आ सार्वजनिक जीवनक सीमा — घर-बाहरक द्वन्द्व स्त्री आ परिवारक बदलैत भूमिका केँ बुझयमे सहायक अछि।
६०१. (A) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मुहावरा कथाक भाषा केँ जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।
६०२. (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।
६०३. (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र केँ विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा केँ पाठकक निकट लबैत अछि।
६०४. (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति केँ तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।
६०५. (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा केँ बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।
६०६. (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।
६०७. (C) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककेँ कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।
६०८. (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगंध राखैत अछि।
६०९. (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमँ मार्मिक प्रभाव संभव अछि।
६१०. (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।
६११. (C) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मुहावरा कथाक भाषा केँ जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।
६१२. (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।
६१३. (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र केँ विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा केँ पाठकक निकट लबैत अछि।
६१४. (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति केँ तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।
६१५. (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा केँ बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।
६१६. (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।
६१७. (A) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककेँ कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।
६१८. (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगंध राखैत अछि।
६१९. (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमँ मार्मिक प्रभाव संभव अछि।
६२०. (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।
६२१. (A) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मुहावरा कथाक भाषा केँ जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।
६२२. (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।
६२३. (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र केँ विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा केँ पाठकक निकट लबैत अछि।
६२४. (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति केँ तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।
६२५. (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा केँ बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।
६२६. (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।
६२७. (C) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककेँ कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।
६२८. (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगंध राखैत अछि।
६२९. (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमँ मार्मिक प्रभाव संभव अछि।
६३०. (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।
६३१. (C) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मुहावरा कथाक भाषा केँ जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।
६३२. (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।

६३३. (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र केँ विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा केँ पाठकक निकट लबैत अछि।

६३४. (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति केँ तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।

६३५. (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा केँ बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।

૬૩૬. (B) પાત્રક વર્ગ, મનોદશા આ સમ્બન્ધ દેખાવયવલા ભાષા — સંવાદક ભાષા પાત્રક સામાજિક સ્થિતિક સંકેત દૈત અછિ।

६३७. (A) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककेँ कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।

६३८. (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगंध राखैत अछि।

६३९. (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमँ मार्मिक प्रभाव संभव अछि।

६४०. (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।

६४१. (A) भाषाकेँ लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मुहावरा कथाक भाषा केँ जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।

६४२. (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।

६४३. (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र केँ विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा केँ पाठकक निकट लबैत अछि।

६४४. (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति केँ तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।

६४५. (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा केँ बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।

६४६. (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।

६४७. (C) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककें कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।

६४८. (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगंध राखैत अछि।

६४९. (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमँ मार्मिक प्रभाव संभव अछि।

६५०. (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।

६५१. (C) भाषाकें लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मूहावरा कथाक भाषा कें जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।

६५२. (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।

६५३. (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र केँ विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा केँ पाठकक निकट लबैत अछि।

६५४. (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति केँ तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।

६५५. (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा केँ बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।

६५६. (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।

६५७. (A) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककेँ कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।

६५८. (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगन्ध राखैत अछि।

६५९. (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमँ मार्मिक प्रभाव संभव अछि।

६६०. (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।

६६१. (A) भाषाकें लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — महावरा कथाक भाषा कें जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।

६६२. (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा में चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।

६६३. (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र केँ विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा केँ पाठकक निकट लबैत अछि।

६६४. (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति केँ तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।

६६५. (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा केँ बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।

६६६. (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।

६६७. (C) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककेँ कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।

६६८. (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक संगंध राखैत अछि।

६६९. (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमें मार्मिक प्रभाव संभव अछि।
६७०. (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।
६७१. (C) भाषाकें लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मुहावरा कथाक भाषा कें जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।
६७२. (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।
६७३. (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र कें विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा कें पाठकक निकट लबैत अछि।
६७४. (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति कें तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।
६७५. (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा कें बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।
६७६. (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।
६७७. (A) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककें कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।
६७८. (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगंध राखैत अछि।
६७९. (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमें मार्मिक प्रभाव संभव अछि।
६८०. (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।
६८१. (A) भाषाकें लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मुहावरा कथाक भाषा कें जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।
६८२. (D) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।
६८३. (C) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र कें विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा कें पाठकक निकट लबैत अछि।
६८४. (B) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति कें तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।
६८५. (A) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा कें बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।
६८६. (D) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।
६८७. (C) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककें कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।
६८८. (B) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगंध राखैत अछि।
६८९. (A) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमें मार्मिक प्रभाव संभव अछि।
६९०. (D) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।
६९१. (C) भाषाकें लोक-अनुभवसँ जोड़यवला प्रयोग — मुहावरा कथाक भाषा कें जीवन्त, स्थानीय आ व्यंजक बनबैत अछि।
६९२. (B) दीर्घ अनुभवक संक्षिप्त लोक-वचन — लोकोक्ति कथा मे चरित्रक सोच आ समाजक व्यावहारिक बुद्धि देखबैत अछि।
६९३. (A) पात्र आ परिवेश अनुरूप जीवित भाषा — बोलचालक भाषा पात्र कें विश्वसनीय बनबैत अछि आ कथा कें पाठकक निकट लबैत अछि।
६९४. (D) हँसीक भीतर आलोचनात्मक चोट — व्यंग्यात्मक भाषा समाजक विसंगति कें तीखा परन्तु कलात्मक ढंगसँ उधार करैत अछि।
६९५. (C) प्रत्यक्ष शब्दसँ परे अर्थक संकेत — प्रतीकात्मकता कथा कें बहुस्तरीय अर्थ दैत अछि।
६९६. (B) पात्रक वर्ग, मनोदशा आ सम्बन्ध देखाबयवला भाषा — संवादक भाषा पात्रक सामाजिक स्थितिक संकेत दैत अछि।
६९७. (A) कथा कहयवला स्वरक शैली — कथावाचकक भाषा पाठककें कथाक भावभूमि आ दृष्टिकोण दिस लैत अछि।
६९८. (D) स्थानीय जीवनक सांस्कृतिक चिह्न — क्षेत्रीय शब्द कथा मे गाम, रीति, खान-पान, श्रम आ सम्बन्धक सुगंध राखैत अछि।
६९९. (C) सहज भाषा द्वारा गहिर अर्थ कहबाक क्षमता — सरल भाषा कमजोर भाषा नहि; ओकरा माध्यमें मार्मिक प्रभाव संभव अछि।
७००. (B) सीधा नहि, संकेतपूर्ण कहबाक ढंग — वक्र भाषा कथा मे व्यंग्य, रहस्य आ आलोचनात्मक अर्थ पैदा करैत अछि।
७०१. (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष — अन्तर्द्वन्द्व पात्रकें गहिर बनबैत अछि आ कथा कें मनोवैज्ञानिक आधार दैत अछि।
७०२. (D) अतीत द्वारा वर्तमानकें अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णयक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।
७०३. (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।
७०४. (B) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चुप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।

७०५. (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।

७०६. (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकें प्रभावित करैत अछि।

७०७. (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।

७०८. (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा के विचारात्मक गहराई देत अछि।

७०९. (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।

७१०. (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।

७११. (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष — अन्तर्द्वन्द्व पात्रकें गहिर बनबैत अछि आ कथा कें मनोवैज्ञानिक आधार दैत अछि।

૭૧૨. (B) અતીત દ્વારા વર્તમાનકે અર્થ દેબ — સ્મૃતિ કથામે સમયક પરત બનબૈત અછિ આ પાત્રક નિર્ણયક પૃષ્ઠભૂમિ ખોલૈત અછિ।

७१३. (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।

७१४. (D) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चुप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।

७१५. (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।

७१६. (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकें प्रभावित करैत अछि।

७१७. (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।

७१८. (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा केँ विचारात्मक गहराई दैत अछि।

७१९. (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।

७२०. (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।

७२१. (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष — अन्तर्द्वन्द्व पात्रकें गहिर बनबैत अछि आ कथा कें मनोवैज्ञानिक आधार दैत अछि।

७२२. (D) अतीत द्वारा वर्तमानकें अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णयक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।

७२३. (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।

७२४. (B) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चुप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।

७२५. (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।

७२६. (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकें प्रभावित करैत अछि।

७२७. (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।

७२८. (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा के विचारात्मक गहराई दैत अछि।

७२९. (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।

७३०. (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।

७३१. (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष — अन्तर्द्वन्द्व पात्रकें गहिर बनबैत अछि आ कथा कें मनोवैज्ञानिक आधार दैत अछि।

७३२. (B) अतीत द्वारा वर्तमानके अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णयक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।

७३३. (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।

७३४. (D) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चुप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।

७३५. (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।

७३६. (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकें प्रभावित करैत अछि।

७३७. (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।

934. (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा के विचारात्मक गहराई दैत अछि।

७३९. (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।

७४०. (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड होइत अछि।

૭૪૧. (A) પાત્રક ભીતર વિરોધી ચાહ આ નૈતિક સંઘર્ષ — અન્તર્દ્વન્દ્વ પાત્રકેં ગહિર બનબૈત અછિ આ કથા કેં મનોવૈજ્ઞાનિક આધાર દૈત અછિ।

७४२. (D) अतीत द्वारा वर्तमानकें अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णयक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।

७४३. (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।

७४४. (B) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चुप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।

७४५. (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।

७४६. (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकें प्रभावित करैत अछि।

७४७. (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।

७४८. (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा केँ विचारात्मक गहराई दैत अछि।

७४९. (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।

७५०. (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।

૭૫૧. (C) પાત્રક ખીતર વિરોધી ચાહ આ નૈતિક સંઘર્ષ — અન્તર્દ્વન્દ્વ પાત્રકેં ગહિર બનબૈત અછિ આ કથા કેં મનોવૈજ્ઞાનિક આધાર દૈત અછિ।

७५२. (B) अतीत द्वारा वर्तमानके अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णयक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।

७५३. (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।

७५४. (D) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चुप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।

७५५. (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।

७५६. (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकें प्रभावित करैत अछि।

७५७. (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।

७५८. (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा केँ विचारात्मक गहराई दैत अछि।

७५९. (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।

७६०. (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।

७६१. (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष — अन्तर्द्वन्द्व पात्रकेँ गहिर बनबैत अछि आ कथा केँ मनोवैज्ञानिक आधार दैत अछि।

७६२. (D) अतीत द्वारा वर्तमानके अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णयक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।

७६३. (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।

७६४. (B) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।

७६५. (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।

७६६. (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकें प्रभावित करैत अछि।

७६७. (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।

७६८. (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा केँ विचारात्मक गहराई दैत अछि।

७६९. (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीडा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।

७७०. (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बढ़ाब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।

७७१. (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष — अन्तर्द्वन्द्व पात्रकें गहिर बनबैत अछि आ कथा कें मनोवैज्ञानिक आधार दैत अछि।

७७२. (B) अतीत द्वारा वर्तमानके अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णायक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।

७७३. (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।

७७४. (D) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।

૭૭૫. (C) મીડમે સેહો મીતરક અકેલાપન — ઁકાકીપન આધનિક કથા મે વ્યક્તિ આ સમાજક દરી દેખાઢૈત અછિ।

७७६. (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकें प्रभावित करैत अछि।

७७७. (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।
७७८. (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा केँ विचारात्मक गहराई दैत अछि।
७७९. (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।
७८०. (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।
७८१. (A) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष — अन्तर्द्वन्द्व पात्रकेँ गहिर बनबैत अछि आ कथा केँ मनोवैज्ञानिक आधार दैत अछि।
७८२. (D) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णयक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।
७८३. (C) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।
७८४. (B) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चुप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।
७८५. (A) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।
७८६. (D) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि।
७८७. (C) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।
७८८. (B) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा केँ विचारात्मक गहराई दैत अछि।
७८९. (A) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।
७९०. (D) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।
७९१. (C) पात्रक भीतर विरोधी चाह आ नैतिक संघर्ष — अन्तर्द्वन्द्व पात्रकेँ गहिर बनबैत अछि आ कथा केँ मनोवैज्ञानिक आधार दैत अछि।
७९२. (B) अतीत द्वारा वर्तमानकेँ अर्थ देब — स्मृति कथामे समयक परत बनबैत अछि आ पात्रक निर्णयक पृष्ठभूमि खोलैत अछि।
७९३. (A) पात्रक चाह, स्वप्न आ लक्ष्य — आकांक्षा कथा मे गति आ संघर्ष उत्पन्न करैत अछि।
७९४. (D) कर्म वा निर्णयक नैतिक बोझ — अपराध-बोध पात्रक मनक चुप पीड़ा आ आत्ममंथन व्यक्त करैत अछि।
७९५. (C) भीड़मे सेहो भीतरक अकेलापन — एकाकीपन आधुनिक कथा मे व्यक्ति आ समाजक दूरी देखाबैत अछि।
७९६. (B) असुरक्षा आ दबावक मानसिक स्थिति — भय पात्रक निर्णय, मौन आ प्रतिरोधक रूपकेँ प्रभावित करैत अछि।
७९७. (A) गरिमा आ आत्म-सम्मानक चेतना — स्वाभिमान कथा मे वंचित पात्रक प्रतिरोधक मूल ऊर्जा बनि सकैत अछि।
७९८. (D) सही-गलत बीच कठिन चुनाव — नैतिक संकट कथा केँ विचारात्मक गहराई दैत अछि।
७९९. (C) विश्वास, स्नेह वा सामाजिक बन्धनक दरार — टूटन कथामे आधुनिक जीवनक पीड़ा आ सामाजिक बदलाव केँ देखाबैत अछि।
८००. (B) पात्रक अपने अस्तित्व आ स्थिति केँ बुझब — आत्मबोध पात्रक विकास आ कथाक निष्कर्षक महत्त्वपूर्ण मोड़ होइत अछि।
८०१. (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८०२. (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८०३. (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकेँ महत्त्व दैत अछि।
८०४. (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८०५. (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८०६. (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८०७. (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८०८. (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८०९. (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८१०. (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकेँ जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८११. (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।

८१२. (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८१३. (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकेँ महत्त्व दैत अछि।
८१४. (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८१५. (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८१६. (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८१७. (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८१८. (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८१९. (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८२०. (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकेँ जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८२१. (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८२२. (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८२३. (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकेँ महत्त्व दैत अछि।
८२४. (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८२५. (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८२६. (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८२७. (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८२८. (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८२९. (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८३०. (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकेँ जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८३१. (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८३२. (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८३३. (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकेँ महत्त्व दैत अछि।
८३४. (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८३५. (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८३६. (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८३७. (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८३८. (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८३९. (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८४०. (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकेँ जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८४१. (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८४२. (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८४३. (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकेँ महत्त्व दैत अछि।
८४४. (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।

८४५. (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८४६. (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८४७. (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८४८. (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८४९. (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८५०. (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकें जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८५१. (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८५२. (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८५३. (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकें महत्त्व दैत अछि।
८५४. (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८५५. (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८५६. (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८५७. (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८५८. (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८५९. (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८६०. (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकें जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८६१. (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८६२. (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८६३. (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकें महत्त्व दैत अछि।
८६४. (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८६५. (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८६६. (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८६७. (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८६८. (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८६९. (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८७०. (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकें जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८७१. (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८७२. (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८७३. (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकें महत्त्व दैत अछि।
८७४. (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८७५. (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८७६. (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८७७. (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।

८७८. (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८७९. (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८८०. (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकें जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८८१. (A) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८८२. (D) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८८३. (C) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकें महत्त्व दैत अछि।
८८४. (B) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८८५. (A) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८८६. (D) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८८७. (C) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८८८. (B) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८८९. (A) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
८९०. (D) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकें जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
८९१. (C) विषय आ रूपक परस्पर सामंजस्य — अच्छी कथा मे कथ्य शिल्पमे व्यक्त होइत अछि; दुनू अलग-अलग नहि पढ़ल जाइत।
८९२. (B) कथा मे समाजक संरचना आ शक्ति-संबंध देखब — समाजशास्त्रीय पाठ पात्र, वर्ग, जाति, लिंग, अर्थ आ संस्था पर ध्यान दैत अछि।
८९३. (A) रचना-कला, भाषा, बिम्ब, लय आ प्रभाव देखब — सौन्दर्यात्मक दृष्टि कथाक कलात्मक रूप आ भावात्मक असरकें महत्त्व दैत अछि।
८९४. (D) लिंग-अनुभव, असमानता आ स्त्री-स्वरक विवेचन — स्त्रीवादी पाठ कथा मे स्त्रीक स्थिति, आवाज, श्रम आ प्रतिरोध पढ़ैत अछि।
८९५. (C) लोकसंस्कृति, रीति, भाषा आ स्मृतिक विवेचन — लोक-आधारित पाठ कथा मे गामक सांस्कृतिक ज्ञान आ मौखिक स्मृतिक अर्थ देखैत अछि।
८९६. (B) पात्रक भीतरी अवस्था आ द्वन्द्वक अध्ययन — मनोवैज्ञानिक पाठ पात्रक चुप्पी, इच्छा, भय, स्मृति आ अपराध-बोध समझैत अछि।
८९७. (A) जीवनक विश्वसनीयता आ सामाजिक सच्चाई देखब — यथार्थवादी पाठ कथाक सामाजिक जमीन, विश्वासनीय घटना आ ठोस परिस्थिति पर विचार करैत अछि।
८९८. (D) प्रतीक आ संकेत द्वारा गहिर अर्थ पढ़ब — प्रतीक-पाठ कथामे कम शब्दमे छिपल व्यापक अर्थ उजागर करैत अछि।
८९९. (C) दू वा अधिक कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता देखब — कथा-संग्रहमे तुलनात्मक पद्धति विशेष उपयोगी अछि।
९००. (B) साफ थीसिस, उदाहरण आ निष्कर्ष सहित उत्तर — परीक्षामे कथाक नाम, पात्र, प्रसंग, कथ्य आ शिल्पकें जोड़ि उत्तर देब आवश्यक अछि।
९०१. (A) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार — क्रमबद्ध अध्ययन सँ तथ्य, कथ्य आ आलोचना तीनों स्पष्ट रहैत अछि।
९०२. (D) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब — उद्धरण तभी उपयोगी अछि जखन ओ तर्क कें बल दैत अछि।
९०३. (C) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य — परीक्षामे लेखक-परिचयक बाद मुख्य बल कृति आ विश्लेषण पर होयबाक चाही।
९०४. (B) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम — विषयगत उत्तरमे कथासभसँ उपयुक्त उदाहरण जोड़ब जरूरी अछि।
९०५. (A) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा — शिल्प-प्रश्नमे रचनाक कलात्मक युक्ति देखय पढ़ैत अछि।
९०६. (D) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन — परीक्षा उत्तरमे कथासार मात्र पर्याप्त नहि; अर्थ आ शिल्पक विवेचन चाही।
९०७. (C) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब — तुलना मे समान विषय, अलग दृष्टि, भाषा आ निष्कर्ष स्पष्ट कएल जाइत अछि।
९०८. (B) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण — लघु-प्रश्नमे समय बचा कऽ केन्द्रीय तथ्य लिखब चाही।
९०९. (A) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष — दीर्घ-उत्तर मे संरचना आ सन्तुलित विवेचन अंक बढ़बैत अछि।
९१०. (D) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब — संकलन-पाठमे पुनरावृत्ति-तालिका बहुत उपयोगी होइत अछि।
९११. (C) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार — क्रमबद्ध अध्ययन सँ तथ्य, कथ्य आ आलोचना तीनों स्पष्ट रहैत अछि।

- 158

- [illegible]

१८४. (B) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम — विषयगत उत्तरमे कथासभसँ उपयुक्त उदाहरण जोड़ब जरूरी अछि।
१८५. (A) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा — शिल्प-प्रश्नमे रचनाक कलात्मक युक्ति देखय पड़ैत अछि।
१८६. (D) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन — परीक्षा उत्तरमे कथासार मात्र पर्याप्त नहि; अर्थ आ शिल्पक विवेचन चाही।
१८७. (C) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब — तुलना मे समान विषय, अलग दृष्टि, भाषा आ निष्कर्ष स्पष्ट कएल जाइत अछि।
१८८. (B) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण — लघु-प्रश्नमे समय बचा कऽ केन्द्रीय तथ्य लिखब चाही।
१८९. (A) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष — दीर्घ-उत्तर मे संरचना आ सन्तुलित विवेचन अंक बढ़बैत अछि।
१९०. (D) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब — संकलन-पाठमे पुनरावृत्ति-तालिका बहुत उपयोगी होइत अछि।
१९१. (C) पहिने कथा-सूची, फेर कथा-दर-कथा नोट, अन्तमे तुलनात्मक सार — क्रमबद्ध अध्ययन सँ तथ्य, कथ्य आ आलोचना तीनू स्पष्ट रहैत अछि।
१९२. (B) छोट, सटीक आ प्रसंगानुकूल उद्धरण देब — उद्धरण तभी उपयोगी अछि जखन ओ तर्क केँ बल दैत अछि।
१९३. (A) उत्तरमे परिचय संक्षिप्त आ कथा-विश्लेषण मुख्य — परीक्षामे लेखक-परिचयक बाद मुख्य बल कृति आ विश्लेषण पर होयबाक चाही।
१९४. (D) थीम, उदाहरण, विश्लेषण आ निष्कर्षक क्रम — विषयगत उत्तरमे कथासभसँ उपयुक्त उदाहरण जोड़ब जरूरी अछि।
१९५. (C) कथानक, पात्र, भाषा, प्रतीक, अन्त आ दृष्टिबिन्दु पर चर्चा — शिल्प-प्रश्नमे रचनाक कलात्मक युक्ति देखय पड़ैत अछि।
१९६. (B) सारांश कथाक घटनाक्रम, आलोचना ओकर अर्थ-विवेचन — परीक्षा उत्तरमे कथासार मात्र पर्याप्त नहि; अर्थ आ शिल्पक विवेचन चाही।
१९७. (A) दू कथा/कथाकारक समानता-भिन्नता व्यवस्थित देखाबब — तुलना मे समान विषय, अलग दृष्टि, भाषा आ निष्कर्ष स्पष्ट कएल जाइत अछि।
१९८. (D) सटीक परिभाषा आ एक उदाहरण — लघु-प्रश्नमे समय बचा कऽ केन्द्रीय तथ्य लिखब चाही।
१९९. (C) भूमिका, मुख्य बिन्दु, उदाहरण, आलोचनात्मक निष्कर्ष — दीर्घ-उत्तर मे संरचना आ सन्तुलित विवेचन अंक बढ़बैत अछि।
१०००. (B) तालिका बनाकऽ कथा, पात्र, विषय, शिल्प आ निष्कर्ष याद करब — संकलन-पाठमे पुनरावृत्ति-तालिका बहुत उपयोगी होइत अछि।

अध्याय २ : क्विज: चित्रा — यात्री

0

१. यात्रीक मूल नाम की छलनि?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र
- (B) हरिमोहन झा
- (C) मनबोध
- (D) चन्दा झा

२. यात्रीक हिन्दी नाम/उपनाम कोन अछि?

- (A) नागार्जुन
- (B) कालीदास
- (C) भारतेन्दु
- (D) दिनकर

३. चित्रा कोन भाषाक कविता-संग्रह रूपमे मानल जाइत अछि?

- (A) मैथिली
- (B) संस्कृत
- (C) अंग्रेजी
- (D) फारसी

४. चित्रा केँ पढ़बाक मुख्य साहित्यिक दृष्टि कोन होएबाक चाही?

- (A) आधुनिक मैथिली कविताक जन-चेतना
- (B) केवल राजदरबारी प्रशंसा
- (C) केवल व्याकरणिक सूची
- (D) केवल पुराणक अनुक्रम

५. यात्रीक रचनात्मक व्यक्तित्वमे कोन विशेषता प्रमुख मानल जाइत अछि?

- (A) लोक आ विद्रोहक संग कविता
- (B) दरबारी चाटुकारिता
- (C) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा मात्र
- (D) सिर्फ गणितीय तर्क

६. चित्रा शीर्षक पाठकसँ की अपेक्षा करैत अछि?

- (A) चित्र-जकाँ जीवनक रूप देखब
- (B) केवल युद्धक गणना करब
- (C) केवल शास्त्रीय नियम रटब
- (D) केवल नाम-सूची बनाउब

७. यात्रीक मैथिली रचना-संसारक आन चर्चित कृति कोन अछि?

- (A) पत्रहीन नग्न गाछ
- (B) कामायनी
- (C) गीतांजलि
- (D) मधुशाला

८. यात्रीक कविता सामान्यतः कोन पाठक-वर्गसँ संवाद करैत अछि?

- (A) जन-साधारण
- (B) केवल राजमहल
- (C) केवल ज्योतिषी
- (D) केवल शासक-वर्ग

९. चित्रा मे कविताक महत्त्व कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) समाजक जीवित चित्र
- (B) सिर्फ अलंकारक सूची
- (C) सिर्फ पूजा-पद्धति
- (D) सिर्फ इतिहासक तिथि

१०. यात्रीक काव्य-दृष्टि मे भाषा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकक अनुभव पहुँचाबय लेल
- (B) पाठककेँ दूर करय लेल
- (C) अर्थ छिपाबय लेल
- (D) केवल विदेशी प्रभाव देखाबय लेल

११. चित्रा पढ़ैत काल “लोकधर्मी स्वर” केँ ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

१२. यात्रीक “चित्रा” मे न्यायक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

१३. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

१४. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

१५. चित्रा मे जनपक्षधरताक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

१६. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

१७. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

१८. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे बरखा जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

१९. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

२०. चित्रा पढ़ैत काल “मानवीय दृष्टि” केँ ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

२१. यात्रीक “चित्रा” मे समानताक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

२२. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

२३. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

२४. चित्रा मे करुणाक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

२५. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

२६. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

२७. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे मजदूरक हथेली जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

२८. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

२९. चित्रा पढ़ैत काल “सामाजिक प्रश्न” केँ ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

३०. यात्रीक “चित्रा” मे जन-जागरणक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

३१. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

३२. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

३३. चित्रा मे व्यंग्यक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

३४. चित्रा ककरा लेल महत्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

३५. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

३६. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे बाजारक भीड़ जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

३७. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

३८. चित्रा पढ़ैत काल “भाषिक सादगी” केँ ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

३९. यात्रीक “चित्रा” मे स्वाभिमानक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

४०. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

४१. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

४२. चित्रा मे यथार्थ-बोधक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

४३. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

४४. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

४५. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे गरिबक घर जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

४६. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

४७. चित्रा पढ़ैत काल “ग्राम्य-संवेदना” केँ ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

४८. यात्रीक “चित्रा” मे मानवीयताक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

४९. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?
- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
 - (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
 - (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
 - (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट
५०. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?
- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
 - (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
 - (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
 - (D) केवल मौन रहबाक लेल
५१. चित्रा मे लोकधर्मी स्वरक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?
- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
 - (B) केवल पृष्ठ-संख्या
 - (C) केवल अक्षरक आकार
 - (D) केवल कविक हस्ताक्षर
५२. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?
- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
 - (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
 - (C) केवल गणित सूत्र लेल
 - (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल
५३. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?
- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
 - (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
 - (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
 - (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि
५४. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे गाछक छाहरि जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?
- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
 - (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
 - (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
 - (D) छन्द नष्ट करबाक लेल
५५. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?
- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
 - (B) भाव-विश्लेषण
 - (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
 - (D) सामाजिक अर्थक पहचान
५६. चित्रा पढ़ैत काल “प्रकृति-बिम्ब” केँ ककरा संग जोड़ब उचित अछि?
- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
 - (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
 - (C) भाषा-विहीन मौन
 - (D) कथा-विहीन सूची

५७. यात्रीक “चित्रा” मे अन्याय-विरोधक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

५८. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

५९. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

६०. चित्रा मे मानवीय दृष्टिक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

६१. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

६२. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

६३. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे पोखरि जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

६४. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

६५. चित्रा पढ़ते काल “जनपक्षधरता” के ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

६६. यात्रीक “चित्रा” मे लोक-संस्कृतिक सम्मानक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

६७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

६८. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

६९. चित्रा मे सामाजिक प्रश्नक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

७०. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

७१. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

७२. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे कादो-माटि जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

७३. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

७४. चित्रा पढ़ैत काल “करुणा” केँ ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

७५. यात्रीक “चित्रा” मे भाषिक आत्मविश्वासक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

७६. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

७७. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

७८. चित्रा मे भाषिक सादगीक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

७९. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

८०. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

८१. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे धानक खेत जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकें अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

८२. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

८३. चित्रा पढ़ैत काल “व्यंग्य” कें ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

८४. यात्रीक “चित्रा” मे श्रमक गरिमाक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

८५. चित्रा कें आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

८६. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

८७. चित्रा मे ग्राम्य-संवेदनाक अध्ययन करैत विद्यार्थी कें पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

८८. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

८९. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

९०. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे गामक बाट जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

९१. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

९२. चित्रा पढ़ैत काल “यथार्थ-बोध” केँ ककरा संग जोड़ब उचित अछि?

- (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि
- (B) सिर्फ दरबारी शृंगार
- (C) भाषा-विहीन मौन
- (D) कथा-विहीन सूची

९३. यात्रीक “चित्रा” मे सहानुभूतिक संकेत कोन उत्तरमे बेसी स्पष्ट अछि?

- (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर
- (B) शोषकक प्रशंसा
- (C) वास्तविकतासँ पलायन
- (D) समाजक उपेक्षा

९४. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता सँ जोड़बाक मुख्य कारण की अछि?

- (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर
- (B) पुरान कथा मात्रक पुनरावृत्ति
- (C) सिर्फ छन्द-प्रदर्शन
- (D) अर्थहीन शाब्दिक सजावट

९५. यात्रीक कवि-व्यक्तित्वमे मैथिली आ हिन्दी दुनू भाषा किएक उल्लेखनीय अछि?

- (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल
- (B) दुनू भाषाक विरोध लेल
- (C) सिर्फ अनुवाद न करबाक लेल
- (D) केवल मौन रहबाक लेल

९६. चित्रा मे प्रकृति-बिम्बक अध्ययन करैत विद्यार्थी केँ पहिने की देखबाक चाही?

- (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या
- (C) केवल अक्षरक आकार
- (D) केवल कविक हस्ताक्षर

९७. चित्रा ककरा लेल महत्त्वपूर्ण पाठ अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबय लेल
- (C) केवल गणित सूत्र लेल
- (D) केवल चिकित्साशास्त्र लेल

९८. यात्रीक नामक संग “लोककवि” भाव किएक जुड़ैत अछि?

- (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि
- (B) ओ केवल राजदरबारक गीत लिखैत छथि
- (C) ओ लोकजीवनसँ कटि जाइत छथि
- (D) ओ कविता मे समाजकेँ हटबैत छथि

९९. चित्रा शीर्षकक “चित्र” भावमे सुखायल धरती जकाँ बिम्ब किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल
- (B) विषयकेँ अस्पष्ट करबाक लेल
- (C) लोकक आवाज दबाबय लेल
- (D) छन्द नष्ट करबाक लेल

१००. चित्रा पर प्रश्न बनबैत काल कोन बातसँ बाँचब उचित अछि?

- (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त
- (B) भाव-विश्लेषण
- (C) भाषा-शैलीक अध्ययन
- (D) सामाजिक अर्थक पहचान

1

१०१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१०२. “गरीबी” केँ यात्री ककरा माध्यमँ कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१०३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१०४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१०५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकें खाली करैत अछि
- (C) पाठककें विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१०६. चित्रा कें केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१०७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध कें मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१०८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१०९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकें ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकें मिटा दैत अछि
- (C) भावकें रोकि दैत अछि
- (D) भाषा कें निष्प्राण बनबैत अछि

११०. चित्राक विषय-दृष्टि कें एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१११. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

११२. “गरीबी” कें यात्री ककरा माध्यम कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

११३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

११४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

११५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकेँ खाली करैत अछि
- (C) पाठककेँ विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

११६. चित्रा केँ केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

११७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

११८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

११९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकेँ ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकेँ मिटा दैत अछि
- (C) भावकेँ रोकि दैत अछि
- (D) भाषा केँ निष्प्राण बनबैत अछि

१२०. चित्राक विषय-दृष्टि केँ एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१२१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१२२. “गरीबी” केँ यात्री ककरा माध्यमे कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१२३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१२४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१२५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकेँ खाली करैत अछि
- (C) पाठककेँ विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१२६. चित्रा केँ केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१२७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१२८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१२९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकें ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकें मिटा दैत अछि
- (C) भावकें रोकि दैत अछि
- (D) भाषा कें निष्प्राण बनबैत अछि

१३०. चित्राक विषय-दृष्टि कें एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१३१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१३२. “गरीबी” कें यात्री ककरा माध्यमें कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१३३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता कें जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकें निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककें हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१३४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकें जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१३५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकें खाली करैत अछि
- (C) पाठककें विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१३६. चित्रा कें केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१३७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१३८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१३९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकेँ ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकेँ मिटा दैत अछि
- (C) भावकेँ रोकि दैत अछि
- (D) भाषा केँ निष्प्राण बनबैत अछि

१४०. चित्राक विषय-दृष्टि केँ एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१४१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१४२. “गरीबी” केँ यात्री ककरा माध्यम कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१४३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१४४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१४५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकें खाली करैत अछि
- (C) पाठककें विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१४६. चित्रा कें केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१४७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध कें मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१४८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१४९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकें ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकें मिटा दैत अछि
- (C) भावकें रोकि दैत अछि
- (D) भाषा कें निष्प्राण बनबैत अछि

१५०. चित्राक विषय-दृष्टि कें एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१५१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१५२. “गरीबी” कें यात्री ककरा माध्यम कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१५३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१५४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१५५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकेँ खाली करैत अछि
- (C) पाठककेँ विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१५६. चित्रा केँ केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१५७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१५८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१५९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकेँ ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकेँ मिटा दैत अछि
- (C) भावकेँ रोकि दैत अछि
- (D) भाषा केँ निष्प्राण बनबैत अछि

१६०. चित्राक विषय-दृष्टि केँ एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१६१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१६२. “गरीबी” केँ यात्री ककरा माध्यमे कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१६३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१६४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१६५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकेँ खाली करैत अछि
- (C) पाठककेँ विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१६६. चित्रा केँ केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१६७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१६८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१६९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकें ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकें मिटा दैत अछि
- (C) भावकें रोकि दैत अछि
- (D) भाषा कें निष्प्राण बनबैत अछि

१७०. चित्राक विषय-दृष्टि कें एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१७१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१७२. “गरीबी” कें यात्री ककरा माध्यम कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१७३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता कें जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकें निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककें हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१७४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकें जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१७५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकें खाली करैत अछि
- (C) पाठककें विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१७६. चित्रा कें केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१७७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१७८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१७९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकेँ ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकेँ मिटा दैत अछि
- (C) भावकेँ रोकि दैत अछि
- (D) भाषा केँ निष्प्राण बनबैत अछि

१८०. चित्राक विषय-दृष्टि केँ एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१८१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१८२. “गरीबी” केँ यात्री ककरा माध्यम कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१८३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१८४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१८५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकें खाली करैत अछि
- (C) पाठककें विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१८६. चित्रा कें केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१८७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध कें मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१८८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१८९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकें ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकें मिटा दैत अछि
- (C) भावकें रोकि दैत अछि
- (D) भाषा कें निष्प्राण बनबैत अछि

१९०. चित्राक विषय-दृष्टि कें एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

१९१. चित्रा मे “भूख” विषयक कवितात्मक अर्थ कोन उत्तरमे स्पष्ट अछि?

- (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा
- (B) केवल राजमहलक ऐश्वर्य
- (C) विषयसँ पलायन
- (D) निरर्थक शब्द-क्रीड़ा

१९२. “गरीबी” कें यात्री ककरा माध्यम कवितामे रूप दऽ सकैत छथि?

- (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द
- (B) केवल अमूर्त परिभाषा
- (C) दुरूह विदेशी पद
- (D) समाज-विहीन कल्पना

१९३. चित्राक विषय-दृष्टि मे जन-जागरण किएक आवश्यक अछि?

- (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) केवल शोर करय लेल

१९४. चित्रा मे भाव आ विचारक सम्बन्ध कोन प्रकारक बुझल जाएत?

- (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि
- (B) भाव आ विचार सदिखन अलग
- (C) विचार कविता मे निषिद्ध
- (D) भाव केवल सजावट

१९५. “प्रकृति-बिम्ब” चित्राक विषय-विस्तारमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि
- (B) कविताकेँ खाली करैत अछि
- (C) पाठककेँ विषयसँ हटबैत अछि
- (D) केवल ध्वनि-सजावट अछि

१९६. चित्रा केँ केवल प्रेम-कविता मानि लेब किएक अधूरा होएत?

- (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि
- (B) किएक तँ एतय कोनो भाव नहि
- (C) किएक तँ एतय भाषा नहि
- (D) किएक तँ एतय कवि नहि

१९७. चित्रा मे “विरोध” पर प्रश्न बनैत काल कोन विकल्प श्रेष्ठ अछि?

- (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब
- (B) केवल शब्दक मात्रा गिनब
- (C) कविताक अर्थ न देखब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटाबय

१९८. चित्रा मे कवि कोन प्रकारक दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि
- (B) ऊपरसँ तिरस्कारक दृष्टि
- (C) केवल मनोरंजनक दृष्टि
- (D) अर्थहीन सजावटक दृष्टि

१९९. चित्रा मे बरखा जकाँ दृश्य काव्यक काज की करैत अछि?

- (A) विषयकेँ ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि
- (B) विषयकेँ मिटा दैत अछि
- (C) भावकेँ रोकि दैत अछि
- (D) भाषा केँ निष्प्राण बनबैत अछि

२००. चित्राक विषय-दृष्टि केँ एक वाक्यमे कोना कहल जा सकैत अछि?

- (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता
- (B) दरबारी प्रशस्ति मात्र
- (C) विषयरहित छन्दाभ्यास
- (D) केवल पुराणक अनुवाद

२०१. चित्रा मे “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२०२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२०३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव केँ काव्यक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकेँ निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२०४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकेँ मेटैत अछि
- (D) पाठककेँ दूर करैत अछि

२०५. चित्रा मे ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२०६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२०७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२०८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२०९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता में प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२१०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककेँ की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकेँ छोट मानब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२११. चित्रा में “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२१२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२१३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव केँ काव्यिक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकेँ निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२१४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकेँ मेटैत अछि
- (D) पाठककेँ दूर करैत अछि

२१५. चित्रा में ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२१६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२१७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२१८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२१९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता मे प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२२०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककेँ की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकेँ छोट मानब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२२१. चित्रा मे “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२२२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२२३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव केँ काव्यिक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकेँ निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२२४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकेँ मेटैत अछि
- (D) पाठककेँ दूर करैत अछि

२२५. चित्रा मे ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२२६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२२७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२२८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२२९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता मे प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२३०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककेँ की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकेँ छोट मानब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२३१. चित्रा मे “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२३२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२३३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव केँ काव्यक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकेँ निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२३४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकेँ मेटैत अछि
- (D) पाठककेँ दूर करैत अछि

२३५. चित्रा मे ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२३६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२३७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२३८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२३९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता मे प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२४०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककेँ की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकेँ छोट मानब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२४१. चित्रा मे “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२४२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२४३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव केँ काव्यक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकेँ निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२४४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकेँ मेटैत अछि
- (D) पाठककेँ दूर करैत अछि

२४५. चित्रा मे ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२४६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२४७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२४८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२४९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता में प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२५०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककें की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकें साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकें छोट मानब
- (C) भाषाकें समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२५१. चित्रा में “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२५२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२५३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव कें काव्यिक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकें निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२५४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता कें धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकें निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकें मेटैत अछि
- (D) पाठककें दूर करैत अछि

२५५. चित्रा में ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२५६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२५७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२५८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२५९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता मे प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२६०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककेँ की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकेँ छोट मानब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२६१. चित्रा मे “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२६२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२६३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव केँ काव्यिक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकेँ निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२६४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकेँ मेटैत अछि
- (D) पाठककेँ दूर करैत अछि

२६५. चित्रा मे ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२६६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२६७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२६८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२६९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता मे प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२७०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककेँ की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकेँ छोट मानब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२७१. चित्रा मे “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२७२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२७३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव केँ काव्यक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकेँ निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२७४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकेँ मेटैत अछि
- (D) पाठककेँ दूर करैत अछि

२७५. चित्रा मे ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२७६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२७७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२७८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२७९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता मे प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२८०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककेँ की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकेँ छोट मानब
- (C) भाषाकेँ समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२८१. चित्रा मे “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२८२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२८३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव केँ काव्यक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकेँ निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२८४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकेँ मेटैत अछि
- (D) पाठककेँ दूर करैत अछि

२८५. चित्रा मे ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२८६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२८७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२८८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२८९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता में प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

२९०. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककें की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकें साहित्यक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकें छोट मानब
- (C) भाषाकें समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

२९१. चित्रा में “खेत” ग्राम्य परिवेशक कोन पक्ष देखाबैत अछि?

- (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समुद्री व्यापार मात्र
- (D) केवल अंतरिक्ष यात्रा

२९२. पथिकक उपस्थिति चित्रामे ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष
- (B) दरबारी अधिकारी
- (C) कल्पित देव-सभा मात्र
- (D) मौन मूर्ति

२९३. ग्राम्य जीवनक चित्रणमे कविक उद्देश्य की अछि?

- (A) लोकक अनुभव कें काव्यक मान देब
- (B) गामक उपेक्षा करब
- (C) ग्रामीण भाषाकें निषिद्ध करब
- (D) केवल शहरक प्रशंसा

२९४. “सुखायल धरती” जकाँ ग्राम्य बिम्बक प्रभाव की अछि?

- (A) कविता कें धरतीसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकें निराकार करैत अछि
- (C) अर्थकें मेटैत अछि
- (D) पाठककें दूर करैत अछि

२९५. चित्रा में ग्राम्य परिवेश केवल पृष्ठभूमि नहि, बल्कि—

- (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि
- (B) अप्रासंगिक सजावट अछि
- (C) भूल अछि
- (D) गद्यक विरोध अछि

२९६. “बाजार” विषय पर यात्रीक दृष्टि कोन होएत?

- (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक
- (B) उपेक्षापूर्ण
- (C) केवल हास्यास्पद
- (D) पूरी तरह मौन

२९७. गामक बोली-बानी कविता मे आबय सँ की लाभ होइत अछि?

- (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि
- (B) कविता निर्जीव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ खत्म भऽ जाइत अछि
- (D) लोक गायब भऽ जाइत अछि

२९८. चित्रा मे समानता ग्राम्य जीवनसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ
- (B) गामक तिरस्कारसँ
- (C) असत्य प्रशंसासँ
- (D) मौन पलायनसँ

२९९. ग्राम्य परिवेश पर आधारित कविता मे प्रकृति आ मनुष्यक सम्बन्ध कतेक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त महत्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि
- (B) बिल्कुल असम्बद्ध
- (C) केवल शहरी सजावट
- (D) केवल गणितीय चिन्ह

३००. चित्राक ग्राम्य संसार पाठककें की सिखबैत अछि?

- (A) आम लोकक जीवनकें साहित्यिक केन्द्र मानब
- (B) लोकक जीवनकें छोट मानब
- (C) भाषाकें समाजसँ अलग करब
- (D) कवितामे अनुभव न राखब

3

३०१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३०२. सामाजिक यथार्थ कविता कें कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३०३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३०४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता कें गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३०५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३०६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३०७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककेँ निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३०८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककेँ हटबैत अछि

३०९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३१०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३११. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३१२. सामाजिक यथार्थ कविता केँ कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३१३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३१४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३१५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३१६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३१७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककेँ निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३१८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककेँ हटबैत अछि

३१९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३२०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३२१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३२२. सामाजिक यथार्थ कविता केँ कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३२३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३२४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३२५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३२६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३२७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककेँ निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३२८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककेँ हटबैत अछि

३२९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३३०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३३१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३३२. सामाजिक यथार्थ कविता केँ कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३३३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३३४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३३५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३३६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथिक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३३७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककें निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३३८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककें हटबैत अछि

३३९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३४०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३४१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३४२. सामाजिक यथार्थ कविता कें कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३४३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३४४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता कें गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३४५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३४६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३४७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककेँ निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३४८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककेँ हटबैत अछि

३४९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३५०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३५१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३५२. सामाजिक यथार्थ कविता केँ कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३५३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३५४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३५५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३५६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३५७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककेँ निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३५८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककेँ हटबैत अछि

३५९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३६०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३६१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३६२. सामाजिक यथार्थ कविता केँ कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३६३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३६४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३६५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३६६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३६७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककेँ निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३६८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककेँ हटबैत अछि

३६९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३७०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३७१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३७२. सामाजिक यथार्थ कविता केँ कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३७३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३७४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३७५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३७६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३७७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककें निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३७८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककें हटबैत अछि

३७९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३८०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३८१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३८२. सामाजिक यथार्थ कविता कें कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३८३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३८४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता कें गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३८५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३८६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३८७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककेँ निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३८८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककेँ हटबैत अछि

३८९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

३९०. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

३९१. चित्रामे “शोषण” सामाजिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) अन्यायक पहचान आ विरोध
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) समाजसँ पलायन
- (D) केवल स्वप्न-चित्र

३९२. सामाजिक यथार्थ कविता केँ कोन गुण दैत अछि?

- (A) जीवन-संलग्नता
- (B) अर्थहीनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) कृत्रिम दूरी

३९३. समाजक उपेक्षित वर्गक पीड़ा देखाबय सँ कविताक स्वर की बनैत अछि?

- (A) करुण आ प्रतिरोधी
- (B) निर्दयी आ उदासीन
- (C) दरबारी आ विलासी
- (D) निष्प्रश्न आ निर्जीव

३९४. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” चित्राक सामाजिक चेतना मे कोना देखाइत अछि?

- (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे
- (B) शोषण ढँकबाक रूपमे
- (C) असमानता बढ़ेबाक रूपमे
- (D) वास्तविकता हटेबाक रूपमे

३९५. यात्रीक सामाजिक कविता मे व्यंग्यक काज की अछि?

- (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब
- (B) सत्यकेँ छिपाउब
- (C) लोककेँ नीचा देखाउब
- (D) कविताकेँ अर्थहीन करब

३९६. “सामाजिक अन्याय” विषयक प्रश्नमे सही उत्तर खोजय लेल कोन दृष्टि चाही?

- (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब
- (B) केवल तुक गिनब
- (C) सामाजिक सन्दर्भ न देखब
- (D) कविक नाम हटाबय

३९७. चित्राक सामाजिक बोध पाठककेँ निष्क्रिय नहि, बल्कि—

- (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि
- (B) सुतय लेल बाध्य करैत अछि
- (C) भाषा बिसरय लेल कहैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३९८. गरीबीक चित्रण यदि केवल आँसू नहि, चेतना बनि जाइ, तकर अर्थ की?

- (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि
- (B) कविता समस्या छिपबैत अछि
- (C) कविता सत्ता-प्रशंसा करैत अछि
- (D) कविता लोककेँ हटबैत अछि

३९९. चित्रामे सामाजिक चेतनाक मूल स्रोत की मानल जा सकैत अछि?

- (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव
- (B) निराधार कल्पना मात्र
- (C) दरबारी आदेश
- (D) शब्दकोशक सूची

४००. सामाजिक यथार्थक कवितामे भाषा कतेक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि
- (B) बिल्कुल नहि
- (C) केवल अलंकार लेल
- (D) केवल रहस्य छिपाबय लेल

४०१. चित्राक भाषा-शैलीमे “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४०२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसँ जुड़ल बुझाईत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४०३. चित्रा मे लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४०४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४०५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमे खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४०६. चित्रा मे लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४०७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४०८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४०९. कविता में छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४१०. चित्रा में भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४११. चित्राक भाषा-शैलीमें “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४१२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसँ जुड़ल बुझाइत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४१३. चित्रा में लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४१४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमें किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४१५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमें तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमें खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४१६. चित्रा में लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४१७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४१८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४१९. कविता मे छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४२०. चित्रा मे भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसेँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४२१. चित्राक भाषा-शैलीमे “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४२२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसेँ जुड़ल बुझाइत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४२३. चित्रा मे लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४२४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसेँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४२५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमे खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४२६. चित्रा मे लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४२७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४२८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४२९. कविता मे छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४३०. चित्रा मे भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४३१. चित्राक भाषा-शैलीमे “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४३२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसँ जुड़ल बुझाइत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४३३. चित्रा मे लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४३४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४३५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमे खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४३६. चित्रा मे लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४३७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४३८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४३९. कविता मे छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४४०. चित्रा मे भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४४१. चित्राक भाषा-शैलीमे “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४४२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसँ जुड़ल बुझाईत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४४३. चित्रा मे लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४४४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४४५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमे खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४४६. चित्रा मे लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४४७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४४८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४४९. कविता में छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४५०. चित्रा में भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४५१. चित्राक भाषा-शैलीमें “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४५२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसँ जुड़ल बुझाईत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४५३. चित्रा में लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४५४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमें किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४५५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमें तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमें खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४५६. चित्रा में लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४५७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४५८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४५९. कविता मे छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४६०. चित्रा मे भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसेँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४६१. चित्राक भाषा-शैलीमे “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४६२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसेँ जुड़ल बुझाइत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४६३. चित्रा मे लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४६४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसेँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४६५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमे खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४६६. चित्रा मे लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४६७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४६८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४६९. कविता मे छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४७०. चित्रा मे भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४७१. चित्राक भाषा-शैलीमे “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४७२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसँ जुड़ल बुझाइत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४७३. चित्रा मे लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४७४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४७५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमे खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४७६. चित्रा मे लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४७७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४७८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४७९. कविता मे छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४८०. चित्रा मे भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४८१. चित्राक भाषा-शैलीमे “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४८२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसँ जुड़ल बुझाइत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४८३. चित्रा मे लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४८४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४८५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमे खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४८६. चित्रा मे लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४८७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४८८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४८९. कविता में छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

४९०. चित्रा में भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

४९१. चित्राक भाषा-शैलीमें “सरल भाषा”क अर्थ कोन अछि?

- (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति
- (B) अर्थहीन कठिनता
- (C) लोकभाषाक निषेध
- (D) केवल विदेशी शब्द

४९२. यात्रीक भाषा किएक लोकक अनुभवसँ जुड़ल बुझाइत अछि?

- (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण
- (B) पूर्ण मौनक कारण
- (C) सिर्फ राजभाषाक कारण
- (D) कोनो भाव न रहलाक कारण

४९३. चित्रा में लयक भूमिका की अछि?

- (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब
- (B) अर्थ रोकि देब
- (C) लोक-स्वर हटाबय
- (D) कविताकेँ गद्यहीन करब

४९४. “भाषिक सादगी” भाषा-शैलीक अध्ययनमें किएक उपयोगी अछि?

- (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल
- (B) विषयकेँ काटय लेल
- (C) पाठकसँ दूरी बनेबाक लेल
- (D) अनुभव हटेबाक लेल

४९५. यात्रीक व्यंग्यात्मक वाक्य-शैलीक विशेषता की होइत अछि?

- (A) सरल शब्दमें तीक्ष्ण चोट
- (B) कठिन शब्दमें खाली शोर
- (C) लोक-विरोधी संकेत
- (D) भावहीन गणना

४९६. चित्रा में लोक-शब्दक प्रयोग काव्य केँ की दैत अछि?

- (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) अर्थहीन अजनबीपन
- (C) लोकसँ कटाव
- (D) भावक अभाव

४९७. भाषा-शैली पर प्रश्नमे गलत दृष्टि कोन होएत?

- (A) केवल कठिन शब्दकें श्रेष्ठ मानब
- (B) भाव आ प्रसंग देखब
- (C) लयक असर देखब
- (D) लोक-शब्दक भूमिका बुझब

४९८. “ध्वनि-संयम” चित्राक शैलीमे ककर विरोध करैत अछि?

- (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा
- (B) स्वाभाविक अभिव्यक्ति
- (C) कविताक अर्थ
- (D) जन-संवाद

४९९. कविता मे छोट पंक्ति आ तीक्ष्ण वाक्यक प्रभाव की होइत अछि?

- (A) भावक चोट तेज होइत अछि
- (B) कविता नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ सदिखन गायब होइत अछि
- (D) जन-संवाद रुकैत अछि

५००. चित्रा मे भाषा आ विषयक सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि
- (B) भाषा विषयसँ असम्बद्ध अछि
- (C) विषय भाषा केँ रोकैत अछि
- (D) भाषा केवल सजावट अछि

5

५०१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५०२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५०३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५०४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५०५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकेँ पूरा मिटाबय
- (C) पाठककेँ भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकेँ हटाबय

५०६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५०७. चित्रमे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५०८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) सामाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५०९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५१०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय
- (B) भावकेँ दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५११. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५१२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५१३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५१४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५१५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकेँ पूरा मिटाबय
- (C) पाठककेँ भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकेँ हटाबय

५१६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५१७. चित्रामे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५१८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) सामाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५१९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५२०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय
- (B) भावकेँ दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५२१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५२२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५२३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५२४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५२५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकेँ पूरा मिटाबय
- (C) पाठककेँ भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकेँ हटाबय

५२६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५२७. चित्रामे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५२८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) समाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५२९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५३०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकें बेकार बनाबय
- (B) भावकें दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५३१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५३२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५३३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५३४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५३५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकें पूरा मिटाबय
- (C) पाठककें भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकें हटाबय

५३६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५३७. चित्रामे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५३८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) समाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५३९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५४०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय
- (B) भावकेँ दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५४१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५४२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५४३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५४४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५४५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकेँ पूरा मिटाबय
- (C) पाठककेँ भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकेँ हटाबय

५४६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५४७. चित्रमे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५४८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) समाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५४९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५५०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय
- (B) भावकेँ दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५५१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५५२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५५३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५५४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५५५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकेँ पूरा मिटाबय
- (C) पाठककेँ भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकेँ हटाबय

५५६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५५७. चित्रामे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५५८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) समाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५५९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५६०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय
- (B) भावकेँ दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५६१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५६२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५६३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५६४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५६५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकेँ पूरा मिटाबय
- (C) पाठककेँ भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकेँ हटाबय

५६६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५६७. चित्रामे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५६८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) समाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५६९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५७०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकें बेकार बनाबय
- (B) भावकें दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५७१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५७२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५७३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५७४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन कें जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५७५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकें पूरा मिटाबय
- (C) पाठककें भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकें हटाबय

५७६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५७७. चित्रामे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५७८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) समाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५७९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५८०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय
- (B) भावकेँ दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५८१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५८२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५८३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५८४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५८५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकेँ पूरा मिटाबय
- (C) पाठककेँ भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकेँ हटाबय

५८६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५८७. चित्रमे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५८८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) सामाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५८९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

५९०. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय
- (B) भावकेँ दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

५९१. चित्रा मे “धानक खेत” कोन प्रकारक बिम्ब अछि?

- (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब
- (B) केवल राजमहलक प्रतीक
- (C) अर्थहीन रेखा
- (D) गणितीय चिह्न मात्र

५९२. कादो-माटिक प्रतीकात्मक अर्थ की भऽ सकैत अछि?

- (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा
- (B) लोक-विमुख विलास
- (C) असत्य नाटक
- (D) भाषाहीन शून्यता

५९३. प्रकृति-बिम्ब चित्रामे केवल सौन्दर्य नहि, बल्कि—

- (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि
- (B) अप्रासंगिक रंग अछि
- (C) कथा-विरोधी तत्व अछि
- (D) सिर्फ रहस्य अछि

५९४. “गाछक छाहरि” आ भुखाएल जन केँ जोड़लासँ कोन अर्थ बनैत अछि?

- (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध
- (B) कविता आ समाजक विच्छेद
- (C) केवल पौराणिक भ्रम
- (D) शब्दक खाली खेल

५९५. बिम्बक सफल प्रयोगक पहचान की?

- (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय
- (B) अर्थकेँ पूरा मिटाबय
- (C) पाठककेँ भ्रमित करय मात्र
- (D) विषयकेँ हटाबय

५९६. बाजारक भीड़ यदि सूखा वा अभावक संग आबय, तकर भाव की भऽ सकैत अछि?

- (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष
- (B) केवल उत्सव
- (C) दरबारी भोज
- (D) समाजहीन खुशी

५९७. चित्रामे प्रतीक पढ़ैत काल विद्यार्थी केँ की करबाक चाही?

- (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब
- (B) प्रसंग हटायब
- (C) सिर्फ रंग गिनब
- (D) कवि न पढ़ब

५९८. “बरखा” जकाँ बिम्बक मैथिली कवितामे महत्त्व की अछि?

- (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता
- (B) भाषिक शून्यता
- (C) समाजिक असम्बद्धता
- (D) दूरी आ निर्जीवता

५९९. प्रकृति आ समाजक संयुक्त चित्रण यात्रीक कवितामे की बनबैत अछि?

- (A) जीवित यथार्थ
- (B) निर्जन कल्पना
- (C) केवल वैज्ञानिक लेख
- (D) दरबारी अनुच्छेद

६००. चित्रा मे बिम्बक उद्देश्य कोन नहि अछि?

- (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय
- (B) भावकेँ दृश्य बनाबय
- (C) लोकजीवनक संकेत देब
- (D) पाठकक स्मृति जगाबय

६०१. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६०२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६०३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६०४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६०५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६०६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६०७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६०८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६०९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६१०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६११. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६१२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६१३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६१४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६१५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६१६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६१७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६१८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोकक हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६१९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६२०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६२१. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६२२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६२३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६२४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६२५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६२६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६२७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६२८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोकक हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६२९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६३०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६३१. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६३२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६३३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६३४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६३५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६३६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६३७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६३८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६३९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६४०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६४१. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६४२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६४३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६४४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६४५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६४६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६४७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६४८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६४९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६५०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६५१. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६५२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६५३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६५४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६५५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६५६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६५७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६५८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोकक हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६५९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६६०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६६१. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६६२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६६३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६६४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६६५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६६६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६६७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६६८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोकक हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६६९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६७०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६७१. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६७२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६७३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६७४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६७५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६७६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६७७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६७८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६७९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६८०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६८१. चित्रमे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६८२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६८३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६८४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६८५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६८६. पथिकक आवाज चित्रमे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६८७. चित्र मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६८८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोककेँ हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६८९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

६९०. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

६९१. चित्रामे किसानक स्वर ककर प्रतिनिधित्व करैत अछि?

- (A) लोकजीवनक अनुभव
- (B) राजमहलक विलास
- (C) समाजविहीन सजावट
- (D) कोरा पाण्डित्य

६९२. मजदूरक चित्रणमे करुणा आ सम्मान दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) लोक-पात्र केँ वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल
- (B) तकर अपमान लेल
- (C) भाषा हटेबाक लेल
- (D) समाजसँ काटबाक लेल

६९३. कविता मे “हम” स्वर कखनो कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) सामूहिक लोक-अनुभव
- (B) केवल अहंकार
- (C) मौन शून्यता
- (D) राजाज्ञा

६९४. बालक पर आधारित प्रश्नमे गलत उत्तर कोन होएत?

- (A) लोक-पात्रक उपेक्षा
- (B) मानवीय गरिमा
- (C) जीवन-संघर्ष
- (D) सामाजिक सन्दर्भ

६९५. काव्य-स्वरक पहचान कोना कएल जाए?

- (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ
- (B) केवल अक्षर गिनिकऽ
- (C) कवि न पढ़िकऽ
- (D) भाव हटाकऽ

६९६. पथिकक आवाज चित्रामे कोन मूल्य उजागर करैत अछि?

- (A) अन्याय-विरोध
- (B) लोक-विरोध
- (C) शोषणक जयकार
- (D) भावहीनता

६९७. चित्रा मे पात्र प्रायः ककरा जकाँ देखल जाइत अछि?

- (A) जीवित सामाजिक मनुष्य
- (B) केवल अलंकार
- (C) काठक पुतरी
- (D) अर्थहीन चिह्न

६९८. सामान्य मनुष्यक चित्रणमे भाषा किएक सहज होएबाक चाही?

- (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल
- (B) अर्थ छिपाबय लेल
- (C) लोकक हटाबय लेल
- (D) कविता रोकय लेल

६९९. कवि-स्वर यदि समाजक पीड़ा सुनैत अछि, तखन ओ—

- (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि
- (B) उपेक्षापूर्ण अछि
- (C) दरबारी मात्र अछि
- (D) भाषाविहीन अछि

७००. चित्रा मे लोक-स्वरक प्रमुख परिणाम की अछि?

- (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि
- (B) कविता लोकसँ कटैत अछि
- (C) भाषा असम्भव होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

7

७०१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७०२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकें रिक्त करब

७०३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकें जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७०४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७०५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकेँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७०६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७०७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७०८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७०९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७१०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककेँ की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककेँ भुलाबय
- (D) भाषाकेँ तोड़ब

७११. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७१२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकेँ रिक्त करब

७१३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकेँ जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७१४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७१५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकेँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७१६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७१७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७१८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७१९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७२०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककेँ की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककेँ भुलाबय
- (D) भाषाकेँ तोड़ब

७२१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७२२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकें रिक्त करब

७२३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकें जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७२४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७२५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकें जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकें निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७२६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७२७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७२८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७२९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७३०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककेँ की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककेँ भुलाबय
- (D) भाषाकेँ तोड़ब

७३१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७३२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकेँ रिक्त करब

७३३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकेँ जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७३४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७३५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकेँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७३६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७३७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७३८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७३९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७४०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककें की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककें भुलाबय
- (D) भाषाकें तोड़ब

७४१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७४२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकें रिक्त करब

७४३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकें जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७४४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७४५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकेँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७४६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७४७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७४८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७४९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७५०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककेँ की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककेँ भुलाबय
- (D) भाषाकेँ तोड़ब

७५१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७५२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकेँ रिक्त करब

७५३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकेँ जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७५४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७५५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकेँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७५६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७५७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७५८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७५९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७६०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककेँ की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककेँ भुलाबय
- (D) भाषाकेँ तोड़ब

७६१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७६२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कवितार्के रिक्त करब

७६३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकेँ जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७६४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७६५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कवितार्के जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कवितार्के निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७६६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७६७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७६८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७६९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७७०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककेँ की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककेँ भुलाबय
- (D) भाषाकेँ तोड़ब

७७१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७७२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकेँ रिक्त करब

७७३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकेँ जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७७४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७७५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकेँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकेत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७७६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७७७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७७८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७७९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७८०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककें की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककें भुलाबय
- (D) भाषाकें तोड़ब

७८१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७८२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकें रिक्त करब

७८३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकें जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७८४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७८५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकेँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७८६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७८७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७८८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७८९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

७९०. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककेँ की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककेँ भुलाबय
- (D) भाषाकेँ तोड़ब

७९१. चित्रामे “आधुनिकता” आधुनिक चेतनाक कोन रूप अछि?

- (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न
- (B) अन्यायक समर्थन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) लोक-दमन

७९२. व्यंग्यक सही उपयोग चित्रामे कोन अछि?

- (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार
- (B) पीड़ितक उपहास
- (C) सत्य छिपाउब
- (D) कविताकेँ रिक्त करब

७९३. प्रतिरोधक काव्यात्मक अर्थ कोन उत्तरमे भेटैत अछि?

- (A) समाज बदलबाक आकांक्षा
- (B) समाजकेँ जकाँ-तहिँ छोड़बाक जड़ता
- (C) लोक-विमुख विलास
- (D) मौन स्वीकृति

७९४. चित्रा मे प्रतिरोध कोना व्यक्त भऽ सकैत अछि?

- (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम
- (B) केवल मौन स्वीकारसँ
- (C) शोषकक जयकारसँ
- (D) अनुभव हटाकऽ

७९५. “जनतांत्रिक बोध” आधुनिक मैथिली कविताक विकासमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कविताकेँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि
- (B) कविताकेँ निर्जीव बनबैत अछि
- (C) लोक-भाषा रोकैत अछि
- (D) विषय हटबैत अछि

७९६. रूढ़ि पर प्रहार करब यात्रीक काव्यमे की संकेत करैत अछि?

- (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि
- (B) अंध-स्वीकार
- (C) सामाजिक जड़ता
- (D) लोक-विरोध

७९७. चित्रा मे आधुनिकता केवल समयक नाम नहि, बल्कि—

- (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता
- (B) पुरान शब्दक सूची
- (C) दरबारी नियम
- (D) मौन विराम

७९८. जनतांत्रिक बोधक अर्थ चित्रा सन्दर्भमे की होएत?

- (A) आम लोकक आवाजक सम्मान
- (B) केवल अभिजनक अधिकार
- (C) शोषणक स्थापना
- (D) भाषाक निषेध

७९९. काव्य-विप्लवक प्रश्नमे सही दृष्टिकोण की अछि?

- (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब
- (B) केवल पंक्ति-संख्या गिनब
- (C) लोक-सन्दर्भ हटायब
- (D) कविक चेतना न देखब

८००. चित्राक प्रतिरोधी स्वर पाठककेँ की करैत अछि?

- (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित
- (B) अन्याय मानि लेबाक लेल बाध्य
- (C) लोककेँ भुलाबय
- (D) भाषाकेँ तोड़ब

८०१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता केँ केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकेँ मौन करब

८०२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८०३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८०४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८०५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८०६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८०७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी केँ कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८०८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकैत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८०९. चित्रा के पाठ्यक्रम में पढ़ाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८१०. परम्परा में यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८११. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भ में यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कविता में जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कविता सँ लोक हटाउब
- (C) कविता केँ केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषा केँ मौन करब

८१२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा में किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८१३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तर में ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८१४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता में मुख्य अन्तर कोन रूप में देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू में कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू में समाज अनुपस्थित

८१५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८१६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविता केँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८१७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी कैं कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८१८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकैत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८१९. चित्रा कैं पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८२०. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८२१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता कैं केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकैं मौन करब

८२२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८२३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८२४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८२५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८२६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८२७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी केँ कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८२८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकैत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८२९. चित्रा केँ पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८३०. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८३१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता केँ केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकेँ मौन करब

८३२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८३३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८३४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८३५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८३६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८३७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी केँ कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८३८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकैत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८३९. चित्रा केँ पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८४०. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८४१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता केँ केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकेँ मौन करब

८४२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८४३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८४४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८४५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८४६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८४७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी केँ कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८४८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकेत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८४९. चित्रा के पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८५०. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८५१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता केँ केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकेँ मौन करब

८५२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८५३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८५४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८५५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८५६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८५७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी कैं कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८५८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकैत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८५९. चित्रा कैं पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८६०. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८६१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता कैं केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकैं मौन करब

८६२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८६३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८६४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८६५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८६६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८६७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी केँ कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८६८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकैत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८६९. चित्रा केँ पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८७०. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८७१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता केँ केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकेँ मौन करब

८७२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझाय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८७३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८७४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८७५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८७६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८७७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी केँ कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८७८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकैत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८७९. चित्रा केँ पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८८०. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८८१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता केँ केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकेँ मौन करब

८८२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८८३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८८४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८८५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८८६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८८७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी केँ कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८८८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकेत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८८९. चित्रा के पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

८९०. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

८९१. “विद्यापति परम्परा” सन्दर्भमे यात्रीक योगदान कोन अछि?

- (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति
- (B) मैथिली कवितासँ लोक हटाउब
- (C) कविता केँ केवल दरबारी बनाउब
- (D) भाषाकेँ मौन करब

८९२. चित्रा मैथिली कविता-परम्परा मे किएक पढ़ल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल
- (B) केवल तिथि-सूची लेल
- (C) सिर्फ पौराणिक कथा लेल
- (D) गणितीय अभ्यास लेल

८९३. मुक्तक-काव्य आ चित्राक सम्बन्ध कोन उत्तरमे ठीक अछि?

- (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू
- (B) परम्परा सँ पूर्ण पलायन मात्र
- (C) नवता बिना पुनरावृत्ति
- (D) कविता-विरोध

८९४. विद्यापति-परम्परा आ यात्रीक कविता मे मुख्य अन्तर कोन रूपमे देखल जा सकैत अछि?

- (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार
- (B) दुनू मे कोनो भाषा नहि
- (C) दुनू केवल राजाज्ञा
- (D) दुनू मे समाज अनुपस्थित

८९५. यात्रीक भाषा मैथिली कविता-परम्परा केँ की दैत अछि?

- (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद
- (B) मौनता
- (C) लोक-विमुखता
- (D) अर्थहीनता

८९६. भाषिक नवताक आधार पर चित्राक महत्त्व की अछि?

- (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय
- (B) कविताकेँ शून्य बनाबय
- (C) लोकक नाम हटायब
- (D) भाषा नष्ट करब

८९७. चित्रा काव्य-पाठ विद्यार्थी कैं कोन कौशल सिखबैत अछि?

- (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन
- (B) केवल कंठस्थ तिथि
- (C) अर्थ छोड़ि देब
- (D) लोक-सन्दर्भ हटायब

८९८. मैथिली गौरवक दृष्टिसँ यात्रीक महत्त्व कोन अछि?

- (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि
- (B) ओ मैथिली लेखनसँ दूर रहैत छथि
- (C) ओ लोक-भाषा रोकैत छथि
- (D) ओ कविता नहि लिखैत छथि

८९९. चित्रा कैं पाठ्यक्रममे पढ़बाक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब
- (B) केवल नामोच्चार
- (C) भाषा-विस्मरण
- (D) इतिहासक अभाव

९००. परम्परा मे यात्रीक स्थानक संक्षिप्त वर्णन कोन अछि?

- (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि
- (B) दरबारी अलंकारकार मात्र
- (C) भाषा-विहीन कथाकार
- (D) नाट्य-विरोधी शास्त्री

9

९०१. कथन: चित्रामे “लोकधर्मी स्वर” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९०२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव कैं महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९०३. मिलानक दृष्टिसँ “यात्री” कैं कोन जोड़ीसँ जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९०४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९०५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९०६. “प्रकृति-बिम्ब” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९०७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९०८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९०९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

९१०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

९११. कथन: चित्रामे “समानता” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९१२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९१३. मिलानक दृष्टिसे “यात्री” के कोन जोड़ीसे जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९१४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९१५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९१६. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९१७. चित्रा के आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९१८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९१९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

९२०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्त्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

९२१. कथन: चित्रामे “धानक खेत” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९२२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९२३. मिलानक दृष्टिसँ “यात्री” केँ कोन जोड़ीसँ जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९२४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९२५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९२६. “बाजारक भीड़” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९२७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९२८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९२९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

९३०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

९३१. कथन: चित्रामे “किसान” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९३२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९३३. मिलानक दृष्टिसँ “यात्री” केँ कोन जोड़ीसँ जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९३४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९३५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९३६. “पथिक” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९३७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९३८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९३९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

९४०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

९४१. कथन: चित्रामे “लोकधर्मी स्वर” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९४२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९४३. मिलानक दृष्टिसँ “यात्री” केँ कोन जोड़ीसँ जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९४४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

१४५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

१४६. “प्रकृति-बिम्ब” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

१४७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

१४८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

१४९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

१५०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

१५१. कथन: चित्रामे “समानता” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

१५२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९५३. मिलानक दृष्टिसे “यात्री” केँ कोन जोड़ीसेँ जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९५४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९५५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९५६. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९५७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९५८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९५९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

९६०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्त्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

९६१. कथन: चित्रामे “धानक खेत” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९६२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९६३. मिलानक दृष्टिसँ “यात्री” केँ कोन जोड़ीसँ जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९६४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९६५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९६६. “बाजारक भीड़” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९६७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९६८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९६९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

९७०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

९७१. कथन: चित्रामे “किसान” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९७२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९७३. मिलानक दृष्टिसँ “यात्री” केँ कोन जोड़ीसँ जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९७४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९७५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९७६. “पथिक” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९७७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९७८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९७९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

९८०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

९८१. कथन: चित्रामे “लोकधर्मी स्वर” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९८२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९८३. मिलानक दृष्टिसँ “यात्री” केँ कोन जोड़ीसँ जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९८४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९८५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९८६. “प्रकृति-बिम्ब” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९८७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९८८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९८९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

९९०. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

९९१. कथन: चित्रामे “समानता” जनजीवनक अर्थ खोलैत अछि। सही विकल्प चुनू।

- (A) कथन सही अछि
- (B) कथन पूर्णतः गलत अछि
- (C) कथन केवल व्याकरणक अछि
- (D) कथन कविसँ असम्बद्ध अछि

९९२. कथन-कारण: कथन—यात्रीक कविता लोकजीवनसँ जुड़ल अछि। कारण—ओ बोलचाल आ जन-अनुभव केँ महत्व दैत छथि।

- (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि
- (B) दुनू गलत
- (C) कथन सही, कारण गलत
- (D) कथन गलत, कारण सही

९९३. मिलानक दृष्टिसे “यात्री” के कोन जोड़ीसे जोड़ब उचित?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन
- (B) मनबोध — चन्दा झा
- (C) रघुनन्दन — विद्यापति
- (D) हरिमोहन — उमापति

९९४. चित्रा पर आलोचनात्मक उत्तर लिखैत काल पहिल अनुच्छेदमे की राखब उचित?

- (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय
- (B) केवल निष्कर्ष
- (C) असंबद्ध कथा
- (D) प्रश्न दोहराव मात्र

९९५. चित्रा पर लघु-टिप्पणीमे कोन बिंदु अनिवार्य नहि, मुदा सहायक अछि?

- (A) भाषा-शैलीक संकेत
- (B) असंबद्ध गणितीय सूत्र
- (C) लेखकक गलत नाम
- (D) विदेशी कथा

९९६. “लोक-संस्कृतिक सम्मान” पर आधारित प्रश्नमे आदर्श उत्तरक गुण की होएत?

- (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक
- (B) लम्बा मुदा असंबद्ध
- (C) केवल नाम-सूची
- (D) गलत तथ्य पर आधारित

९९७. चित्रा केँ आधुनिक मैथिली कविता कहबाक उचित आधार कोन?

- (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना
- (B) केवल पौराणिक वंशावली
- (C) सिर्फ गणितीय क्रम
- (D) केवल राजदरबार

९९८. चित्रा मे “लोक” शब्दक परीक्षा-सन्दर्भमे अर्थ की होएत?

- (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन
- (B) केवल राजा
- (C) केवल देवसभा
- (D) केवल पुस्तकालयक आलमारी

९९९. चित्रा पर निबंधात्मक उत्तरमे निष्कर्ष कोना होएबाक चाही?

- (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला
- (B) अचानक असंबद्ध विषय पर
- (C) गलत लेखकक प्रशंसा
- (D) बिना निष्कर्षक समाप्ति

१०००. चित्रा पर प्रश्नमे तथ्य आ व्याख्या दुनू किएक जरूरी अछि?

- (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि
- (B) तथ्यक कोनो महत्व नहि
- (C) व्याख्या निषिद्ध अछि
- (D) दुनू असंबद्ध अछि

१. (A) वैद्यनाथ मिश्र — यात्रीक मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र छलनि; हिन्दी साहित्यमे ओ नागार्जुन नामसँ बेसी परिचित छथि।
२. (A) नागार्जुन — वैद्यनाथ मिश्र यात्री हिन्दीमे नागार्जुन नामसँ विख्यात भेलाह।
३. (A) मैथिली — चित्रा यात्रीक मैथिली कविता-संग्रह रूपमे चर्चित अछि।
४. (A) आधुनिक मैथिली कविताक जन-चेतना — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक जन-जीवन आ यथार्थ-बोधसँ जुड़ल कृति रूपमे पढ़ल जाइत अछि।
५. (A) लोक आ विद्रोहक संग कविता — यात्रीक कविता आम लोक, समाजक पीड़ा आ प्रतिरोधक स्वरकें महत्व दैत अछि।
६. (A) चित्र-जेकाँ जीवनक रूप देखब — चित्रा नाम जीवन, समाज, प्रकृति आ भावक अनेक रूपक संकेत दैत अछि।
७. (A) पत्रहीन नग्न गाछ — यात्रीक मैथिली कविता-संसारमे पत्रहीन नग्न गाछ सेहो अत्यन्त चर्चित कृति अछि।
८. (A) जन-साधारण — यात्रीक स्वर आम जनजीवनसँ सीधा संवाद करैत अछि।
९. (A) समाजक जीवित चित्र — चित्रा कविता-संग्रहक रूपमे समाज, लोक, प्रकृति आ भावक जीवित चित्र उपस्थित करैत अछि।
१०. (A) लोकक अनुभव पहुँचाबय लेल — यात्रीक भाषिक शक्ति लोकक अनुभवकें सहज, तीक्ष्ण आ प्रभावी रूपमे व्यक्त करैत अछि।
११. (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि — लोकधर्मी स्वर चित्रामे लोकजीवन आ आधुनिक चेतनाक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
१२. (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर — न्याय यात्रीक जनपक्षधर काव्य-स्वरक एक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
१३. (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर — आधुनिकता एतए लोकजीवनक यथार्थ, प्रश्नाकुलता आ जन-सरोकारसँ बनैत अछि।
१४. (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल — यात्री/नागार्जुन द्विभाषिक सृजनशीलता आ जनधर्मी दृष्टि लेल प्रसिद्ध छथि।
१५. (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत — कविता-पाठमे प्रसंग, स्वर, भाव, बिम्ब आ सामाजिक अर्थक पहचान जरूरी अछि।
१६. (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक विचार, शैली आ लोक-संवेदना बुझयमे सहायक अछि।
१७. (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा कें स्वर दैत छथि — आम लोकक अनुभव यात्रीक काव्यक प्रमुख आधार अछि।
१८. (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल — ठोस बिम्ब कविता कें जीवन आ समाजसँ जोड़ैत अछि।
१९. (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त — चित्रा जेकाँ काव्य-पाठमे कोरा रटन्तसँ बेसी पाठ-बोध, भाव आ आलोचनात्मक दृष्टि जरूरी अछि।
२०. (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि — मानवीय दृष्टि चित्रामे लोकजीवन आ आधुनिक चेतनाक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
२१. (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर — समानता यात्रीक जनपक्षधर काव्य-स्वरक एक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
२२. (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर — आधुनिकता एतए लोकजीवनक यथार्थ, प्रश्नाकुलता आ जन-सरोकारसँ बनैत अछि।
२३. (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल — यात्री/नागार्जुन द्विभाषिक सृजनशीलता आ जनधर्मी दृष्टि लेल प्रसिद्ध छथि।
२४. (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत — कविता-पाठमे प्रसंग, स्वर, भाव, बिम्ब आ सामाजिक अर्थक पहचान जरूरी अछि।
२५. (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक विचार, शैली आ लोक-संवेदना बुझयमे सहायक अछि।
२६. (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा कें स्वर दैत छथि — आम लोकक अनुभव यात्रीक काव्यक प्रमुख आधार अछि।
२७. (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल — ठोस बिम्ब कविता कें जीवन आ समाजसँ जोड़ैत अछि।
२८. (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त — चित्रा जेकाँ काव्य-पाठमे कोरा रटन्तसँ बेसी पाठ-बोध, भाव आ आलोचनात्मक दृष्टि जरूरी अछि।
२९. (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि — सामाजिक प्रश्न चित्रामे लोकजीवन आ आधुनिक चेतनाक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
३०. (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर — जन-जागरण यात्रीक जनपक्षधर काव्य-स्वरक एक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
३१. (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर — आधुनिकता एतए लोकजीवनक यथार्थ, प्रश्नाकुलता आ जन-सरोकारसँ बनैत अछि।
३२. (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल — यात्री/नागार्जुन द्विभाषिक सृजनशीलता आ जनधर्मी दृष्टि लेल प्रसिद्ध छथि।

- [illegible]

६६. (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर — लोक-संस्कृतिक सम्मान यात्रीक जनपक्षधर काव्य-स्वरक एक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
६७. (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर — आधुनिकता एतए लोकजीवनक यथार्थ, प्रश्नाकुलता आ जन-सरोकारसँ बनैत अछि।
६८. (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल — यात्री/नागार्जुन द्विभाषिक सृजनशीलता आ जनधर्मी दृष्टि लेल प्रसिद्ध छथि।
६९. (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत — कविता-पाठमे प्रसंग, स्वर, भाव, बिम्ब आ सामाजिक अर्थक पहचान जरूरी अछि।
७०. (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक विचार, शैली आ लोक-संवेदना बुझयमे सहायक अछि।
७१. (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि — आम लोकक अनुभव यात्रीक काव्यक प्रमुख आधार अछि।
७२. (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल — ठोस बिम्ब कविता केँ जीवन आ समाजसँ जोड़ैत अछि।
७३. (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त — चित्रा जेकाँ काव्य-पाठमे कोरा रटन्तसँ बेसी पाठ-बोध, भाव आ आलोचनात्मक दृष्टि जरूरी अछि।
७४. (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि — करुणा चित्रामे लोकजीवन आ आधुनिक चेतनाक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
७५. (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर — भाषिक आत्मविश्वास यात्रीक जनपक्षधर काव्य-स्वरक एक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
७६. (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर — आधुनिकता एतए लोकजीवनक यथार्थ, प्रश्नाकुलता आ जन-सरोकारसँ बनैत अछि।
७७. (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल — यात्री/नागार्जुन द्विभाषिक सृजनशीलता आ जनधर्मी दृष्टि लेल प्रसिद्ध छथि।
७८. (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत — कविता-पाठमे प्रसंग, स्वर, भाव, बिम्ब आ सामाजिक अर्थक पहचान जरूरी अछि।
७९. (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक विचार, शैली आ लोक-संवेदना बुझयमे सहायक अछि।
८०. (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि — आम लोकक अनुभव यात्रीक काव्यक प्रमुख आधार अछि।
८१. (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल — ठोस बिम्ब कविता केँ जीवन आ समाजसँ जोड़ैत अछि।
८२. (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त — चित्रा जेकाँ काव्य-पाठमे कोरा रटन्तसँ बेसी पाठ-बोध, भाव आ आलोचनात्मक दृष्टि जरूरी अछि।
८३. (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि — व्यंग्य चित्रामे लोकजीवन आ आधुनिक चेतनाक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
८४. (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर — श्रमक गरिमा यात्रीक जनपक्षधर काव्य-स्वरक एक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
८५. (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर — आधुनिकता एतए लोकजीवनक यथार्थ, प्रश्नाकुलता आ जन-सरोकारसँ बनैत अछि।
८६. (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल — यात्री/नागार्जुन द्विभाषिक सृजनशीलता आ जनधर्मी दृष्टि लेल प्रसिद्ध छथि।
८७. (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत — कविता-पाठमे प्रसंग, स्वर, भाव, बिम्ब आ सामाजिक अर्थक पहचान जरूरी अछि।
८८. (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक विचार, शैली आ लोक-संवेदना बुझयमे सहायक अछि।
८९. (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि — आम लोकक अनुभव यात्रीक काव्यक प्रमुख आधार अछि।
९०. (A) जीवनक ठोस दृश्य बनेबाक लेल — ठोस बिम्ब कविता केँ जीवन आ समाजसँ जोड़ैत अछि।
९१. (A) बिना पाठ-बोधक कोरा रटन्त — चित्रा जेकाँ काव्य-पाठमे कोरा रटन्तसँ बेसी पाठ-बोध, भाव आ आलोचनात्मक दृष्टि जरूरी अछि।
९२. (A) यात्रीक जन-जीवनमुखी काव्य-दृष्टि — यथार्थ-बोध चित्रामे लोकजीवन आ आधुनिक चेतनाक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
९३. (A) पीड़ित लोकक पक्षमे काव्य-स्वर — सहानुभूति यात्रीक जनपक्षधर काव्य-स्वरक एक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
९४. (A) लोकजीवन, यथार्थ आ प्रतिरोधक स्वर — आधुनिकता एतए लोकजीवनक यथार्थ, प्रश्नाकुलता आ जन-सरोकारसँ बनैत अछि।
९५. (A) दुनू भाषामे सशक्त सृजन लेल — यात्री/नागार्जुन द्विभाषिक सृजनशीलता आ जनधर्मी दृष्टि लेल प्रसिद्ध छथि।
९६. (A) प्रसंग, वक्ता, भाव आ सामाजिक संकेत — कविता-पाठमे प्रसंग, स्वर, भाव, बिम्ब आ सामाजिक अर्थक पहचान जरूरी अछि।
९७. (A) आधुनिक मैथिली कविता बुझय चाहनिहार विद्यार्थी लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक विचार, शैली आ लोक-संवेदना बुझयमे सहायक अछि।
९८. (A) ओ आम जनक भाषा आ पीड़ा केँ स्वर दैत छथि — आम लोकक अनुभव यात्रीक काव्यक प्रमुख आधार अछि।

१७१. (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा — भूखक अर्थ चित्रामे आम जनक अनुभव, पीड़ा आ चेतनासँ जुड़ैत अछि।
१७२. (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द — यात्रीक शक्ति ठोस दृश्य, बोलचाल आ लोक-संवेदनामे अछि।
१७३. (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल — जन-जागरण चित्राक जनोन्मुख चेतनाक एक आधार अछि।
१७४. (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि — चित्रा मे भाव, विचार आ सामाजिक अनुभव एक-दोसराकेँ पूर्ण करैत अछि।
१७५. (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि — प्रकृति-बिम्ब पाठककेँ चित्राक भाव-संरचना बुझयमे मदति करैत अछि।
१७६. (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि — चित्राक संसार व्यापक अछि; प्रेमक संग सामाजिक यथार्थ आ जनचेतना सेहो अछि।
१७७. (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब — काव्यक सही अध्ययन विषयकेँ जीवन-सन्दर्भमे रखैत अछि।
१७८. (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि — यात्री लोकक भीतरसँ बोलयवाली काव्य-दृष्टि लेल चर्चित छथि।
१७९. (A) विषयकेँ ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि — दृश्य-बिम्ब पाठकक अनुभवमे कविता केँ जीवित करैत अछि।
१८०. (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता — चित्रा आधुनिक मैथिलीमे जनजीवनक चित्र आ चेतनाक काव्य-संसार बनबैत अछि।
१८१. (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा — भूखक अर्थ चित्रामे आम जनक अनुभव, पीड़ा आ चेतनासँ जुड़ैत अछि।
१८२. (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द — यात्रीक शक्ति ठोस दृश्य, बोलचाल आ लोक-संवेदनामे अछि।
१८३. (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल — जन-जागरण चित्राक जनोन्मुख चेतनाक एक आधार अछि।
१८४. (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि — चित्रा मे भाव, विचार आ सामाजिक अनुभव एक-दोसराकेँ पूर्ण करैत अछि।
१८५. (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि — प्रकृति-बिम्ब पाठककेँ चित्राक भाव-संरचना बुझयमे मदति करैत अछि।
१८६. (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि — चित्राक संसार व्यापक अछि; प्रेमक संग सामाजिक यथार्थ आ जनचेतना सेहो अछि।
१८७. (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब — काव्यक सही अध्ययन विषयकेँ जीवन-सन्दर्भमे रखैत अछि।
१८८. (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि — यात्री लोकक भीतरसँ बोलयवाली काव्य-दृष्टि लेल चर्चित छथि।
१८९. (A) विषयकेँ ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि — दृश्य-बिम्ब पाठकक अनुभवमे कविता केँ जीवित करैत अछि।
१९०. (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता — चित्रा आधुनिक मैथिलीमे जनजीवनक चित्र आ चेतनाक काव्य-संसार बनबैत अछि।
१९१. (A) लोकजीवनक यथार्थ आ मानवीय पीड़ा — भूखक अर्थ चित्रामे आम जनक अनुभव, पीड़ा आ चेतनासँ जुड़ैत अछि।
१९२. (A) ठोस लोक-दृश्य आ बोलचालक शब्द — यात्रीक शक्ति ठोस दृश्य, बोलचाल आ लोक-संवेदनामे अछि।
१९३. (A) कविता केँ जनपक्षी बनाबय लेल — जन-जागरण चित्राक जनोन्मुख चेतनाक एक आधार अछि।
१९४. (A) भाव विचारकेँ जीवित बनबैत अछि — चित्रा मे भाव, विचार आ सामाजिक अनुभव एक-दोसराकेँ पूर्ण करैत अछि।
१९५. (A) मुख्य सामाजिक-मानवीय संकेत खोलैत अछि — प्रकृति-बिम्ब पाठककेँ चित्राक भाव-संरचना बुझयमे मदति करैत अछि।
१९६. (A) किएक तँ एतय समाज, श्रम, भूख आ प्रतिरोध सेहो अछि — चित्राक संसार व्यापक अछि; प्रेमक संग सामाजिक यथार्थ आ जनचेतना सेहो अछि।
१९७. (A) विरोध केँ मानवीय जीवनक धरातल पर बुझब — काव्यक सही अध्ययन विषयकेँ जीवन-सन्दर्भमे रखैत अछि।
१९८. (A) लोकजीवनक भीतरसँ देखयवाली दृष्टि — यात्री लोकक भीतरसँ बोलयवाली काव्य-दृष्टि लेल चर्चित छथि।
१९९. (A) विषयकेँ ठोस आ स्मरणीय बनबैत अछि — दृश्य-बिम्ब पाठकक अनुभवमे कविता केँ जीवित करैत अछि।
२००. (A) जनजीवनक चित्र आ चेतनाक कविता — चित्रा आधुनिक मैथिलीमे जनजीवनक चित्र आ चेतनाक काव्य-संसार बनबैत अछि।
२०१. (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय — खेतक माध्यमँ ग्रामीण जीवनक वास्तविक धरातल उभरैत अछि।
२०२. (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष — पथिक जेकाँ पात्र यात्रीक लोकधर्मी दृष्टिक केन्द्र बनैत अछि।
२०३. (A) लोकक अनुभव केँ काव्यक मान देब — गाम आ लोक-संस्कृति यात्रीक काव्य-संवेदनाक महत्वपूर्ण आधार अछि।
२०४. (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि — ग्राम्य बिम्ब कविता केँ ठोस, दृश्यात्मक आ लोकानुभवी बनबैत अछि।
२०५. (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि — परिवेश स्वयं भाव, चरित्र आ सामाजिक अर्थ बनबैत अछि।
२०६. (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक — यात्री लोकजीवनकेँ करुणा, आलोचना आ सम्मानक संग देखैत छथि।

२७९. (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि — ग्राम्य जीवनमे ऋतु, जल, खेत, गाछ आ श्रम परस्पर जुड़ल रहैत अछि।
२८०. (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब — चित्रा आम लोकक जीवनकेँ काव्यिक केन्द्रमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
२८१. (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय — खेतक माध्यमेँ ग्रामीण जीवनक वास्तविक धरातल उभरैत अछि।
२८२. (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष — पथिक जेकाँ पात्र यात्रीक लोकधर्मी दृष्टिक केन्द्र बनैत अछि।
२८३. (A) लोकक अनुभव केँ काव्यिक मान देब — गाम आ लोक-संस्कृति यात्रीक काव्य-संवेदनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
२८४. (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि — ग्राम्य बिम्ब कविता केँ ठोस, दृश्यात्मक आ लोकानुभवी बनबैत अछि।
२८५. (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि — परिवेश स्वयं भाव, चरित्र आ सामाजिक अर्थ बनबैत अछि।
२८६. (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक — यात्री लोकजीवनकेँ करुणा, आलोचना आ सम्मानक संग देखैत छथि।
२८७. (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि — लोकभाषा कविता मे आत्मीयता आ सत्यताक भाव लबैत अछि।
२८८. (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ — समानता ग्राम्य समाजक सम्मान आ न्यायबोधसँ सम्बद्ध अछि।
२८९. (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि — ग्राम्य जीवनमे ऋतु, जल, खेत, गाछ आ श्रम परस्पर जुड़ल रहैत अछि।
२९०. (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब — चित्रा आम लोकक जीवनकेँ काव्यिक केन्द्रमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
२९१. (A) गामक श्रम, अभाव आ जीवन-लय — खेतक माध्यमेँ ग्रामीण जीवनक वास्तविक धरातल उभरैत अछि।
२९२. (A) आम लोकक जीवन-संघर्ष — पथिक जेकाँ पात्र यात्रीक लोकधर्मी दृष्टिक केन्द्र बनैत अछि।
२९३. (A) लोकक अनुभव केँ काव्यिक मान देब — गाम आ लोक-संस्कृति यात्रीक काव्य-संवेदनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
२९४. (A) कविता केँ धरतीसँ जोड़ैत अछि — ग्राम्य बिम्ब कविता केँ ठोस, दृश्यात्मक आ लोकानुभवी बनबैत अछि।
२९५. (A) मुख्य अर्थ-निर्माता अछि — परिवेश स्वयं भाव, चरित्र आ सामाजिक अर्थ बनबैत अछि।
२९६. (A) सहानुभूतिपूर्ण आ आलोचनात्मक — यात्री लोकजीवनकेँ करुणा, आलोचना आ सम्मानक संग देखैत छथि।
२९७. (A) कविता बेसी स्वाभाविक आ अपन लगैत अछि — लोकभाषा कविता मे आत्मीयता आ सत्यताक भाव लबैत अछि।
२९८. (A) श्रमशील लोकक गरिमा आ अधिकारसँ — समानता ग्राम्य समाजक सम्मान आ न्यायबोधसँ सम्बद्ध अछि।
२९९. (A) अत्यन्त महत्त्वपूर्ण, कारण जीवन ओ श्रम प्रकृति सँ जुड़ल अछि — ग्राम्य जीवनमे ऋतु, जल, खेत, गाछ आ श्रम परस्पर जुड़ल रहैत अछि।
३००. (A) आम लोकक जीवनकेँ साहित्यिक केन्द्र मानब — चित्रा आम लोकक जीवनकेँ काव्यिक केन्द्रमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
३०१. (A) अन्यायक पहचान आ विरोध — शोषणक प्रसंग चित्रामे यथार्थ-बोध आ परिवर्तनक इच्छा जगबैत अछि।
३०२. (A) जीवन-संलग्नता — यथार्थ कविता केँ जीवनक असल प्रश्नसँ जोड़ैत अछि।
३०३. (A) करुण आ प्रतिरोधी — पीड़ितक अनुभव कविता मे करुणा आ प्रतिरोध दुनू जगबैत अछि।
३०४. (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे — लोक-संस्कृतिक सम्मान सामाजिक चेतनाक सकारात्मक मानवीय मूल्य अछि।
३०५. (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब — व्यंग्य यात्रीक काव्यमे सामाजिक आलोचनाक तेज उपकरण बनैत अछि।
३०६. (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब — सामाजिक विषयक अध्ययनमे कारण, परिणाम आ मानवीय पक्ष देखब जरूरी अछि।
३०७. (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि — जनधर्मी कविता पाठकमे प्रश्न, संवेदना आ सक्रियता जगबैत अछि।
३०८. (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि — यात्रीक काव्य-दृष्टि पीड़ाक कारण आ परिवर्तनक सम्भावना खोजैत अछि।
३०९. (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव — यात्रीक सामाजिक चेतना लोकजीवन आ अनुभवक धरातलसँ उपजैत अछि।
३१०. (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि — सामाजिक कविता मे स्पष्ट, तीक्ष्ण आ लोक-निकट भाषा असरकारी होइत अछि।
३११. (A) अन्यायक पहचान आ विरोध — शोषणक प्रसंग चित्रामे यथार्थ-बोध आ परिवर्तनक इच्छा जगबैत अछि।
३१२. (A) जीवन-संलग्नता — यथार्थ कविता केँ जीवनक असल प्रश्नसँ जोड़ैत अछि।
३१३. (A) करुण आ प्रतिरोधी — पीड़ितक अनुभव कविता मे करुणा आ प्रतिरोध दुनू जगबैत अछि।
३१४. (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे — लोक-संस्कृतिक सम्मान सामाजिक चेतनाक सकारात्मक मानवीय मूल्य अछि।

३५९. (A) अन्यायक पहचान आ विरोध — शोषणक प्रसंग चित्रामे यथार्थ-बोध आ परिवर्तनक इच्छा जगबैत अछि।

३५२. (A) जीवन-संलग्नता — यथार्थ कविता केँ जीवनक असल प्रश्नसँ जोड़ैत अछि।

३५३. (A) करुण आ प्रतिरोधी — पीड़ितक अनुभव कविता मे करुणा आ प्रतिरोध दुनू जगबैत अछि।

३५४. (A) जनता के गरिमा देबाक रूपमे — लोक-संस्कृतिक सम्मान सामाजिक चेतनाक सकारात्मक मानवीय मूल्य अछि।

३५५. (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब — व्यंग्य यात्रीक काव्यमे सामाजिक आलोचनाक तेज उपकरण बनैत अछि।

३५६. (A) कथक सामाजिक परिणाम देखब — समाजिक विषयक अध्ययनमे कारण, परिणाम आ मानवीय पक्ष देखब जरूरी अछि।

३५७. (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि — जनधर्मी कविता पाठकमे प्रश्न, संवेदना आ सक्रियता जगबैत अछि।

३५८. (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि — यात्रीक काव्य-दृष्टि पीड़ाक कारण आ परिवर्तनक सम्भावना खोजैत अछि।

३५९. (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव — यात्रीक सामाजिक चेतना लोकजीवन आ अनुभवक धरातलसँ उपजैत अछि।

३६०. (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि — सामाजिक कविता मे स्पष्ट, तीक्ष्ण आ लोक-निकट भाषा असरकारी होइत अछि।

३६१. (A) अन्यायक पहचान आ विरोध — शोषणक प्रसंग चित्रामे यथार्थ-बोध आ परिवर्तनक इच्छा जगबैत अछि।

३६२. (A) जीवन-संलग्नता — यथार्थ कविता के जीवनक असल प्रश्नसँ जोड़ैत अछि।

३६३. (A) करुण आ प्रतिरोधी — पीडितक अनुभव कविता मे करुणा आ प्रतिरोध दनु जगबैत अछि।

३६४. (A) जनता के गरिमा देबाक रूपमे — लोक-संस्कृतिक सम्मान सामाजिक चेतनाक सकारात्मक मानवीय मूल्य अछि।

३६५. (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब — व्यंग्य यात्रीक काव्यमे सामाजिक आलोचनाक तेज उपकरण बनैत अछि।

३६६. (A) कथक सामाजिक परिणाम देखब — समाजिक विषयक अध्ययनमे कारण, परिणाम आ मानवीय पक्ष देखब जरूरी अछि।

३६७. (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि — जनधर्मी कविता पाठकमे प्रश्न, संवेदना आ सक्रियता जगबैत अछि।

३६८. (A) कविता शोषणक कारण पृष्ठैत अछि — यात्रीक काव्य-दृष्टि पीडाक कारण आ परिवर्तनक सम्भावना खोजैत अछि।

३६९. (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव — यात्रीक सामाजिक चेतना लोकजीवन आ अनुभवक धरातलसँ उपजैत अछि।

३७०. (A) बहूत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि — सामाजिक कविता मे स्पष्ट, तीक्ष्ण आ लोक-निकट भाषा असरकारी होइत अछि।

३७९. (A) अन्यायक पहचान आ विरोध — शोषणक प्रसंग चित्रामे यथार्थ-बोध आ परिवर्तनक इच्छा जगबैत अछि।

३७२. (A) जीवन-संलग्नता — यथार्थ कविता केँ जीवनक असल प्रश्नसँ जोड़ैत अछि।

३७३. (A) करुण आ प्रतिरोधी — पीड़ितक अनुभव कविता मे करुणा आ प्रतिरोध दनू जगबैत अछि।

३७४. (A) जनता के गरिमा देबाक रूपमे — लोक-संस्कृतिक सम्मान सामाजिक चेतनाक सकारात्मक मानवीय मूल्य अछि।

૩૭૫. (A) પાખણડ આ અન્યાય પર ચોટ કરેલ — વ્યંગ્ય યાત્રીક કાવ્યમે સામાજિક આલોચનાક તેજ ઉપકરણ બનેત અછિ।

३७६. (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब — समाजिक विषयक अध्ययनमे कारण, परिणाम आ मानवीय पक्ष देखब जरूरी अछि।

३७७. (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि — जनधर्मी कविता पाठकमे प्रश्न, संवेदना आ सक्रियता जगबैत अछि।

३७८. (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि — यात्रीक काव्य-दृष्टि पीड़ाक कारण आ परिवर्तनक सम्भावना खोजैत अछि।

३७९. (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव — यात्रीक सामाजिक चेतना लोकजीवन आ अनुभवक धरातलसँ उपजैत अछि।

३८०. (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि — सामाजिक कविता मे स्पष्ट, तीक्ष्ण आ लोक-निकट भाषा असरकारी होइत अछि।

३८९. (A) अन्यायक पहचान आ विरोध — शोषणक प्रसंग चित्रामे यथार्थ-बोध आ परिवर्तनक इच्छा जगबैत अछि।

३८२. (A) जीवन-संलग्नता — यथार्थ कविता के जीवनक असल प्रश्नसँ जोड़ैत अछि।

३८३. (A) करुण आ प्रतिरोधी — पीडितक अनुभव कविता मे करुणा आ प्रतिरोध दन जगबैत अछि।

३८४. (A) जनता के गरिमा देबाक रूपमे — लोक-संस्कृतिक सम्मान सामाजिक चेतनाक सकारात्मक मानवीय मूल्य अछि।

૩૮૫. (A) પાખણ્ડ આ અન્યાય પર ચોટ કરે — વ્યંગ્ય યાત્રીક કાવ્યમે સામાજિક આલોચનાક તેજ ઉપકરણ બનેત અછિ।

३८६. (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब — समाजिक विषयक अध्ययनमे कारण, परिणाम आ मानवीय पक्ष देखब जरूरी अछि।

३८७. (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि — जनधर्मी कविता पाठकमे प्रश्न, संवेदना आ सक्रियता जगबैत अछि।
३८८. (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि — यात्रीक काव्य-दृष्टि पीड़ाक कारण आ परिवर्तनक सम्भावना खोजैत अछि।
३८९. (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव — यात्रीक सामाजिक चेतना लोकजीवन आ अनुभवक धरातलसँ उपजैत अछि।
३९०. (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि — सामाजिक कविता मे स्पष्ट, तीक्ष्ण आ लोक-निकट भाषा असरकारी होइत अछि।
३९१. (A) अन्यायक पहचान आ विरोध — शोषणक प्रसंग चित्रामे यथार्थ-बोध आ परिवर्तनक इच्छा जगबैत अछि।
३९२. (A) जीवन-संलग्नता — यथार्थ कविता केँ जीवनक असल प्रश्नसँ जोड़ैत अछि।
३९३. (A) करुण आ प्रतिरोधी — पीड़ितक अनुभव कविता मे करुणा आ प्रतिरोध दुनू जगबैत अछि।
३९४. (A) जनता केँ गरिमा देबाक रूपमे — लोक-संस्कृतिक सम्मान सामाजिक चेतनाक सकारात्मक मानवीय मूल्य अछि।
३९५. (A) पाखण्ड आ अन्याय पर चोट करब — व्यंग्य यात्रीक काव्यमे सामाजिक आलोचनाक तेज उपकरण बनैत अछि।
३९६. (A) कथ्यक सामाजिक परिणाम देखब — समाजिक विषयक अध्ययनमे कारण, परिणाम आ मानवीय पक्ष देखब जरूरी अछि।
३९७. (A) सोचय आ प्रश्न करय लेल प्रेरित करैत अछि — जनधर्मी कविता पाठकमे प्रश्न, संवेदना आ सक्रियता जगबैत अछि।
३९८. (A) कविता शोषणक कारण पूछैत अछि — यात्रीक काव्य-दृष्टि पीड़ाक कारण आ परिवर्तनक सम्भावना खोजैत अछि।
३९९. (A) लोकजीवनक प्रत्यक्ष अनुभव — यात्रीक सामाजिक चेतना लोकजीवन आ अनुभवक धरातलसँ उपजैत अछि।
४००. (A) बहुत, कारण भाषा सीधे जनसँ संवाद करैत अछि — सामाजिक कविता मे स्पष्ट, तीक्ष्ण आ लोक-निकट भाषा असरकारी होइत अछि।
४०१. (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति — सरल भाषा यात्रीक काव्य-भाषाकेँ पाठक-निकट बनबैत अछि।
४०२. (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण — बोलचाल आ लोक-शब्द कविता केँ जीवित लोक-संवाद बनबैत अछि।
४०३. (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब — लय कविता मे भाव, ध्वनि आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४०४. (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल — भाषिक सादगी भाषिक संरचना आ काव्य-अर्थक सम्बन्ध खोलैत अछि।
४०५. (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट — तीक्ष्ण व्यंग्य यात्रीक कविता केँ सामाजिक आलोचना बनबैत अछि।
४०६. (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग — लोक-शब्द काव्यकेँ मिथिला आ जनजीवनसँ जोड़ैत अछि।
४०७. (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब — कठिनता मात्र श्रेष्ठता नहि; प्रभाव, अर्थ आ सान्दर्भिकता महत्वपूर्ण अछि।
४०८. (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा — यात्रीक शैली कृत्रिमता सँ दूर आ लोकनिकट अछि।
४०९. (A) भावक चोट तेज होइत अछि — संक्षिप्तता कखनो-कखनो काव्य-प्रहार आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४१०. (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि — यात्रीक भाषा सामाजिक विषयक अनुरूप सहज, जीवित आ प्रभावी बनैत अछि।
४११. (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति — सरल भाषा यात्रीक काव्य-भाषाकेँ पाठक-निकट बनबैत अछि।
४१२. (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण — बोलचाल आ लोक-शब्द कविता केँ जीवित लोक-संवाद बनबैत अछि।
४१३. (A) भाव आ कथ्य केँ गति देब — लय कविता मे भाव, ध्वनि आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४१४. (A) शब्द, स्वर आ सामाजिक अर्थ जोड़य लेल — भाषिक सादगी भाषिक संरचना आ काव्य-अर्थक सम्बन्ध खोलैत अछि।
४१५. (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट — तीक्ष्ण व्यंग्य यात्रीक कविता केँ सामाजिक आलोचना बनबैत अछि।
४१६. (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग — लोक-शब्द काव्यकेँ मिथिला आ जनजीवनसँ जोड़ैत अछि।
४१७. (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब — कठिनता मात्र श्रेष्ठता नहि; प्रभाव, अर्थ आ सान्दर्भिकता महत्वपूर्ण अछि।
४१८. (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा — यात्रीक शैली कृत्रिमता सँ दूर आ लोकनिकट अछि।
४१९. (A) भावक चोट तेज होइत अछि — संक्षिप्तता कखनो-कखनो काव्य-प्रहार आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
४२०. (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि — यात्रीक भाषा सामाजिक विषयक अनुरूप सहज, जीवित आ प्रभावी बनैत अछि।
४२१. (A) सहज आ प्रभावी अभिव्यक्ति — सरल भाषा यात्रीक काव्य-भाषाकेँ पाठक-निकट बनबैत अछि।
४२२. (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ व्यंग्यक कारण — बोलचाल आ लोक-शब्द कविता केँ जीवित लोक-संवाद बनबैत अछि।

४९५. (A) सरल शब्दमे तीक्ष्ण चोट — तीक्ष्ण व्यंग्य यात्रीक कविता केँ सामाजिक आलोचना बनबैत अछि।
४९६. (A) आत्मीयता आ स्थानीय रंग — लोक-शब्द काव्यकेँ मिथिला आ जनजीवनसँ जोड़ैत अछि।
४९७. (A) केवल कठिन शब्दकेँ श्रेष्ठ मानब — कठिनता मात्र श्रेष्ठता नहि; प्रभाव, अर्थ आ सान्दर्भिकता महत्त्वपूर्ण अछि।
४९८. (A) कृत्रिम आ लोक-विमुख भाषा — यात्रीक शैली कृत्रिमता सँ दूर आ लोकनिकट अछि।
४९९. (A) भावक चोट तेज होइत अछि — संक्षिप्तता कखनो-कखनो काव्य-प्रहार आ स्मरणीयता बढ़बैत अछि।
५००. (A) विषयक अनुरूप भाषा चुना गेल अछि — यात्रीक भाषा सामाजिक विषयक अनुरूप सहज, जीवित आ प्रभावी बनैत अछि।
५०१. (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब — धानक खेत जेकाँ बिम्ब प्रकृति आ लोकजीवन केँ जोड़ैत अछि।
५०२. (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा — प्रकृतिक बिम्ब यात्रीक कवितामे मानवीय अर्थ ग्रहण करैत अछि।
५०३. (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि — प्रकृति बिम्ब गामक जीवन, श्रम, अभाव आ आशाक संकेत दे सकैत अछि।
५०४. (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध — चित्रा मे मनुष्य प्रकृति आ समाजसँ अलग नहि, बल्कि जुड़ल अछि।
५०५. (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय — सफल बिम्ब अनुभवकेँ दृश्य आ स्मरणीय बनबैत अछि।
५०६. (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष — प्रकृति-चित्र स्थितिअनुसार करुणा, अभाव, आशा वा प्रतिरोधक अर्थ दे सकैत अछि।
५०७. (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब — प्रतीकक अर्थ प्रसंग, भाव आ काव्य-दृष्टिसँ निकलैत अछि।
५०८. (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन धरती आ लोक-संस्कृतिसँ जोड़ैत अछि।
५०९. (A) जीवित यथार्थ — प्रकृति आ समाजक संगति चित्रा केँ जीवित यथार्थक काव्य बनबैत अछि।
५१०. (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय — बिम्बक उद्देश्य अर्थकेँ निरर्थक नहि, बल्कि सघन आ दृश्य बनाबय होइत अछि।
५११. (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब — धानक खेत जेकाँ बिम्ब प्रकृति आ लोकजीवन केँ जोड़ैत अछि।
५१२. (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा — प्रकृतिक बिम्ब यात्रीक कवितामे मानवीय अर्थ ग्रहण करैत अछि।
५१३. (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि — प्रकृति बिम्ब गामक जीवन, श्रम, अभाव आ आशाक संकेत दे सकैत अछि।
५१४. (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध — चित्रा मे मनुष्य प्रकृति आ समाजसँ अलग नहि, बल्कि जुड़ल अछि।
५१५. (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय — सफल बिम्ब अनुभवकेँ दृश्य आ स्मरणीय बनबैत अछि।
५१६. (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष — प्रकृति-चित्र स्थितिअनुसार करुणा, अभाव, आशा वा प्रतिरोधक अर्थ दे सकैत अछि।
५१७. (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब — प्रतीकक अर्थ प्रसंग, भाव आ काव्य-दृष्टिसँ निकलैत अछि।
५१८. (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन धरती आ लोक-संस्कृतिसँ जोड़ैत अछि।
५१९. (A) जीवित यथार्थ — प्रकृति आ समाजक संगति चित्रा केँ जीवित यथार्थक काव्य बनबैत अछि।
५२०. (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय — बिम्बक उद्देश्य अर्थकेँ निरर्थक नहि, बल्कि सघन आ दृश्य बनाबय होइत अछि।
५२१. (A) प्रकृति आ जीवनक संयुक्त बिम्ब — धानक खेत जेकाँ बिम्ब प्रकृति आ लोकजीवन केँ जोड़ैत अछि।
५२२. (A) जीवन-संघर्ष, श्रम वा आशा — प्रकृतिक बिम्ब यात्रीक कवितामे मानवीय अर्थ ग्रहण करैत अछि।
५२३. (A) जीवन-स्थितिक संकेत अछि — प्रकृति बिम्ब गामक जीवन, श्रम, अभाव आ आशाक संकेत दे सकैत अछि।
५२४. (A) मनुष्य आ परिवेशक सम्बन्ध — चित्रा मे मनुष्य प्रकृति आ समाजसँ अलग नहि, बल्कि जुड़ल अछि।
५२५. (A) कम शब्दमे गहिर अनुभव जगाबय — सफल बिम्ब अनुभवकेँ दृश्य आ स्मरणीय बनबैत अछि।
५२६. (A) दुख, प्रतीक्षा आ संघर्ष — प्रकृति-चित्र स्थितिअनुसार करुणा, अभाव, आशा वा प्रतिरोधक अर्थ दे सकैत अछि।
५२७. (A) दृश्यक संग सामाजिक प्रसंग जोड़ब — प्रतीकक अर्थ प्रसंग, भाव आ काव्य-दृष्टिसँ निकलैत अछि।
५२८. (A) स्थानीयता आ लोक-अनुभवक सघनता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन धरती आ लोक-संस्कृतिसँ जोड़ैत अछि।
५२९. (A) जीवित यथार्थ — प्रकृति आ समाजक संगति चित्रा केँ जीवित यथार्थक काव्य बनबैत अछि।
५३०. (A) अर्थकेँ बेकार बनाबय — बिम्बक उद्देश्य अर्थकेँ निरर्थक नहि, बल्कि सघन आ दृश्य बनाबय होइत अछि।

- 301

- [illegible]

- [illegible]

६७५. (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ — काव्य-स्वर वक्ता, भाव, भाषा, प्रसंग आ दृष्टिक मेलसँ बनैत अछि।
६७६. (A) अन्याय-विरोध — अन्याय-विरोध लोक-पात्रक गरिमा आ काव्यक मानवीय पक्षकें मजबूत करैत अछि।
६७७. (A) जीवित सामाजिक मनुष्य — यात्रीक काव्य-पात्र लोकजीवनक यथार्थ आ भावनासँ भरल अछि।
६७८. (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल — सहज भाषा पात्रक जीवित स्वर आ लोक-संवाद कें सशक्त करैत अछि।
६७९. (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि — समाजक पीड़ा सुनयवाला कवि-स्वर जनपक्षी आ मानवीय होइत अछि।
६८०. (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि — लोक-स्वर चित्रा कें आम जीवनक निकट लबैत अछि।
६८१. (A) लोकजीवनक अनुभव — किसान जकाँ आवाज चित्रामे लोकक वास्तविक अनुभव लबैत अछि।
६८२. (A) लोक-पात्र कें वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल — यात्रीक दृष्टि पात्रक मानवीय गरिमा पर जोर दैत अछि।
६८३. (A) सामूहिक लोक-अनुभव — जनधर्मी कविता मे “हम” सामूहिक पीड़ा, आशा आ संघर्षक संकेत बनि सकैत अछि।
६८४. (A) लोक-पात्रक उपेक्षा — चित्रा लोक-पात्रक उपेक्षा नहि, बल्कि ओकर अनुभवक प्रतिष्ठा करैत अछि।
६८५. (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ — काव्य-स्वर वक्ता, भाव, भाषा, प्रसंग आ दृष्टिक मेलसँ बनैत अछि।
६८६. (A) अन्याय-विरोध — अन्याय-विरोध लोक-पात्रक गरिमा आ काव्यक मानवीय पक्षकें मजबूत करैत अछि।
६८७. (A) जीवित सामाजिक मनुष्य — यात्रीक काव्य-पात्र लोकजीवनक यथार्थ आ भावनासँ भरल अछि।
६८८. (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल — सहज भाषा पात्रक जीवित स्वर आ लोक-संवाद कें सशक्त करैत अछि।
६८९. (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि — समाजक पीड़ा सुनयवाला कवि-स्वर जनपक्षी आ मानवीय होइत अछि।
६९०. (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि — लोक-स्वर चित्रा कें आम जीवनक निकट लबैत अछि।
६९१. (A) लोकजीवनक अनुभव — किसान जकाँ आवाज चित्रामे लोकक वास्तविक अनुभव लबैत अछि।
६९२. (A) लोक-पात्र कें वस्तु नहि, मनुष्य रूपमे देखय लेल — यात्रीक दृष्टि पात्रक मानवीय गरिमा पर जोर दैत अछि।
६९३. (A) सामूहिक लोक-अनुभव — जनधर्मी कविता मे “हम” सामूहिक पीड़ा, आशा आ संघर्षक संकेत बनि सकैत अछि।
६९४. (A) लोक-पात्रक उपेक्षा — चित्रा लोक-पात्रक उपेक्षा नहि, बल्कि ओकर अनुभवक प्रतिष्ठा करैत अछि।
६९५. (A) वक्ता, भाव, भाषा आ प्रसंग देखिकऽ — काव्य-स्वर वक्ता, भाव, भाषा, प्रसंग आ दृष्टिक मेलसँ बनैत अछि।
६९६. (A) अन्याय-विरोध — अन्याय-विरोध लोक-पात्रक गरिमा आ काव्यक मानवीय पक्षकें मजबूत करैत अछि।
६९७. (A) जीवित सामाजिक मनुष्य — यात्रीक काव्य-पात्र लोकजीवनक यथार्थ आ भावनासँ भरल अछि।
६९८. (A) पात्रक असल आवाज उभरय लेल — सहज भाषा पात्रक जीवित स्वर आ लोक-संवाद कें सशक्त करैत अछि।
६९९. (A) संवेदनशील आ जनपक्षी अछि — समाजक पीड़ा सुनयवाला कवि-स्वर जनपक्षी आ मानवीय होइत अछि।
७००. (A) कविता आम लोकक जीवनसँ जुड़ैत अछि — लोक-स्वर चित्रा कें आम जीवनक निकट लबैत अछि।
७०१. (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न — आधुनिकता आधुनिक कविता कें प्रश्नाकुल आ परिवर्तनमुखी बनबैत अछि।
७०२. (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार — यात्रीक व्यंग्य अन्यायक आलोचना लेल अछि, पीड़ितक अपमान लेल नहि।
७०३. (A) समाज बदलबाक आकांक्षा — आधुनिक जनधर्मी कविता परिवर्तनक आकांक्षा जगबैत अछि।
७०४. (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम — कविता मे प्रतिरोध अनेक रूपमे आबैत अछि—प्रश्न, व्यंग्य, करुणा, तर्क, लोक-स्वर।
७०५. (A) कविताकें जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि — जनतांत्रिक बोध आधुनिक काव्यक समाज-सापेक्ष रूपकें स्पष्ट करैत अछि।
७०६. (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि — रूढ़ि-विरोध आधुनिक चेतना आ आलोचनात्मक विवेकक संकेत अछि।
७०७. (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता — साहित्यिक आधुनिकता दृष्टि, संवेदना आ समाज-बोधसँ बनैत अछि।
७०८. (A) आम लोकक आवाजक सम्मान — जनतांत्रिक बोध आम लोकक अनुभव आ अधिकारकें केन्द्रमे रखैत अछि।
७०९. (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब — आधुनिक काव्यक प्रश्नमे सामाजिक, भाषिक आ आलोचनात्मक प्रभाव देखब जरूरी अछि।
७१०. (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित — प्रतिरोधी कविता पाठकक चेतना कें सक्रिय बनबैत अछि।

989. (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता — साहित्यिक आधुनिकता दृष्टि, संवेदना आ समाज-बोधसँ बनैत अछि।

७४८. (A) आम लोकक आवाजक सम्मान — जनतांत्रिक बोध आम लोकक अनुभव आ अधिकारकेँ केन्द्रमे रखैत अछि।

૭૪૯. (A) કવિતાક સામાજિક આ ભાષિક અસર દેખબ — આધુનિક કાવ્યક પ્રશ્નમે સામાજિક, ભાષિક આ આલોચનાત્મક પ્રભાવ દેખબ જરૂરી અછિ।

७५०. (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित — प्रतिरोधी कविता पाठकक चेतना केँ सक्रिय बनबैत अछि।

७५१. (A) रूढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न — आधुनिकता आधुनिक कविता केँ प्रश्नाकुल आ परिवर्तनमुखी बनबैत अछि।

७५२. (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार — यात्रीक व्यंग्य अन्यायक आलोचना लेल अछि, पीड़ितक अपमान लेल नहि।

७५३. (A) समाज बदलबाक आकांक्षा — आधुनिक जनधर्मी कविता परिवर्तनक आकांक्षा जगबैत अछि।

७५४. (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यमें — कविता में प्रतिरोध अनेक रूपमें आबैत अछि—प्रश्न, व्यंग्य, करुणा, तर्क, लोक-स्वर।

७५५. (A) कविताकें जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि — जनतांत्रिक बोध आधुनिक काव्यक समाज-सापेक्ष रूपकें स्पष्ट करैत अछि।

७५६. (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि — रुढ़ि-विरोध आधुनिक चेतना आ आलोचनात्मक विवेकक संकेत अछि।

949. (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता — साहित्यिक आधुनिकता दृष्टि, संवेदना आ समाज-बोधसँ बनैत अछि।

७५८. (A) आम लोकक आवाजक सम्मान — जनतांत्रिक बोध आम लोकक अनुभव आ अधिकारकें केंद्रमे रखैत अछि।

७५९. (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब — आधुनिक काव्यक प्रश्नमे सामाजिक, भाषिक आ आलोचनात्मक प्रभाव देखब जरूरी अछि।

७६०. (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित — प्रतिरोधी कविता पाठकक चेतना केँ सक्रिय बनबैत अछि।

७६१. (A) रुढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न — आधुनिकता आधुनिक कविता केँ प्रश्नाकुल आ परिवर्तनमुखी बनबैत अछि।

७६२. (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार — यात्रीक व्यंग्य अन्यायक आलोचना लेल अछि, पीड़ितक अपमान लेल नहि।

७६३. (A) समाज बदलबाक आकांक्षा — आधुनिक जनधर्मी कविता परिवर्तनक आकांक्षा जगबैत अछि।

७६४. (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यमँ — कविता मे प्रतिरोध अनेक रूपमे आबैत अछि—प्रश्न, व्यंग्य, करुणा, तर्क, लोक-स्वर।

७६५. (A) कविताकें जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि — जनतांत्रिक बोध आधुनिक काव्यक समाज-सापेक्ष रूपकें स्पष्ट करैत अछि।

૭૬૬. (A) સ્વતન્ત્ર આલોચનાત્મક બુદ્ધિ — રૂઢિ-વિરોધ આધુનિક ચેતના આ આલોચનાત્મક વિવેકક સંકેત અછિ।

७६७. (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता — साहित्यिक आधुनिकता दृष्टि, संवेदना आ समाज-बोधसँ बनैत अछि।

७६८. (A) आम लोकक आवाजक सम्मान — जनतांत्रिक बोध आम लोकक अनुभव आ अधिकारकें केंद्रमे रखैत अछि।

૭૬૧. (A) કવિતાક સામાજિક આ ભાષિક અસર દેખબ — આધુનિક કાવ્યક પ્રશ્નમે સામાજિક, ભાષિક આ આલોચનાત્મક પ્રભાવ દેખબ જરૂરી અછિ।

७७०. (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित — प्रतिरोधी कविता पाठकक चेतना केँ सक्रिय बनबैत अछि।

७७१. (A) रुढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न — आधुनिकता आधुनिक कविता केँ प्रश्नाकल आ परिवर्तनमुखी बनबैत अछि।

७७२. (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार — यात्रीक व्यंग्य अन्यायक आलोचना लेल अछि, पीडितक अपमान लेल नहि।

७७३. (A) समाज बदलबाक आकांक्षा — आधुनिक जनधर्म कविता परिवर्तनक आकांक्षा जगबैत अछि।

७७४. (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यमँ — कविता मे प्रतिरोध अनेक रूपमे आबैत अछि—प्रश्न, व्यंग्य, करुणा, तर्क, लोक-स्वर।

७५. (A) कविताकँ जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि — जनतांत्रिक बोध आधुनिक काव्यक समाज-सापेक्ष रूपकँ स्पष्ट करैत अछि।

७७६. (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि — रूढ़ि-विरोध आधुनिक चेतना आ आलोचनात्मक विवेकक संकेत अछि।

७७७. (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता — साहित्यिक आधुनिकता दृष्टि, संवेदना आ समाज-बोधसँ बनैत अछि।

७७८. (A) आम लोकक आवाजक सम्मान — जनतांत्रिक बोध आम लोकक अनभव आ अधिकारकें केंद्रमे रखैत अछि।

७७९. (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब — आधुनिक काव्यक प्रश्नमे सामाजिक, भाषिक आ आलोचनात्मक प्रभाव देखब जरूरी अछि।

७८०. (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित — प्रतिरोधी कविता पाठकक चेतना केँ सक्रिय बनबैत अछि।

७८१. (A) रुढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न — आधुनिकता आधुनिक कविता केँ प्रश्नाकल आ परिवर्तनमुखी बनबैत अछि।

७८२. (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार — यात्रीक व्यंग्य अन्यायक आलोचना लेल अछि, पीडितक अपमान लेल नहि।

७८३. (A) समाज बदलबाक आकांक्षा — आधुनिक जनधर्मी कविता परिवर्तनक आकांक्षा जगबैत अछि।
७८४. (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम — कविता मे प्रतिरोध अनेक रूपमे आबैत अछि—प्रश्न, व्यंग्य, करुणा, तर्क, लोक-स्वर।
७८५. (A) कविताकें जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि — जनतांत्रिक बोध आधुनिक काव्यक समाज-सापेक्ष रूपकें स्पष्ट करैत अछि।
७८६. (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि — रुढ़ि-विरोध आधुनिक चेतना आ आलोचनात्मक विवेकक संकेत अछि।
७८७. (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता — साहित्यिक आधुनिकता दृष्टि, संवेदना आ समाज-बोधसँ बनैत अछि।
७८८. (A) आम लोकक आवाजक सम्मान — जनतांत्रिक बोध आम लोकक अनुभव आ अधिकारकें केन्द्रमे रखैत अछि।
७८९. (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब — आधुनिक काव्यक प्रश्नमे सामाजिक, भाषिक आ आलोचनात्मक प्रभाव देखब जरूरी अछि।
७९०. (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित — प्रतिरोधी कविता पाठकक चेतना कें सक्रिय बनबैत अछि।
७९१. (A) रुढ़ि आ अन्याय पर प्रश्न — आधुनिकता आधुनिक कविता कें प्रश्नाकुल आ परिवर्तनमुखी बनबैत अछि।
७९२. (A) असत्य, पाखण्ड आ शोषण पर प्रहार — यात्रीक व्यंग्य अन्यायक आलोचना लेल अछि, पीड़ितक अपमान लेल नहि।
७९३. (A) समाज बदलबाक आकांक्षा — आधुनिक जनधर्मी कविता परिवर्तनक आकांक्षा जगबैत अछि।
७९४. (A) सवाल, व्यंग्य, करुणा आ लोक-स्वरक माध्यम — कविता मे प्रतिरोध अनेक रूपमे आबैत अछि—प्रश्न, व्यंग्य, करुणा, तर्क, लोक-स्वर।
७९५. (A) कविताकें जीवित समाजसँ जोड़ैत अछि — जनतांत्रिक बोध आधुनिक काव्यक समाज-सापेक्ष रूपकें स्पष्ट करैत अछि।
७९६. (A) स्वतन्त्र आलोचनात्मक बुद्धि — रुढ़ि-विरोध आधुनिक चेतना आ आलोचनात्मक विवेकक संकेत अछि।
७९७. (A) नई दृष्टि, प्रश्न आ जनपक्षधरता — साहित्यिक आधुनिकता दृष्टि, संवेदना आ समाज-बोधसँ बनैत अछि।
७९८. (A) आम लोकक आवाजक सम्मान — जनतांत्रिक बोध आम लोकक अनुभव आ अधिकारकें केन्द्रमे रखैत अछि।
७९९. (A) कविताक सामाजिक आ भाषिक असर देखब — आधुनिक काव्यक प्रश्नमे सामाजिक, भाषिक आ आलोचनात्मक प्रभाव देखब जरूरी अछि।
८००. (A) अन्याय पर सोचय लेल प्रेरित — प्रतिरोधी कविता पाठकक चेतना कें सक्रिय बनबैत अछि।
८०१. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।
८०२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बुझबाक पाठ अछि।
८०३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू — यात्री परम्पराकें नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।
८०४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।
८०५. (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद — यात्रीक भाषा परम्परामे बोलचाल, व्यंग्य आ यथार्थक नई ऊर्जा जोड़ैत अछि।
८०६. (A) कविता कें जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा कें आधुनिक मैथिली काव्यक महत्त्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।
८०७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।
८०८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।
८०९. (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब — चित्रा पाठ्यक्रममे आधुनिक मैथिली कविता आ जन-सरोकारक अध्ययन लेल उपयोगी अछि।
८१०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।
८११. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।
८१२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बुझबाक पाठ अछि।
८१३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू — यात्री परम्पराकें नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।
८१४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।
८१५. (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद — यात्रीक भाषा परम्परामे बोलचाल, व्यंग्य आ यथार्थक नई ऊर्जा जोड़ैत अछि।

८१६. (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा केँ आधुनिक मैथिली काव्यक महत्त्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।

८१७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।

८१८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।

১৭৭. (A) আধুনিক মৈথিলী কবিতা, লোকজীবন আ আলোচনা বুझব — চিত্রা পাঠ্যক্রমমে আধুনিক মৈথিলী কবিতা আ জন-সরোকারক অধ্যয়ন লেল
উপযোগী অछि।

८२०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।

८११. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।

८२२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बुझबाक पाठ अछि।

८२३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू — यात्री परम्पराकेँ नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।

८२४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।

૮૨૬. (A) નવ ઊર્જા આ લોક-સંવાદ — યાત્રીક ભાષા પરમ્પરામે બોલચાલ, વ્યંગ્ય આ યથાર્થક નર્દ ઊર્જા જોડૈત અછિ.

८२६. (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा केँ आधुनिक मैथिली काव्यक महत्त्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।

८२७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।

८२८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।

८२९. (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब — चित्रा पाठ्यक्रममे आधुनिक मैथिली कविता आ जन-सरोकारक अध्ययन लेल उपयोगी अछि।

८३०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।

८३१. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।

८३२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बङ्गय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बङ्गबाक पाठ अछि।

उ३३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दन — यात्री परम्पराकेँ नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।

उ३४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।

૮૩૫. (A) નવ ઊર્જા આ લોક-સંવાદ — યાત્રીક ભાષા પરમ્પરામે બોલચાલ, વ્યંગ્ય આ યથાર્થક નર્દ ઊર્જા જોડૈત અછિ।

८३६. (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा केँ आधुनिक मैथिली काव्यक महत्त्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।

८३७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।

८३८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।

८३९. (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब — चित्रा पाठ्यक्रममे आधुनिक मैथिली कविता आ जन-सरोकारक अध्ययन लेल उपयोगी अछि।

८४०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।

८४१. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।

८४२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बूझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बूझबाक पाठ अछि।

८४३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दन — यात्री परम्पराकेँ नकारि मात्र नहि. ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।

८४४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।

૮૪૫. (A) નવ ઋર્જા આ લોક-સંવાદ — યાત્રીક ભાષા પરમ્પરામે બોલચાલ, વ્યંગ્ય આ યથાર્થક નર્દ ઋર્જા જોડૈત અછિ।

८४६. (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा केँ आधुनिक मैथिली काव्यक महत्त्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।

८४७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।

८४८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।

૮૪૧. (A) આધુનિક મૈથિલી કવિતા, લોકજીવન આ આલોચના બુદ્ધિ — ચિત્રા પાઠ્યક્રમમે આધુનિક મૈથિલી કવિતા આ જન-સરોકારક અધ્યયન લેલ ઉપયોગી અછિ।

८५०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।

८५१. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।

८५२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बुझबाक पाठ अछि।

८५३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू — यात्री परम्पराकेँ नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।

८५४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।

૮૫૫. (A) નવ ઊર્જા આ લોક-સંવાદ — યાત્રીક ભાષા પરમ્પરામે બોલચાલ, વ્યંગ્ય આ યથાર્થક નર્દ ઊર્જા જોડૈત અછિ.

८५६. (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा केँ आधुनिक मैथिली काव्यक महत्त्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।

८५७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।

८५८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।

২৭৭. (A) আধুনিক মৈথিলী কবিতা, লোকজীবন আ আলোচনা বুझব — চিত্রা পাঠ্যক্রমমে আধুনিক মৈথিলী কবিতা আ জন-সরোকারক অধ্যয়ন লেল
উপযোগী অছি।

८६०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।

८६१. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।

८६२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बुझबाक पाठ अछि।

८६३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू — यात्री परम्पराकेँ नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।

८६४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।

८६५. (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद — यात्रीक भाषा परम्परामे बोलचाल, व्यंग्य आ यथार्थक नई ऊर्जा जोड़ैत अछि।

८६६. (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा केँ आधुनिक मैथिली काव्यक महत्त्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।

८६७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।

८६८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।

८६९. (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब — चित्रा पाठ्यक्रममे आधुनिक मैथिली कविता आ जन-सरोकारक अध्ययन लेल उपयोगी अछि।

८७०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।

८७१. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।

८७२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बृझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बृझबाक पाठ अछि।

उ१३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दनू — यात्री परम्पराकेँ नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।

८७४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।

૮૭૫. (A) નવ ઊર્જા આ લોક-સંવાદ — યાત્રીક ભાષા પરમ્પરામે બોલચાલ, વ્યંગ્ય આ યથાર્થક નર્દ ઊર્જા જોડૈત અછિ।

196. (A) कविता केँ जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा केँ आधुनिक मैथिली काव्यक महत्त्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।

८७७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।

८७८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।
८७९. (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब — चित्रा पाठ्यक्रममे आधुनिक मैथिली कविता आ जन-सरोकारक अध्ययन लेल उपयोगी अछि।
८८०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।
८८१. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।
८८२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बुझबाक पाठ अछि।
८८३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू — यात्री परम्पराकें नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।
८८४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।
८८५. (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद — यात्रीक भाषा परम्परामे बोलचाल, व्यंग्य आ यथार्थक नई ऊर्जा जोड़ैत अछि।
८८६. (A) कविता कें जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा कें आधुनिक मैथिली काव्यक महत्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।
८८७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।
८८८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।
८८९. (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब — चित्रा पाठ्यक्रममे आधुनिक मैथिली कविता आ जन-सरोकारक अध्ययन लेल उपयोगी अछि।
८९०. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।
८९१. (A) मैथिली कवितामे जनजीवनक सशक्त उपस्थिति — यात्री आधुनिक मैथिली कवितामे जनजीवन आ प्रतिरोधक सशक्त स्वर छथि।
८९२. (A) आधुनिक काव्य-संवेदना बुझय लेल — चित्रा आधुनिक मैथिली काव्यक संवेदना, भाषा आ सामाजिक दृष्टि बुझबाक पाठ अछि।
८९३. (A) परम्परा सँ संवाद आ नवता दुनू — यात्री परम्पराकें नकारि मात्र नहि, ओकर संग आधुनिक संवाद बनबैत छथि।
८९४. (A) श्रृंगार/भक्तिक धारा सँ आधुनिक लोक-यथार्थ धरि विस्तार — मैथिली कविता विद्यापति सँ लोक-श्रृंगार/भक्तिक धारा लैत आधुनिक जन-यथार्थ धरि फैलैत अछि।
८९५. (A) नव ऊर्जा आ लोक-संवाद — यात्रीक भाषा परम्परामे बोलचाल, व्यंग्य आ यथार्थक नई ऊर्जा जोड़ैत अछि।
८९६. (A) कविता कें जन-सम्बद्ध बनाबय — भाषिक नवता चित्रा कें आधुनिक मैथिली काव्यक महत्वपूर्ण पाठ बनबैत अछि।
८९७. (A) विषय, बिम्ब, भाषा आ समाजक संयुक्त अध्ययन — चित्रा पर अध्ययन समेकित साहित्यिक कौशल माँगैत अछि।
८९८. (A) ओ मैथिलीमे आधुनिक जनधर्मी काव्यक स्वर मजबूत करैत छथि — यात्रीक मैथिली काव्य आधुनिक भाषिक-सांस्कृतिक गौरवक हिस्सा अछि।
८९९. (A) आधुनिक मैथिली कविता, लोकजीवन आ आलोचना बुझब — चित्रा पाठ्यक्रममे आधुनिक मैथिली कविता आ जन-सरोकारक अध्ययन लेल उपयोगी अछि।
९००. (A) लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक मैथिली कवि — यात्रीक प्रमुख पहचान लोकधर्मी, विद्रोही आ आधुनिक काव्य-स्वरक अछि।
९०१. (A) कथन सही अछि — चित्रा मे लोकधर्मी स्वर जकाँ संकेत जनजीवन, भावना आ समाजक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
९०२. (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि — यात्रीक कविता लोक-भाषा, जन-अनुभव आ सामाजिक चेतना सँ जुड़ल अछि।
९०३. (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन — यात्रीक मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र आ हिन्दी नाम नागार्जुन मानल जाइत अछि।
९०४. (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय — उत्तरक आरम्भमे कृति, कवि, काल-सन्दर्भ आ प्रमुख दृष्टि स्पष्ट करब उचित अछि।
९०५. (A) भाषा-शैलीक संकेत — भाषा-शैलीक संकेत लघु-टिप्पणी कें साहित्यिक बनबैत अछि।
९०६. (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक — अच्छा उत्तर सटीक, पाठ-सम्बद्ध, प्रमाणयुक्त आ विश्लेषणात्मक होइत अछि।
९०७. (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक जनोन्मुख, यथार्थवादी आ भाषिक नवता सँ जुड़ल पाठ अछि।
९०८. (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन — लोकक अर्थ आम जन, गाम-समाज, श्रमजीवी जीवन आ सामूहिक अनुभवसँ अछि।

१०१. (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला — निष्कर्षमे कृति, कवि आ मुख्य साहित्यिक महत्त्व केँ समेटब चाही।

੧੧੦. (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि — साहित्यिक उत्तरमे सही तथ्य आ गहिर व्याख्या दनु आवश्यक होइत अछि।

१११. (A) कथन सही अछि — चित्रा मे समानता जकाँ संकेत जनजीवन, भावना आ समाजक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।

੧੧੨. (A) ਦੂਜੀ ਸਹੀ ਆ ਕਾਰਣ ਕਥਨਕ ਉਚਿਤ ਵਯਾਖਯਾ ਅਛਿ — ਯਾਤਰੀਕ ਕਵਿਤਾ ਲੋਕ-ਭਾਸ਼ਾ, ਜਨ-ਅਨੁਭਵ ਆ ਸਾਮਾਜਿਕ ਚੇਤਨਾ ਸੈਂ ਜੁੜਲ ਅਛਿ।

११३. (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन — यात्रीक मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र आ हिन्दी नाम नागार्जुन मानल जाइत अछि।

११४. (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय — उत्तरक आरम्भमे कृति, कवि, काल-सन्दर्भ आ प्रमुख दृष्टि स्पष्ट करब उचित अछि।

११५. (A) भाषा-शैलीक संकेत — भाषा-शैलीक संकेत लघु-टिप्पणी केँ साहित्यिक बनबैत अछि।

११६. (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक — अच्छा उत्तर सटीक, पाठ-सम्बद्ध, प्रमाणयुक्त आ विश्लेषणात्मक होइत अछि।

११७. (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक जनोन्मुख, यथार्थवादी आ भाषिक नवता सँ जुड़ल पाठ अछि।

११८. (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन — लोकक अर्थ आम जन, गाम-समाज, श्रमजीवी जीवन आ सामूहिक अनुभवसँ अछि।

११९. (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला — निष्कर्षमे कृति, कवि आ मुख्य साहित्यिक महत्त्व केँ समेटब चाही।

१२०. (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि — साहित्यिक उत्तरमे सही तथ्य आ गहिर व्याख्या दुनू आवश्यक होइत अछि।

१२१. (A) कथन सही अछि — चित्रा मे धानक खेत जकाँ संकेत जनजीवन, भावना आ समाजक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।

੧੨੨. (A) ਦਨੁ ਸਹੀ ਆ ਕਾਰਣ ਕਥਨਕ ਉਚਿਤ ਵਯਾਖਯਾ ਅਛਿ — ਯਾਤਰੀਕ ਕਵਿਤਾ ਲੋਕ-ਭਾਸ਼ਾ, ਜਨ-ਅਨੁਭਵ ਆ ਸਾਮਾਜਿਕ ਚੇਤਨਾ ਸੈਂ ਜਡੁਲ ਅਛਿ।

१२३. (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन — यात्रीक मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र आ हिन्दी नाम नागार्जुन मानल जाइत अछि।

१२४. (A) कति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय — उत्तरक आरम्भमे कति, कवि, काल-सन्दर्भ आ प्रमुख दृष्टि स्पष्ट करब उचित अछि।

१२५. (A) भाषा-शैलीक संकेत — भाषा-शैलीक संकेत लघु-टिप्पणी केँ साहित्यिक बनबैत अछि।

१२६. (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक — अच्छा उत्तर सटीक, पाठ-सम्बद्ध, प्रमाणयुक्त आ विश्लेषणात्मक होइत अछि।

१२७. (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक जनोन्मुख, यथार्थवादी आ भाषिक नवता सँ जुड़ल पाठ अछि।

१२८. (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन — लोकक अर्थ आम जन, गाम-समाज, श्रमजीवी जीवन आ सामूहिक अनुभवसँ अछि।

१२१. (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला — निष्कर्षमे कृति, कवि आ मुख्य साहित्यिक महत्त्व केँ समेटब चाही।

૧૩૦. (A) તથ્ય આધાર દૈત અછિ આ વ્યાખ્યા અર્થ યોલૈત અછિ — સાહિત્યિક ઉત્તરમે સહી તથ્ય આ ગહિર વ્યાખ્યા દન આવશ્યક હોડત અછિ।

९३१. (A) कथन सही अछि — चित्रा मे किसान जकाँ संकेत जनजीवन, भावना आ समाजक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।

੧੩੨. (A) ਦਨੁ ਸਹੀ ਆ ਕਾਰਣ ਕਥਨਕ ਉਚਿਤ ਵਯਾਖਯਾ ਅਛਿ — ਯਾਤਰੀਕ ਕਵਿਤਾ ਲੋਕ-ਭਾਸ਼ਾ, ਜਨ-ਅਨੁਭਵ ਆ ਸਾਮਾਜਿਕ ਚੇਤਨਾ ਸੈਂ ਜਡਲ ਅਛਿ।

१३३. (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जन — यात्रीक मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र आ हिन्दी नाम नागार्जन मानल जाइत अछि।

१३४. (A) कति, कवि आ मुख्य काव्य-दष्टिक परिचय — उत्तरक आरम्भमे कति, कवि, काल-सन्दर्भ आ प्रमुख दष्टि स्पष्ट करब उचित अछि।

१३५. (A) भाषा-शैलीक संकेत — भाषा-शैलीक संकेत लघु-टिप्पणी केँ साहित्यिक बनबैत अछि।

९३६. (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक — अच्छा उत्तर सटीक, पाठ-सम्बद्ध, प्रमाणयुक्त आ विश्लेषणात्मक होइत अछि।

१३७. (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक जनोन्मुख, यथार्थवादी आ भाषिक नवता सँ जुड़ल पाठ अछि।

१३८. (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन — लोकक अर्थ आम जन, गाम-समाज, श्रमजीवी जीवन आ सामहिक अनुभवसँ अछि।

१३१. (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला — निष्कर्षमे कृति, कवि आ मुख्य साहित्यिक महत्त्व केँ समेटब चाही।

१४०. (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि — साहित्यिक उत्तरमे सही तथ्य आ गहिर व्याख्या दनु आवश्यक होइत अछि।

१४१. (A) कथन सही अछि — चित्रा मे लोकधर्मी स्वर जकाँ संकेत जनजीवन, भावना आ समाजक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।

- 313

१७५. (A) भाषा-शैलीक संकेत — भाषा-शैलीक संकेत लघु-टिप्पणी केँ साहित्यिक बनबैत अछि।
१७६. (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक — अच्छा उत्तर सटीक, पाठ-सम्बद्ध, प्रमाणयुक्त आ विश्लेषणात्मक होइत अछि।
१७७. (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक जनोन्मुख, यथार्थवादी आ भाषिक नवता सँ जुड़ल पाठ अछि।
१७८. (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन — लोकक अर्थ आम जन, गाम-समाज, श्रमजीवी जीवन आ सामूहिक अनुभवसँ अछि।
१७९. (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला — निष्कर्षमे कृति, कवि आ मुख्य साहित्यिक महत्त्व केँ समेटब चाही।
१८०. (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि — साहित्यिक उत्तरमे सही तथ्य आ गहिर व्याख्या दुनू आवश्यक होइत अछि।
१८१. (A) कथन सही अछि — चित्रा मे लोकधर्मी स्वर जकाँ संकेत जनजीवन, भावना आ समाजक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
१८२. (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि — यात्रीक कविता लोक-भाषा, जन-अनुभव आ सामाजिक चेतना सँ जुड़ल अछि।
१८३. (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन — यात्रीक मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र आ हिन्दी नाम नागार्जुन मानल जाइत अछि।
१८४. (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय — उत्तरक आरम्भमे कृति, कवि, काल-सन्दर्भ आ प्रमुख दृष्टि स्पष्ट करब उचित अछि।
१८५. (A) भाषा-शैलीक संकेत — भाषा-शैलीक संकेत लघु-टिप्पणी केँ साहित्यिक बनबैत अछि।
१८६. (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक — अच्छा उत्तर सटीक, पाठ-सम्बद्ध, प्रमाणयुक्त आ विश्लेषणात्मक होइत अछि।
१८७. (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक जनोन्मुख, यथार्थवादी आ भाषिक नवता सँ जुड़ल पाठ अछि।
१८८. (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन — लोकक अर्थ आम जन, गाम-समाज, श्रमजीवी जीवन आ सामूहिक अनुभवसँ अछि।
१८९. (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला — निष्कर्षमे कृति, कवि आ मुख्य साहित्यिक महत्त्व केँ समेटब चाही।
१९०. (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि — साहित्यिक उत्तरमे सही तथ्य आ गहिर व्याख्या दुनू आवश्यक होइत अछि।
१९१. (A) कथन सही अछि — चित्रा मे समानता जकाँ संकेत जनजीवन, भावना आ समाजक अर्थ खोलयमे सहायक अछि।
१९२. (A) दुनू सही आ कारण कथनक उचित व्याख्या अछि — यात्रीक कविता लोक-भाषा, जन-अनुभव आ सामाजिक चेतना सँ जुड़ल अछि।
१९३. (A) वैद्यनाथ मिश्र — नागार्जुन — यात्रीक मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र आ हिन्दी नाम नागार्जुन मानल जाइत अछि।
१९४. (A) कृति, कवि आ मुख्य काव्य-दृष्टिक परिचय — उत्तरक आरम्भमे कृति, कवि, काल-सन्दर्भ आ प्रमुख दृष्टि स्पष्ट करब उचित अछि।
१९५. (A) भाषा-शैलीक संकेत — भाषा-शैलीक संकेत लघु-टिप्पणी केँ साहित्यिक बनबैत अछि।
१९६. (A) सटीक, पाठ-सम्बद्ध आ विश्लेषणात्मक — अच्छा उत्तर सटीक, पाठ-सम्बद्ध, प्रमाणयुक्त आ विश्लेषणात्मक होइत अछि।
१९७. (A) जनजीवन, यथार्थ, व्यंग्य आ नई भाषा-संवेदना — चित्रा आधुनिक मैथिली कविताक जनोन्मुख, यथार्थवादी आ भाषिक नवता सँ जुड़ल पाठ अछि।
१९८. (A) आम जनता, गाम-समाज आ श्रमजीवी जीवन — लोकक अर्थ आम जन, गाम-समाज, श्रमजीवी जीवन आ सामूहिक अनुभवसँ अछि।
१९९. (A) कृतिमे आधुनिक मैथिली कविता आ जनचेतनाक महत्त्व रेखांकित करयवाला — निष्कर्षमे कृति, कवि आ मुख्य साहित्यिक महत्त्व केँ समेटब चाही।
१०००. (A) तथ्य आधार दैत अछि आ व्याख्या अर्थ खोलैत अछि — साहित्यिक उत्तरमे सही तथ्य आ गहिर व्याख्या दुनू आवश्यक होइत अछि।

अध्याय ३ : पृथ्वीपुत्र — ललित | विदेह क्विज

लेखक ललित आ गद्य-परम्परा

१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (१)
 - (A) रमजानी
 - (B) कृति राजकमल
 - (C) चित्रा
 - (D) पृथ्वीपुत्र
२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (२)
 - (A) मध्यकालीन पदावली
 - (B) केवल लोकगीत
 - (C) आधुनिक मैथिली गद्य
 - (D) संस्कृत नाटक
३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (३)
 - (A) प्रगतिशील सामाजिक चेतना
 - (B) केवल शृङ्गारिक वर्णन
 - (C) पुराण-नकल
 - (D) राजदरबारी स्तुति
४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (४)
 - (A) विदेशी नगर-चित्रण
 - (B) केवल राजकीय नीति
 - (C) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
 - (D) दरबारी नृत्यक वर्णन
५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (५)
 - (A) लगभग तेरह-चौदह वर्ष
 - (B) पचास वर्ष
 - (C) सौ वर्ष
 - (D) एक वर्ष
६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (६)
 - (A) एकहि कथाक पुनरावृत्ति
 - (B) अलौकिक चमत्कार
 - (C) केवल भाषण
 - (D) नव जमीनक खोज
७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकें कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (७)
 - (A) केवल दरबारी पाठ धरि
 - (B) केवल पञ्जी-लेखन धरि
 - (C) केवल गीत-गायन धरि
 - (D) विश्व-साहित्यक समकक्ष
८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रुढ़िक प्रति भाव की अछि? (८)
 - (A) मौन समर्थन
 - (B) अन्ध-स्वीकार
 - (C) कर्मकाण्डी आग्रह
 - (D) घोर विरोध

९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (९)

- (A) युद्ध-सेना
- (B) राजपरिवार
- (C) दलित वा पछड़ल लोक
- (D) विदेशी व्यापारी

१०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (१०)

- (A) केवल राजभक्त कवि
- (B) केवल भाषाशास्त्री
- (C) जीवन ओ जगतक लेखक
- (D) केवल अनुवादक

११. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (११)

- (A) कृति राजकमल
- (B) रमजानी
- (C) चित्रा
- (D) पृथ्वीपुत्र

१२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (१२)

- (A) संस्कृत नाटक
- (B) केवल लोकगीत
- (C) मध्यकालीन पदावली
- (D) आधुनिक मैथिली गद्य

१३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (१३)

- (A) केवल शृङ्गारिक वर्णन
- (B) प्रगतिशील सामाजिक चेतना
- (C) राजदरबारी स्तुति
- (D) पुराण-नकल

१४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (१४)

- (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
- (B) केवल राजकीय नीति
- (C) विदेशी नगर-चित्रण
- (D) दरबारी नृत्यक वर्णन

१५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (१५)

- (A) एक वर्ष
- (B) पचास वर्ष
- (C) लगभग तेरह-चौदह वर्ष
- (D) सौ वर्ष

१६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (१६)

- (A) एकहि कथाक पुनरावृत्ति
- (B) नव जमीनक खोज
- (C) केवल भाषण
- (D) अलौकिक चमत्कार

१७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकेँ कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (१७)

- (A) विश्व-साहित्यिक समकक्ष
- (B) केवल गीत-गायन धरि
- (C) केवल दरबारी पाठ धरि
- (D) केवल पञ्जी-लेखन धरि

१८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रूढ़िक प्रति भाव की अछि? (१८)

- (A) कर्मकाण्डी आग्रह
- (B) अन्ध-स्वीकार
- (C) मौन समर्थन
- (D) घोर विरोध

१९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (१९)

- (A) युद्ध-सेना
- (B) दलित वा पछड़ल लोक
- (C) राजपरिवार
- (D) विदेशी व्यापारी

२०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (२०)

- (A) केवल राजभक्त कवि
- (B) केवल अनुवादक
- (C) जीवन ओ जगतक लेखक
- (D) केवल भाषाशास्त्री

२१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (२१)

- (A) रमजानी
- (B) चित्रा
- (C) कृति राजकमल
- (D) पृथ्वीपुत्र

२२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (२२)

- (A) मध्यकालीन पदावली
- (B) आधुनिक मैथिली गद्य
- (C) केवल लोकगीत
- (D) संस्कृत नाटक

२३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (२३)

- (A) राजदरबारी स्तुति
- (B) पुराण-नकल
- (C) प्रगतिशील सामाजिक चेतना
- (D) केवल शृङ्गारिक वर्णन

२४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (२४)

- (A) दरबारी नृत्यक वर्णन
- (B) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
- (C) केवल राजकीय नीति
- (D) विदेशी नगर-चित्रण

२५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (२५)

- (A) सौ वर्ष
- (B) लगभग तेरह-चौदह वर्ष
- (C) एक वर्ष
- (D) पचास वर्ष

२६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (२६)

- (A) अलौकिक चमत्कार
- (B) नव जमीनक खोज
- (C) केवल भाषण
- (D) एकहि कथाक पुनरावृत्ति

२७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकेँ कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (२७)

- (A) केवल गीत-गायन धरि
- (B) विश्व-साहित्यक समकक्ष
- (C) केवल पञ्जी-लेखन धरि
- (D) केवल दरबारी पाठ धरि

२८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रुढ़िक प्रति भाव की अछि? (२८)

- (A) घोर विरोध
- (B) कर्मकाण्डी आग्रह
- (C) अन्ध-स्वीकार
- (D) मौन समर्थन

२९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (२९)

- (A) विदेशी व्यापारी
- (B) दलित वा पछड़ल लोक
- (C) राजपरिवार
- (D) युद्ध-सेना

३०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (३०)

- (A) केवल अनुवादक
- (B) केवल भाषाशास्त्री
- (C) जीवन ओ जगतक लेखक
- (D) केवल राजभक्त कवि

३१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (३१)

- (A) कृति राजकमल
- (B) चित्रा
- (C) पृथ्वीपुत्र
- (D) रमजानी

३२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (३२)

- (A) संस्कृत नाटक
- (B) आधुनिक मैथिली गद्य
- (C) केवल लोकगीत
- (D) मध्यकालीन पदावली

३३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (३३)
- (A) राजदरबारी स्तुति
(B) केवल शृङ्गारिक वर्णन
(C) पुराण-नकल
(D) प्रगतिशील सामाजिक चेतना
३४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (३४)
- (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
(B) केवल राजकीय नीति
(C) विदेशी नगर-चित्रण
(D) दरबारी नृत्यक वर्णन
३५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (३५)
- (A) एक वर्ष
(B) सौ वर्ष
(C) पचास वर्ष
(D) लगभग तेरह-चौदह वर्ष
३६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (३६)
- (A) एकहि कथाक पुनरावृत्ति
(B) नव जमीनक खोज
(C) अलौकिक चमत्कार
(D) केवल भाषण
३७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकेँ कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (३७)
- (A) विश्व-साहित्यिक समकक्ष
(B) केवल पञ्जी-लेखन धरि
(C) केवल गीत-गायन धरि
(D) केवल दरबारी पाठ धरि
३८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रुढ़िक प्रति भाव की अछि? (३८)
- (A) कर्मकाण्डी आग्रह
(B) मौन समर्थन
(C) अन्ध-स्वीकार
(D) घोर विरोध
३९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (३९)
- (A) विदेशी व्यापारी
(B) दलित वा पछड़ल लोक
(C) युद्ध-सेना
(D) राजपरिवार
४०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (४०)
- (A) केवल अनुवादक
(B) जीवन ओ जगतक लेखक
(C) केवल भाषाशास्त्री
(D) केवल राजभक्त कवि

४१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (४१)

- (A) पृथ्वीपुत्र
- (B) चित्रा
- (C) रमजानी
- (D) कृति राजकमल

४२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (४२)

- (A) केवल लोकगीत
- (B) मध्यकालीन पदावली
- (C) संस्कृत नाटक
- (D) आधुनिक मैथिली गद्य

४३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (४३)

- (A) प्रगतिशील सामाजिक चेतना
- (B) केवल शृङ्गारिक वर्णन
- (C) राजदरबारी स्तुति
- (D) पुराण-नकल

४४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (४४)

- (A) विदेशी नगर-चित्रण
- (B) केवल राजकीय नीति
- (C) दरबारी नृत्यक वर्णन
- (D) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर

४५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (४५)

- (A) लगभग तेरह-चौदह वर्ष
- (B) पचास वर्ष
- (C) एक वर्ष
- (D) सौ वर्ष

४६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (४६)

- (A) अलौकिक चमत्कार
- (B) एकहि कथाक पुनरावृत्ति
- (C) नव जमीनक खोज
- (D) केवल भाषण

४७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकें कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (४७)

- (A) विश्व-साहित्यक समकक्ष
- (B) केवल पञ्जी-लेखन धरि
- (C) केवल दरबारी पाठ धरि
- (D) केवल गीत-गायन धरि

४८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रूढ़िक प्रति भाव की अछि? (४८)

- (A) कर्मकाण्डी आग्रह
- (B) मौन समर्थन
- (C) घोर विरोध
- (D) अन्ध-स्वीकार

४९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (४९)

- (A) दलित वा पछड़ल लोक
- (B) राजपरिवार
- (C) विदेशी व्यापारी
- (D) युद्ध-सेना

५०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (५०)

- (A) केवल राजभक्त कवि
- (B) केवल अनुवादक
- (C) जीवन ओ जगतक लेखक
- (D) केवल भाषाशास्त्री

५१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (५१)

- (A) पृथ्वीपुत्र
- (B) चित्रा
- (C) रमजानी
- (D) कृति राजकमल

५२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (५२)

- (A) संस्कृत नाटक
- (B) मध्यकालीन पदावली
- (C) केवल लोकगीत
- (D) आधुनिक मैथिली गद्य

५३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (५३)

- (A) राजदरबारी स्तुति
- (B) पुराण-नकल
- (C) केवल शृङ्गारिक वर्णन
- (D) प्रगतिशील सामाजिक चेतना

५४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (५४)

- (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
- (B) केवल राजकीय नीति
- (C) विदेशी नगर-चित्रण
- (D) दरबारी नृत्यक वर्णन

५५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (५५)

- (A) पचास वर्ष
- (B) एक वर्ष
- (C) लगभग तेरह-चौदह वर्ष
- (D) सौ वर्ष

५६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (५६)

- (A) अलौकिक चमत्कार
- (B) केवल भाषण
- (C) नव जमीनक खोज
- (D) एकहि कथाक पुनरावृत्ति

५७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकें कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (५७)

- (A) केवल पञ्जी-लेखन धरि
- (B) विश्व-साहित्यिक समकक्ष
- (C) केवल गीत-गायन धरि
- (D) केवल दरबारी पाठ धरि

५८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रूढ़िक प्रति भाव की अछि? (५८)

- (A) कर्मकाण्डी आग्रह
- (B) घोर विरोध
- (C) अन्ध-स्वीकार
- (D) मौन समर्थन

५९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (५९)

- (A) दलित वा पछड़ल लोक
- (B) विदेशी व्यापारी
- (C) राजपरिवार
- (D) युद्ध-सेना

६०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (६०)

- (A) केवल अनुवादक
- (B) केवल भाषाशास्त्री
- (C) जीवन ओ जगतक लेखक
- (D) केवल राजभक्त कवि

६१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (६१)

- (A) रमजानी
- (B) चित्रा
- (C) कृति राजकमल
- (D) पृथ्वीपुत्र

६२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (६२)

- (A) आधुनिक मैथिली गद्य
- (B) संस्कृत नाटक
- (C) केवल लोकगीत
- (D) मध्यकालीन पदावली

६३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (६३)

- (A) राजदरबारी स्तुति
- (B) प्रगतिशील सामाजिक चेतना
- (C) केवल शृङ्गारिक वर्णन
- (D) पुराण-नकल

६४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (६४)

- (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
- (B) दरबारी नृत्यक वर्णन
- (C) केवल राजकीय नीति
- (D) विदेशी नगर-चित्रण

६५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (६५)

- (A) सौ वर्ष
- (B) एक वर्ष
- (C) पचास वर्ष
- (D) लगभग तेरह-चौदह वर्ष

६६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (६६)

- (A) अलौकिक चमत्कार
- (B) एकहि कथाक पुनरावृत्ति
- (C) केवल भाषण
- (D) नव जमीनक खोज

६७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकेँ कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (६७)

- (A) विश्व-साहित्यक समकक्ष
- (B) केवल दरबारी पाठ धरि
- (C) केवल गीत-गायन धरि
- (D) केवल पञ्जी-लेखन धरि

६८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रुढ़िक प्रति भाव की अछि? (६८)

- (A) घोर विरोध
- (B) अन्ध-स्वीकार
- (C) कर्मकाण्डी आग्रह
- (D) मौन समर्थन

६९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (६९)

- (A) दलित वा पछड़ल लोक
- (B) युद्ध-सेना
- (C) विदेशी व्यापारी
- (D) राजपरिवार

७०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (७०)

- (A) जीवन ओ जगतक लेखक
- (B) केवल राजभक्त कवि
- (C) केवल अनुवादक
- (D) केवल भाषाशास्त्री

७१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (७१)

- (A) चित्रा
- (B) पृथ्वीपुत्र
- (C) कृति राजकमल
- (D) रमजानी

७२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (७२)

- (A) मध्यकालीन पदावली
- (B) केवल लोकगीत
- (C) संस्कृत नाटक
- (D) आधुनिक मैथिली गद्य

७३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमें कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (७३)

- (A) प्रगतिशील सामाजिक चेतना
- (B) राजदरबारी स्तुति
- (C) पुराण-नकल
- (D) केवल शृङ्गारिक वर्णन

७४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (७४)

- (A) केवल राजकीय नीति
- (B) दरबारी नृत्यक वर्णन
- (C) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
- (D) विदेशी नगर-चित्रण

७५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (७५)

- (A) पचास वर्ष
- (B) एक वर्ष
- (C) लगभग तेरह-चौदह वर्ष
- (D) सौ वर्ष

७६. पहिचानू: ललितक लेखनमें दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (७६)

- (A) केवल भाषण
- (B) एकहि कथाक पुनरावृत्ति
- (C) नव जमीनक खोज
- (D) अलौकिक चमत्कार

७७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकें कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (७७)

- (A) विश्व-साहित्यक समकक्ष
- (B) केवल गीत-गायन धरि
- (C) केवल पञ्जी-लेखन धरि
- (D) केवल दरबारी पाठ धरि

७८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामें परम्परागत रूढ़िक प्रति भाव की अछि? (७८)

- (A) घोर विरोध
- (B) मौन समर्थन
- (C) अन्ध-स्वीकार
- (D) कर्मकाण्डी आग्रह

७९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (७९)

- (A) विदेशी व्यापारी
- (B) दलित वा पछड़ल लोक
- (C) युद्ध-सेना
- (D) राजपरिवार

८०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमें हुनका कोन रूपमें देखब उचित अछि? (८०)

- (A) केवल अनुवादक
- (B) जीवन ओ जगतक लेखक
- (C) केवल राजभक्त कवि
- (D) केवल भाषाशास्त्री

८१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (८१)

- (A) कृति राजकमल
- (B) पृथ्वीपुत्र
- (C) रमजानी
- (D) चित्रा

८२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (८२)

- (A) केवल लोकगीत
- (B) मध्यकालीन पदावली
- (C) आधुनिक मैथिली गद्य
- (D) संस्कृत नाटक

८३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (८३)

- (A) पुराण-नकल
- (B) केवल शृङ्गारिक वर्णन
- (C) राजदरबारी स्तुति
- (D) प्रगतिशील सामाजिक चेतना

८४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (८४)

- (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
- (B) दरबारी नृत्यक वर्णन
- (C) विदेशी नगर-चित्रण
- (D) केवल राजकीय नीति

८५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (८५)

- (A) एक वर्ष
- (B) सौ वर्ष
- (C) लगभग तेरह-चौदह वर्ष
- (D) पचास वर्ष

८६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (८६)

- (A) अलौकिक चमत्कार
- (B) एकहि कथाक पुनरावृत्ति
- (C) केवल भाषण
- (D) नव जमीनक खोज

८७. स्मरण करू: ललित मैथिली गद्यकेँ कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (८७)

- (A) केवल दरबारी पाठ धरि
- (B) केवल पञ्जी-लेखन धरि
- (C) केवल गीत-गायन धरि
- (D) विश्व-साहित्यक समकक्ष

८८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रुढ़िक प्रति भाव की अछि? (८८)

- (A) अन्ध-स्वीकार
- (B) कर्मकाण्डी आग्रह
- (C) मौन समर्थन
- (D) घोर विरोध

८९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (८९)

- (A) युद्ध-सेना
- (B) विदेशी व्यापारी
- (C) राजपरिवार
- (D) दलित वा पछड़ल लोक

९०. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (९०)

- (A) केवल भाषाशास्त्री
- (B) जीवन ओ जगतक लेखक
- (C) केवल अनुवादक
- (D) केवल राजभक्त कवि

९१. पहिचानू: ललितक एकमात्र उपन्यासक नाम की अछि? (९१)

- (A) रमजानी
- (B) कृति राजकमल
- (C) पृथ्वीपुत्र
- (D) चित्रा

९२. स्मरण करू: ललित मुख्यतः कोन साहित्यिक क्षेत्रमे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत छथि? (९२)

- (A) आधुनिक मैथिली गद्य
- (B) मध्यकालीन पदावली
- (C) केवल लोकगीत
- (D) संस्कृत नाटक

९३. सही कथन चुनू: ललितक लेखन-दृष्टिमे कोन प्रवृत्ति प्रमुख अछि? (९३)

- (A) राजदरबारी स्तुति
- (B) केवल शृङ्गारिक वर्णन
- (C) पुराण-नकल
- (D) प्रगतिशील सामाजिक चेतना

९४. लेखक-संदर्भ बुझू: ललितक कथा-संसारक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष की अछि? (९४)

- (A) विदेशी नगर-चित्रण
- (B) केवल राजकीय नीति
- (C) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर
- (D) दरबारी नृत्यक वर्णन

९५. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक रचना-कालक मुख्य सक्रिय अवधि कोन मानल जाइत अछि? (९५)

- (A) एक वर्ष
- (B) पचास वर्ष
- (C) सौ वर्ष
- (D) लगभग तेरह-चौदह वर्ष

९६. पहिचानू: ललितक लेखनमे दोहरावक स्थान पर की देखल जाइत अछि? (९६)

- (A) एकहि कथाक पुनरावृत्ति
- (B) नव जमीनक खोज
- (C) केवल भाषण
- (D) अलौकिक चमत्कार

९७. स्मरण करु: ललित मैथिली गद्यकेँ कोन स्तर धरि लऽ जाएबाक आकांक्षा राखैत देखाइत छथि? (९७)

- (A) केवल पञ्जी-लेखन धरि
- (B) केवल दरबारी पाठ धरि
- (C) विश्व-साहित्यिक समकक्ष
- (D) केवल गीत-गायन धरि

९८. सही कथन चुनू: ललितक रचनामे परम्परागत रूढ़िक प्रति भाव की अछि? (९८)

- (A) घोर विरोध
- (B) कर्मकाण्डी आग्रह
- (C) अन्ध-स्वीकार
- (D) मौन समर्थन

९९. लेखक-संदर्भ बुझू: ललित द्वारा रचल कथा “रमजानी” कोन समाजक जीवन-संदर्भसँ जुड़ल कहल जाइत अछि? (९९)

- (A) दलित वा पछड़ल लोक
- (B) युद्ध-सेना
- (C) राजपरिवार
- (D) विदेशी व्यापारी

१००. गद्य-परम्पराक प्रश्न: ललितक साहित्यिक मूल्यांकनमे हुनका कोन रूपमे देखब उचित अछि? (१००)

- (A) केवल भाषाशास्त्री
- (B) केवल अनुवादक
- (C) जीवन ओ जगतक लेखक
- (D) केवल राजभक्त कवि

कृति-संदर्भ आ उपन्यास-रूप

१०१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (१)

- (A) समालोचना
- (B) गीत-संग्रह
- (C) उपन्यास
- (D) निबन्ध-संग्रह

१०२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (२)

- (A) ललित कला अकादेमी
- (B) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
- (C) संगीत नाटक अकादेमी
- (D) मैथिली अकादेमी, पटना

१०३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (३)

- (A) विदेशी जीवन
- (B) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (C) नगर-मेला मात्र
- (D) राजमहलक जीवन

१०४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (४)

- (A) गामक सामाजिक संघर्ष
- (B) अंतरिक्ष कथा
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) दरबारी प्रेम

१०५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (५)

- (A) देव-चमत्कार बढेबासँ
- (B) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ
- (C) नायककेँ राजा बनेबासँ
- (D) कथाकेँ सपना कहेबासँ

१०६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (६)

- (A) केवल नगरक अधिकारी
- (B) केवल व्यापारी
- (C) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (D) केवल देवपुत्र

१०७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (७)

- (A) श्रम-आधारित न्याय
- (B) वंश-आधारित अधिकार
- (C) केवल धन-बल
- (D) अन्यायपूर्ण स्वामित्व

१०८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाइत अछि? (८)

- (A) दन्तकथा रूपमे
- (B) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे
- (C) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे
- (D) बाल-खेल रूपमे

१०९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (९)

- (A) ग्राम्य आंचलिक धरातल
- (B) विदेशी राजधानी
- (C) स्वर्गलोक
- (D) समुद्री द्वीप

११०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (१०)

- (A) केवल शृङ्गार
- (B) केवल हास्य-परिहास
- (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (D) केवल देव-स्तुति

१११. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (११)

- (A) समालोचना
- (B) निबन्ध-संग्रह
- (C) गीत-संग्रह
- (D) उपन्यास

११२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (१२)

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) संगीत नाटक अकादेमी
- (C) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
- (D) ललित कला अकादेमी

११३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (१३)

- (A) विदेशी जीवन
- (B) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (C) राजमहलक जीवन
- (D) नगर-मेला मात्र

११४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (१४)

- (A) गामक सामाजिक संघर्ष
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) दरबारी प्रेम
- (D) अंतरिक्ष कथा

११५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (१५)

- (A) कथाकेँ सपना कहेबासँ
- (B) नायककेँ राजा बनेबासँ
- (C) देव-चमत्कार बढेबासँ
- (D) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ

११६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (१६)

- (A) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (B) केवल नगरक अधिकारी
- (C) केवल व्यापारी
- (D) केवल देवपुत्र

११७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (१७)

- (A) वंश-आधारित अधिकार
- (B) अन्यायपूर्ण स्वामित्व
- (C) केवल धन-बल
- (D) श्रम-आधारित न्याय

११८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाईत अछि? (१८)

- (A) बाल-खेल रूपमे
- (B) दन्तकथा रूपमे
- (C) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे
- (D) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे

११९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (१९)

- (A) समुद्री द्वीप
- (B) विदेशी राजधानी
- (C) स्वर्गलोक
- (D) ग्राम्य आंचलिक धरातल

१२०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (२०)

- (A) केवल देव-स्तुति
- (B) केवल हास्य-परिहास
- (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (D) केवल शृङ्गार

१२१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (२१)

- (A) गीत-संग्रह
- (B) निबन्ध-संग्रह
- (C) उपन्यास
- (D) समालोचना

१२२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (२२)

- (A) संगीत नाटक अकादेमी
- (B) ललित कला अकादेमी
- (C) मैथिली अकादेमी, पटना
- (D) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास

१२३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (२३)

- (A) नगर-मेला मात्र
- (B) विदेशी जीवन
- (C) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (D) राजमहलक जीवन

१२४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (२४)

- (A) अंतरिक्ष कथा
- (B) गामक सामाजिक संघर्ष
- (C) दरबारी प्रेम
- (D) समुद्री यात्रा

१२५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (२५)

- (A) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ
- (B) देव-चमत्कार बढेबासँ
- (C) नायककें राजा बनेबासँ
- (D) कथाकें सपना कहेबासँ

१२६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (२६)

- (A) केवल व्यापारी
- (B) केवल नगरक अधिकारी
- (C) केवल देवपुत्र
- (D) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य

१२७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (२७)

- (A) अन्यायपूर्ण स्वामित्व
- (B) श्रम-आधारित न्याय
- (C) वंश-आधारित अधिकार
- (D) केवल धन-बल

१२८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाईत अछि? (२८)

- (A) बाल-खेल रूपमे
- (B) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे
- (C) दन्तकथा रूपमे
- (D) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे

१२९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (२९)

- (A) विदेशी राजधानी
- (B) समुद्री द्वीप
- (C) ग्राम्य आंचलिक धरातल
- (D) स्वर्गलोक

१३०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (३०)

- (A) केवल शृङ्गार
- (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (C) केवल देव-स्तुति
- (D) केवल हास्य-परिहास

१३१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (३१)

- (A) समालोचना
- (B) निबन्ध-संग्रह
- (C) गीत-संग्रह
- (D) उपन्यास

१३२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (३२)

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) ललित कला अकादेमी
- (C) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
- (D) संगीत नाटक अकादेमी

१३३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (३३)

- (A) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (B) राजमहलक जीवन
- (C) विदेशी जीवन
- (D) नगर-मेला मात्र

१३४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (३४)

- (A) गामक सामाजिक संघर्ष
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) दरबारी प्रेम
- (D) अंतरिक्ष कथा

१३५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (३५)

- (A) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ
- (B) कथाकें सपना कहेबासँ
- (C) देव-चमत्कार बढेबासँ
- (D) नायककें राजा बनेबासँ

१३६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (३६)

- (A) केवल नगरक अधिकारी
- (B) केवल देवपुत्र
- (C) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (D) केवल व्यापारी

१३७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (३७)

- (A) अन्यायपूर्ण स्वामित्व
- (B) केवल धन-बल
- (C) श्रम-आधारित न्याय
- (D) वंश-आधारित अधिकार

१३८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाईत अछि? (३८)

- (A) बाल-खेल रूपमे
- (B) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे
- (C) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे
- (D) दन्तकथा रूपमे

१३९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (३९)

- (A) ग्राम्य आंचलिक धरातल
- (B) समुद्री द्वीप
- (C) विदेशी राजधानी
- (D) स्वर्गलोक

१४०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (४०)

- (A) केवल हास्य-परिहास
- (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (C) केवल शृङ्गार
- (D) केवल देव-स्तुति

१४१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (४१)

- (A) निबन्ध-संग्रह
- (B) गीत-संग्रह
- (C) उपन्यास
- (D) समालोचना

१४२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (४२)

- (A) संगीत नाटक अकादेमी
- (B) ललित कला अकादेमी
- (C) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
- (D) मैथिली अकादेमी, पटना

१४३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (४३)

- (A) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (B) विदेशी जीवन
- (C) राजमहलक जीवन
- (D) नगर-मेला मात्र

१४४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (४४)

- (A) समुद्री यात्रा
- (B) अंतरिक्ष कथा
- (C) गामक सामाजिक संघर्ष
- (D) दरबारी प्रेम

१४५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (४५)

- (A) कथाकेँ सपना कहेबासँ
- (B) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ
- (C) नायककेँ राजा बनेबासँ
- (D) देव-चमत्कार बढेबासँ

१४६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (४६)

- (A) केवल व्यापारी
- (B) केवल देवपुत्र
- (C) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (D) केवल नगरक अधिकारी

१४७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (४७)

- (A) केवल धन-बल
- (B) श्रम-आधारित न्याय
- (C) अन्यायपूर्ण स्वामित्व
- (D) वंश-आधारित अधिकार

१४८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाइत अछि? (४८)

- (A) बाल-खेल रूपमे
- (B) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे
- (C) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे
- (D) दन्तकथा रूपमे

१४९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (४९)

- (A) विदेशी राजधानी
- (B) ग्राम्य आंचलिक धरातल
- (C) समुद्री द्वीप
- (D) स्वर्गलोक

१५०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (५०)

- (A) केवल शृङ्गार
- (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (C) केवल हास्य-परिहास
- (D) केवल देव-स्तुति

१५१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (५१)

- (A) निबन्ध-संग्रह
- (B) समालोचना
- (C) गीत-संग्रह
- (D) उपन्यास

१५२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (५२)

- (A) संगीत नाटक अकादेमी
- (B) ललित कला अकादेमी
- (C) मैथिली अकादेमी, पटना
- (D) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास

१५३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (५३)

- (A) राजमहलक जीवन
- (B) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (C) विदेशी जीवन
- (D) नगर-मेला मात्र

१५४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (५४)

- (A) दरबारी प्रेम
- (B) गामक सामाजिक संघर्ष
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) अंतरिक्ष कथा

१५५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (५५)

- (A) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ
- (B) नायककें राजा बनेबासँ
- (C) देव-चमत्कार बढेबासँ
- (D) कथाकें सपना कहेबासँ

१५६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (५६)

- (A) केवल देवपुत्र
- (B) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (C) केवल नगरक अधिकारी
- (D) केवल व्यापारी

१५७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (५७)

- (A) अन्यायपूर्ण स्वामित्व
- (B) वंश-आधारित अधिकार
- (C) श्रम-आधारित न्याय
- (D) केवल धन-बल

१५८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाइत अछि? (५८)

- (A) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे
- (B) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे
- (C) बाल-खेल रूपमे
- (D) दन्तकथा रूपमे

१५९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (५९)

- (A) विदेशी राजधानी
- (B) समुद्री द्वीप
- (C) ग्राम्य आंचलिक धरातल
- (D) स्वर्गलोक

१६०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (६०)

- (A) केवल हास्य-परिहास
- (B) केवल देव-स्तुति
- (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (D) केवल शृङ्गार

१६१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (६१)

- (A) गीत-संग्रह
- (B) उपन्यास
- (C) समालोचना
- (D) निबन्ध-संग्रह

१६२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (६२)

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) संगीत नाटक अकादेमी
- (C) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
- (D) ललित कला अकादेमी

१६३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (६३)

- (A) राजमहलक जीवन
- (B) विदेशी जीवन
- (C) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (D) नगर-मेला मात्र

१६४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (६४)

- (A) गामक सामाजिक संघर्ष
- (B) दरबारी प्रेम
- (C) अंतरिक्ष कथा
- (D) समुद्री यात्रा

१६५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (६५)

- (A) कथाकेँ सपना कहेबासँ
- (B) देव-चमत्कार बढेबासँ
- (C) नायककेँ राजा बनेबासँ
- (D) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ

१६६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (६६)

- (A) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (B) केवल देवपुत्र
- (C) केवल नगरक अधिकारी
- (D) केवल व्यापारी

१६७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (६७)

- (A) वंश-आधारित अधिकार
- (B) श्रम-आधारित न्याय
- (C) केवल धन-बल
- (D) अन्यायपूर्ण स्वामित्व

१६८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाईत अछि? (६८)

- (A) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे
- (B) बाल-खेल रूपमे
- (C) दन्तकथा रूपमे
- (D) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे

१६९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (६९)

- (A) विदेशी राजधानी
- (B) ग्राम्य आंचलिक धरातल
- (C) स्वर्गलोक
- (D) समुद्री द्वीप

१७०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (७०)

- (A) केवल हास्य-परिहास
- (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (C) केवल शृङ्गार
- (D) केवल देव-स्तुति

१७१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (७१)

- (A) निबन्ध-संग्रह
- (B) समालोचना
- (C) उपन्यास
- (D) गीत-संग्रह

१७२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (७२)

- (A) ललित कला अकादेमी
- (B) संगीत नाटक अकादेमी
- (C) मैथिली अकादेमी, पटना
- (D) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास

१७३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (७३)

- (A) राजमहलक जीवन
- (B) नगर-मेला मात्र
- (C) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (D) विदेशी जीवन

१७४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (७४)

- (A) गामक सामाजिक संघर्ष
- (B) अंतरिक्ष कथा
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) दरबारी प्रेम

१७५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (७५)

- (A) कथाक सपना कहेबासँ
- (B) देव-चमत्कार बढेबासँ
- (C) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ
- (D) नायकक राजा बनेबासँ

१७६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (७६)

- (A) केवल देवपुत्र
- (B) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (C) केवल नगरक अधिकारी
- (D) केवल व्यापारी

१७७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (७७)

- (A) वंश-आधारित अधिकार
- (B) श्रम-आधारित न्याय
- (C) अन्यायपूर्ण स्वामित्व
- (D) केवल धन-बल

१७८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाईत अछि? (७८)

- (A) बाल-खेल रूपमे
- (B) दन्तकथा रूपमे
- (C) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे
- (D) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे

१७९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (७९)

- (A) समुद्री द्वीप
- (B) ग्राम्य आंचलिक धरातल
- (C) विदेशी राजधानी
- (D) स्वर्गलोक

१८०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (८०)

- (A) केवल शृङ्गार
- (B) केवल देव-स्तुति
- (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (D) केवल हास्य-परिहास

१८१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (८१)

- (A) गीत-संग्रह
- (B) निबन्ध-संग्रह
- (C) समालोचना
- (D) उपन्यास

१८२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (८२)

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) संगीत नाटक अकादेमी
- (C) ललित कला अकादेमी
- (D) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास

१८३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (८३)

- (A) विदेशी जीवन
- (B) राजमहलक जीवन
- (C) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (D) नगर-मेला मात्र

१८४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (८४)

- (A) गामक सामाजिक संघर्ष
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) अंतरिक्ष कथा
- (D) दरबारी प्रेम

१८५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (८५)

- (A) नायककें राजा बनेबासँ
- (B) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ
- (C) कथाकें सपना कहेबासँ
- (D) देव-चमत्कार बढेबासँ

१८६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (८६)

- (A) केवल व्यापारी
- (B) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (C) केवल नगरक अधिकारी
- (D) केवल देवपुत्र

१८७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (८७)

- (A) श्रम-आधारित न्याय
- (B) केवल धन-बल
- (C) अन्यायपूर्ण स्वामित्व
- (D) वंश-आधारित अधिकार

१८८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाइत अछि? (८८)

- (A) बाल-खेल रूपमे
- (B) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे
- (C) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे
- (D) दन्तकथा रूपमे

१८९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (८९)

- (A) समुद्री द्वीप
- (B) विदेशी राजधानी
- (C) स्वर्गलोक
- (D) ग्राम्य आंचलिक धरातल

१९०. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (९०)

- (A) केवल हास्य-परिहास
- (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था
- (C) केवल शृङ्गार
- (D) केवल देव-स्तुति

१९१. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्र कोन विधाक कृति अछि? (९१)

- (A) निबन्ध-संग्रह
- (B) उपन्यास
- (C) समालोचना
- (D) गीत-संग्रह

१९२. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक पाठ्य-संदर्भमे प्रकाशक रूपमे कोन संस्था उल्लेखित भेटैत अछि? (९२)

- (A) मैथिली अकादेमी, पटना
- (B) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
- (C) ललित कला अकादेमी
- (D) संगीत नाटक अकादेमी

१९३. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक केन्द्र कोन समाजक यथार्थ धरि पहुँचैत अछि? (९३)

- (A) विदेशी जीवन
- (B) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज
- (C) नगर-मेला मात्र
- (D) राजमहलक जीवन

१९४. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक मूल रचनात्मक धरातल की अछि? (९४)

- (A) अंतरिक्ष कथा
- (B) दरबारी प्रेम
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) गामक सामाजिक संघर्ष

१९५. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रमे यथार्थवाद कोना प्रकट होइत अछि? (९५)

- (A) कथाकेँ सपना कहेबासँ
- (B) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ
- (C) नायककेँ राजा बनेबासँ
- (D) देव-चमत्कार बढेबासँ

१९६. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक नामक प्रतीक कोन दिस संकेत करैत अछि? (९६)

- (A) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य
- (B) केवल नगरक अधिकारी
- (C) केवल देवपुत्र
- (D) केवल व्यापारी

१९७. कृति-संदर्भ: कृतिक अध्ययनमे “जमीन ओकरे जे जोतय” सन भाव कोन चेतना सूचित करैत अछि? (९७)

- (A) वंश-आधारित अधिकार
- (B) केवल धन-बल
- (C) श्रम-आधारित न्याय
- (D) अन्यायपूर्ण स्वामित्व

१९८. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-संसारमे प्रशासनिक अनुभवक छाप कोना बुझाईत अछि? (९८)

- (A) केवल पर्यटन-वर्णन रूपमे
- (B) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे
- (C) बाल-खेल रूपमे
- (D) दन्तकथा रूपमे

१९९. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक कथा-स्थानक स्मरणमे “जितपुर मौजा” ककर संकेत करैत अछि? (९९)

- (A) स्वर्गलोक
- (B) समुद्री द्वीप
- (C) विदेशी राजधानी
- (D) ग्राम्य आंचलिक धरातल

२००. कृति-संदर्भ: पृथ्वीपुत्रक विषयगत बल कोन अछि? (१००)

- (A) केवल हास्य-परिहास
- (B) केवल देव-स्तुति
- (C) केवल शृङ्गार
- (D) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था

पात्र-परिवार आ सम्बन्ध

२०१. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (१)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) लोहा सिंह
- (C) हीरालाल
- (D) जंगी पासवान

२०२. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (२)

- (A) जंगबहादुर आ लोहा
- (B) कलपू आ हीरालाल
- (C) घुरन आ बुच्ची
- (D) गेनालाल आ सरूप

२०३. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (३)

- (A) छतर
- (B) कलपू
- (C) गेनमा
- (D) सरूप

२०४. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (४)

- (A) फुलदुलारी
- (B) बिजली
- (C) बेनी
- (D) मालती

२०५. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (५)

- (A) छतर
- (B) रघु
- (C) उमानाथ
- (D) शंकर

२०६. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (६)

- (A) लोहा सिंह
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) घुरन दुसाध
- (D) कल्पनाथ मिश्र

२०७. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (७)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) गेनमा
- (C) छतर
- (D) जंगू

२०८. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (८)

- (A) हीरालाल
- (B) छतर
- (C) लोहा सिंह
- (D) सरूप

२०९. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (९)

- (A) बेनी
- (B) दुर्गी
- (C) सुरती
- (D) बिजली

२१०. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (१०)

- (A) दुर्योधन
- (B) जंगबहादुर
- (C) सरूप
- (D) कलपू

२११. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (११)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) हीरालाल
- (C) जंगी पासवान
- (D) लोहा सिंह

२१२. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (१२)

- (A) गेनालाल आ सरूप
- (B) कलपू आ हीरालाल
- (C) घुरन आ बुच्ची
- (D) जंगबहादुर आ लोहा

२१३. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (१३)

- (A) सरूप
- (B) छतर
- (C) कलपू
- (D) गेनमा

२१४. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (१४)

- (A) फुलदुलारी
- (B) बिजली
- (C) बेनी
- (D) मालती

२१५. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (१५)

- (A) रघु
- (B) शंकर
- (C) छतर
- (D) उमानाथ

२१६. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (१६)

- (A) घुरन दुसाध
- (B) कल्पनाथ मिश्र
- (C) लोहा सिंह
- (D) दुर्योधन सिंह

२१७. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (१७)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) गेनमा
- (C) छतर
- (D) जंगू

२१८. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (१८)

- (A) छतर
- (B) हीरालाल
- (C) लोहा सिंह
- (D) सरूप

२१९. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (१९)

- (A) बिजली
- (B) बेनी
- (C) सुरती
- (D) दुर्गी

२२०. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (२०)

- (A) जंगबहादुर
- (B) कलपू
- (C) सरूप
- (D) दुर्योधन

२२१. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (२१)

- (A) जंगी पासवान
- (B) लोहा सिंह
- (C) हीरालाल
- (D) कलपू मिश्र

२२२. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (२२)

- (A) जंगबहादुर आ लोहा
- (B) गेनालाल आ सरूप
- (C) घुरन आ बुच्ची
- (D) कलपू आ हीरालाल

२२३. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (२३)

- (A) गेनमा
- (B) छतर
- (C) सरूप
- (D) कलपू

२२४. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (२४)

- (A) बेनी
- (B) बिजली
- (C) फुलदुलारी
- (D) मालती

२२५. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (२५)

- (A) शंकर
- (B) छतर
- (C) उमानाथ
- (D) रघु

२२६. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (२६)

- (A) घुरन दुसाध
- (B) लोहा सिंह
- (C) कल्पनाथ मिश्र
- (D) दुर्योधन सिंह

२२७. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (२७)

- (A) गेनमा
- (B) कलपू मिश्र
- (C) छतर
- (D) जंगू

२२८. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (२८)

- (A) छतर
- (B) लोहा सिंह
- (C) हीरालाल
- (D) सरूप

२२९. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (२९)

- (A) बिजली
- (B) बेनी
- (C) सुरती
- (D) दुर्गा

२३०. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (३०)

- (A) सरूप
- (B) दुर्योधन
- (C) कलपू
- (D) जंगबहादुर

२३१. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (३१)

- (A) जंगी पासवान
- (B) कलपू मिश्र
- (C) हीरालाल
- (D) लोहा सिंह

२३२. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (३२)

- (A) जंगबहादुर आ लोहा
- (B) घुरन आ बुच्ची
- (C) गेनालाल आ सरूप
- (D) कलपू आ हीरालाल

२३३. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (३३)

- (A) कलपू
- (B) गेनमा
- (C) छतर
- (D) सरूप

२३४. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (३४)

- (A) फुलदुलारी
- (B) बेनी
- (C) बिजली
- (D) मालती

२३५. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (३५)

- (A) उमानाथ
- (B) शंकर
- (C) रघु
- (D) छतर

२३६. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (३६)

- (A) कल्पनाथ मिश्र
- (B) घुरन दुसाध
- (C) दुर्योधन सिंह
- (D) लोहा सिंह

२३७. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (३७)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) गेनमा
- (C) जंगू
- (D) छतर

२३८. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (३८)

- (A) छतर
- (B) सरूप
- (C) हीरालाल
- (D) लोहा सिंह

२३९. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (३९)

- (A) बेनी
- (B) दुर्गा
- (C) बिजली
- (D) सुरती

२४०. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (४०)

- (A) सरूप
- (B) दुर्योधन
- (C) जंगबहादुर
- (D) कलपू

२४१. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (४१)

- (A) हीरालाल
- (B) लोहा सिंह
- (C) कलपू मिश्र
- (D) जंगी पासवान

२४२. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (४२)

- (A) कलपू आ हीरालाल
- (B) गेनालाल आ सरूप
- (C) घुरन आ बुच्ची
- (D) जंगबहादुर आ लोहा

२४३. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (४३)

- (A) छतर
- (B) सरूप
- (C) गेनमा
- (D) कलपू

२४४. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (४४)

- (A) बेनी
- (B) बिजली
- (C) फुलदुलारी
- (D) मालती

२४५. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (४५)

- (A) रघु
- (B) उमानाथ
- (C) छतर
- (D) शंकर

२४६. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (४६)

- (A) कल्पनाथ मिश्र
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) घुरन दुसाध
- (D) लोहा सिंह

२४७. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (४७)

- (A) छतर
- (B) गेनमा
- (C) कलपू मिश्र
- (D) जंगू

२४८. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (४८)

- (A) छतर
- (B) लोहा सिंह
- (C) हीरालाल
- (D) सरूप

२४९. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (४९)

- (A) बेनी
- (B) बिजली
- (C) दुर्गा
- (D) सुरती

२५०. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (५०)

- (A) जंगबहादुर
- (B) कलपू
- (C) दुर्योधन
- (D) सरूप

२५१. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (५१)

- (A) हीरालाल
- (B) जंगी पासवान
- (C) लोहा सिंह
- (D) कलपू मिश्र

२५२. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (५२)

- (A) गेनालाल आ सरूप
- (B) कलपू आ हीरालाल
- (C) जंगबहादुर आ लोहा
- (D) घुरन आ बुच्ची

२५३. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (५३)

- (A) छतर
- (B) कलपू
- (C) गेनमा
- (D) सरूप

२५४. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (५४)

- (A) बेनी
- (B) मालती
- (C) बिजली
- (D) फुलदुलारी

२५५. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (५५)

- (A) शंकर
- (B) छतर
- (C) रघु
- (D) उमानाथ

२५६. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (५६)

- (A) कल्पनाथ मिश्र
- (B) घुरन दुसाध
- (C) लोहा सिंह
- (D) दुर्योधन सिंह

२५७. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (५७)

- (A) जंगू
- (B) कलपू मिश्र
- (C) छतर
- (D) गेनमा

२५८. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (५८)

- (A) छतर
- (B) लोहा सिंह
- (C) हीरालाल
- (D) सरूप

२५९. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (५९)

- (A) दुर्गी
- (B) सुरती
- (C) बेनी
- (D) बिजली

२६०. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (६०)

- (A) जंगबहादुर
- (B) दुर्योधन
- (C) कलपू
- (D) सरूप

२६१. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (६१)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) हीरालाल
- (C) जंगी पासवान
- (D) लोहा सिंह

२६२. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (६२)

- (A) गेनालाल आ सरूप
- (B) कलपू आ हीरालाल
- (C) घुरन आ बुच्ची
- (D) जंगबहादुर आ लोहा

२६३. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (६३)

- (A) छतर
- (B) गेनमा
- (C) कलपू
- (D) सरूप

२६४. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (६४)

- (A) बिजली
- (B) मालती
- (C) बेनी
- (D) फुलदुलारी

२६५. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (६५)

- (A) रघु
- (B) उमानाथ
- (C) शंकर
- (D) छतर

२६६. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (६६)

- (A) कल्पनाथ मिश्र
- (B) लोहा सिंह
- (C) दुर्योधन सिंह
- (D) घुरन दुसाध

२६७. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (६७)

- (A) गेनमा
- (B) जंगू
- (C) कलपू मिश्र
- (D) छतर

२६८. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (६८)

- (A) सरूप
- (B) हीरालाल
- (C) लोहा सिंह
- (D) छतर

२६९. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (६९)

- (A) दुर्गी
- (B) बेनी
- (C) सुरती
- (D) बिजली

२७०. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (७०)

- (A) दुर्योधन
- (B) कलपू
- (C) जंगबहादुर
- (D) सरूप

२७१. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (७१)

- (A) लोहा सिंह
- (B) हीरालाल
- (C) कलपू मिश्र
- (D) जंगी पासवान

२७२. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (७२)

- (A) कलपू आ हीरालाल
- (B) गेनालाल आ सरूप
- (C) घुरन आ बुच्ची
- (D) जंगबहादुर आ लोहा

२७३. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (७३)

- (A) छतर
- (B) कलपू
- (C) गेनमा
- (D) सरूप

२७४. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (७४)

- (A) बिजली
- (B) फुलदुलारी
- (C) मालती
- (D) बेनी

२७५. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (७५)

- (A) छतर
- (B) शंकर
- (C) रघु
- (D) उमानाथ

२७६. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (७६)

- (A) घुरन दुसाध
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) लोहा सिंह
- (D) कल्पनाथ मिश्र

२७७. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (७७)

- (A) गेनमा
- (B) छतर
- (C) जंगू
- (D) कलपू मिश्र

२७८. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (७८)

- (A) हीरालाल
- (B) छतर
- (C) सरूप
- (D) लोहा सिंह

२७९. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (७९)

- (A) दुर्गी
- (B) बेनी
- (C) सुरती
- (D) बिजली

२८०. पात्र-सम्बन्ध चिन्हू: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (८०)

- (A) कलपू
- (B) जंगबहादुर
- (C) सरूप
- (D) दुर्योधन

२८१. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (८१)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) जंगी पासवान
- (C) हीरालाल
- (D) लोहा सिंह

२८२. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (८२)

- (A) कलपू आ हीरालाल
- (B) गेनालाल आ सरूप
- (C) जंगबहादुर आ लोहा
- (D) घुरन आ बुच्ची

२८३. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (८३)

- (A) कलपू
- (B) गेनमा
- (C) सरूप
- (D) छतर

२८४. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (८४)

- (A) बेनी
- (B) फुलदुलारी
- (C) मालती
- (D) बिजली

२८५. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (८५)

- (A) छतर
- (B) उमानाथ
- (C) रघु
- (D) शंकर

२८६. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (८६)

- (A) लोहा सिंह
- (B) घुरन दुसाध
- (C) कल्पनाथ मिश्र
- (D) दुर्योधन सिंह

२८७. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (८७)

- (A) गेनमा
- (B) छतर
- (C) कलपू मिश्र
- (D) जंगू

२८८. पात्र-सम्बन्ध चिन्हः बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (८८)

- (A) सरूप
- (B) लोहा सिंह
- (C) छतर
- (D) हीरालाल

२८९. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (८९)

- (A) सुरती
- (B) बेनी
- (C) बिजली
- (D) दुर्गी

२९०. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (९०)

- (A) दुर्योधन
- (B) जंगबहादुर
- (C) कलपू
- (D) सरूप

२९१. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक पिताक नाम की देल जाइत अछि? (९१)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) हीरालाल
- (C) जंगी पासवान
- (D) लोहा सिंह

२९२. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखी पासवानक दुनू पुत्रक नाम कोन अछि? (९२)

- (A) जंगबहादुर आ लोहा
- (B) घुरन आ बुच्ची
- (C) कलपू आ हीरालाल
- (D) गेनालाल आ सरूप

२९३. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक बोलचालक नाम की अछि? (९३)

- (A) सरूप
- (B) कलपू
- (C) गेनमा
- (D) छतर

२९४. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक बेटी कोन नामसँ कथा-संसारमे प्रसिद्ध अछि? (९४)

- (A) बेनी
- (B) बिजली
- (C) मालती
- (D) फुलदुलारी

२९५. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिसेखीक शिष्य रूपमे ककर नाम उल्लेखित अछि? (९५)

- (A) शंकर
- (B) उमानाथ
- (C) छतर
- (D) रघु

२९६. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक प्रेम-संबंध कोन पात्रसँ जुड़ैत अछि? (९६)

- (A) लोहा सिंह
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) घुरन दुसाध
- (D) कल्पनाथ मिश्र

२९७. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: कल्पनाथ मिश्रक छद्म वा बोलचालक नाम की अछि? (९७)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) जंगू
- (C) छतर
- (D) गेनमा

२९८. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: बिजलीक विवाह कोन व्यक्तिसँ कराओल जाइत अछि? (९८)

- (A) सरूप
- (B) लोहा सिंह
- (C) छतर
- (D) हीरालाल

२९९. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक अर्द्धांगिनी के छलीह? (९९)

- (A) बेनी
- (B) सुरती
- (C) बिजली
- (D) दुर्गी

३००. पात्र-सम्बन्ध चिन्ह: गेनालालक मृत्यु पश्चात् बेनीक विवाह ककरासँ होइत अछि? (१००)

- (A) कलपू
- (B) सरूप
- (C) जंगबहादुर
- (D) दुर्योधन

सरूप: पृथ्वीपुत्र नायक

३०१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (१)

- (A) हीरालाल
- (B) कलपू मिश्र
- (C) सरूप
- (D) बिसेखी

३०२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (२)

- (A) धनक लोभ
- (B) पलायन
- (C) सामन्तक प्रशंसा
- (D) चोरीक विरोध

३०३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (३)

- (A) दरबारी भाट
- (B) कपटपूर्ण व्यापारी
- (C) निष्क्रिय दर्शक
- (D) कर्मवादी सत्पुरुष

३०४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरकें ललकारि कोन कार्यक दिस बढैत अछि? (४)

- (A) दरबार सजबाक
- (B) देश छोड़बाक
- (C) जमीन काटि लेबाक संघर्ष
- (D) गीत गेबाक

३०५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (५)

- (A) देश छोड़ब
- (B) पुरस्कार देब
- (C) हत्या करब
- (D) मौन रहब

३०६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (६)

- (A) दरबारी पुरस्कार
- (B) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष
- (C) केवल विवाह-गीत
- (D) केवल व्यापार

३०७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (७)

- (A) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (B) खेती करबाक प्रसंगमे
- (C) हास्य गीतमे
- (D) गाम छोड़बाक प्रसंगमे

३०८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (८)

- (A) सामन्ती डरक स्वीकार
- (B) विदेशी व्यापारी
- (C) माटिक लालक प्रतिरोध
- (D) अलौकिक देवता

३०९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (९)

- (A) दुश्मनक दृष्टिसँ
- (B) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ
- (C) लाभक वस्तु जकाँ
- (D) व्यापारिक दृष्टिसँ

३१०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (१०)

- (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (B) विदेशी शिक्षा
- (C) राजसी वंश
- (D) अद्भुत चमत्कार

३११. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (११)

- (A) बिसेखी
- (B) सरूप
- (C) कलपू मिश्र
- (D) हीरालाल

३१२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (१२)

- (A) सामन्तक प्रशंसा
- (B) पलायन
- (C) चोरीक विरोध
- (D) धनक लोभ

३१३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (१३)

- (A) कपटपूर्ण व्यापारी
- (B) कर्मवादी सत्पुरुष
- (C) दरबारी भाट
- (D) निष्क्रिय दर्शक

३१४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरकेँ ललकारि कोन कार्यक दिस बढ़ैत अछि? (१४)

- (A) दरबार सजबाक
- (B) जमीन काटि लेबाक संघर्ष
- (C) गीत गेबाक
- (D) देश छोड़बाक

३१५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (१५)

- (A) हत्या करब
- (B) पुरस्कार देब
- (C) देश छोड़ब
- (D) मौन रहब

३१६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (१६)

- (A) केवल व्यापार
- (B) केवल विवाह-गीत
- (C) दरबारी पुरस्कार
- (D) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष

३१७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (१७)

- (A) हास्य गीतमे
- (B) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (C) गाम छोड़बाक प्रसंगमे
- (D) खेती करबाक प्रसंगमे

३१८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (१८)

- (A) सामन्ती डरक स्वीकार
- (B) माटिक लालक प्रतिरोध
- (C) विदेशी व्यापारी
- (D) अलौकिक देवता

३१९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (१९)

- (A) लाभक वस्तु जकाँ
- (B) दुश्मनक दृष्टिसँ
- (C) व्यापारिक दृष्टिसँ
- (D) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ

३२०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (२०)

- (A) राजसी वंश
- (B) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (C) अद्भुत चमत्कार
- (D) विदेशी शिक्षा

३२१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (२१)

- (A) हीरालाल
- (B) सरूप
- (C) बिसेखी
- (D) कलपू मिश्र

३२२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (२२)

- (A) चोरीक विरोध
- (B) धनक लोभ
- (C) पलायन
- (D) सामन्तक प्रशंसा

३२३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (२३)

- (A) निष्क्रिय दर्शक
- (B) कपटपूर्ण व्यापारी
- (C) कर्मवादी सत्पुरुष
- (D) दरबारी भाट

३२४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरकें ललकारि कोन कार्यक दिस बढैत अछि? (२४)

- (A) गीत गेबाक
- (B) दरबार सजबाक
- (C) जमीन काटि लेबाक संघर्ष
- (D) देश छोड़बाक

३२५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (२५)

- (A) मौन रहब
- (B) पुरस्कार देब
- (C) देश छोड़ब
- (D) हत्या करब

३२६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (२६)

- (A) केवल व्यापार
- (B) केवल विवाह-गीत
- (C) दरबारी पुरस्कार
- (D) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष

३२७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (२७)

- (A) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (B) खेती करबाक प्रसंगमे
- (C) हास्य गीतमे
- (D) गाम छोड़बाक प्रसंगमे

३२८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (२८)

- (A) अलौकिक देवता
- (B) माटिक लालक प्रतिरोध
- (C) विदेशी व्यापारी
- (D) सामन्ती डरक स्वीकार

३२९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (२९)

- (A) दुश्मनक दृष्टिसँ
- (B) लाभक वस्तु जकाँ
- (C) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ
- (D) व्यापारिक दृष्टिसँ

३३०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (३०)

- (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (B) अद्भुत चमत्कार
- (C) विदेशी शिक्षा
- (D) राजसी वंश

३३१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (३१)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) सरूप
- (C) हीरालाल
- (D) बिसेखी

३३२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (३२)

- (A) सामन्तक प्रशंसा
- (B) पलायन
- (C) चोरीक विरोध
- (D) धनक लोभ

३३३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (३३)

- (A) दरबारी भाट
- (B) कपटपूर्ण व्यापारी
- (C) निष्क्रिय दर्शक
- (D) कर्मवादी सत्पुरुष

३३४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरकेँ ललकारि कोन कार्यक दिस बढैत अछि? (३४)

- (A) दरबार सजबाक
- (B) गीत गेबाक
- (C) देश छोड़बाक
- (D) जमीन काटि लेबाक संघर्ष

३३५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (३५)

- (A) हत्या करब
- (B) देश छोड़ब
- (C) मौन रहब
- (D) पुरस्कार देब

३३६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (३६)

- (A) केवल व्यापार
- (B) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष
- (C) केवल विवाह-गीत
- (D) दरबारी पुरस्कार

३३७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (३७)

- (A) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (B) गाम छोड़बाक प्रसंगमे
- (C) हास्य गीतमे
- (D) खेती करबाक प्रसंगमे

३३८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (३८)

- (A) विदेशी व्यापारी
- (B) माटिक लालक प्रतिरोध
- (C) सामन्ती डरक स्वीकार
- (D) अलौकिक देवता

३३९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (३९)

- (A) दुश्मनक दृष्टिसँ
- (B) लाभक वस्तु जकाँ
- (C) व्यापारिक दृष्टिसँ
- (D) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ

३४०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (४०)

- (A) विदेशी शिक्षा
- (B) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (C) अद्भुत चमत्कार
- (D) राजसी वंश

३४१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (४१)

- (A) हीरालाल
- (B) बिसेखी
- (C) कलपू मिश्र
- (D) सरूप

३४२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (४२)

- (A) पलायन
- (B) सामन्तक प्रशंसा
- (C) धनक लोभ
- (D) चोरीक विरोध

३४३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (४३)

- (A) दरबारी भाट
- (B) कपटपूर्ण व्यापारी
- (C) निष्क्रिय दर्शक
- (D) कर्मवादी सत्पुरुष

३४४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरकँ ललकारि कोन कार्यक दिस बढैत अछि? (४४)

- (A) देश छोड़बाक
- (B) दरबार सजबाक
- (C) गीत गेबाक
- (D) जमीन काटि लेबाक संघर्ष

३४५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (४५)

- (A) हत्या करब
- (B) मौन रहब
- (C) देश छोड़ब
- (D) पुरस्कार देब

३४६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (४६)

- (A) केवल विवाह-गीत
- (B) केवल व्यापार
- (C) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष
- (D) दरबारी पुरस्कार

३४७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (४७)

- (A) खेती करबाक प्रसंगमे
- (B) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (C) गाम छोड़बाक प्रसंगमे
- (D) हास्य गीतमे

३४८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (४८)

- (A) विदेशी व्यापारी
- (B) माटिक लालक प्रतिरोध
- (C) सामन्ती डरक स्वीकार
- (D) अलौकिक देवता

३४९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (४९)

- (A) व्यापारिक दृष्टिसँ
- (B) लाभक वस्तु जकाँ
- (C) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ
- (D) दुश्मनक दृष्टिसँ

३५०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (५०)

- (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (B) अद्भुत चमत्कार
- (C) विदेशी शिक्षा
- (D) राजसी वंश

३५१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (५१)

- (A) कलपू मिश्र
- (B) बिसेखी
- (C) सरूप
- (D) हीरालाल

३५२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (५२)

- (A) धनक लोभ
- (B) सामन्तक प्रशंसा
- (C) पलायन
- (D) चोरीक विरोध

३५३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (५३)

- (A) निष्क्रिय दर्शक
- (B) कपटपूर्ण व्यापारी
- (C) कर्मवादी सत्पुरुष
- (D) दरबारी भाट

३५४. सरूपक चरित्र: सरूपक जंगबहादुरकेँ ललकारि कोन कार्यक दिस बढ़ैत अछि? (५४)

- (A) देश छोड़बाक
- (B) गीत गेबाक
- (C) दरबार सजबाक
- (D) जमीन काटि लेबाक संघर्ष

३५५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (५५)

- (A) हत्या करब
- (B) पुरस्कार देब
- (C) मौन रहब
- (D) देश छोड़ब

३५६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (५६)

- (A) केवल व्यापार
- (B) दरबारी पुरस्कार
- (C) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष
- (D) केवल विवाह-गीत

३५७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (५७)

- (A) खेती करबाक प्रसंगमे
- (B) गाम छोड़बाक प्रसंगमे
- (C) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (D) हास्य गीतमे

३५८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (५८)

- (A) सामन्ती डरक स्वीकार
- (B) माटिक लालक प्रतिरोध
- (C) विदेशी व्यापारी
- (D) अलौकिक देवता

३५९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (५९)

- (A) दुश्मनक दृष्टिसँ
- (B) लाभक वस्तु जकाँ
- (C) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ
- (D) व्यापारिक दृष्टिसँ

३६०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (६०)

- (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (B) विदेशी शिक्षा
- (C) राजसी वंश
- (D) अद्भुत चमत्कार

३६१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (६१)

- (A) बिसेखी
- (B) कलपू मिश्र
- (C) सरूप
- (D) हीरालाल

३६२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (६२)

- (A) चोरीक विरोध
- (B) धनक लोभ
- (C) सामन्तक प्रशंसा
- (D) पलायन

३६३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (६३)

- (A) कपटपूर्ण व्यापारी
- (B) दरबारी भाट
- (C) कर्मवादी सत्पुरुष
- (D) निष्क्रिय दर्शक

३६४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरक ललकारि कोन कार्यक दिस बढैत अछि? (६४)

- (A) देश छोड़बाक
- (B) जमीन काटि लेबाक संघर्ष
- (C) दरबार सजबाक
- (D) गीत गेबाक

३६५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (६५)

- (A) पुरस्कार देब
- (B) हत्या करब
- (C) देश छोड़ब
- (D) मौन रहब

३६६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (६६)

- (A) केवल विवाह-गीत
- (B) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष
- (C) दरबारी पुरस्कार
- (D) केवल व्यापार

३६७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (६७)

- (A) खेती करबाक प्रसंगमे
- (B) हास्य गीतमे
- (C) गाम छोड़बाक प्रसंगमे
- (D) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी

३६८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (६८)

- (A) विदेशी व्यापारी
- (B) माटिक लालक प्रतिरोध
- (C) अलौकिक देवता
- (D) सामन्ती डरक स्वीकार

३६९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (६९)

- (A) लाभक वस्तु जकाँ
- (B) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ
- (C) व्यापारिक दृष्टिसँ
- (D) दुश्मनक दृष्टिसँ

३७०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (७०)

- (A) विदेशी शिक्षा
- (B) राजसी वंश
- (C) अद्भुत चमत्कार
- (D) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना

३७१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (७१)

- (A) सरूप
- (B) हीरालाल
- (C) बिसेखी
- (D) कलपू मिश्र

३७२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (७२)

- (A) पलायन
- (B) चोरीक विरोध
- (C) सामन्तक प्रशंसा
- (D) धनक लोभ

३७३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (७३)

- (A) दरबारी भाट
- (B) कपटपूर्ण व्यापारी
- (C) कर्मवादी सत्पुरुष
- (D) निष्क्रिय दर्शक

३७४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरकेँ ललकारि कोन कार्यक दिस बढैत अछि? (७४)

- (A) देश छोड़बाक
- (B) गीत गेबाक
- (C) जमीन काटि लेबाक संघर्ष
- (D) दरबार सजबाक

३७५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (७५)

- (A) देश छोड़ब
- (B) हत्या करब
- (C) मौन रहब
- (D) पुरस्कार देब

३७६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (७६)

- (A) दरबारी पुरस्कार
- (B) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष
- (C) केवल व्यापार
- (D) केवल विवाह-गीत

३७७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (७७)

- (A) हास्य गीतमे
- (B) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (C) गाम छोड़बाक प्रसंगमे
- (D) खेती करबाक प्रसंगमे

३७८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (७८)

- (A) माटिक लालक प्रतिरोध
- (B) सामन्ती डरक स्वीकार
- (C) अलौकिक देवता
- (D) विदेशी व्यापारी

३७९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (७९)

- (A) व्यापारिक दृष्टिसँ
- (B) दुश्मनक दृष्टिसँ
- (C) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ
- (D) लाभक वस्तु जकाँ

३८०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (८०)

- (A) अद्भुत चमत्कार
- (B) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (C) राजसी वंश
- (D) विदेशी शिक्षा

३८१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (८१)

- (A) सरूप
- (B) कलपू मिश्र
- (C) बिसेखी
- (D) हीरालाल

३८२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (८२)

- (A) सामन्तक प्रशंसा
- (B) चोरीक विरोध
- (C) पलायन
- (D) धनक लोभ

३८३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (८३)

- (A) दरबारी भाट
- (B) कर्मवादी सत्पुरुष
- (C) कपटपूर्ण व्यापारी
- (D) निष्क्रिय दर्शक

३८४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरकेँ ललकारि कोन कार्यक दिस बढैत अछि? (८४)

- (A) दरबार सजबाक
- (B) गीत गेबाक
- (C) देश छोड़बाक
- (D) जमीन काटि लेबाक संघर्ष

३८५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (८५)

- (A) देश छोड़ब
- (B) हत्या करब
- (C) मौन रहब
- (D) पुरस्कार देब

३८६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (८६)

- (A) केवल व्यापार
- (B) केवल विवाह-गीत
- (C) दरबारी पुरस्कार
- (D) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष

३८७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (८७)

- (A) हास्य गीतमे
- (B) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (C) खेती करबाक प्रसंगमे
- (D) गाम छोड़बाक प्रसंगमे

३८८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (८८)

- (A) विदेशी व्यापारी
- (B) अलौकिक देवता
- (C) सामन्ती डरक स्वीकार
- (D) माटिक लालक प्रतिरोध

३८९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (८९)

- (A) लाभक वस्तु जकाँ
- (B) व्यापारिक दृष्टिसँ
- (C) दुश्मनक दृष्टिसँ
- (D) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ

३९०. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (९०)

- (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (B) अद्भुत चमत्कार
- (C) राजसी वंश
- (D) विदेशी शिक्षा

३९१. सरूपक चरित्र: पृथ्वीपुत्र उपन्यासक वास्तविक नायक कोन पात्र मानल गेल अछि? (९१)

- (A) हीरालाल
- (B) कलपू मिश्र
- (C) बिसेखी
- (D) सरूप

३९२. सरूपक चरित्र: सरूपक मूल नैतिक आग्रह की अछि? (९२)

- (A) धनक लोभ
- (B) पलायन
- (C) चोरीक विरोध
- (D) सामन्तक प्रशंसा

३९३. सरूपक चरित्र: सरूपक चरित्रमे कोन गुण प्रमुख कहल गेल? (९३)

- (A) निष्क्रिय दर्शक
- (B) कपटपूर्ण व्यापारी
- (C) दरबारी भाट
- (D) कर्मवादी सत्पुरुष

३९४. सरूपक चरित्र: सरूप जंगबहादुरकेँ ललकारि कोन कार्यक दिस बढ़ैत अछि? (९४)

- (A) दरबार सजबाक
- (B) गीत गेबाक
- (C) जमीन काटि लेबाक संघर्ष
- (D) देश छोड़बाक

३९५. सरूपक चरित्र: दुर्योधन सिंहक व्यवहार पर सरूपक प्रतिक्रिया की अछि? (९५)

- (A) देश छोड़ब
- (B) मौन रहब
- (C) हत्या करब
- (D) पुरस्कार देब

३९६. सरूपक चरित्र: सरूपक क्रान्तिवीर रूप कोन संघर्षसँ जुड़ल अछि? (९६)

- (A) दरबारी पुरस्कार
- (B) केवल व्यापार
- (C) केवल विवाह-गीत
- (D) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष

३९७. सरूपक चरित्र: सरूपक अन्तर्द्वन्द्व कोन ठाम देखाइत अछि? (९७)

- (A) गाम छोड़बाक प्रसंगमे
- (B) हास्य गीतमे
- (C) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी
- (D) खेती करबाक प्रसंगमे

३९८. सरूपक चरित्र: सरूपक सामाजिक अर्थ की अछि? (९८)

- (A) माटिक लालक प्रतिरोध
- (B) विदेशी व्यापारी
- (C) सामन्ती डरक स्वीकार
- (D) अलौकिक देवता

३९९. सरूपक चरित्र: सरूप बेनीकेँ पहिने कोन दृष्टिसँ देखैत अछि? (९९)

- (A) व्यापारिक दृष्टिसँ
- (B) लाभक वस्तु जकाँ
- (C) दुश्मनक दृष्टिसँ
- (D) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ

४००. सरूपक चरित्र: सरूपक पृथ्वीपुत्र रूप मुख्यतः कोन कारणेँ बनैत अछि? (१००)

- (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना
- (B) अद्भुत चमत्कार
- (C) विदेशी शिक्षा
- (D) राजसी वंश

बिजली, बेनी आ स्त्री-पात्र

४०१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (१)

- (A) राज्याभिषेक
- (B) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा
- (C) युद्ध-प्रशिक्षण
- (D) समुद्री यात्रा

४०२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-सामाजिक तनावकेँ उघारैत अछि? (२)

- (A) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव
- (B) गुरु-शिष्य परीक्षा
- (C) राजा-प्रजा उत्सव
- (D) विदेशी-देशी व्यापार

४०३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (३)

- (A) संगीतकार
- (B) पंडित
- (C) रेलवेक पेटमेन
- (D) जमींदार

४०४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (४)

- (A) आश्रम
- (B) विदेश
- (C) राजमहल
- (D) नैहर

४०५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (५)

- (A) प्रेमक निष्कर्षहीनता
- (B) संगीतक अधिकता
- (C) जंगल-वर्णनक कमी
- (D) छन्दक अभाव

४०६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (६)

- (A) गुरुकुल-शिक्षा
- (B) राजनीतिक शासन
- (C) मेला-व्यापार
- (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति

४०७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (७)

- (A) जमींदारक सेनापति
- (B) रेलवे अधिकारी
- (C) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र
- (D) गामक वैद्य

४०८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (८)

- (A) मंडर पांडे
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) लोहा सिंह
- (D) घुरन दुसाध

४०९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमें उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (९)

- (A) गणितीय प्रमाण
- (B) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (C) सैन्य रणनीति
- (D) समुद्री व्यापार

४१०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (१०)

- (A) केवल मौसम
- (B) केवल धन-दौलत
- (C) केवल बीमारी
- (D) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन

४११. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (११)

- (A) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा
- (B) राज्याभिषेक
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) युद्ध-प्रशिक्षण

४१२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-समाजिक तनावकें उघारैत अछि? (१२)

- (A) विदेशी-देशी व्यापार
- (B) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव
- (C) राजा-प्रजा उत्सव
- (D) गुरु-शिष्य परीक्षा

४१३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (१३)

- (A) संगीतकार
- (B) पंडित
- (C) जर्मीदार
- (D) रेलवेक पेटमेन

४१४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (१४)

- (A) आश्रम
- (B) नैहर
- (C) विदेश
- (D) राजमहल

४१५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (१५)

- (A) छन्दक अभाव
- (B) जंगल-वर्णनक कमी
- (C) संगीतक अधिकता
- (D) प्रेमक निष्कर्षहीनता

४१६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (१६)

- (A) राजनीतिक शासन
- (B) मेला-व्यापार
- (C) गुरुकुल-शिक्षा
- (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति

४१७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (१७)

- (A) गामक वैद्य
- (B) जमींदारक सेनापति
- (C) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र
- (D) रेलवे अधिकारी

४१८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (१८)

- (A) घुरन दुसाध
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) लोहा सिंह
- (D) मंडर पांडे

४१९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमँ उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (१९)

- (A) सैन्य रणनीति
- (B) समुद्री व्यापार
- (C) गणितीय प्रमाण
- (D) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय

४२०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (२०)

- (A) केवल मौसम
- (B) केवल बीमारी
- (C) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन
- (D) केवल धन-दौलत

४२१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (२१)

- (A) युद्ध-प्रशिक्षण
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) राज्याभिषेक
- (D) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा

४२२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-सामाजिक तनावकें उघारैत अछि? (२२)

- (A) विदेशी-देशी व्यापार
- (B) दलित-सर्वर्ण सम्बन्धक तनाव
- (C) गुरु-शिष्य परीक्षा
- (D) राजा-प्रजा उत्सव

४२३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (२३)

- (A) रेलवेक पेटमेन
- (B) पंडित
- (C) जमींदार
- (D) संगीतकार

४२४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (२४)

- (A) आश्रम
- (B) राजमहल
- (C) विदेश
- (D) नैहर

४२५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (२५)

- (A) छन्दक अभाव
- (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता
- (C) संगीतक अधिकता
- (D) जंगल-वर्णनक कमी

४२६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (२६)

- (A) राजनीतिक शासन
- (B) मेला-व्यापार
- (C) गुरुकुल-शिक्षा
- (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति

४२७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (२७)

- (A) रेलवे अधिकारी
- (B) जमींदारक सेनापति
- (C) गामक वैद्य
- (D) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र

४२८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (२८)

- (A) घुरन दुसाध
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) मंडर पांडे
- (D) लोहा सिंह

४२९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमँ उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (२९)

- (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (B) गणितीय प्रमाण
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) सैन्य रणनीति

४३०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (३०)

- (A) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन
- (B) केवल धन-दौलत
- (C) केवल बीमारी
- (D) केवल मौसम

४३१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (३१)

- (A) राज्याभिषेक
- (B) समुद्री यात्रा
- (C) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा
- (D) युद्ध-प्रशिक्षण

४३२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-सामाजिक तनावकेँ उघारैत अछि? (३२)

- (A) राजा-प्रजा उत्सव
- (B) विदेशी-देशी व्यापार
- (C) गुरु-शिष्य परीक्षा
- (D) दलित-सर्वर्ण सम्बन्धक तनाव

४३३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (३३)

- (A) पंडित
- (B) रेलवेक पेटमेन
- (C) जमींदार
- (D) संगीतकार

४३४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (३४)

- (A) राजमहल
- (B) नैहर
- (C) विदेश
- (D) आश्रम

४३५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (३५)

- (A) छन्दक अभाव
- (B) संगीतक अधिकता
- (C) जंगल-वर्णनक कमी
- (D) प्रेमक निष्कर्षहीनता

४३६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (३६)

- (A) गुरुकुल-शिक्षा
- (B) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति
- (C) मेला-व्यापार
- (D) राजनीतिक शासन

४३७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (३७)

- (A) जमींदारक सेनापति
- (B) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र
- (C) रेलवे अधिकारी
- (D) गामक वैद्य

४३८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (३८)

- (A) घुरन दुसाध
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) मंडर पांडे
- (D) लोहा सिंह

४३९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमसँ उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (३९)

- (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (B) गणितीय प्रमाण
- (C) सैन्य रणनीति
- (D) समुद्री व्यापार

४४०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (४०)

- (A) केवल धन-दौलत
- (B) केवल बीमारी
- (C) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन
- (D) केवल मौसम

४४१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (४१)

- (A) युद्ध-प्रशिक्षण
- (B) राज्याभिषेक
- (C) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा
- (D) समुद्री यात्रा

४४२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-समाजिक तनावकेँ उधारैत अछि? (४२)

- (A) विदेशी-देशी व्यापार
- (B) राजा-प्रजा उत्सव
- (C) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव
- (D) गुरु-शिष्य परीक्षा

४४३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (४३)

- (A) रेलवेक पेटमेन
- (B) पंडित
- (C) संगीतकार
- (D) जमींदार

४४४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (४४)

- (A) विदेश
- (B) आश्रम
- (C) नैहर
- (D) राजमहल

४४५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (४५)

- (A) जंगल-वर्णनक कमी
- (B) छन्दक अभाव
- (C) प्रेमक निष्कर्षहीनता
- (D) संगीतक अधिकता

४४६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (४६)

- (A) राजनीतिक शासन
- (B) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति
- (C) गुरुकुल-शिक्षा
- (D) मेला-व्यापार

४४७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (४७)

- (A) रेलवे अधिकारी
- (B) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र
- (C) जमींदारक सेनापति
- (D) गामक वैद्य

४४८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (४८)

- (A) लोहा सिंह
- (B) घुरन दुसाध
- (C) मंडर पांडे
- (D) दुर्योधन सिंह

४४९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमें उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (४९)

- (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (B) सैन्य रणनीति
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) गणितीय प्रमाण

४५०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (५०)

- (A) केवल बीमारी
- (B) केवल धन-दौलत
- (C) केवल मौसम
- (D) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन

४५१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (५१)

- (A) समुद्री यात्रा
- (B) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा
- (C) युद्ध-प्रशिक्षण
- (D) राज्याभिषेक

४५२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-समाजिक तनावकें उधारैत अछि? (५२)

- (A) गुरु-शिष्य परीक्षा
- (B) राजा-प्रजा उत्सव
- (C) दलित-सर्वण सम्बन्धक तनाव
- (D) विदेशी-देशी व्यापार

४५३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (५३)

- (A) पंडित
- (B) रेलवेक पेटमेन
- (C) जमींदार
- (D) संगीतकार

४५४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (५४)

- (A) नैहर
- (B) आश्रम
- (C) राजमहल
- (D) विदेश

४५५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (५५)

- (A) छन्दक अभाव
- (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता
- (C) जंगल-वर्णनक कमी
- (D) संगीतक अधिकता

४५६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (५६)

- (A) गुरुकुल-शिक्षा
- (B) मेला-व्यापार
- (C) राजनीतिक शासन
- (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति

४५७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (५७)

- (A) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र
- (B) गामक वैद्य
- (C) जमींदारक सेनापति
- (D) रेलवे अधिकारी

४५८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (५८)

- (A) दुर्योधन सिंह
- (B) मंडर पांडे
- (C) लोहा सिंह
- (D) घुस्न दुसाध

४५९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमँ उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (५९)

- (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (B) समुद्री व्यापार
- (C) सैन्य रणनीति
- (D) गणितीय प्रमाण

४६०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (६०)

- (A) केवल धन-दौलत
- (B) केवल मौसम
- (C) केवल बीमारी
- (D) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन

४६१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (६१)

- (A) राज्याभिषेक
- (B) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) युद्ध-प्रशिक्षण

४६२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-समाजिक तनावकें उघारैत अछि? (६२)

- (A) राजा-प्रजा उत्सव
- (B) दलित-सर्वर्ण सम्बन्धक तनाव
- (C) विदेशी-देशी व्यापार
- (D) गुरु-शिष्य परीक्षा

४६३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (६३)

- (A) पंडित
- (B) रेलवेक पेटमेन
- (C) जमींदार
- (D) संगीतकार

४६४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (६४)

- (A) आश्रम
- (B) विदेश
- (C) राजमहल
- (D) नैहर

४६५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (६५)

- (A) प्रेमक निष्कर्षहीनता
- (B) जंगल-वर्णनक कमी
- (C) संगीतक अधिकता
- (D) छन्दक अभाव

४६६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (६६)

- (A) गुरुकुल-शिक्षा
- (B) राजनीतिक शासन
- (C) मेला-व्यापार
- (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति

४६७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (६७)

- (A) जमींदारक सेनापति
- (B) रेलवे अधिकारी
- (C) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र
- (D) गामक वैद्य

४६८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (६८)

- (A) दुर्योधन सिंह
- (B) घुरन दुसाध
- (C) मंडर पांडे
- (D) लोहा सिंह

४६९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमँ उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (६९)

- (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (B) सैन्य रणनीति
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) गणितीय प्रमाण

४७०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (७०)

- (A) केवल धन-दौलत
- (B) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन
- (C) केवल मौसम
- (D) केवल बीमारी

४७१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (७१)

- (A) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा
- (B) राज्याभिषेक
- (C) समुद्री यात्रा
- (D) युद्ध-प्रशिक्षण

४७२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-समाजिक तनावकें उघारैत अछि? (७२)

- (A) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव
- (B) गुरु-शिष्य परीक्षा
- (C) विदेशी-देशी व्यापार
- (D) राजा-प्रजा उत्सव

४७३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (७३)

- (A) जमींदार
- (B) पंडित
- (C) रेलवेक पेटमेन
- (D) संगीतकार

४७४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (७४)

- (A) राजमहल
- (B) नैहर
- (C) आश्रम
- (D) विदेश

४७५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (७५)

- (A) जंगल-वर्णनक कमी
- (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता
- (C) छन्दक अभाव
- (D) संगीतक अधिकता

४७६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (७६)

- (A) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति
- (B) गुरुकुल-शिक्षा
- (C) मेला-व्यापार
- (D) राजनीतिक शासन

४७७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (७७)

- (A) रेलवे अधिकारी
- (B) जमींदारक सेनापति
- (C) गामक वैद्य
- (D) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र

४७८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (७८)

- (A) घुरन दुसाध
- (B) मंडर पांडे
- (C) दुर्योधन सिंह
- (D) लोहा सिंह

४७९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमँ उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (७९)

- (A) समुद्री व्यापार
- (B) सैन्य रणनीति
- (C) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (D) गणितीय प्रमाण

४८०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (८०)

- (A) केवल धन-दौलत
- (B) केवल मौसम
- (C) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन
- (D) केवल बीमारी

४८१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (८१)

- (A) समुद्री यात्रा
- (B) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा
- (C) राज्याभिषेक
- (D) युद्ध-प्रशिक्षण

४८२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-समाजिक तनावकेँ उघारैत अछि? (८२)

- (A) विदेशी-देशी व्यापार
- (B) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव
- (C) गुरु-शिष्य परीक्षा
- (D) राजा-प्रजा उत्सव

४८३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (८३)

- (A) पंडित
- (B) रेलवेक पेटमेन
- (C) संगीतकार
- (D) जमींदार

४८४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (८४)

- (A) राजमहल
- (B) विदेश
- (C) आश्रम
- (D) नैहर

४८५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (८५)

- (A) जंगल-वर्णनक कमी
- (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता
- (C) छन्दक अभाव
- (D) संगीतक अधिकता

४८६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (८६)

- (A) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति
- (B) मेला-व्यापार
- (C) राजनीतिक शासन
- (D) गुरुकुल-शिक्षा

४८७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (८७)

- (A) जमींदारक सेनापति
- (B) रेलवे अधिकारी
- (C) गामक वैद्य
- (D) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र

४८८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (८८)

- (A) लोहा सिंह
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) मंडर पांडे
- (D) घुरन दुसाध

४८९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमों उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (८९)

- (A) सैन्य रणनीति
- (B) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (C) समुद्री व्यापार
- (D) गणितीय प्रमाण

४९०. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (९०)

- (A) केवल धन-दौलत
- (B) केवल मौसम
- (C) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन
- (D) केवल बीमारी

४९१. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्रक प्रमुख कथा-तनाव कोन अछि? (९१)

- (A) समुद्री यात्रा
- (B) राज्याभिषेक
- (C) युद्ध-प्रशिक्षण
- (D) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा

४९२. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रेम कोन जाति-सामाजिक तनावकें उघारैत अछि? (९२)

- (A) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव
- (B) विदेशी-देशी व्यापार
- (C) गुरु-शिष्य परीक्षा
- (D) राजा-प्रजा उत्सव

४९३. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक पति हीरालाल कोन पेशासँ जुड़ल छथि? (९३)

- (A) पंडित
- (B) जमींदार
- (C) रेलवेक पेटमेन
- (D) संगीतकार

४९४. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजली बार-बार कोन ठाम लौटि अबैत छथि? (९४)

- (A) विदेश
- (B) राजमहल
- (C) आश्रम
- (D) नैहर

४९५. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक प्रसंगमे आलोचक कोन असंगति देखैत छथि? (९५)

- (A) छन्दक अभाव
- (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता
- (C) संगीतक अधिकता
- (D) जंगल-वर्णनक कमी

४९६. स्त्री-पात्र प्रश्न: बेनीक चरित्र कोन सामाजिक उत्तरदायित्वसँ जुड़ल अछि? (९६)

- (A) मेला-व्यापार
- (B) गुरुकुल-शिक्षा
- (C) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति
- (D) राजनीतिक शासन

४९७. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक कथामे कलपू मिश्रक स्थान की अछि? (९७)

- (A) गामक वैद्य
- (B) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र
- (C) रेलवे अधिकारी
- (D) जमींदारक सेनापति

४९८. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक चरित्र पर आघात करयवला सिपाहीक नाम की अछि? (९८)

- (A) लोहा सिंह
- (B) दुर्योधन सिंह
- (C) घुरन दुसाध
- (D) मंडर पांडे

४९९. स्त्री-पात्र प्रश्न: स्त्री-पात्रक माध्यमँ उपन्यास कोन प्रश्न उठबैत अछि? (९९)

- (A) गणितीय प्रमाण
- (B) समुद्री व्यापार
- (C) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय
- (D) सैन्य रणनीति

५००. स्त्री-पात्र प्रश्न: बिजलीक वैवाहिक जीवनक संकटक कारण की अछि? (१००)

- (A) केवल धन-दौलत
- (B) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन
- (C) केवल बीमारी
- (D) केवल मौसम

उत्तरमाला — अध्याय ३ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (D) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
२. (C) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकें नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
३. (A) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
४. (C) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकें स्वर देलनि।
५. (A) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
६. (D) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
७. (D) विश्व-साहित्यक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
८. (D) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बातक संकेत दैत छथि।
९. (C) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकें दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
१०. (C) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
११. (D) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
१२. (D) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकें नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
१३. (B) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
१४. (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकें स्वर देलनि।
१५. (C) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
१६. (B) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
१७. (A) विश्व-साहित्यक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।

१८. (D) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
१९. (B) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
२०. (C) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
२१. (D) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
२२. (B) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकेँ नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
२३. (C) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
२४. (B) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकेँ स्वर देलनि।
२५. (B) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
२६. (B) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
२७. (B) विश्व-साहित्यक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
२८. (A) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
२९. (B) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
३०. (C) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
३१. (C) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
३२. (B) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकेँ नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
३३. (D) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
३४. (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकेँ स्वर देलनि।
३५. (D) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
३६. (B) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
३७. (A) विश्व-साहित्यक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
३८. (D) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
३९. (B) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
४०. (B) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
४१. (A) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
४२. (D) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकेँ नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
४३. (A) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
४४. (D) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकेँ स्वर देलनि।
४५. (A) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
४६. (C) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
४७. (A) विश्व-साहित्यक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
४८. (C) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
४९. (A) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
५०. (C) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
५१. (A) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
५२. (D) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकेँ नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
५३. (D) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।

५४. (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकेँ स्वर देलनि।
५५. (C) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
५६. (C) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
५७. (B) विश्व-साहित्यिक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
५८. (B) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
५९. (A) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
६०. (C) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
६१. (D) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
६२. (A) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकेँ नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
६३. (B) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
६४. (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकेँ स्वर देलनि।
६५. (D) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
६६. (D) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
६७. (A) विश्व-साहित्यिक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
६८. (A) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
६९. (A) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
७०. (A) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
७१. (B) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
७२. (D) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकेँ नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
७३. (A) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
७४. (C) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकेँ स्वर देलनि।
७५. (C) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
७६. (C) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
७७. (A) विश्व-साहित्यिक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
७८. (A) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
७९. (B) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
८०. (B) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
८१. (B) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
८२. (C) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकेँ नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
८३. (D) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
८४. (A) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकेँ स्वर देलनि।
८५. (C) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
८६. (D) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
८७. (D) विश्व-साहित्यिक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
८८. (D) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
८९. (D) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।

१०. (B) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
११. (C) पृथ्वीपुत्र — ललितक रचना-संसारमे पृथ्वीपुत्र उपन्यासक रूपमे चिन्हित अछि।
१२. (A) आधुनिक मैथिली गद्य — ललित आधुनिक मैथिली गद्यकेँ नब धार देनिहार लेखक मानल जाइत छथि।
१३. (D) प्रगतिशील सामाजिक चेतना — हुनक लेखन रूढ़ि-विरोध, नवीनता आ सामाजिक यथार्थ दिस उन्मुख अछि।
१४. (C) ग्राम्य आ उपेक्षित लोकक स्वर — ओ ग्राम्य, सरज, सरल आ उपेक्षित लोकक जीवनकेँ स्वर देलनि।
१५. (D) लगभग तेरह-चौदह वर्ष — उपलब्ध साहित्यिक चर्चा अनुसार हुनक सक्रिय लेखन अवधि सीमित मुदा सघन छल।
१६. (B) नव जमीनक खोज — हुनक कथा-उपन्यासमे नब सामाजिक जमीन आ दृष्टि भेटैत अछि।
१७. (C) विश्व-साहित्यक समकक्ष — आलोचनात्मक चर्चा हुनक गद्य-दृष्टिक व्यापकता देखबैत अछि।
१८. (A) घोर विरोध — ललित रूढ़िक विरोध आ नब बाटक संकेत दैत छथि।
१९. (A) दलित वा पछड़ल लोक — रमजानीकेँ दलित-पछड़ल समाजक वृत्तिचित्रक रूपमे देखल गेल।
१००. (C) जीवन ओ जगतक लेखक — हुनक लेखन जीवन, समाज आ जगतक द्वन्द्वसँ जुड़ल अछि।
१०१. (C) उपन्यास — पृथ्वीपुत्र ललितक उपन्यास अछि।
१०२. (D) मैथिली अकादेमी, पटना — पाठ्य-सूचीमे कृतिक प्रकाशक मैथिली अकादेमी, पटना रूपमे देल भेटैत अछि।
१०३. (B) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज — कृति मिथिलाक माटि-पानिमे बसल उपेक्षित समाज धरि पहुँचैत अछि।
१०४. (A) गामक सामाजिक संघर्ष — उपन्यासक घटना-धरातल गाम, जमीन, श्रम आ समाजक संघर्षसँ जुड़ल अछि।
१०५. (B) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ — उपन्यास सामाजिक ऊँच-नीच, जाति आ वर्ग-विसमता पर प्रकाश दैत अछि।
१०६. (C) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य — शीर्षक धरती, श्रम, जमीन आ लोक-जीवनक संबंध दिस संकेत करैत अछि।
१०७. (A) श्रम-आधारित न्याय — उपन्यासक सामाजिक दिशा श्रम आ न्यायक पक्षमे अछि।
१०८. (C) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे — आलोचना अनुसार लेखक सामाजिक ऊँच-नीचक दर्शनकेँ कल्पनासँ यथार्थ बनबैत छथि।
१०९. (A) ग्राम्य आंचलिक धरातल — जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम आंचलिक मैथिली धरातल बनबैत अछि।
११०. (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था — कृतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल।
१११. (D) उपन्यास — पृथ्वीपुत्र ललितक उपन्यास अछि।
११२. (A) मैथिली अकादेमी, पटना — पाठ्य-सूचीमे कृतिक प्रकाशक मैथिली अकादेमी, पटना रूपमे देल भेटैत अछि।
११३. (B) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज — कृति मिथिलाक माटि-पानिमे बसल उपेक्षित समाज धरि पहुँचैत अछि।
११४. (A) गामक सामाजिक संघर्ष — उपन्यासक घटना-धरातल गाम, जमीन, श्रम आ समाजक संघर्षसँ जुड़ल अछि।
११५. (D) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ — उपन्यास सामाजिक ऊँच-नीच, जाति आ वर्ग-विसमता पर प्रकाश दैत अछि।
११६. (A) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य — शीर्षक धरती, श्रम, जमीन आ लोक-जीवनक संबंध दिस संकेत करैत अछि।
११७. (D) श्रम-आधारित न्याय — उपन्यासक सामाजिक दिशा श्रम आ न्यायक पक्षमे अछि।
११८. (D) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे — आलोचना अनुसार लेखक सामाजिक ऊँच-नीचक दर्शनकेँ कल्पनासँ यथार्थ बनबैत छथि।
११९. (D) ग्राम्य आंचलिक धरातल — जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम आंचलिक मैथिली धरातल बनबैत अछि।
१२०. (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था — कृतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल।
१२१. (C) उपन्यास — पृथ्वीपुत्र ललितक उपन्यास अछि।
१२२. (C) मैथिली अकादेमी, पटना — पाठ्य-सूचीमे कृतिक प्रकाशक मैथिली अकादेमी, पटना रूपमे देल भेटैत अछि।
१२३. (C) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज — कृति मिथिलाक माटि-पानिमे बसल उपेक्षित समाज धरि पहुँचैत अछि।
१२४. (B) गामक सामाजिक संघर्ष — उपन्यासक घटना-धरातल गाम, जमीन, श्रम आ समाजक संघर्षसँ जुड़ल अछि।
१२५. (A) ऊँच-नीच आ वर्ग-विसमता देखेबासँ — उपन्यास सामाजिक ऊँच-नीच, जाति आ वर्ग-विसमता पर प्रकाश दैत अछि।

१२६. (D) माटिसँ जुड़ल श्रमिक मनुष्य — शीर्षक धरती, श्रम, जमीन आ लोक-जीवनक संबंध दिस संकेत करैत अछि।

१२७. (B) श्रम-आधारित न्याय — उपन्यासक सामाजिक दिशा श्रम आ न्यायक पक्षमे अछि।

१२८. (B) समाजक ककृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे — आलोचना अनुसार लेखक सामाजिक ऊँच-नीचक दर्शनकेँ कल्पनासँ यथार्थ बनबैत छथि।

१२९. (C) ग्राम्य आंचलिक धरातल — जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम आंचलिक मैथिली धरातल बनबैत अछि।

१३०. (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था — कृतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल।

૧૩૧. (D) ઉપન્યાસ — પૃથ્વીપુત્ર લલિતક ઉપન્યાસ અછિ।

१३२. (A) मैथिली अकादेमी, पटना — पाठ्य-सूचीमे कृतिक प्रकाशक मैथिली अकादेमी, पटना रूपमे देल भेटैत अछि।

१३३. (A) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज — कति मिथिलाक माटि-पानिमे बसल उपेक्षित समाज धरि पहुँचैत अछि।

१३४. (A) गामक सामाजिक संघर्ष — उपन्यासक घटना-धरातल गाम, जमीन, श्रम आ समाजक संघर्षसँ जुड़ल अछि।

૧૩૫. (A) ઊંચ-નીચ આ વર્ગ-વિસમતા देखेबासँ — उपन्यास सामाजिक उँच-नीच, जाति आ वर्ग-विसमता पर प्रकाश दैत अछि।

૧૩૬. (C) માટિસં જડલ શ્રમિક મનુષ્ય — શીર્ષક ધરતી, શ્રમ, જમીન આ લોક-જીવનક સંબંધ દિસ સંકેત કરૈત અછિ।

१३७. (C) श्रम-आधारित न्याय — उपन्यासक सामाजिक दिशा श्रम आ न्यायक पक्षमे अछि।

१३८. (B) समाजक ककत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे — आलोचना अनुसार लेखक सामाजिक ऊँच-नीचक दर्शनकेँ कल्पनासँ यथार्थ बनबैत छथि।

१३९. (A) ग्राम्य आंचलिक धरातल — जितपुर मौजा आ बबरबन्ना सन नाम आंचलिक मैथिली धरातल बनबैत अछि।

१४०. (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था — कतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल

१४१. (C) उपन्यास — पृथ्वीपुत्र ललितक उपन्यास अछि।

१४२. (D) मैथिली अकादेमी, पटना — पाठ्य-सचीमे कतिक प्रकाशक मैथिली अकादेमी, पटना रूपमे देल भेटैत अछि।

१४३. (A) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज — कति मिथिलाक माटि-पानिमे बसल उपेक्षित समाज धरि पहुँचैत अछि।

१४४. (C) गामक सामाजिक संघर्ष — उपन्यासक घटना-धरातल गाम, जमीन, श्रम आ समाजक संघर्षसँ जुड़ल अछि।

૧૪૫. (B) ઊંચ-નીચ આ વર્ગ-વિસમતા દેખેબાસું — ઉપન્યાસ સામાજિક ઊંચ-નીચ, જાતિ આ વર્ગ-વિસમતા પર પ્રકાશ દેત અછિ।

१४६. (C) माटिसँ जडल श्रमिक मनुष्य — शीर्षक धरती, श्रम, जमीन आ लोक-जीवनक संबंध दिस संकेत करैत अछि।

१४७. (B) श्रम-आधारित न्याय — उपन्यासक सामाजिक दिशा श्रम आ न्यायक पक्षमे अछि।

१४८. (C) समाजक ककृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे — आलोचना अनुसार लेखक सामाजिक ऊँच-नीचक दर्शनकेँ कल्पनासँ यथार्थ बनबैत छथि।

१४९. (B) ग्राम्य आंचलिक धरातल — जितपर मौजा आ बबरबन्ना सन नाम आंचलिक मैथिली धरातल बनबैत अछि।

१५०. (B) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था — कतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल।

१५१. (D) उपन्यास — पथ्वीपत्र ललितक उपन्यास अछि।

१५३. (C) मैथिली अकादेमी, पटना — पाठ्य-सचीमे कतिक प्रकाशक मैथिली अकादेमी, पटना रूपमे देल भेटैत अछि।

१५३. (B) मिथिलाक अन्तिम वर्गक समाज — कति मिथिलाक माटि-पानिमे बसल उपेक्षित समाज धरि पहुँचैत अछि।

१५४. (B) गामक सामाजिक संघर्ष — उपन्यासक घटना-धरातल गाम, जमीन, श्रम आ समाजक संघर्षसँ जडल अछि।

૧૫૫. (A) ઁંચ-નીચ આ વર્ગ-વિસમતા દેખેબાસું — ઉપન્યાસ સામાજિક ઁંચ-નીચ, જાતિ આ વર્ગ-વિસમતા પર પ્રકાશ દૈત અછિ।

१५६. (B) माटिसँ जडल श्रमिक मनष्य — शीर्षक धरती, श्रम, जमीन आ लोक-जीवनक संबंध दिस संकेत करैत अछि।

१५७. (C) श्रम-आधारित न्याय — उपन्यासक सामाजिक दिशा श्रम आ न्यायक पक्षमे अछि।

१५८. (A) समाजक ककत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे — आलोचना अनुसार लेखक सामाजिक ऊँच-नीचक दर्शनकेँ कल्पनासँ यथार्थ बनबैत छथि।

१५९. (C) ग्राम्य आंचलिक धरातल — जितपर मौजा आ बबरबन्ना सन नाम आंचलिक मैथिली धरातल बनबैत अछि।

१६०. (C) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था — कतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल

१६१. (B) उपन्यास — पृथ्वीपत्र ललितक उपन्यास अछि।

- [illegible]

१९८. (B) समाजक कुकृत्य आ वर्ग-दर्शनक रूपमे — आलोचना अनुसार लेखक सामाजिक ऊँच-नीचक दर्शनकेँ कल्पनासँ यथार्थ बनबैत छथि।
१९९. (D) ग्राम्य आंचलिक धरातल — जितपुर मौजा आ बबुरबन्ना सन नाम आंचलिक मैथिली धरातल बनबैत अछि।
२००. (D) समाजक यथार्थवादी व्यवस्था — कृतिक सकारात्मक पक्ष समाजक यथार्थवादी चित्रणमे देखल गेल।
२०१. (D) जंगी पासवान — समीक्षामे बिसेखीकेँ जंगी पासवानक पुत्र कहल गेल अछि।
२०२. (D) गेनालाल आ सरूप — बिसेखीक पुत्र रूपमे गेनालाल आ सरूपक उल्लेख अछि।
२०३. (C) गेनमा — गेनालालकेँ गेनमा सेहो कहल जाइत अछि।
२०४. (B) बिजली — बिसेखीक कन्या बिजली उपन्यासक विचित्र स्त्री-पात्र अछि।
२०५. (A) छतर — बिसेखी अपन पुत्रसभसँ अधिक शिष्य छतरपर विश्वास करैत अछि।
२०६. (D) कल्पनाथ मिश्र — बिजलीक प्रेम कल्पनाथ मिश्र उर्फ कलपू मिश्रसँ बताओल गेल।
२०७. (A) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल जाइत अछि।
२०८. (A) हीरालाल — बिजलीक विवाह रेलवेक पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।
२०९. (A) बेनी — बेनी गेनालालक पत्नी रूपमे उल्लेखित छथि।
२१०. (C) सरूप — परिवारिक सहमति आ उत्तरदायित्वक कारण बेनी सरूपसँ विवाह करैत छथि।
२११. (C) जंगी पासवान — समीक्षामे बिसेखीकेँ जंगी पासवानक पुत्र कहल गेल अछि।
२१२. (A) गेनालाल आ सरूप — बिसेखीक पुत्र रूपमे गेनालाल आ सरूपक उल्लेख अछि।
२१३. (D) गेनमा — गेनालालकेँ गेनमा सेहो कहल जाइत अछि।
२१४. (B) बिजली — बिसेखीक कन्या बिजली उपन्यासक विचित्र स्त्री-पात्र अछि।
२१५. (C) छतर — बिसेखी अपन पुत्रसभसँ अधिक शिष्य छतरपर विश्वास करैत अछि।
२१६. (B) कल्पनाथ मिश्र — बिजलीक प्रेम कल्पनाथ मिश्र उर्फ कलपू मिश्रसँ बताओल गेल।
२१७. (A) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल जाइत अछि।
२१८. (B) हीरालाल — बिजलीक विवाह रेलवेक पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।
२१९. (B) बेनी — बेनी गेनालालक पत्नी रूपमे उल्लेखित छथि।
२२०. (C) सरूप — परिवारिक सहमति आ उत्तरदायित्वक कारण बेनी सरूपसँ विवाह करैत छथि।
२२१. (A) जंगी पासवान — समीक्षामे बिसेखीकेँ जंगी पासवानक पुत्र कहल गेल अछि।
२२२. (B) गेनालाल आ सरूप — बिसेखीक पुत्र रूपमे गेनालाल आ सरूपक उल्लेख अछि।
२२३. (A) गेनमा — गेनालालकेँ गेनमा सेहो कहल जाइत अछि।
२२४. (B) बिजली — बिसेखीक कन्या बिजली उपन्यासक विचित्र स्त्री-पात्र अछि।
२२५. (B) छतर — बिसेखी अपन पुत्रसभसँ अधिक शिष्य छतरपर विश्वास करैत अछि।
२२६. (C) कल्पनाथ मिश्र — बिजलीक प्रेम कल्पनाथ मिश्र उर्फ कलपू मिश्रसँ बताओल गेल।
२२७. (B) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल जाइत अछि।
२२८. (C) हीरालाल — बिजलीक विवाह रेलवेक पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।
२२९. (B) बेनी — बेनी गेनालालक पत्नी रूपमे उल्लेखित छथि।
२३०. (A) सरूप — परिवारिक सहमति आ उत्तरदायित्वक कारण बेनी सरूपसँ विवाह करैत छथि।
२३१. (A) जंगी पासवान — समीक्षामे बिसेखीकेँ जंगी पासवानक पुत्र कहल गेल अछि।
२३२. (C) गेनालाल आ सरूप — बिसेखीक पुत्र रूपमे गेनालाल आ सरूपक उल्लेख अछि।
२३३. (B) गेनमा — गेनालालकेँ गेनमा सेहो कहल जाइत अछि।

- 384

२७०. (D) सरूप — परिवारिक सहमति आ उत्तरदायित्वक कारण बेनी सरूपसँ विवाह करैत छथि।
२७१. (D) जंगी पासवान — समीक्षामे बिसेखीकेँ जंगी पासवानक पुत्र कहल गेल अछि।
२७२. (B) गेनालाल आ सरूप — बिसेखीक पुत्र रूपमे गेनालाल आ सरूपक उल्लेख अछि।
२७३. (C) गेनमा — गेनालालकेँ गेनमा सेहो कहल जाइत अछि।
२७४. (A) बिजली — बिसेखीक कन्या बिजली उपन्यासक विचित्र स्त्री-पात्र अछि।
२७५. (A) छतर — बिसेखी अपन पुत्रसभसँ अधिक शिष्य छतरपर विश्वास करैत अछि।
२७६. (D) कल्पनाथ मिश्र — बिजलीक प्रेम कल्पनाथ मिश्र उर्फ कलपू मिश्रसँ बताओल गेल।
२७७. (D) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल जाइत अछि।
२७८. (A) हीरालाल — बिजलीक विवाह रेलवेक पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।
२७९. (B) बेनी — बेनी गेनालालक पत्नी रूपमे उल्लेखित छथि।
२८०. (C) सरूप — परिवारिक सहमति आ उत्तरदायित्वक कारण बेनी सरूपसँ विवाह करैत छथि।
२८१. (B) जंगी पासवान — समीक्षामे बिसेखीकेँ जंगी पासवानक पुत्र कहल गेल अछि।
२८२. (B) गेनालाल आ सरूप — बिसेखीक पुत्र रूपमे गेनालाल आ सरूपक उल्लेख अछि।
२८३. (B) गेनमा — गेनालालकेँ गेनमा सेहो कहल जाइत अछि।
२८४. (D) बिजली — बिसेखीक कन्या बिजली उपन्यासक विचित्र स्त्री-पात्र अछि।
२८५. (A) छतर — बिसेखी अपन पुत्रसभसँ अधिक शिष्य छतरपर विश्वास करैत अछि।
२८६. (C) कल्पनाथ मिश्र — बिजलीक प्रेम कल्पनाथ मिश्र उर्फ कलपू मिश्रसँ बताओल गेल।
२८७. (C) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल जाइत अछि।
२८८. (D) हीरालाल — बिजलीक विवाह रेलवेक पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।
२८९. (B) बेनी — बेनी गेनालालक पत्नी रूपमे उल्लेखित छथि।
२९०. (D) सरूप — परिवारिक सहमति आ उत्तरदायित्वक कारण बेनी सरूपसँ विवाह करैत छथि।
२९१. (C) जंगी पासवान — समीक्षामे बिसेखीकेँ जंगी पासवानक पुत्र कहल गेल अछि।
२९२. (D) गेनालाल आ सरूप — बिसेखीक पुत्र रूपमे गेनालाल आ सरूपक उल्लेख अछि।
२९३. (C) गेनमा — गेनालालकेँ गेनमा सेहो कहल जाइत अछि।
२९४. (B) बिजली — बिसेखीक कन्या बिजली उपन्यासक विचित्र स्त्री-पात्र अछि।
२९५. (C) छतर — बिसेखी अपन पुत्रसभसँ अधिक शिष्य छतरपर विश्वास करैत अछि।
२९६. (D) कल्पनाथ मिश्र — बिजलीक प्रेम कल्पनाथ मिश्र उर्फ कलपू मिश्रसँ बताओल गेल।
२९७. (A) कलपू मिश्र — कल्पनाथ मिश्रकेँ कलपू मिश्र कहल जाइत अछि।
२९८. (D) हीरालाल — बिजलीक विवाह रेलवेक पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।
२९९. (A) बेनी — बेनी गेनालालक पत्नी रूपमे उल्लेखित छथि।
३००. (B) सरूप — परिवारिक सहमति आ उत्तरदायित्वक कारण बेनी सरूपसँ विवाह करैत छथि।
३०१. (C) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३०२. (D) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३०३. (D) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३०४. (C) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३०५. (C) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।

३०६. (B) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३०७. (A) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३०८. (C) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३०९. (B) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३१०. (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३११. (B) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३१२. (C) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३१३. (B) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३१४. (B) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३१५. (A) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३१६. (D) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३१७. (B) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३१८. (B) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३१९. (D) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३२०. (B) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३२१. (B) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३२२. (A) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३२३. (C) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३२४. (C) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३२५. (D) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३२६. (D) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३२७. (A) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३२८. (B) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३२९. (C) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३३०. (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३३१. (B) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३३२. (C) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३३३. (D) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३३४. (D) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३३५. (A) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३३६. (B) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३३७. (A) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३३८. (B) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३३९. (D) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३४०. (B) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३४१. (D) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।

३४२. (D) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३४३. (D) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३४४. (D) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३४५. (A) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३४६. (C) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३४७. (B) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३४८. (B) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३४९. (C) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३५०. (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३५१. (C) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३५२. (D) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३५३. (C) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३५४. (D) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३५५. (A) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३५६. (C) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३५७. (C) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३५८. (B) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३५९. (C) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३६०. (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३६१. (C) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३६२. (A) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३६३. (C) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३६४. (B) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३६५. (B) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३६६. (B) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३६७. (D) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३६८. (B) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३६९. (B) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३७०. (D) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३७१. (A) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३७२. (B) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३७३. (C) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३७४. (C) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३७५. (B) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३७६. (B) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३७७. (B) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।

३७८. (A) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३७९. (C) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३८०. (B) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३८१. (A) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३८२. (B) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३८३. (B) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३८४. (D) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३८५. (B) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३८६. (D) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३८७. (B) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३८८. (D) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३८९. (D) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
३९०. (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
३९१. (D) सरूप — समीक्षामे सरूपकेँ उपन्यासक वास्तविक नायक कहल गेल।
३९२. (C) चोरीक विरोध — सरूप अपन पिताकेँ चोरी नहि करबाक सपथ खाइत देखि क्रोधित होइत अछि।
३९३. (D) कर्मवादी सत्पुरुष — सरूपकेँ कर्मवादी सत्पुरुषक रूपमे रेखांकित कएल गेल।
३९४. (C) जमीन काटि लेबाक संघर्ष — सरूप गरीबक जमीनक पक्षमे सामन्तक विरोध करैत अछि।
३९५. (C) हत्या करब — बहिनक आँचरपर सिपाहीक हाथ देखिकेँ सरूप ओकर हत्या करैत अछि।
३९६. (D) शोषित समाजक जमीन-संघर्ष — सरूप जमीन आ शोषित समाजक अधिकार लेल भिड़ैत अछि।
३९७. (C) बिजली आ कलपू प्रसंगमे चुप्पी — आलोचक सरूपक चुप्पीकेँ चरित्रक जटिलता मानैत अछि।
३९८. (A) माटिक लालक प्रतिरोध — सरूप धरती, श्रम आ प्रतिरोधक प्रतीक बनैत अछि।
३९९. (D) मातृत्व-सम्मानक दृष्टिसँ — स्रोतमे सरूप भाउजमे मातृत्वक श्रद्धा देखैत अछि।
४००. (A) धरती आ श्रमसँ जुड़ल चेतना — सरूपक शक्ति धरती, श्रम आ सामाजिक न्यायक धरातलसँ बनैत अछि।
४०१. (B) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।
४०२. (A) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलपू प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।
४०३. (C) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।
४०४. (D) नैहर — पति-सान्निध्यसँ बिजली फेर नैहर आबि जाइत अछि।
४०५. (A) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपूक प्रेमकेँ आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।
४०६. (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।
४०७. (C) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।
४०८. (B) दुर्योधन सिंह — दुर्योधन सिंहक दुर्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।
४०९. (B) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।
४१०. (D) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमें विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।
४११. (A) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।
४१२. (B) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलपू प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।
४१३. (D) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।

४१४. (B) नैहर — पति-सान्निध्यसँ बिजली फेर नैहर आबि जाइत अछि।

४१५. (D) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपूक प्रेमकें आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।

४१६. (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।

४१७. (C) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।

४१८. (B) दुर्योधन सिंह — दुर्योधन सिंहक दुर्व्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।

४९९. (D) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।

४२०. (C) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमें विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।

४२१. (D) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

४२२. (B) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलपू प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।

४२३. (A) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।

४२४. (D) नैहर — पति-सान्निध्यसँ बिजली फेर नैहर आबि जाइत अछि।

४२५. (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपुक प्रेमकें आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।

४२६. (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।

४२७. (D) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।

४२८. (B) दर्योधन सिंह — दर्योधन सिंहक दर्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।

४२९. (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।

४३०. (A) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमें विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।

४३१. (C) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

४३२. (D) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलपू प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।

४३३. (B) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।

४३४. (B) नैहर — पति-सान्निध्यसँ बिजली फेर नैहर आबि जाइत अछि।

४३५. (D) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपक प्रेमकें आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।

४३६. (B) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।

४३७. (B) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।

४३८. (B) दर्योधन सिंह — दर्योधन सिंहक दर्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।

४३९. (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।

४४०. (C) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमें विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।

४४९. (C) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

४४२. (C) दलित-सर्वण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलप प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।

४४३. (A) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।

૪૪૪. (C) નૈહર — પતિ-સાન્નિધ્યસં બિજલી ફેર નૈહર આબિ જાડત અછિ।

૪૪૫. (C) પ્રેમક નિષ્કર્ષહીનતા — બિજલી આ કલપક પ્રેમકેં આલોચનામે નિષ્કર્ષહીન કહલ ગેલ।

४४६. (B) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।

४४७. (B) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।

४४८. (D) दुर्योधन सिंह — दुर्योधन सिंहक दुर्व्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।

४४९. (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।

४५०. (D) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमें विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।

४५९. (B) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

४५२. (C) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलपू प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।

४५३. (B) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।

૪૫૪. (A) નૈહર — પતિ-સાન્નિધ્યસં બિજલી ફેર નૈહર આબિ જાડત અછિ।

४५५. (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपूक प्रेमकें आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।

४५६. (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।

४५७. (A) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।

४५८. (A) दुर्योधन सिंह — दुर्योधन सिंहक दुर्व्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।

४५९. (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।

४६०. (D) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमें विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।

४६१. (B) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

४६२. (B) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलपू प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।

૪૬૩. (B) રેલવેક પેટમેન — બિજલીક વિવાહ રેલવેમે પેટમેન હીરાલાલસँ કરાઓલ ગેલ।

૪૬૪. (D) નૈહર — પતિ-સાન્નિધ્યસં બિજલી ફેર નૈહર આબિ જાડૃત અછિ।

४६५. (A) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपूक प्रेमकें आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।

४६६. (D) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।

४६७. (C) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।

४६८. (A) दुर्योधन सिंह — दुर्योधन सिंहक दुर्व्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।

४६९. (A) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।

४७०. (B) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमें विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।

४७९. (A) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

४७२. (A) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलपू प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।

४७३. (C) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।

४७४. (B) नैहर — पति-सान्निध्यसँ बिजली फेर नैहर आबि जाइत अछि।

४७५. (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपूक प्रेमकें आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।

४७६. (A) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।

४७७. (D) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।

४७८. (C) दुर्योधन सिंह — दुर्योधन सिंहक दुर्व्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।

૪૭૧. (C) મર્યાદા, દેહ, જાતિ આ નિર્ણય — સ્ત્રી-પાત્ર સામાજિક મર્યાદા, દેહ, નિર્ણય આ જાતિ-સંબંધ પર પ્રશ્ન ઊઠાઈ અછી.

४८०. (C) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमें विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।

४८१. (B) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।

४८२. (B) दलित-सवर्ण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलप प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।

४८३. (B) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।

૪૮૪. (D) નૈહર — પતિ-સાન્નિધ્યસં બિજલી ફેર નૈહર આબિ જાડત અછિ।

४८५. (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपक प्रेमकें आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।

४८६. (A) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।
४८७. (D) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।
४८८. (B) दुर्योधन सिंह — दुर्योधन सिंहक दुर्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।
४८९. (B) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।
४९०. (C) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमे विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।
४९१. (D) प्रेम, विवाह आ सामाजिक मर्यादा — बिजलीक कथा प्रेम, विवाह, नैहर, पतिक घर आ मर्यादा-संघर्षसँ जुड़ल अछि।
४९२. (A) दलित-सर्वण सम्बन्धक तनाव — बिजली-कलपू प्रसंग जाति, समाज आ स्त्री-स्वातंत्र्यक प्रश्न उठबैत अछि।
४९३. (C) रेलवेक पेटमेन — बिजलीक विवाह रेलवेमे पेटमेन हीरालालसँ कराओल गेल।
४९४. (D) नैहर — पति-सान्निध्यसँ बिजली फेर नैहर आबि जाइत अछि।
४९५. (B) प्रेमक निष्कर्षहीनता — बिजली आ कलपूक प्रेमकेँ आलोचनामे निष्कर्षहीन कहल गेल।
४९६. (C) पति-मृत्युपछि परिवारिक सहमति — गेनालालक मृत्यु उपरान्त बेनी परिवारिक उत्तरदायित्वमे सरूपसँ विवाह करैत छथि।
४९७. (B) प्रेम-आकर्षणक केन्द्र — कल्पनाथ उर्फ कलपू मिश्र बिजलीक प्रेमक केन्द्र छथि।
४९८. (B) दुर्योधन सिंह — दुर्योधन सिंहक दुर्यवहार सरूपक हिंसक प्रतिक्रिया उत्पन्न करैत अछि।
४९९. (C) मर्यादा, देह, जाति आ निर्णय — स्त्री-पात्र सामाजिक मर्यादा, देह, निर्णय आ जाति-संबंध पर प्रश्न उठबैत अछि।
५००. (B) पति-संबंधमे विश्वास आ प्रेमक टूटन — हीरालालक संग बिजलीक सम्बन्धमे विश्वास, प्रेम आ चरित्र-संदेहक संकट देखाइत अछि।